हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

28 जुलाई, 1998

खण्ड–2, अंक–6

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार 28 जुलाई, 1998

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(6)1
नियम 45(1) के अधीन मेज सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उतर	(6)17
अतारांकित प्र न एवं उतर	(6)28

ध्यानाकर्शण प्रस्तावो इत्यादि की सूचनाएं	(6)36
वाक आउट	(6)47
वर्श 1993–94 के लिए अनुदानो तथा विनियोजनाओ से अधिक मांगो पर चर्चा तथा मतदान	(6)47
वर्श 1998–99 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान	(8)50
बैठक का समय बढाना	(6)77
वर्श 1998–99 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(6)77
बैठक का समय बढाना	(6)89
वर्श 1998–99 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(6)90
बैठक का समय बढाना	(6)97
वर्श 1998–99 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(6)97

बैठक का समय बढाना	(6)113
वर्श 1998–99 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(6)113
बैठक का समय बढाना	(6)116
वर्श 1998–99 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(6)116
बैठक का समय बढाना	(6)125
वर्श 1998–99 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)	(6)125
बिल्ज़ (i) हरियाणा सहकारी सोसायटी (सं ाोधन) विधेयक, 1998 (ii) पंजाब नई राजधानी (परिधि) नियंत्रण (हरियाणा सं ाोधन) विधेयक,1998	 (6)134 (6)136

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 28 जुलाई, 1998

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (प्रो0 छतर सिंह चौहान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उतर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होंगे।

Seepage in Loharu Canal

***757. Sh. Satpal Sangwan:** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the several thousand acreage of land of Achina, Rawaldhi, Loharwala, Khatiwas, Dhikra, Charkhi, Khera, Bura, Biri, Barsana, Manakwas and Ghasola etc. villages has become uncultivable due to the seepage in Loharu Canal; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to make the aforesaid land cultivable?

सिंचाई मंत्री (श्री हर्श कुमार):

(क) जी हां, श्रीमान् जी।

(ख) लोहारु नहर मे रिसाव को कम करने के लिए क्षति ग्रस्त लाइनिंग का काम किया गया। 6500 फुट लाईनिंग रुपये 6 लाख की लागत से पहले ही मरम्मत की जा चुकी है। धन की उपलब्धता पर बाकी बचे कार्य को फेजो मे दो साल के अन्दर अन्दर पूर्ण कर लिया जायेगा। इसके अलावा लोहारु नहर के साथ ''सीपेज ड्रेन'' का निर्माण प्रस्तावित है, ताकि साथ लगते खेतों में रिसाव के पानी का प्रवे ा पर नियंत्रण किया जा सके।

श्री सतपाल सांगवानः स्पीकर साहब, इस पर मेन्टेनैंस का जो काम हुआ है यह बहुत अच्छा हुआ है। मेरी प्रार्थना है कि इसी तरह का मेन्टेनैंस का जो काम अभी बकाया पडा है वह भी कराया जाये क्योंकि इससे पहले इस नहर की आज तक कभी भी मेन्टनैंस वगैरा नही की गई थी और उसमें बडे बडे होल थे इसलिए अब मेरी यही प्रार्थना है कि इसको जल्दी से कम्पलीट कराया जाये।

श्री हर्श कुमारः स्पीकर साहब, ठीक है, हम इस काम को और जल्दी करा देंगे।

श्री अध्यक्षः माननीय मंत्री जी, जब वर्श 1995 मे बाढ आई थी तो उस वक्त उससे दादरी, कलानौर, जीन्द मिसाथल के एरियाज मे काफी हालत खराब हुई थी। वहां पर 10–10 फुट पानी खडा रहा जिस वजह से आज वह जमीन काबिल का त नही रही। सीपेज की वजह से यह सब हुआ है। जुई कैनाल के साथ

लगते एरिया में यह सीपेज की समस्या अधिक बढी है। वर्श 1995–96 मे उस वक्त की सरकार ने मैनुअल लेबर से काम करवाने की बजाये म ीन से करवाया था जिससे वहां सीपेज ज्यादा हो रहा है। क्या अब आप उस काम को दुबारा ठीक ढंग से करायेंगे ताकि सीपेज को रोका जा सके?

श्री हर्श कुमार: अध्यक्ष महोदय, जैसा मैने बताया कि हमने सफाई का काम भाुरु कर किया हुआ है। मेन्टीनैंस का काम चल रहा है। सतपाल सांगवान उस वक्त मेरे साथ थे जब हमने इनके एरियाज का निरीक्षण किया था। जिस ढंग से अब काम हो रहा है उसकी काफी अच्छी प्रोग्रैस है। जहां–जहां पर काम हो रहा है उसकी डिटेलज़ मै आपको भिजवा दूंगा। आप भी इस काम को देख लेना और मै भी स्वयं जाकर देख लूंगा।

Evening College

***671. Sh. Ram Pal Majra:** Will the Minister for Education be pleased to state whether the Evening College of Maharashi Dayanand University, Rohtak has been closed. if so, the reasons thereof?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): जी हां। महर्शि दयानन्द वि वविद्यालय सांध्यकालीन महाविद्यालय, वि वविद्यालय का एक अनुरक्षित महाविद्यालय था। वि वविद्यालय ने यह निरीक्षण करने हेतु कि क्या सांध्यकालीन महाविद्यालय को चालू रखना आर्थिक तथा भौक्षिक दृश्टीकोण से उचित है, वि ोशज्ञ तथा

अनुभवी ि ाक्षको/अधिकारियो की एक समिति का गठन किया। इस समिति ने एक चेतनात्मक सन्तुति की कि इतने बडे खर्चे से सांध्यकालीन महाविद्यालय को चालू रखने का कोई औचित्य नही है और इसे तुरन्त प्रभाव से बन्द किये जाने से कोई अहित नही होगा। वि वविद्यालय के प्राधिकारियो ने तदानुसार निर्णय लिया।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से जानना चाहूंगा कि क्या इस सांध्यकालीन महाविद्यालय मे निरंतर 3 वर्शों से ि ाक्षा ग्रहण करने वालो की संख्या घट रही थी या बढ रही थी? इस प्रकार के और भी बहुत से कालेज है जहां पर बच्चो की संख्या कम है लेकिन वहां पर अभी यह सुविधा उपलब्ध है। फिर इस महाविद्यालय को ही बन्द क्यों किया गया?

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इस महाविद्यालय मे दिन में पढने वाले बच्चो की जो संख्या रही है उसकी 5 प्रति ात से अधिक संख्या सांध्यकालीन कक्षाओ मे बच्चो की नही रही। दिन मे जो लोग मजदूरी करते है या नौकरी करते है उनकी समस्या को ध्यान मे रखते हुए इसे चलाया गया था। यह सुविधा कई और जगहो पर भी है। जैसे पंजाब युनिवर्सिटी में भी सांध्यकालीन एल0 एल0 बी0 व दूसरे कोर्सिज की कक्षाएं लगती है। अध्यक्ष महोदय, बहुत से आई0 ए0 एस0 और बाकी दूसरे लोग उसमे एल0 एल0 बी0 करते है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से यह महा विद्यालय रोहतक युनिवर्सिटी कैम्पस में भी प्रारंभ किया गया था परंतु इस

महाविद्यालय मे नौकरी पे ो वालो की संख्या 5% से अधिक नही थी दूसरे प्राईवेट लोग ज्यादा थे। अध्यक्ष महोदय, श्री माजरा जी ने कहा कि कई जगहो पर इस महाविद्यालय मे पढने वालो की संख्या से कम के भी और महाविद्यालय है। उनकी यह बात बिल्कुल सही है, जैसे दुवलधन मे है, नगीना में है। अध्यक्ष महोदय, नगीना महाविद्यालय मे तो कई बार ऐसी स्थिती होती है कि प्राध्यापको की संख्या छात्रो की संख्या से बढ जाती है। मेवात का इलाका है, मोरनी का इलाका है इन इलाको में भी ऐसे महाविद्यालय है जिनमें छात्रो की संख्या युनिवर्सिटी के कैम्पस मे ंचलने वाले कालेज मे पढने वाले छात्रो की संख्या से कम है फिर भी हम उनको चला रहे है। इन सब के हम जन हित के लिए चला रहे है। परंतु अध्यक्ष महोदय, इस युनिवर्सिटी के कैम्पस में ऐसी कोई आव यकता नही है। अध्यक्ष महोदय, यह कदम एकदम नही उठाया गया बल्कि वहा ंके छात्रो की तरफ से, वहां के लोगो की तरफ से जब इस बारे में बात आई उसके बाद ही इस मामले को युनिवर्सिटी की एग्जीक्यूटीव काउंसिल में रखा गया। उसके बाद अध्यक्ष महोदय, एग्जीक्यूटीव काउंसिल ने एक उपसमिति बनाई। उस उपसमिति ने इन सारी बातो का निरीक्षण किया, जांच की और एक रिपोर्ट प्रस्तुत की कि यहां पर इतने बडे खर्चे से सांध्यकालीन महाविद्यालय चलाने की बजाय इसका समायोजन कैम्पस मे जो बडे कालेज है जिनकी कैपेसिटी बहुत है, छात्र संख्या के हिसाब से अध्यापको के हिसाब से उनमें कर दिया जाए। इसलिए सर, बाद में यह निर्णय लिया गया।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होने अपने जवाब में एक बात कही है कि दुवलधन और नगीना में सांध्यकालीन महाविद्यालय उन इलाको के पिछडेपन को देखते हुए चला रखे है, क्या रोहतक युनिवर्सिटी कैम्पस के सांध्यकालीन महाविद्यालय मे गांव के छात्र पढने के लिए नही आते? अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने कहा कि रोहतक यूनिवर्सिटी कैम्पस के सांध्यकालीन महाविद्यालय में 5% लोग ही ऐसे पढने आते थे जो नौकरी–पे ा वाले थे। मै नही माना कि वहां पर नौकरी पे ो वाले सिर्फ 5% लोग ही पढने आते है, मेरे हिसाब से ज्यादा आते है। फिर इस महाविद्यालय को क्यो बंद किया जा रहा है इस बात पर मंत्री महोदय क्या कुछ रो ानी डालेंगे?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी बलवंत सिंह मायना जी ने गांव के छात्रो के बारे मे जो बात कही है उसके बारे में मै इनको बताना चाहता हूं कि जहां तक उन छात्रो के पढने का सवाल है वे छात्र रात मे पढने के लिए नही आते, वे दिन में ही आते है। अध्यक्ष महोदय, इस महाविद्यालय मे ऐसे छात्रो की संख्या ज्यादा थी जो कई वर्शो से फेल हो रहे थे या किसी और कारण से महाविद्यालय मे रहता चाहते थे। अध्यक्ष महोदय, जब से हमारी सरकार आई है तब से हम इस युनिवर्सिटी के वातावरण को पढाई योग्य और अनु ासित बनाने के लिए लगातार कोि ा ा कर रहे है। अकेले एक संस्थान में 20–22 हजार छात्रो की संख्या है। अध्यक्ष महोदय, हमने इस युनिवर्सिटी

में कोई कालेज बंद नही किया बल्कि जो सांध्यकालीन महाविद्यालय था उसका समायोजन दिन में चलने वाले बडे संस्थान में कर दिया।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय ि ाक्षा मंत्री महोदय ने प्र न के लिखित जवाब में और बाद में जो सप्लीमैंटरी की गई है उसके जवाब में अलग अलग बात कही है। मै आपके द्वारा इनको यह कहना चाहता हूं कि स्वास्थय विभाग, ि ाक्षा विभाग, पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट आदि जनता से जुडे हुए विभाग है। अध्यक्ष महोदय, जो इवनिंग क्लासिज़ बंद की गई है वह इस इलाके के लोगो के साथ द्वेश की भावना के कारण बंद की गई है। श्री राम बिलास भार्मा जी बहुत योग्य मंत्री है इसलिए उनसे मेरी पुरजोर गुजारि ा है कि वे इस पर फिर से गौर करे। उसमें 5% या 10% बच्चो की बात नही है बल्कि यह मामला हमारी भावनाओ से जुडा हुआ है इसलिए इस बारे में क्या वे दोबारा विचार करेंगे।? इसके साथ ही मेरा दूसरा सवाल महिलाओ की ि ाक्षा के बारे में है। यहां पर महिलाओ की चर्चा हो रही है। अग्रसेन कालेज झज्जर के अंदर साईंस की क्लासिज़ चल रही थी वह भी बंद कर दी गई है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर देहात की 100% बच्चियां पढने के लिए देहात से आती है। अध्यक्ष महोदय, मै माननीय ि ाक्षा मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या वे देहात की बच्चियो को साईंस के सब्जैक्ट से अलग रखने की

कुचेश्टा नही कर रहे है? इस बारे में ि ाक्षा मंत्री महोदय थोडा प्रका ा डालें।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय श्री धीरपाल सिंह जी से कहना चाहूंगा कि जो जवाब लिखित रुप में दिया गया है उसके तदानुरुप ही मैने अपनी बात कही है। मै इस बात को फिर दोहराता हूं। झज्जर का वे या कालेज इस सवाल से जुडा हुआ नही है फिर भी मै चौधरी धीरपाल सिंह जी ने जो सवाल पूछा है उसका जवाब दे देता हू। अध्यक्ष महोदय, यूनिवर्सिटी के कुछ नियम होते है उनके अनुसार युनिवर्सिटी हर कालेज का सर्वेक्षण करती है। वै य कालेज झज्जर के बारे में लोगो की ि ाकायत थी कि वहां पर ट्रेंड प्राध्यापक नही है फिर भी वहां पर विज्ञान की क्लासिज चलाई जा रही है। इस बात की जांच करने पर पाया कि वहां पर विज्ञान की कक्षाओ के लिए पर्याप्त स्टाफ नही है इसलिए उन्होने अपनी रिपोर्ट मे इन क्लासो को बंद करने की सिफारि ा की। अध्यक्ष महोदय, फिर भी मै अपने भाई धीरपाल सिंह जी को एडवाईस करुंगा कि वे वहां की मैनेजमैंट से मिल ले और उनसे कहे कि विज्ञान क्लासिज चलाने के लिए वहां पर योग्य प्राध्यापको का प्रबंध करे। उनको आ वासन देता हूं कि यदि मैनेजमैंट ऐसा कर देती है तो हम वहां पर ये क्लासे भ‌ुरु करने के लिए फिर से विचार कर सकते है।

श्री बीजेन्द्र सिंह कादयान: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय ि ाक्षा मंत्री महोदय के नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं कि हमारे यहां थर्मल पावर प्लांट कालोनीज मे एक दस जमा दो का स्कूल है जो कि यह सोच कर खोला गया था कि यहां के इम्पलाईज के बच्चे यहां पर पढ सकेंगे। लेकिन उनको वहां पर यह सुविधा ठीक प्रकार से नही मिल पा रही है क्योंकि यहां पर जो प्रिंसिपल है वह अपनी मनमर्जी करता है। (विघ्न) मै चाहूंगा कि इस स्कूल की चैंकिग की जाए। इसके साथ ही वहां पर एक हाई स्कूल भी है। मै सरकार से निवेदन करुंगा कि उसको दस जमा दो में अपग्रेड किया जाए ताकि इस स्कूल की मोनोपली न रहे। अध्यक्ष महोदय, वहां पर एक डी0 ए0 वी0 स्कूल कांट्रैक्ट बेसिज पर क्लासिज चला रहा है जिससे वहां के बिजली बोर्ड के इम्पलाईज बडे परे ाान है। क्या इस बारे में मंत्री महोदय कोई कार्यवाही करेंगे? (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, हालांकि मेन सवाल से इस सप्लीमैंटरी का कोई संबंध नही है फिर भी मै अपने भाई बिजेन्द्र सिंह कादयान को बताना चाहूंगा कि एच0 एस0 ई0 वी0 कॉलोनी पानीपत के डी0 ए0 वी0 स्कूल के बारे में कुछ ि ाकायतें मुझे भी मिली है और इस बारे मै हम जांच कर रहे है। जांच रिपोर्ट आने के बाद इस पर कार्यवाही करेंगे।

श्री सिरी कृशण हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा मंत्री जी ने बताया है कि युनिवर्सिटी के सांध्यकालीन कालेज के कुछेक

विधार्थी थे जो लगातार फेल होते जा रहे थे इसलिए भी इसको बंद करना पडा। यदि किसी कालेज में 5–7 विधार्थी अपना कोई स्वार्थ पूरा कर रहे है तो उनको निकालने की बजाए इन्होने कालेज ही बन्द कर दिया। अध्यक्ष महोदय, 5–7 विधार्थियो को कॉलेज से निकालने की बजाए कॉलेज को ही बंद कर देना वहां के लोगो को परे ाान करना है। मै आपके माध्यम से माननीय ि ाक्षा मंत्री जी से यह जानकारी चाहूंगा कि इस कालेज को बंद करने की बजाए उन्होने भारारती तत्वो को इस कॉलेज से निकालने की कार्यवाही क्यों नही की?

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मै चौधरी सिरी कृश्ण हुड्डा को बताना चाहूंगा कि यह हमने नही किया है। वैसे इसको बंद करने से 40 लाख रुपये प्रति वर्श के हिसाब से बचत भी हो रही है। अध्यक्ष महोदय, यह मामला कई वर्शो से चल रहा था और डेढ साल पहले ही एग्जिक्यूटिव काउंसिल बनाई गई और उसकी एक उपसमिति की रिपोर्ट के आधार पर ही यह फैसला लिया गया। (विघ्न)

Construction of a Link Road from Village Kailashpur to Sonepat City

***635. Sh. Dev Raj Dewan:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) whether it is a fact that there is no proper link road/passage from village Kailashpur to Sonepat City; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to connect the aforesaid village with Sonepat Bahalgarh road or Sector-15 of Sonepat City?

Public Works Minister (Sh. Dharam Vir Yadav):

(a) Yes, Sir.

(b) There is no such proposal at present.

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के दो गांव है जिनका नाम बईयांपुर खुर्द और कैला ापुर है। वहां पर रास्ता न होने के कारण खेतो मे से होकर मेन सडक पर पहुंचते है जिसकी वजह से वहां पर कभी कभी लडाई भी हो जाती है। मै मंत्री जी से यह कहना चाहूंगा कि इन दोनो गावों का रास्ता जल्दी से जल्दी बनवाया जाए। मंत्री जी यह भी बताएं कि ये रास्ते कब तक बन जाएंगे?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि ये गांव नान–डायेरेक्टरी में आते है। जिन गावों की आबादी 250 से कम हो वहां पर सडके बनाने का कोई प्रबंध नही है।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, बईयांपुर खुर्द गांव की 3000 की आबादी है और कैला ापुर की 400 की आबादी है। मंत्री जी ने कैसे कह दिया कि वहां पर 250 की आबादी नही है।

मेरा इनसे अनुरोध है कि वहां पर जल्दी सडके बनवाये ताकि लोगो को राहत मिले।

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, हम पहले लेटैस्ट पोजी ान की असैसमैंट करवा लेगे और उसके हिसाब से जो भी उचित कार्यवाही होगी उसको हम करेंगे।

Construction of Small Dam on Krishnawati River

***645. Sh. Kailash Chander Sharma:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) whether it is a fact that there is an acute shortage of drinking water in Narnaul Constituency; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct small bandh (Dam)on Krishnawati river at Nangal Choudhary, Maandi and Kojinda villages to solve the problem of the driniking water of the said area?

जन स्वास्थय मंत्री (श्री जगन नाथ):

(क) 26 गावों में कुछ कमी है परन्तु बहुत कमी नही।

(ख) 26 पानी की कमी वाले गावों में जल वितरण में बढौतरी करने का प्रस्ताव है। कृश्णवती एक बरसाती नाला है। इस पर बांध बनाने का कोई प्रस्ताव नही है।

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा: स्पीकर सर, मै नारनौल या महेन्द्रगढ के लिए पीने के पानी की समस्या के बारे में बार बार इसलिए क्वै चन कर रहा हूं क्योंकि वहां पर कोई भी नहर बेस्ड स्कीम नही है। इसलिए वहां पर पीने का पानी या तो टयूबवैल से दिया जाता है या बोरिंग करके दिया जाता है।

श्री अध्यक्ष: भार्मा जी, नारनौल मे तो एक कैनाल बेस्ड स्कीम है।

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा: स्पीकर सर, सिर्फ नारनौल में ही है बाकी उस पूरे इलाके में कहीं पर भी नहर बेस्ड स्कीम नही है। मंत्री जी ने अपनी रिप्लाई में 26 गावो में पीने के पानी की कुछ कमी बतायी है। मै उनसे जानना चाहता हूं कि वे 26 गांव कौन कौन से है? क्या मंत्री जी उन गावों के नाम बताने का कश्ट करेंगे जहां पर पीने के पानी की व्यवस्था बढायी जा रही है।

श्री जगन नाथ: अध्यक्ष महोदय, ये 26 गांव इस प्रकार है:– खतौती कलां, खतौती खुर्द, खोरमा, जख्मी, वशपरोली, नंगल कथा, जैलफ मोहम्मदपुर, डोहर कलां, डोहर खुर्द, गोठ बलवा कलां, गोद बलवा खुर्द, जादूपूर, भांकरी, मकसुसपुर, पचनोटा, मसनोटा, गोलबा, अमरपुर, जोरासी, ताजीपुर, छिलरपो, घटे ार, रसूलपुर, थाने और लुतेफपुर।

श्री नरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोद, मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है और स्वयं माना है कि नारनौल के आस पास के 26

गावों में पीने के पानी की कमी है। इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, अटेली के आस पास के भी कुछ गांवो में ऐसी दिक्कत है। क्या मंत्री जी इन हल्को में कोई कैनाल बेस्ड स्कीम या बोरिंग करके पीने के पानी की सुविधा करने जा रहे है और ये कितने गावों को इस योजना के अंदर ऐसी सुविधा देंगे?

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, इन 26 गावों में से 19 गावों के अंदर तीन योजनाएं बनायी जा रही है जिनका ऐस्टीमेट वगैरह बन चुका है। वे तीनो ही योजनाएं कैनाल बेस्ड होगी। इसके अलावा सात गावों के और ऐस्टीमैंटस तैयार हो रहे है। सन् दो हजार तक हम इन सारे गावों को कवर कर लेंगे। लेकिन भार्मा जी ने जैसे कहा है तो मै इनको बताना चाहूंगा कि इनके हल्के में 93 गांव है और इन 93 गावो मे से 65 गांव ऐसे है जिनमें चालीस लीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से पानी दिया जा रहा है। इसके अलावा आठ गांव ऐसे है जहां पर तीस लीटर प्रति व्यक्ति के पानी दिया जा रहा है। इस तरह से भार्मा जी यह नही कह सकते कि वहां के गावों में पीने का पानी बिल्कल ही नही दिया जा रहा है। 20 लीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से कम पानी कहीं पर नही दिया जा रहा है लेकिन कभी–कभी ऐसा हो जाता है कि बिजली के फेल हो जाने से या दूसरी किसी दिक्कत की वजह से समस्या हो जाती है। अध्यक्ष महोदय, इनका कुछ एरिया पहाडी है हम वहां पर पहाडो के अंदर भी गहराई तक जाकर बोरिंग करके देखते है लेकिन वहां पर पानी कम ही दिखता है और कुछ समय बाद यह

कम पानी भी खत्म हो जाता है लेकिन अध्यक्ष महोदय, सन् दो हजार के बाद हम सभी जगह पर पूरा पानी देंगे।

श्री जय सिंह राणाः स्पीकर सर, मै आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि प्रदे ा मे कितने ऐसे गांव है जिनमें पीने के पानी की सुविधा नही है। सर, मेरे चुनाव क्षेत्र नीलोखेडी मे तीन गांव यानी भुकापुर, बुढेडा और मचताना ऐसे गांव है जिनमें पीने का पानी नही है, क्या मंत्री जी इन गावों को पीने का पानी मुहैया करवाएंगे?

श्री अध्यक्षः आपका यह क्वै चन रैलेवैन्ट नही है, आप बैठे।

श्री कैला ा चन्द्र भार्माः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी जिन गावों में पीने के पानी की कमी बता रहे है, उनमे से दुचाना और डोहर कलां के बारे मे मै उनको बताना चाहता हूं कि वहां पर पानी बहुत नीचे है। जब वहां सरकारी अधिकारी बोरिंग लगाने जाते है तो वह केवल दो सौ फुट तक बोर करके ही अपनी म ीन उखाड लेते है और कह देते है कि वहां पानी नही है। जबकि उन्ही गावों मे जब प्राईवेट आदमियो ने म ीन से चार सौ फुट तक बोरिंग करवाया तो वहा ंपर पानी निकल जाता है। सरकार अधिकारी नीचे तक बोरिंग नही करते और वे पानी की गहराई को नापने में दिक्कत करते है। अध्यक्ष महोदय, इन गावों मे हमने बोर करके चार सौ फुट पर पानी निकाला है और अब इन

दोनो गावों को प्राईवेट पार्टीज द्वारा पीने का पानी दिया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, आप चाहे तो इसकी इंक्वायरी करवा सकते है। सरकारी अधिकारी दो घंटे मे ही अपनी म ीन उखाड कर चले जाते है। अध्यक्ष महोदय, यह हमारी समस्या है।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय, इन सबको चैक करवा लेंगे। बाकी राणा साहब ने जो सवाल किया था उसके बारे मे बताना चाहूंगा कि हम सारे हरियाणा में सभी गावों मे पीने का पानी दे रहे है। कभी किसी गांव में दिक्कत पड जाती है तो वह इसलिए कि या तो नहर में पानी नही होता या बिजली फेल हो जाए तो हम पीने का पानी नही दे पाते वरना तो जहां पर 100 आदमियो की बस्ती है वहां पर भी हम कोि । । कर रहे है कि सभी को पीने का पानी मिले।

श्री जय सिह राणाः मैने जिन गावों के नाम बताए है उनमें आज भी पानी नही है। (इस सवाल का जवाब नही आया।)

श्री जसविन्द्र सिंह सिंधूः अध्यक्ष महोदय, जैसा अभी राणा साहब के सवाल के जवाब में मंत्री महोदय ने बताया कि सभी गावों में पीने का पानी दे रहे है तो मै बताना चाहता हूं कि मेरे हल्के के गुमथला गढी की तीनो पंचायतो डेरा फतेहसिंह, डेरा मदनपुर मे आज भी पीने के पानी का कोई प्रबंध नही है इनके बारे में बताएं कि वहां बोर कब तक लगवा देंगे और पानी कब तक दे देंगे?

श्री जगन नाथ: अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मुझे कोई जानकारी नही है। 26 महीने हो गए है इन 26 महीनो में न इन्होने इस बारे कोई सवाल पूछा, न लिखकर दिया और न कोई कार्यवाही की इसमे तो इनकी खुद की ही लापरवाही है। अगर इन डेरो में पानी की कमी है तो मेरे को इस बारे में लिखकर नोटिस दे, पूरा काम कर देंगे।

Samples of Insecticides

***767. Sh. Narender Singh:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) the number of samples taken by the joint Directors. Agriculture and Additional Directors, Agriculture, who have been appointed as Insecticide Inspectors during the year 1997-98 and 1998-99 i.e. upto 30th June, 1998; and

(b) number of samples taken by the Insecticide Inspectors in the presence of the Joint Directors and Additional Directors during the above said period together with the number of samples out of them which has been certified by the Joint Directors and Additional Directors?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल):

(क) संयुक्त कृशि निदे ाको एवं अपर निदे ाको द्वारा स्वयं कोई नमूने नही लिये गये थे।

(ख) अन्य कीटना ाक निरीक्षको द्वारा भरे गये नमूनो को अपर कृशि निदे ाको/संयुक्त कृशि निदे ाको द्वारा प्रमाणीकरण करने की कोई प्रथा नही है।

फिर भी अपर निदे ाको/संयुक्त कृशि निदे ाको की उपस्थिती मे कीटना ाक निरीक्षको द्वारा भरे गये नमूनो का विवरण इस प्रकार से हैः–

वर्श	भरे गए नमूनो की संख्या
1997–98	133
1998–99	137
(6/98 तक)	

श्री नृपेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होने अपने सवाल के भाग–3 मे कहा है However, the number of samples drawn by the insecticides inspectors in the presence of Additional Directors/Joint Directors of Agriculture are as under. उससे पहले ये कहते है there is no system of certification by Additional Directors/Joint Directors of Agriculture in respect of samples drawn by other insecticides inspectors. मै जानना चाहता हूं कि जब सैम्पल प्रैजैन्स में लिए गए तो सर्टिफिकेट ान न करने के पीछे क्या कारण है?

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, प्रदे ा के अंदर जो कीटना ाक दवाईयां है उनमे किसी प्रकार की कोई खामियां न हो, किसानो को किसी तरीके से उनसे नुकसान न हो, उसके लिए हमारे विभाग ने व्यापक तौर पर अभियान चलाया। अध्यक्ष महोदय, हमारे पास कई दफा फिल्ड से ि ाकायतें आती है कि हमारे निरीक्षक प्रभावी ढंग से कार्यवाही नही करते, इसलिए हम हैड आफिस से ज्वायंट डायरैक्टर और ऐडी ानल डायरैक्टर को भेजा ताकि इनकी देखरेख मे सैम्पल लिये जा सके। हालांकि इनकी उपस्थिति मे निरीक्षण हुआ था लेकिन उसके सर्टीफिकेट के उपर उन्होने हस्ताक्षर क्यों नही किए इस बारे मै इस महान सदन को बताना चाहता हूं। जब हमारे सीनियर आफिसर्ज सैम्पल की देखरेख के लिए जाते है और मामलो मे जब फर्मो के खिलाफ कार्यवाही होती है तो यदि ज्वायंट डायरैक्टर और ऐडी ानल डायरैक्टर ने दस्तखत किए हों तो इनको अदालतो में चक्कर लगाने पडते है जिससे हमारे विभाग की कार्यवाही रुक जाती है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि इनके विभाग ने जो सैम्पल लिये थे उनमें क्या कोई कीटना ाक दवाईयां नकली पाई गई हैं और यदि पाई गई हैं तो उनके खिलाफ क्या कोई केस रजिस्टर किए गए है? क्या मंत्री महोदय के ध्यान में यह बात है कि सरसों की फसल जो पिछली दफा हुई थी उसमें एक जैडीन

और एक मैनक्का जैल दो किस्म की दवाईयां डाली गई थी जिससे उनकी पत्तियां जल गई?

10:00 बजे

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि कैप्टन साहब ने नकली दवाईयो के बारे मे जिक किया है मै उसके बारे में इनको बताना चाहता हूं कि अभी पिछले दिनो निसिंग के अंदर एक आदमी नकली दवाई बेच रहा था, उसके खिलाफ विभाग ने कार्यवाही की है। मै हर वर्श लिए गए सैम्पलज़ के बारे में इस सदन को बता देता हूं। 1996–97 मे विभाग ने 1588 सैम्पलज़ लिए और उनका अनालेसिस करवाया तो उनमें 207 मिक्स ब्रांडिड पाये गये। इनमें से 196 के खिलाफ हमने प्रोसीक्यू ान किया। यह कार्यवाही इंसैक्टिसाईडज 1968 से 1971 के रुलज के तहत की जाती है। जो दवाईयों के सैम्पलज़ मिक्स ब्राडिड पाये जाते है उनके खिलाफ गंभीरता से कार्यवाही की जाती है। कुछ सैम्पलज़ को सैन्ट्रल लैब में भेजा जाता है जहां पर उनको ठीक करार भी दे दिया जाता है। 1998–99 में अभी तक 336 सैम्पलज़ लिये गये है जिनमें से 129 का वि ालेशण करवाया गया है इनमें से 18 सैम्पलज़ मिक्स ब्रांडिड पाये गये है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को और इस सदन को बताना चाहता हूं कि दवाईयों के बारे में हमारा विभाग पूरी तरह से सजग है। पिछले दिनो हमने पूरे विभाग के अधिकारियो की मीटिंग बुलाकर इस बारे में निर्दे ा दिए है कि किसानो से संबंधित जितनी भी

दवाईयां या पैस्टीसाईड है उनका गंभीरता के साथ निरीक्षण करवायें ।

Outstanding Payment of Sugarcane

***631. Shri. Sampat Singh & Krishan Lal:** Will the Minister for Cooperation be pleased to state-

(a) the total quantity of sugarcane crushed by each Cooperative Sugar Mill during the year 1997-98 in the State together with the rate at which it was purchased; and

(b) whether the payment to the farmers who supplied sugarcane during the year referred to in part (a) above is outstanding against the Haryana State Cooperative Sugar Mills; if so, the mill wise details thereof?

Minister of Cooperation (Sh. Narbir Singh): A statement is laid on the table of the House.

STATEMENT

(a) The total quantity of sugarcane crushed by each Cooperative Sugar Mill during 1997-98 is given here as under:-

S. No	Name of Mill	Quantity of cane crushed during the season 1997-98
1	Panipat	10.26
2	Rohtak	20.42
3	Karna	28.62

4	Sonepat	18.00
5	Sahabad	41.42
6	Jind	21.51
7	Palwal	21.76
8	Meham	21.65
9	Kaithal	25.20
10	Bhuna	11.48
	Total	**220.32**

The rate of the cane for different varieties at which the cane was purchased by the Cooperative Sugar Mills is as under:-

Varieties	Rate as per Qtl.
COJ-64 & COH-56	Rs. 82
CO-7717, COH-99 & CO-8436	Rs. 80
Other varieties	Rs. 78

(b) The Karnal, Sonepat, Shahbad, Jind, Palwal, Meham and Kaithal Sugar Mills have made the entire payment of the amount referred to in part (a) The outstanding amount as on 13-7-98 in respect of other Mills is as follows:-

Name of Mill	Amount
Panipat	0.65
Rohtak	0.55
Bhuna	2.43
Total	**3.63**

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि जो गन्ने की बकाया राि ा 3..63 लाख रुपये किसानो को देय है वह बकाया राि ा उनको कब तक दे देंगे तथा उस राि ा पर क्या 15 प्रति ात ब्याज देने का भी प्रावधान है क्योंकि ऐसा हाईकोर्ट का निर्दे ा है?

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, जो सूचना सदन के पटल पर रखी गई है उसमें बकाया राि ा 3.63 लाख दिखाई गई है परन्तु आज तक की पोजी ान यह है कि किसानो की बकाया राि ा 2.81 लाख रुपये बाकी है। सम्पत सिंह जी ने जो 15 प्रति ात ब्याज के बारे में बात की है उसके बारे में बताना चाहता हूं कि जैसे गन्ने का रेट फिक्स किया गया 45 रुपये प्रति क्विंटल और बाद में उसको बढा दिया गया 48.90 पैसे प्रति क्विंटल तो इस बढी हुई राि ा पर तो हम ब्याज दे सकते है परन्तु बकाया राि ा पर ब्याज देने का कोई प्रावधान नही है। जो बकाया राि ा है उसकी पेमैंट जल्दी से जल्दी कर दी जायेगी।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै इंट्रस्ट की बात कर रहा था कि कास्ट आफ प्रोडक ान पर टैक्स लग रहा है तो सेल पर क्यों नही? (विघ्न) कोर्ट केस भी पब्लिक इंट्रस्ट मे नल एंड वाएड कर दिये जाते है। अध्यक्ष महोदय, पब्लिक इंटरैस्ट मे तो बिल्ज वगैरह भी अमैडमैंट की जाती है। मै यह कहना चाहता हूं कि अगर मिल घाटे मे है और वे किसानो को इंटरैस्ट देने की स्थिति मे नही है तो उन किसानो की मदद सरकार को करनी चाहिए। चाहे वह बोनस के रुप मे हो अथवा किसी और तरीके से हो, किसी न किसी तरीके से सरकार को उनकी मदद करनी चाहिए।

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, सरकार तो गन्ने का रेट फिक्स करती है लेकिन जो इन्होने ब्याज देने की बात कही है, मै इन को बताना चाहूंगा कि ब्याज देने का कोई प्रावधान नही है।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि पानीपत भाूगर मिल की तरफ किसानो की पिछले दो सीजन की कुल कितनी रा ि ा बकाया है? दूसरा मेरा मुख्य सवाल यह था कि जब भाूगर मिलो ने गन्ना लेना भाुरु कर दिया था, उस समय सरकार ने गन्ने के रेटस भी फिक्स नही किए थे। बाद में जब रेटस फिक्स किए ग तो प्रति क्विंटल गन्ने के भाव में 18 रुपए का अंतर आया था। मै पूछना चाहता हूं कि किसानो को जो पेमैंट की गई है क्या ये 18 रुपए भी उसमें इन्कल्यूड किए गए थे?

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि पानीपत भूगर मिल में आज के दिन किसानो की कुल एक लाख रुपए का रा ि ा बकाया है तथा किसानो को कोई भी पेमैंट कटौती कर के नही दी जा रही है।

श्री बिजेन्द्र सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, मै भी पानीपत भूगर मिल मे गया था, वे किसानो को कटौती करके कोई पेमैंट नही दे रहे हैं।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि पानीपत भूगर मिल में आज के दिन किसानो की एक लाख रुपये की रा ि ा ही बकाया है जबकि रिप्लाई मे जो आंकडे प्रस्तुत किए गए है, उन के मुताबिक यह रा ि ा 65 लाख रुपये है। कृप्या मंत्री जी स्थिति स्पश्ट करें।

श्री नरबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ठीक फरमा रहे है कि 65 लाख रुपए की रा ि ा द ार्ए गए आंकडो के अनुसार बकाया है, लेकिन यह बकाया रा ि ा तो 13—7—98 को थी। आज के दिन जो किसानो की पानीपत भूगर मिल में रा ि ा बकाया है, वह एक लाख रुपए है।

Providing of Drainage System

***785. Dr. Virender Pal Ahlawat:** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state whether it is a fact that the area between Gochhi and Seria is affected by rainy water every year and farmers of the said area could not sow

their crops for the last three years; if so, the steps taken or proposed to be taken to provide proper drainage system for draining out the rainy water of the aforesaid areas?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): जी हां, श्री मान् जी। सेरिया–गोच्छी पम्प हाउस लिंक ड्रेन योजना स्वीकृत की जा चुकी है। इस योजना पर धन की उपलब्धता प भीघ्र ही कार्य आरम्भ कर दिया जाएगा।

डा0 बीरेन्द्र पाल अहलावत: स्पीकर साहब, मै मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस काम पर कुल कितना पैसा खर्च होगा और यह स्कीम कब तक पूरी हो जाएगी। इसके साथ साथ मै यह भी जानना चाहूंगा कि डीघल और गंगटान साथ साथ लगते गांव है उन गावों में जब भी ज्यादा बरसात होती है तो बरसात का पानी खा होने की समस्या हो जाती है क्याउन गावों से बरसात का पानी निकालने के बारे में महकमे की तरफ से कोई योजना अंडर कंसीड्रेसन है?

श्री हर्श कुमार: अध्यक्ष महोदय, 1995 की बाढ मे बेरी हल्का, रोहतक का इलाका और भिवानी का इलाका काफी प्रभावित हुआ और वहां पर बाढ के कारण काफी नुकसान हुआ। उन इलाको में कही ड्रेन क्षतिग्रस्त हुई, कही माईनर क्षतिग्रस्त हुई और कही पर बाढ का पानी खडा हो गया जिसके कारण उन इलाको में काफी नुकसान हुआ। इस कारण जहां तक मै समझा हूं वह यह है कि हमारी सरकार से पहले की जो सरकारें रही, भाायद

वे किसानो के प्रति उदासीन रही। जितना भी बिगडा हुआ स्ट्रेक्चर था, चाहे वह ड्रेन का था चाहे वह नहरो का था चाहे कही पर सीपेज ठीक न की गई हो या चाहे कही पर बाढ का पानी खडा होने की समस्या हो, उसके बारे में पहले की सरकारो ने कोई ध्यान नही दिया। हमारी सरकार आने के बाद हमने पिछले दो साल के दौरान उन कामो को प्राथमिकता दी। माननीय सदस्य ने इस योजनापर कुल कितना खर्च करने के प्रावधान के बारे में पूछा है मै उनको बताना चाहूंगा कि इस योजना पर 21.15 लाख रुपये खर्च करने का प्रावधान है और 17–4–98 को बाढ नियंत्रण बोर्ड ने इस योजना को स्वीकृत करवाया जा चुका है। हम इस योजना के लिए जो कोि ा ा कर रहे है उससे हमें उम्मीद है कि यह योजना 3–6–99 तक पूरी हो जाएगी।

डा0 बीरेन्द्र पाल अहलावतः स्पीकर साहब, डीघल और गंगटान गावो में बरसात का पानी खडा होने की बहुत भारी समस्या है उस पानी को निकालने के बारे में क्या इनके महकमे के पास कोई योजना अंडर कंसीड्रेसन है?

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, उसके बारे में भी हम सर्वे करवा रहे है। जब उसकी अलाइमैंट नि िचत हो जाएगी तो इस योजना को भी पूरा करवाने की कोि ा ा करेंगे।

श्री सिरी कृश्ण हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, रीठाल और मुंढाल माइनर सरकार ने पिछले साल बनाई उस पर 50 लाख

रुपए खर्च किए गए है लेकिन उस माइनर से रीठाल गांव का पानी निकलने वाला नही है। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उस माइनर को बनाने पर जिन अधिकारियो की वजह से नाजायज पैसा लगाया गया है उनके खिलाफ सरकार क्या कार्यवाही करेगी?

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, उस माना के बारे में एक कमैटी इंक्वायरी कर रही है और उस कमैटी की जो रिपोर्ट आएगी उस पर जो कार्यवाही की जाएगी उसकी रिपोर्ट और कमैटी की रिपोर्ट माननीय सदस्य हुडडा साहब को भिजवा दी जाएगी।

श्री बलवंत सिंहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य डा0 बीरेन्द्र पाल जी ने मेन सवाल मे पूछा है कि पिछले तीन साल से गोच्छी और सेयिा गावो के क्षेत्र के किसान अपनी फसलो की बुवाई नही कर सके है। मै आपके माध्यम से इस बारे में यह जानना चाहता हूं कि जिन दोनो गावो के किसान पिछले तीन साल से फसलो की बुवाई नही कर सके क्या सरकार उन किसानो को मुआवजा देगी? इसके साथ साथ मै यह भी जानना चाहता हूं कि सेरिया गोच्छी पम्प हाउस लिंक ड्रेन योजना को कौन सी ड्रेन के साथ जोडा जाएगा?

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, इस ड्रेन के पम्प हाउस का पानी झज्जर सब ब्रांच मे डाला जाएगा।

डा. वीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जवाब नही आया। मै पूछना चाहता हूं कि क्या इसमें राढाल, कबूलपूर और जुलाना भी भाामिल है या नही। (ाोर एवं विघ्न)

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, जहां तक यह सवाल पूछने की बात है इस बारे में मै कहना चाहूंगा कि जब सवाल पूछने का समय आता है तो ये सवाल भी ठीक तरह से नही पूछे जाते। डा0 वीरेन्द्र पाल जी ने पूछा था कि क्या यह तथ्य है कि गोच्छी तथा सेरिया के बीच का एरिया प्रत्येक वर्श बरसाती पानी से प्रभावित होता है तथा गत तीन वर्शो से उक्त क्षेत्र के किसान अपनी फसलो की बुवाई नही कर सके। यदि हा, तो पूर्वोक्त क्षेत्र से बरसाती पानी के निकासी के लिए उचित निकासी प्रणाली उपलब्ध कराने के लिए क्या पग उठाये गए या उठाए जाने प्रस्तावित है। मै बताना चाहूंगा कि इनका सवाल भी सही नही था क्योंकि जिसका ये जिक कर रहे थे वह माईनर नही है डिस्ट्रीब्यूटरी है। ये सवाल गलत पूछते है लेकिन फिर भी हम मेहनत करके सही जवाब देते है।

डा0 बीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, मै बताना चाहूंगा कि जो सवाल पूछा था वह सही था। इस तरह से कई सवाल थे। हो सकता है कि मेरी गलती से या आफिस की गलती से ऐसा हो गया हो। लेकिन मै मंत्री महोदय को बताना चाहूंगा कि यह 20730 आर0 डी.0 है और इस्माइला डिस्ट्रीब्यूटरी के अंदर है यह जुलाना गांव की जमीन मे है और यह नाला दिवाना गांव

की आबपा ी करता है। लेकिन जैसे मैने पहले कहा कि यह किसी कि गलती से ऐसा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आप बताएं कि जिस गांव मे पिछले तीन चार साल से सिंचाई के लिए एक बून्द पानी न जाये तो उस गांव की क्या हालत होगी? यह आप भी समझ सकते है। मेरा सवाल यह है कि वर्श 1995—96 की बाढ मे जो 20730 आर0 डी0 नाला डैमेज हो गया था, वह कब तक बना देंगे?

श्री हर्श कुमारः मैने पहले भी बताया था कि वर्श 1995—96 मे जो सरकार थी, उसमे इरीगे ान की तरफ सही ध्यान नही दिया। उस सरकार की उदासीनता की वजह से ही हमारी नहरें, नाले, ड्रेने आदि खराब हुए पडे है। अब हमें इन सारे कामो को पूरा करने के लिए धन की कमी आ रही है। हम धीरे धीरे इनको पूरा कर रहे है और उम्मीद है कि दो साल के अंदर अंदर हरियाणा की पूरी टेलो पर पानी पहुंच जाएगा। इसके अलावा जो माइनर है, नाले है या डिस्ट्रीब्यूटरी है उन सब की भी गाद निकालने का काम करके उनकी सफाई आदि कर देंगे। इन दो सालो मे ही जिस नाले का डा0 बीरेन्द्र पाल जी जिक्र कर रहे है, वह भी इनमें भाामिल है।

Treasury Office, Jind

***718. Shri Ram Phal Kundu:** Will the Minister for Finance be pleased to state whether it is a fact that the treasury office and its lock room, Jind are functioning in

separate buildings; if so, the time by which the said office is likely to be shifted in one building?

वित्त मंत्री (श्री चरणदास): यह ठीक है कि खजाना कार्यालय व इसका सुदृढ कक्ष तथा सिंगल लॉक इस समय अलग अलग स्थानो पर कार्य कर रहे है। जब लघु सचिवालय के नये खण्ड का निर्माण होगा तो खजाना कार्यालय का अमला तथा सुदृढ कक्ष एक ही स्थान पर इकट्ठे हो जायेंगे।

श्री रामफल कुण्डु: अध्यक्ष महोदय, जींद के अंदर ट्रेजरी आफिस कही है और डबल लॉक रुम कही है। जब पब्लिक अपने काम के लिए जाती है तो उस वक्त कंसर्ड आफिसर कभी ड्रेजरी आफिस में बैठता है, कभी डबल लॉक रुम में बैठता है, जिसके कारण वह पब्लिक को नही मिल पाता। अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेगे कि इन दोनो आफिसर्ज को एक जगह पर कब तक लायेंगे? वहां पर मिनी सचिवालय पहले से ही जींद मे बना हुआ है।

श्री चरण दास: अध्यक्ष महोदय, हम जल्दी ही जींद के अंदर ट्रेजरी आफिस और डबल लॉक रुम को एक जगह पर लाने का काम करवा देंगे। इस काम के लिए 1546200 रुपये का प्रावधान कर दिया गया है।

श्री राम फल कुण्डु: अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी बतायेंगे कि यह काम कब तक कर दिया जायेगा?

श्री चरण दासः अध्यक्ष महोदय, यह कम बहुत जल्दी कर दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, जो डेट रामफल जी दे देंगे, उस डेट तक काम कर दिया जायेगा।

Distributary from Pal Minor

***703. Sh. Nafe Singh Rathee:** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to off-take a distributary Canal from Pal Minor to village Sohati in District Sonepat; and

(b) if so, the time by which the construction work of the aforesaid distributary is likely to be started/completed?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार):

(क) हां, श्रीमान् जी।

(ख) इस उद्दे य के लिए धन की उपलब्धता के प चात कार्य भुरु किया जाएगा।

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि पाई माईनर से गांव सोहटी तक राजवाह निकालने के लिए धन कब तक उपलब्ध होगा और इस पर कब तक काम भुरु होगा और क्या खर्चा आएगा?

श्री हर्श कुमारः अध्यक्ष महोदय, सोहटी माना आर0 डी0 0 से 135500 तक पाई राजवाह आर0 डी0 53170 से निकाला

जाना है, सरकार ने 30–1–96 को इसके लिए 4.5 लाख रुपये की प्र ाासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। अध्यक्ष महोदय, नई सोहटी माइनर की लम्बाई 4 कि0 मी0 है और इसका भीर्श डिस्चार्ज 5.45 क्यूसिक है, इसके लिए कोई जमीन अधिग्रहण नही की गई है, इसके लिए जमीन लाभान्वित लोगो द्वारा मुफ्त प्रदान की जायेगी। अध्यक्ष महोदय, इस राजवाह से सोनीपत जिले के गांव गोपालपुर, बरोना, सोहटी और पहलादपुर आदि को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी, इससे इन गावो को करीब 100 एकड जमीन सिंचत होगी और वहां के लोगो को लाभ पहुंचेगा, परंतु धन के अभाव के कारण यह योजना अभी तक भुारु नही की जा सकी है। अध्यक्ष महोदय, अब इस राजवाह के लिए सं ाोधित परियोजना अनुमान 18.66 लाख रुपए का बनाया जा चुका है। अध्यक्ष महोदय, इस योजना को भुारु करने के लिए धन आर0 डी0 आई0 एफ0–3 के अंतर्गत उपलब्ध कराया जायेगा, जिससे नाबार्ड द्वारा वित्तिय सहायता अप्रैल, 1997 से मार्च, 1999 तक उपलब्ध है। अध्यक्ष महोदय, नई सोहटी का निर्माण कार्य अनुमानित स्वीकृति मिलने के बाद भुारु कर दिया जायेगा।

श्री अध्यक्ष: अब क्वै चन आवर समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उतर

Physical Education

***746. Shri Jai Singh Rana:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) the classes from which sanctioned posts of Physical Education has been introduced in schools in the State;

(b) the total number of sanctioned posts of Physical Education Teachers in the State together with the number of posts lying vacant amongst them at present; and

(c) the total number of schools in which Physical Education Teachers have not yet been posted in spite of having the subject of Physical Education therein?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) भारीरिक ि ाक्षा विशय हरियाणा राज्य के विद्यालयो में श्रेणी नौंवी से भुरु किया गया है।

(ख) भारीरिक मास्टर (डी0 पी0 ई0) तथा भारीरिक टीचर (पी0 टी0 आई0) के स्वीकृत पदो की संख्या कम ाः 628 और 2658 हैं इन पदो मे से 324 पद भारीरिक मास्टर (डी0 पी0 ई0) और 215 पद भारीरिक टीचर (पी0 टी0 आई0) के वर्तमान समय में खाली पडे है।

(ग) उन विद्यालयो की संख्या जिनमें भारीरिक ि ाक्षा विशय के रुप में है परन्तु भारीरिक मास्टर (डी0 पी0 ई0) व भारीरिक टीचर (पी0 टी0 आई0) नियुक्त नही है उनकी संख्या 228 है।

Rural College of Education, Kaithal

***665. Shri Ram Pal Majra:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the Rural College of Education, Kaithal has been closed; if so, the reasons thereof; and

(b) whether Government intends to re-open the said College?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) कुरुक्षेत्र वि वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा रुरल ि ाक्षण महाविद्यालय, कैथल को भौक्षणिक सत्र 1990–91 से असम्बन्ध (डिसएफीलिएट) कर दिया गया था।

(ख) इस महाविद्यालय को पुनः खोलने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास विचाराधीन नही है।

Setting up of 220 K.V. Sub-Station at Sonepat

***620. Shri Dev Raj Dewan:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal consideration of the Government to set up 220 K.V. Sub-Station at Sonepat; if so, the time by which it is likely to start functioning?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): हां श्रीमान् जी, इस उपकेन्द्र को दिनांक 31–3–1999तक चालू करने की योजना है।

Construction of Roads by H.S.A.M.B

***647. Sh. Kailash Chander Sharma:** Will the Minister of State for Horticulture & Marketing be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the roads from Amarpur t Ramgarh (Rajasthan Border) and from Nayan to Baba Bhaiya up to Ashram. District Mahindergarh?

बागवानी तथा विपणन राज्य मंत्री (श्री जगबीर सिंह मलिक): वर्तमान में, इन सडको का निर्माण सरकार के विचाराधीन नही है।

Retirement Age

***742. Sh. Mani Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to raise the retirement age limit of the State Government employees?

मुख्य मंत्री (श्री ंबंसी लाल): केन्द्रीय सरकार ने अपने कर्मचारियो की सेवा निवृति की आयु 58 वर्श से बढाकर 60 वर्श कर दी है। हरियाणा सरकार द्वारा इस विशय में अभी तक ऐसा कोई निर्णय नही लिया गया है।

Power Projects

***632. Sh. Sampat Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) The total number of Power Projects (Hydro & Thermal) are in the State at present together with the date on which these projects were commissioned;

(b) the generating capacity of each of the project as referred to in part a) above;

(c) the total MW quantity of electricity being generated in the State at present together with per unit generating cost of electricity;

(d) whether electricity is being purchased by HSEB from any other sources; if so, the names thereof and the per unit rate at which it is being purchased; and

(e) the per unit rate being charged for supplying of electricity to Domestic, Agricultural, Commercial and Industrial Sector, separately?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): श्रीमान् जी, एक विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

(क) तथा (ख) राज्य में वर्तमान बिजली परियोजनाओ एवं उनकी चालू होने की तिथियो का विस्तृत ब्यौरा निम्न प्रकार है:–

क0 सं0	नाम	क्षमता	चालू होने की तिथि

			यूनिट–1	यूनिट–2
1 पि चमी यमुना नहर जलीय विद्युत				
	बिजली घर ए	2x8 मैगावाट	29–5–86	13–6–86
	बिजली घर बी	2x8 मैगावाट	15–5–87	1–6–87
	बिजली घर सी	2x8 मैगावाट	27–3–89	18–4–89
कुल 48 मैगावाट				
2 थर्मल पावर स्टे ान, फरीदाबाद				
	यूनिट–1 60 मैगावाट अब क्षमता कम कर दिया गया है	55 मैगावाट	22–11–74	
	यूनिट–2 60 मैगावाट अब क्षमता कम कर दिया गया है	55 मैगावाट	6–3–76	

	यूनिट–3 60 मैगावाट अब क्षमता कम कर दिया गया है	55 मैगावाट	1–4–81	
	कुल 165 मैगावाट			
3 थर्मल पावर स्टे ान, पानीपत				
	यूनिट–1	110 मैगावाट	1–11–79	
	यूनिट–2	110 मैगावाट	27–3–80	
	यूनिट–3	110 मैगावाट	1–11–85	
	यूनिट–4	110 मैगावाट	11–1–87	
	यूनिट–5	210 मैगावाट	28–3–89	
	कुल	**650 मैगावाट**		

	कुल योग	**863 मैगावाट**		

(ग) राज्य में वर्तमान समय मे कुल उत्पादित बिजली तथा इन परियोजनाओ पर पैसो में प्रति युनिट चालू औसतन बिजली उत्पादन लागत निम्न प्रकार हैः–

क0 स0	नाम	प्रतिदिन औसत बिजली उत्पादन/यूनिट लाखो में	प्रति युनिट बिजली दर/पैसो में
1	प चमी यमुना नहर जलीय परियोजना	8.10	77
2	फरीदाबाद थर्मल परियोजना	20.22	204
3	पानीपत थर्मल परियोजना	90.95	185

(घ) बोर्ड विभिन्न केन्द्रीय परियोजनाओ से निम्नलिखित विवरण के अनुसार बिजली कय करता हैः–

क0 स0	परियोजना	पावर प्लांट का नाम	दर पैसो में प्रति यूनिट

1	राश्ट्रीय थर्मल विद्युत निगम	सिंगरौली / यू0 पी0 रिहंद सुपर थर्मल केन्द्र / यू0 पी0 अटा गैस पर आधारित विद्युत परियोजना / राजस्थान औरिया गैस पर आधारित परियोजना / यू0 पी0 दादरी गैस / यू0 पी0 दादरी थर्मल / यू0 पी0 उंचाहार / यू0 पी0	80 163 114 114 124 193 157
2	राश्ट्रीय जलीय बिजली विद्युत निगम	सलाल जलीय परियोजना जम्मू–क मीर / उरी / जम्मू–क मीर बैरासूलजलीय परियोजना / एच0पी0 टनकपुरजलीयपरियोजना / यू0 पी0	55 220 37 138

Malenka Minor

***695. Sh. Bhagi Ram:** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state the date on which the

construction work of the Malenka Minor was started together with the time by which the work of the said minor is likely to be completed?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार): कालेनका माना का कार्य दिसम्बर 1979 के दौरान आरम्भ किया गया था तथा बूर्जी नं0–42000 तक का कार्य 4/1987 तक पूरा हो चुका था। आर्थिक तंगी व मुकदमेबाजी के कारण 10/1996 तक कार्य निलम्बित रहा। बुर्जी नं0–82620 तक मिटटी का भोश कार्य तथा 7 पुलो के निर्माण का कार्य अप्रैल 1997 के अन्त तक पूरा हो चुका था। भोश कार्य धन की उपलब्धता होने पर पूरा कर लिया जाएगा।

Construction of a Rivuet

***786. Dr. Virender Pal Ahawat:** Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state-

(a) whether the Government is aware of the fact that a Rivulet in village Baghpur, district Jhajjar at Moga No. 78957 alongwith left side of J.S.B Canal and parallel to drain No. 8 at time of its desilting; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to construct another Rivulet parallel to the said drain?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार):

(क) हां, श्रीमान् जी।

(ख) इ मोगे को ड्रेन नं0–8 की बाहरी सीमा के किनारे से बदल कर पुनः निर्माण किया गया है।

Recruitment of Police Constables

***788. Capt. Ajay Singh Yadav:**Will the Minister for Home be pleased to state whether any recruitment in Police Department has been made during the period from 1st April, 1996 to date; if so, the category-wise names and addresses of the persons so recruited?

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): 1–4–1996 से आज तक कोई भर्ती नही हुई सिवाय 69 सिपाही अनुग्रह पूर्वक नीति के अन्तर्गत तथा 12 सिपाही न्यायालय के आदे ाानुसार भर्ती किये गये। अनुग्रह पूर्वक नीति के अन्तर्गत भर्ती किये गये 69 सिपाहियो व न्यायालय के आदे ाानुसार 12 सिपाहियो का विवरण सदन के पटल पर रख रखा है।

दिंनांक 1–4–1996 से अब तक अनुग्रहपूर्वक अनुदान नीति के अन्तर्गत भर्ती किये गये 69 उम्मीदवारो की सूची

क0 स0	**उम्मीदवार का नाम व पिता का नाम**	**वर्ग**	**यूनिट**	**पता**
1	वीर सिंह पुत्र स्व0 फतेह सिंह	सामान्य	सोनीपत	गांव गढी खेवा, जिला पानीपत।

2	गीता देवी पुत्री स्व0 श्री रणबीर सिंह	सामान्य	सोनीपत	गांव नारनौंद, जिला हिसार
3	प्रमिला देवी पुत्री स्व0 श्री धर्मबीर	सामान्य	सोनीपत	गांव मकरौली कलां, जिला रोहतक।
4	बीरमति पत्नी स्व0 श्री सतपाल	सामान्य	सोनीपत	गांव काकरोई, जिला सोनीपत।
5	चान्दकौर पत्नी स्व0 श्री कृश्ण चन्द	सामान्य	पानीपत	गांव खानपुर कलां, जिला सोनीपत।
6	निर्मला देवी पत्नी स्व0 श्री विनोद कुमार	सामान्य	पानीपत	गांव मुंडलाना, जिला सोनीपत।
7	गायत्री देवी पत्नी स्व0 श्री विनोद कुमार	सामान्य	पानीपत	गांव बढाना, जिला सोनीपत।

8	सन्तोश कुमारी पत्नी स्व0 श्री धर्म सिंह	सामान्य	पानीपत	गांव मल्लाह माजरा, जिला सोनीपत
9	नवीन कुमार पुत्र स्व0 श्री राम कुमार	सामान्य	पानीपत	म0 नं0 194—आर, भगत नगर, पानीपत
10	उर्मिला देवी पत्नी स्व0 श्री जयप्रका ा	सामान्य	पानीपत	गांव कुलासी, जिला झज्जर
11	हवा कौर पुत्री स्व0 श्री अ ाोक कुमार	सामान्य	रोहतक	गांव गिवाना, जिला सोनीपत।
12	विद्यावती पत्नी स्व0 श्री तबीर सिंह	सामान्य	रोहतक	गांव राजल गढी, जिला सोनीपत
13	तेज सिंह पुत्र स्व0 श्री राजेन्द्र	सामान्य	चतुर्थ वाहिनी	गांव घुसकानी, जिला रोहतक

	सिंह			
14	विनोद कुमार पुत्र स्वं श्री धर्म सिंह	सामान्य	अम्बाला	गांव नसीरपुर, जिला सोनीपत
15	कृश्ण चन्द पुत्र स्व0 श्री रणधीर सिंह	सामान्य	द्वितीय वाहिनी	गांव निजामपुर, जिला सोनीपत
16	सुभाश चन्द पुत्र श्री साधु राम	सामान्य	यमुना नगर	गांव ज्योतिसर, कुरुक्षेत्र
17	करण सिंह पुत्र स्वं श्री सुखबीर सिंह	सामान्य	अम्बाला	गांव पिन्जौर, पंचकूला
18	कृश्ण सिंह पुत्र स्व0 श्री सरण सिंह	यथोपरी	गुडगांव	गांव अदलपूर, महेन्द्रगढ
19	संजय कुमार पुत्र स्व0 श्री वेद प्रका ा	यथोपरी	अम्बाला	गांव फोगट संजरवास, भिवानी

20	संजय कुमार पुत्र स्व0 श्री रोहता ा सिंह	यथोपरी	रेवाडी	गांव जोरा ाी, गुडगांव
21	विनोद कुमार पुत्र स्व0 श्री प्रेम सिंह	यथोपरी	चतुर्थ वाहिनी	गांव बरोना, सोनीपत
22	संजीव कुमार पुत्र स्व.0 श्री नसीब सिंह	यथोपरी	कुरुक्षेत्र	गांव हबतपुर, यमुनानगर
23	हेमराज पुत्र स्व0 श्री ब्रहम सिंह	यथोपरी	गुडगांव	गांव काकरी, फरीदाबाद
24	अजय कुमार पुत्र स्व0 श्री औम प्रका ा	यथोपरी	जी0 आर0 पी	म0 न0 167/27 जवाहर नगर, सोनीपत
25	प्रदीप कुमार पुत्र स्व0 श्री चतर	यथोपरी	चतुर्थ वाहिनी	गांव बडौदा, सोनीपत

	सिंह			
26	अनिल कुमार पुत्र स्व0 श्री बलवान सिंह	यथोपरी	चतुर्थ वाहिनी	गांव मलिक कालौनी, सोनीपत
27	विरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 श्री हुक्म सिंह	यथोपरी	चतुर्थ वाहिनी	गांव सपेरा, जिला सोनीपत
28	विजय पाल पुत्र स्व0 श्री औम प्रका ा	यथोपरी	चतुर्थ वाहिनी	गांव हसनपुर, जिला गुडगांव
29	सुनीता रानी सपुत्री स्व0 श्री राज कुमार	यथोपरी	सिरसा	गांव चेनात, जिला हिसार
30	अ ोक कुमार पुत्र स्व0 श्री रधुबीर सिंह	यथोपरी	हिसार	गांव मोरखडी, रोहतक
31	हरदीप सिह	सामान्य	हिसार	गांव कथूरा,

	पुत्र स्व0 श्री राम कुमार			सोनीपत
32	बिरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 श्री दलबीर सिंह	यथोपरी	जींद	गांव पिलाना, रोहतक
33	सज्जन कुमार पुत्र स्व0 श्री जगदी ा चन्द्र	यथोपरी	कैथल	गांव रिवाडी खेडा, झज्जर
34	रजनी ा कुमार पुत्र स्वं श्री रणबीर सिंह	यथोपरी	जी0 आर पी	गांव झिन्नसाली, सोनीपत
35	देवेन्द्र पाल पुत्र स्व0 श्री रत्न सिंह	सामान्य	प्रथम वाहिनी	गांव सांपली, फतेहगढ साहिब, पंजाब
36	नरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 श्री रणबीर सिंह	सामान्य	गुडगांव	गांव बुटाना, सोनीपत

37	प्रवीण कुमार पुत्र स्व0 श्री रामफल	सामान्य	फरीदाबाद	गांव वीरधाना, झज्जर
38	राजे ा कुमार पुत्र स्व0 श्री कर्म चन्द	पिछडे वर्ग	अम्बाला	म0 नं0 486/5, मोहन नगर, थानेसर, कुरुक्षेत्र
39	गुरदीप सिंह पुत्र स्व0 श्री बलवन्त सिंह	पिछडे वर्ग	अम्बाला	गांव कुलवेरी, करनाल
40	बीरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 श्री सुरजभान	पिछडे वर्ग	गुडगांव	गांव बुलोट, महेन्द्रगढ
41	द र्ाना देवी पत्नी स्व0 श्री लाल चन्द	पिछडे वर्ग	कैथल	गांव धनाना, अम्बाला
42	सु ील कुमार पुत्र स्व0 श्री सूरत राम	पिछडे वर्ग	यमुना नगर	मं0 नं0 18, सैक्टर 20ए, चण्डीगढ

43	संजीव कुमार पुत्र स्व श्री वीरेन्द्र सिंह	पिछडे वर्ग	गुडगांव	गांव भटनागर, रेवाडी
44	अ ाोक कुमार पुत्र स्व0 श्री नर सिंह	पिछडे वर्ग	यमुना नगर	गांव डांडा, कैथल
45	देव कुमार पुत्र स्व0 श्री राजेन्द्र सिंह	पिछडे वर्ग	गुडगांव	गांव भााहबाजपुर, रेवाडी
46	नरेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 श्री जगदी ा प्रसाद	पिछडे वर्ग	गुडगांव	गांव बेहोली, महेन्द्रगढ
47	संदीप कुमार पुत्र स्व0 श्री महासिंह नन्द	पिछडे वर्ग	फरीदाबाद	मकान नं0 705 डबुआ, जिला फरीदाबाद।
48	समे सिंह पुत्र स्व0 श्री रणबीर	पिछडे वर्ग	चतुर्थ वाहिनी	गांव गोकलगढ, रेवाडी

	सिंह			
49	तेजपाल पुत्र स्व0 श्री सिंह राम	पिछडे वर्ग	चतुर्थ वाहिनी	गांव नथौरी बहरोर, अलवर
50	सुरे ा कुमार पुत्र स्व0 श्री मोहिन्द्र सिंह	पिछडे वर्ग	चतुर्थ वाहिनी	गांव कमालपुर, रेवाडी
51	बलवनत सिंह पुत्र स्व0 श्री प्रेम सिंह	पिछडे वर्ग	चतुर्थ वाहिनी	गांव मउडेहराना, नारनौल
52	जितेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 श्री जोरावर सिंह	पिछडे वर्ग	तृतीय वाहिनी	गांव डिचानी, महेन्द्रगढ
53	सुनील कुमार पुत्र स्व0 श्री रिछपाल	पिछडे वर्ग	फरीदाबाद	गांव सतलिप, दादरी गाजियाबाद, यू0 पी0
54	संजय कुमार	यथोपरि	यथोपरि	गांव अटेली,

	पुत्र स्व0 श्री राम चन्द्र			महेन्द्रगढ
55	सत्य प्रका ा	यथोपरि	यथोपरि	मं0 नं0 456, एस जी एम नगर,एन एच 4, फरीदाबाद
56	मंगू राम पुत्र स्वं श्री हरभगवान	यथोपरि	यथोपरि	गांव जाटूसाना, रेवाडी
57	सुरे ा कुमार पुत्र स्व0 श्री देवी दत्त	पिछडा वर्ग	करनाल	गांव सराय औरंगाबाद, झज्जर
58	नरे ा कुमार पुत्र स्व0 श्री गोपी राम	यथोपरि	करनाल	गांव अर्धाना, करनाल
59	जसवन्त सिंह पुत्र स्व0 श्री हरि सिंह	यथोपरि	पंचकूला	मं0 नं0 64／26, ब्रहमनगर, सोनीपत

60	राजे ा कुमार पुत्र स्व0 श्री औम प्रका ा	अनुसूचित जाति	पानीपत	मं0 नं0 201, दौलतपुर महम, जिला रोहतक
61	मनजीत सिंह पुत्र स्व0 श्री राम मूर्ति	यथोपरि	यमुना नगर	गांव गल्लहा, जिला अम्बाला
62	राजबीर सिंह पुत्र स्व0 श्री जगन नाथ	यथोपरि	चतुर्थ वाहिनी	मं0 नं0 31/32, मायापुरी बैंक कालोनी
63	गुरमीत सिंह पुत्र श्री मान सिंह	यथोपरि	यथोपरि	गांव चकरा हीरा, जिला सिरसा
64	चुनी लाल पुत्र स्व0 श्री रणधीर सिंह	यथोपरि	गुडगांव	गांव भगलपुर, जिला रोहतक
65	सुनील कुमार पुत्र स्व0 श्री विजय सिंह	यथोपरि	हिसार	गांव गौड, जिला नारनौल

66	सु ील कुमार पुत्र स्व0 श्री आजादसिंह	यथोपरि	फरीदाबाद	गोब गेट, जिला सोनीपत
67	सुनील कुमार पुत्र स्व0 श्री दयानंद	यथोपरि	यथोपरि	मं0 नं0 176 / 14, सैनीपुरा रोहतक
68	सती ा कुमार पुत्र स्व0 श्री सतपाल	यथोपरि	अम्बाला	गांव लाडवा, जिला झज्जर।
69	अतर सिंह पुत्र स्व0 श्री सोहन लाल	यथोपरि	जी आर पी	गांव बि ाोहा, जिला रेवाडी।

विवरण

12 सिपाहियो की सूची जो 1–4–1996 से आज तक न्यायालय के आदे ाानुसार भर्ती किये गये

क0 सं0	**यूनिट का नाम**	**उम्मीदवार का नाम**	**वर्ग**	**पता**
1	पुलिस अधीक्षक, गुडगांव	श्री सुन्दर पाल पुत्र श्री औम	पिछडे वर्ग	गांव मोला हेरा, जिला

		प्रका ा		गुडगांव
2	पुलिस अधीक्षक नारनौल	श्री दया राम पुत्र श्री मंगतु राम	पिछडे वर्ग	गांव नियामपुर जिला महेन्द्रगढ
3	पुलिस अधीक्षक, कुरुक्षेत्र	श्री गुरबख्भा सिंह पुत्र स्व0 श्री करतार	पिछडे वर्ग	गांव नलवी, जिला कुरुक्षेत्र
4	पुलिस अधीक्षक, रोहतक	श्री राजपाल पुत्र श्री तेलु राम	सामान्य	गांव वैन ी, जिला रोहतक
5	पुलिस अधीक्षक, रोहतक	श्री विजेन्द्र सिंह पुत्र श्री औम प्रका ा	सामान्य	गांव खिडवाली, जिला रोहतक
6	पुलिस अधीक्षक, गुडगांव	श्री सुनील कुमार पुत्र श्री बाल कि ान	सामान्य	गांव पटौदी, जिला गुडगांव
7	पुलिस अधीक्षक, गुडगांव	श्री इन्द्रपाल पुत्र श्री राजपाल	सामान्य	गांव कालीयाका, जिला गुडगांव

8	चतुर्थ वाहिनी, मधुबन	श्री कप्तान सिंह पुत्र श्री दरियाव सिंह	सामान्य	गांव कथूरा, जिला सोनीपत
9	पंचम वाहिनी, मधुबन	श्री जगदी ा पुत्र श्री चेत राम	सामान्य	गांव डीगल, जिला रोहतक
10	पंचम वाहिनी, मधुबन	श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री भाई राम	सामान्य	गांव डीगल, जिला रोहतक
11	पुलिस अधीक्षक, दूरसंचार	श्री भोर सिंह पुत्र श्री मक्खन सिंह	पिछडे वर्ग	गांव निजामपुर, जिला यमुनानगर
12	पुलिस अधीक्षक, दूरसंचार	श्री धर्मपाल पुत्र श्री लाल सिंह	सामान्य	गांव सैदापुर, जिला यमुनानगर

अतारांकित प्र न एवं उतर

Expenditure Incurred on Advertisement

48. Sh. Sampat Singh: Will the Minister of State for Public Relations be pleased to state the total expenditure incurred on account of advertisements given in the newspapers/magazines and other media by the State

Government during the year 1996-97, 1997-98 and 1998-99 to-date; together with the details of the amount paid to each newspaper, magazine and other media during the aforesaid period?

Interim Reply.

"ATTAR SINGH SAINI

Minister of State for

Public Relations, Parliamentary

Affairs, Non conventional

Energy Sources and Power

Haryana, Chandigarh

Dated: 22-7-1998.

Subject:- **Unstarred Question No. 48 Expenditure incurred on Advertisement**

Respected Sir,

The notice of Unstarred Question No. 48 seeking information about expenditure incurred on advertisements during the years 1996-97 and 1998-99 to-date has been received in this office on 15th July, 1998. As the information is to be given for every newspaper, magazine and other media for the above years, it shall require a lot of time to compile the requisite information.

It is, therefore, requested that a period of at least two weeks by way of extension of time may kindly be allowed for answering this question.

Yours Faithfully,

Sd/-

(ATTAR SINGH SAINI)

Minister of State for

Public Relations.

Prof. Chhatar Singh Chauhan

Speaker

Haryana Vidhan Sabha."

Pabra Canal

49. Sh. Sampat Singh: Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state-

(a) the date on which the new Pabra Link Canal/Channel was sanctioned.

(b) the present stage of the construction fo the aforesaid canal togetherwith the time by which it is likely to be completed; and

(c) whether the compensation for the acquisition of land for the construction of the aforesaid canal/channel has been given, if so, the details thereof?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार):

(क) पावडा जोड नहर के निर्माण का परियोजना अनुसार दिनांक 02–1–1991 को स्वीकृत किया गया था।

(ख) पुलो को छोडकर, पावडा जोड नहर का निर्माण बुर्जी नं0 22000 से 31250 (अन्तिम छोर) तक पुरा हो चुका है। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा अधिगृहित भूमि के बारे में दिए गए स्थगन आदे ा, जो कि मार्च 1998 मे निरस्त किए गए है, के कारण भीर्श छोर का कार्य पहले भुरु नही किया जा सका। इस कार्य के लिए निविदाएं पहले ही आमंत्रित की जा चुकी है ओर मई 1998 मे खोली जा चुकी है। बुर्जी नं0 से 22000 तक का कार्य भीघ्र ही आरम्भ कर दिया जाएगा तथा वर्श 1998 के अन्त तक इसके पूरा होने की सम्भावना है।

(ग) जिला राजस्व अधिकारी/भूमिग्रहण अधिकारी, हिसार ने भूमि अधिग्रहण के लिए 3512520 रु 30 पैसे के निर्णय की घोशणा की जिसमें से 2005534 रु 80 पैसे की रा ि ा का भुगतान भूमि मालिको को भूमि के मुआवजे के रुप में किया जा चुका है। भोश 1506285 रु 50 पैसे की रा ि ा, जो कि गांव सैनियाना तथा चगार खेडा से संबंधित है, भूमि अधिग्रहण अधिकारी के पास जमा है क्योंकि भूमि मालिको ने इसे लेने से इंकार कर दिया है।

Memorandim of Understanding on Yamuna Water

50. Sh. Sampat Singh: Will the Minister of State for Irrigation be pleased to state-

(a) whether any Memorandum of understanding between Haryana, U.P., Rajasthan, Himachal Pradesh and National Capital Territory of Delhi regarding allocation of surface flow of Yamunanagar was signed on 12-5-1994; if so, the details thereof;

(b) whether the aforesaid accord is in the interest of Haryana State; and

(c) if the reply to pera (b) above be in negative, whether there is any proposal under consideration of the Government to reject the said accord?

सिंचाई राज्य मंत्री (श्री हर्श कुमार):

(क) जी हां, यमुना के सरफेस फलो (सतह बहाव) के बंटवारे के बारे में पांच बेसीज राज्यो के मुख्य मंत्रियो जो कि: हिमाचल प्रदे ा, हरियाणा, उतर–प्रदे ा, राजस्थान और राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के मध्य तत्कालीन केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री की उपस्थिती में 12–5–94 को समझौते के ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।

इस समझौते के अनुसार अंतिम स्तर पर निम्नलिखित के अनुसार विभिन्न राज्यो में बंटवारा निर्धारित हुआः–

हरियाणा	5.730 बी0 सी0 एम0

उतर प्रदे ा	4.032 बी0 सी0 एम0
राजस्थान	1.119 बी0 सी0 एम0
हिमाचल प्रदे ा	0.378 बी0 सी0 एम0
दिल्ली	0.724 बी0 सी0 एम0
कुल	**11.983 बी0 सी0 एम0**

(ख) जी हां।

(ग) नही।

Releasing of Grant to Maharaja Agarsen Medical College

51. Shri Sampat Singh: Will the Minister of State for Medical Education be pleased to state-

(a) whether any agreement between Haryana Government and Maharaja Agarsen Medical Education & Science for Research Society was signed on June, 1990; if so, the details thereof; and

(b) whether the amount of grant was released to the society as per aforesaid agreement till to-date; if so, the yearwise details thereof?

चिकित्सा ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री विनोद कुमार मडिया):

(क) जी हां, हरियाणा सरकार तथा महाराजा अग्रसेन चिकित्सा ि ाक्षा एवं विज्ञान भाोध समिति अग्रोहा के बीच 1—6—90 को एक इकरारनामा हुआ था जिसमें यह सहमति हुई थी कि राज्य सरकार भवन निर्माण/सामग्री (अनावर्ती) खर्च का 50 प्रति ात व आवर्ती खर्च का 99 प्रति ात वहन करेगी। सरकार ने 267 एकड 14 मरले भूमि 99 साल की लीज पर समिति को एक रुपया वार्शिक नाम मात्र किराये पर दी हुई है।

(ख) सरकार ने समिति को अनावर्ती अनुदान 31—3—96 तक निम्न प्रकार जारी कियाः—

वर्श	राि ा
1990—91	6071000.00
1991—92	7850000.00
1992—93	10650000.00
1993—94	14828000.00
1194—95	13648000.00

1995—96	7463000.00
कुल	**60510000.0**

Expenditure Incurred on the Repair/Construction of Roads

52. Dr. Virender Pal Ahlawat: Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state the constituency wise expenditure incurred on the construction of new roads and on repair in the state during the period from July 1997 to June 1998?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मबीर सिंह): जुलाई, 1997 से जुन, 1998 तक की अवधि के दौरान राज्य में निर्विचार क्षेत्रवार नई सडको के निर्माण तथा मुरम्मत पर हुए खर्च का ब्यौरा निम्न प्रकार है:—

क0 सं0	निर्वाचन क्षेत्र का नाम	नई सडको के निर्माण पर हुआ खर्च (रु लाखो में)	मुरम्मत पर हुआ खर्च (रु लाखो में)
1	कालका	339.30	231.28
2	नारायणगढ	5.15	104.60
3	साढौरा	39.90	62.96
4	छछरौली	6.04	44.47

5	जगाधरी	16.26	31.07
6	यमुनानगर	–	41.33
7	मुलाना	36.88	70.01
8	अम्बाला कैंट	1.67	–
9	अम्बाला सिटी	5.01	45.51
10	नग्गल	10.38	79.40
11	इन्द्री	17.30	58.30
12	नीलोखेडी		56.81
13	करनाल	3.55	29.06
14	जुंडला	0.42	71.03
15	घरौंडा	2.28	41.66
16	असंध	–	58.66
17	पानीपत	–	73.18
18	समालखा	15.40	71.28
19	नौलथा	10.83	53.96

20	भााहबाद	5.97	137.31
21	रादौर	25.15	41.18
22	थानेसर	5.26	132.82
23	पेहवा	5.98	130.98
24	गुहला	–	46.85
25	कैथल	42.39	109.25
26	पुन्डरी	6.65	63.02
27	पाई	0.67	60.46
28	हसनगढ	15.01	41.35
29	किलोई	11.95	73.11
30	रोहतक	10.14	11.13
31	मेहम	6.21	129.21
32	कलानौर	16.59	85.46
33	बेरी	–	113.55
34	सालावास	61.43	179.71

35	झज्जर	108.46	97.11
36	बादली	0.21	57.70
37	बहादुरगढ	45.50	61.46
38	बडौदा	6.68	52.70
39	गोहाना	9.04	76.02
40	कैलाना	0.02	50.89
41	सोनीपत	0.26	77.29
42	राई	–	44.94
43	रोहट	6.44	100.21
44	कलायत	4.82	23.94
45	नरवाना	–	58.94
46	उचाना	–	61.00
47	राजौंद	–	36.75
48	जींद	12.55	83.19
49	जुलाना	1.90	81.55

50	सफीदो	0.43	55.88
51	फरीदाबाद	—	19.55
52	मेवला महाराजपुर	5.80	71.26
53	वल्लभगढ	0.04	46.98
54	पलवल	14.71	72.00
55	हसनपुर	16.16	45.00
56	हथीन	0.53	57.00
57	फि0 झिरका	6.66	95.85
58	नूंह	0.96	58.50
59	तावडू	5.31	80.76
60	सोहना	27.87	81.31
61	पटौदी	6.72	86.30
62	गुडगांव	0.22	76.90
63	बाढडा	28.47	26.16
64	दादरी	41.18	66.61

65	मुंढाल	49.77	82.48
66	भिवानी	70.04	122.02
67	तो ााम	18.30	127.52
68	लोहारु	2.18	80.32
69	बवानी खेडा	46.57	105.99
70	बरवाला	14.96	103.16
71	नारनौंद	1.78	119.87
72	हांसी	0.32	106.88
73	भट्टू कलां	94.44	12.58
74	हिसार	27.41	38.25
75	धिराय	7.59	89.31
76	टोहाना	61.90	107.54
77	रतिया	77.61	31.92
78	फतेहाबाद	83.29	67.98
79	आदमपुर	65.51	42.06

80	दडबा कलां	32.55	43.51
81	ऐलनावाद	22.00	73.15
82	सिरसा	0.15	34.70
83	रोडी	8.10	53.14
84	डबवाली	—	39.47
85	बावल	4.28	161.33
86	रिवाडी	25.43	45.92
87	जाटुसाना	32.34	98.46
88	महेन्द्रगढ	24.24	50.88
89	अटेली	2.30	65.35
90	नारनौल	0.60	31.93
	कुल	**1848.37**	**6418.94**

ध्यानाकर्शण प्रस्तावो इत्यादि की सूचनाएं

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, दिल्ली में हरियाणा रोडवेज की बस में बम विस्फोट संबंधित हमारी एक कालिंग अटैं ान मो ान नं0 8 थी वह आपने यह कह कर रद्द कर दी कि alleged incident took place in Delhi which falls

within jurisdiction of Delhi Administration. अध्यक्ष महोदय, आज के अखबार में खबर छपी है कि हरियाणा रोडवेज की जिस बस में बम दिल्ली में फटा वह बम सफीदो और पानीपत के बीच के एरिया मे रखा गया था। (विघ्न) दिल्ली प्रदे ा की पुलिस ने अपराधियो को पकडने के लिए एक टीम हरियाणा में भेजी है। अध्यक्ष महोदय, यह एक बहुत ही अहम मुद्दा है क्योंकि आज हरियाणा प्रदे ा इस प्रकार के अपराधियो की भारणस्थली बन गया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आप हर चीज को डिसअलाउ कर देते है। *****************

श्री अध्यक्षः यह कल ही डिसअलाउ हो चुका था।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, कल जो मामला था वह दूसरा था और आज जो यह मामला है वह दूसरा है क्योंकि यह मामला हरियाणा प्रदे ा से जुडा हुआ है। यह बम सफीदो और पानीपत के बीच के एरिया मे उस बस में रखा गया और दिल्ली प्रदे ा ने अपनी एक पुलिस टीम इस बात का पता लगाने के लिए हरियाणा में भेजी। इसलिए मै कहता हूं कि आप इस मो ान को अलाउ कर दें। (विघ्न)

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। चौटाला साहब ने गिनीज बुक का जो जिक किया है वह चेयरमैन साहब की गरिमा के अनुरुप नही है इसलिए उसको रिकार्ड से निकलवाने की कृपा करें। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः गिनीज बुक का जो जिक चौटाला साहब ने किया है उसको रिकार्ड न किया जाए।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, दिल्ली मे हरियाणा रोडवेज की बस में हुए बम विस्फोट के बारे में मै थोडी क्लैरिफिके ान कर दूं। हमारी रिलायेबल इन्फर्में ान है कि दिल्ली मे जो बम फटा है वह इस किस्म का बम था कि वह 15 मिनट से ज्यादा का टाईम का बम नही हो सकता है। 15 मिनट से ज्यादा उसकी लिमिट ही नही होती। अध्यक्ष महोदय, ऐसा तो नही हो सकता कि 15 मिनट में ही वह बम हरियाणा की हद में रख दिया गया हो और 15 मिनट मे वह बम दिल्ली पहुंच गई। दिल्ली पुलिस इस बारे में इंक्वायरी कर रही है, सारी बात सामने आ जाएगी। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः क्या यह तय हो गया है कि यह टाईम बम ही था?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, हा यह टाईम बम ही था। जिस किस्म का यह बम था उसकी डयूरे ान 15 मिनट से ज्यादा नही है।

श्री सम्पत सिंहः क्या इस बारे में फोरैंसिक लैबोरेट्री की रिपोर्ट आ चुकी है।

श्री बंसी लालः रिपोर्ट अभी कहां आ गई, अभी तो पुलिस इन्वैस्टीगे ान कर रही है। अध्यक्ष महोदय, हमारी

रिलायेवल इन्फर्मे ान यही है कि इस किस्म का बम 15 मिनट से ज्यादा डयूरे ान का होता नही है। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी तक कोई फाईन्डिंग ही नही आई है। (विघ्न)

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि उनके पास भी अभी इस बारे में इन्फर्मे ान है। लेकिन समाचार पत्रो में यह खबर छपी है कि दिल्ली पुलिस ने भी अपनी एक टीम इन्कवायरी के लिए हरियाणा में भेजी है। वह टीम इस बारे में जानकारी लेने के लिए आई है।

श्री अध्यक्षः चौटाला जी, अगर आपके पास कोई इन्कवायरी की रिपोर्ट हो तो आप बता दें।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह समाचार पत्रो में छपा है कि दिल्ली पुलिस ने इस बात की इन्कवायरी के लिए अपनी एक टीम भेजी है। मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि मेरी इन्फर्मे ान के मुताबिक जिस किस्म का यह बम था वह 15 मिनट से ज्यादा नही रह सकता था, वह 15 मिनट में ही फट जाना था। क्या इनके पास पुलिस से ज्यादा इन्फर्मे ान है या जो पुलिस इन्कवायरी कर रही है उसने अपनी कोई रिपोर्ट सरकार को दे दी है? अध्यक्ष महोदय, ये गलत ढंग से बात को सदन में पे ा करने की कोि ा ा कर रहे है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, गलत बात को गलत ढंग से पे ा करने की कोि ा ा ये करते है मैने तो स्पश्ट कहा है कि जिस क्वालिटी का वह बम था वह 15 मिनट मे ही फट जाता है।

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महोदय, हाउस के नेता ने जो रिप्लाई दिया है उस बारे में मै यह कहना चाहूंगा कि सफीदो से दिल्ली पहुंचने के लिए दो ही रास्ते है एक तो वाया पानीपत होकर और दूसरा वाया रोहतक–बहादुरगढ होकर।

बागवानी एवं विपणन राज्य मंत्री (श्री जगवीर सिंह मलिक): अध्यक्ष महोदय, तीसरा रास्ता भी है वह वाया गोहाना सोनीपत होता हुआ दिल्ली को जाता है।

वास्तुकला राज्य मंत्री (श्री राजकुमार सैनी): अध्यक्ष महोदय, इन्होने यह आईडिया कैसे लगाया कि उस बस में सफीदो में ही बम रखा गया था।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा से वाया मुरथल दिल्ली जाने वाली बसें दिल्ली बाई पास पर सवारियां छोडती है वहां से और भी सवारियां चढती है। आधा धंटा दिल्ली मे चलने के बाद ही कोई भी बस अंतराश्ट्रीय बस अड्डे दिल्ली पर पहुंचती है। इस बीच में बस कहीं पर भी नही रुकती है। इसलिए मुख्य मंत्री जी अपनी जानकारी को दुरुस्त कर लें।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मै इनको यह बताना चाहूंगा कि बस दिल्ली बस अड्डे पर 11:15 बजे पर पहुंची और बम एक्सपलोजन 11:35 पर हुआ यानि 20 मिनट बाद वह बम फटा।

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मैने काल अटैं ान मो ान बडथल गांव की पंचायत से संबंधित भूमि को हथियाने के बारे में दिया था जिसको आपने रिजैक्ट कर दिया है।

श्री अध्यक्षः राणा जी, जिस तरह से काल अटैं ान मो ान देनी चाहिए थी वह आपने नही दी। आपकी काल अटैं ान मो ान रुलज़ के हिसाब से नही थी इसलिए इसको रिजैक्ट कर दिया गया है। (विघ्न) राणा जी, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। आपकी यह मो ान डिस–अलाऊ हो चुकी है। (ाोर एवं व्यवधान) आप इस बारे में चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी से पूछ लें कि किस तरह से काल अटैं ान मो ान दी जाती है। (ाोर एवं विघ्न) आप बैठ जाएं।

श्री जय सिंह राणाः ***********************।

श्री अध्यक्षः ये जो भी बोल रहे है उसको रिकार्ड न किया जाए।

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, जय सिंह राणा जी जिस जमीन से संबंधित बात कर रहे है। मै इनको

बताना चाहूंगा कि इस सरकार से पहले इनकी सरकार थी तो उस वक्त गोहाना के अंदर क्या हुआ था। (ोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठें। दलाल साहब, आप थोडा अपनी बात को दुरुस्त करे क्योंकि पिछली बार जब कांग्रेस का राज था तो राणा साहब इंडीपैंडैन्ट एम0 एल ए0 थे और इनका राज नही था। (विघ्न)

श्री जय सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, आज भू–माफिया वहां पर जमीनो पर गलत ढंग से कब्जे कर रहा है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, मुझे अपनी बात पूरी कर लेने दें। अध्यक्ष महोदय, जमीनो पर कब्जे करना या गलत ढंग से इनकी रजिस्ट्रीयां करवाना यह तो कांग्रेस पार्टी के राज का काम है। पिछली बार इनके राज में गुडगांव मे जमीनो पर कब्जे हुए थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सभी अपनी सीट पर बैठिए।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, यह तो रिकार्ड की बात है कि गुडगांव जिले के कई गांवो की कई सौ एकड जमीनो पर इनके राज मे उनके मालिको को तहसील मे बुलाकर आर्मी के जनरल के नाम पर पट्टा करवाया गया। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप अपनी सीटो पर बैठें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मै सच्चाई कह रहा हूं। हमारी सरकार में कोई भू–माफिया नही है और न ही हमारी सरकार इस तरह के किसी अपराधी तत्वो को प्रोत्साहन देती है। अगर माननीय सदस्य राणा साहब के नोटिस में कोई इस तरह की बात थी तो इनको वहां के अधिकारियो से इस बारे में मिलना चाहिए था और अगर वे फिर भी कोई कार्यवाही नही करते तो फिर इनको महकमे के मंत्री जी से या मुख्य मंत्री जी से मिलकर अपनी बात करनी चाहिए थी। (विध्न) इनके अपने राज में गुडगांव और फरीदाबाद जिले की जमीनो के फर्जी दस्तावेज मंजूर करवाकर अपनी पार्टी के लोगो और अपने चहेतो को दिए गए।

श्री बीरेन्द्र सिहः स्पीकर साहब, पीछे क्या हुआ या क्या होता रहा है इसका मतलब यह नही है कि वह अब भी इनके राज में कंटीन्यू रहेगा। क्या ये उसको कंटीन्यू रखना चाहते है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, हम कन्टीन्यू नही रखना चाहते है। ये अभी पिछली बातो को भूले नही है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै कहना चाहता हूं कि दिल्ली का प्रै ार पहले गुडगांव और फरीदाबाद की तरफ था। लीडर आफ दी हाउस भी इस बात को मानेंगे कि वहां पर जमीनो के कितने स्कैंडल हुए। हम को भी पता है कि कोई भी उससे बचा हुआ नही है। अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि दिल्ली का प्रै ार अब करनाल, पानीपत और बहादुरगढ के हल्को की

तरफ बढना भाुरु हो गया है। आज इस भू–माफिया जिनको प्रोपर्टी डीलर कहना भाायद ज्यादा अच्छा भाब्द होगा, इस किस्म की हरकते, इस किस्म की बाते अब इन इलाको में भाुरु हो गयी है। इससे पहले कि यहां पर भी कोई एक बडा स्कैंडल इस तरह का उभरकर आए, अगर माननीय सदस्य इस बारे में अपनी कोई बात यहां पर रखना चाहते है तो उसमें बुराई क्या है? वह केवल 100 एकड जमीन की ही बात नही है बल्कि उन तत्वो को सक्रीय होने से रोकना भी है ताकि कोई भी किसी पंचायत की जमीन पर गलत ढंग से कब्जा न कर सके। अध्यक्ष महोदय, करनाल जैसे क्षेत्र मे इस सौ एकड जमीन का दस लाख रुपये प्रति एकड तो साल का पट्टा ही हो सकता है। इसलिए मै यह चाहता हूं कि ऐसी परिस्थितियो में सरकार का भी यह कर्तव्य हो जाता है कि वह ऐसे तत्वो को किसी भी जमीन को हडपने से रोके।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, जो बात चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी कह रहे है अगर इस किस्म का कोई तत्व है तो ये सदन मे बताएं या सदन के बाहर बताएं, हम ऐक ान लेंगे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इसलिए ही हम ध्यानाकर्शण प्रस्ताव लेकर आए है। जो करनाल जिले में बडथल गांव है उसमें 98 एकड जमीन पंचायत की है उस जमीन को कुछ लोग ट्रस्ट के नाम से हथियाना चाहते है। पंचायत की जमीन इस तरीके से ट्रांसफर होनी चाहिए जिस तरीके से डी0 सी0 रिपोर्ट करते रहे है और डायरैक्टर पंचायत उसके सैक ान देते रहे है।

करनाल और कुरुक्षेत्र मे इसका प्रै ार पडेगा। इन इलाको में पंचायतो की जमीनं भी बहुत ज्यादा है। इसलिए सरकार इस मामले में हस्तक्षेप करे, मेरी यह सबमि ान है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने पूरे प्रदे ा के अंदर करनाल जिले के जिस एक गांव का नाम लिया है हम उसकी जांच करेंगे और देखेंगे कि सच्चाई क्या है। लेकिन इसके साथ ही चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को अपनी पार्टी के राज के दिन याद करने चाहिए। इनकी सरकार ने गुडगांव और फरीदाबाद में कोई गांव नही छोडा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, जिनको ये सुनना चाहते है वे आज है नही। लेकिन मै इस बात से सहमत हूं और इनको बताना चाहूंगा कि जितनी पंचायतो की जमीने चाहे वह भाामलात हो चाहे और किसी किस्म की हो या चाहे ट्रस्ट की हो, अगर किसी जमीन को कोई आदमी हथियाने की कोि ा ा करता है तो आप मेरे नोटिस में लाए, उस जमीन को मै बचाउंगा।

श्री खु ीिद अहमदः हम तो यह मामला आपके नोटिस में लाए है, इसके आप जरुर बचाएं। This is our request.

श्री बंसी लालः इनके पार्टीकुलर्ज दे देना हम कार्यवाही कर देंगे।

विकास मंत्री (श्री कंवल सिंह): अध्यक्ष महोदय, सितम्बर 1997 मे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने सारे बी0 डी0 ओज0 और ऐ0 डी0 सीज0 की कांफ्रैस बुलाई थी उसमे सबको हिदायत दी गई थी कि एक गांव पहले लेकर उसकी पैमाइ ा व नि ाानदेही करवाएं और फिर आगे की कार्यवाही करे। इस प्रोग्राम के तहत थ्रू–आउट कार्य चल रहा है। गुडगांव जिले में बहुत वैल्यूएबल जमीन है। वहां मै दो बार विजिट कर चुका हूं। इनके राज में एक बहुत बडे राजनीतिज्ञ को पंचायत की जमीन यूं ही सौंप दी गई थी वह जमीन भौंडसी गांव में है। इस प्रकार जहां भी नाजायज कब्जे है हम उन्हे छुडाएंगे।

श्री सतपाल सांगवान: अध्यक्ष महोदय, मुझे भी कभी टाइम दे दिया करें। फिर आप कहते है कि मै रोला मचाता हू। (विघ्न)

श्री खु ींद अहमद: सर, आपकी इजाजत से इस हाउस का ध्यान एक खबर की तरफ दिलाना चाहता हूं। The headline of the news is- “Who can use red lights on cars.” मेरे पास 25 की लिस्ट है और दूसरी लिस्ट 27 की आई है। जब यह लिस्ट बनती है तो रैड लाइट कहां कहां यूज हो, इस बारे में इस हाउस की ओर ख्याल सबसे बाद में जाता है। इस लिस्ट में पहले तो सारे एम0 पीज0, एम0 एल0 एज0 साफ थे। अब जो लिस्ट बाद में आई है उसमें एम0 पीज0, एम एल ए के नाम तो करैक्ट कर दिए गए है लेकिन विधान सभा की कार्यवाही चलाने के लिए जिस

अधिकारी की आपको जरुरत पडती है उसका नाम इस लिस्ट में नही है। there is an institution of a Secretary in this House.

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, किसी एम एल ए या एम पी का नाम इस लिस्ट से कभी डिलीट नही किया गया। जिस आदमी ने गलती से यह नाम काट दिये थे उन नामो को फिर से दुरुस्त कर दिया गया है। यह गलती परिवहन विभाग के सैक्रेटरी या कमी नर के कार्यालय से हो गयी थी और जिस कर्मचारी ने यह गलती की थी उसकी कल ही एक्सपलेने ान काल कर ली गई है।

श्री खु र्शीद अहमद: अध्यक्ष महोदय, इसमें सैक्रेटरी विधान सभा ओर सै ान जज का भी नाम होना चाहिए क्योंकि अगर सैक्रेटरी विधान सभा को कही रास्ते में डिटेन कर लिया तो इस सदन की कार्यवाही कैसे चलेगी? उनका नाम भी होना चाहिए।

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, आपके चैम्बर में इस बारे में सब बातें खु र्शीद अहमद जी से हो गई है, इन्होने अपना नाम दर्ज कराना था सो वह हो गया है (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान: अध्यक्ष महोदय, मैने तो चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी से यह पूछना था कि भूमि माफिया कौन थे? क्योंकि हम तो इस सदन मे नये आये है परन्तु चौधरी वीरेन्द्र सिंह इस सदन में मौजूद नही है। मेरा अपना कोई कवै चन नही था। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौ0 खु ीिद जी बता देंगे।

श्री खु ीिद अहमदः जिन भूमि माफिया को मै जानता था उनको तो छः महीने की सजा हो चुकी है। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैने चौटाला साहब ने और कुछ मैंबर्ज ने एक काल अटैं ान मो ान दिया था जोकि गुरु जम्भे वर यूनिवर्सिटी के बारे में था। हरियाणा के जितने भी कालेज और यूनिवर्सिटीज का गुरु जम्भे वर यूनिवर्सिटी के साथ एफिलिए ान था उसको खत्म कर दिया गया है और गुरु जम्भे वर यूनिवर्सिटी को एक रेजीडैंि ायल यूनिवर्सिटी बना दिया है जबकि गुरु जम्भे वर हिन्दुस्तान में पहली ऐसी यूनिवर्सिटी है जिसको एक साल के अन्दर यू0 जी0 सी0 ने मान्यता प्रदान की हैं और ग्रान्ट दी है। इसी पैटर्न पर पंजाब और हिमाचल प्रदे ा ने अब एक एक्ट बनाया है और वे भी इसे फोलो कर रहे है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आपका काल अटैं ान मो ान डिस–अलाउ कर दिया गया था।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अपने कल यह कहा था कि यह काल अटैं ान मो ान अंडर कंसीड्रे ान है और डिस अलाउ नही किया गया है। स्पीकर साहब, इस बात का सवाल नही है कि अकेले प्र ाासनिक मुददे ही सामने आये बल्कि अर्जेन्ट मैटर भी सामने आ सकते है। इससे अर्जेट मुददा और क्या होगी कि जहां प्रौफै ानल कोर्सिज चलते हो और उन कालेजो का

यूनिवर्सिटी से एफीलिए ान खत्म कर दिया जाये? स्पीकर साहब, आज प्रौफै ानेलिज्म का जमाना है। आज बी0 ए0 और एम0 ए0 करने से बात नही बनेगी। आज तो बिजनैस मैनेजमैंट, फार्मेसी और टैक्नीकल कोर्सिज का जमाना है। बिजनैस मैनेजमेंट, फार्मेसी और इंजीनियरिंग टैक्नोलोजी के कोर्सिज गुरु जम्भे वर यूनिवर्सिटी मे चल रहे थे। एक डैलीगे ान भी यहां आया था, आज जापान और फिनलैंड इस युनिवर्सिटी को फोलो कर रहे है लेकिन उस यूनिवर्सिटी का एफीलिए ान आप खत्म कर रहे है जो कि ठीक नही है।

श्री अध्यक्षः क्या इनमें से कोई कोर्स बन्द कर दिए गये है?

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जितने कालेज जैसे इंजीनियरिंग कालेज, फार्मेसी कालेज या टैक्नीकल कालेज है उनका एफीलिए ान इस यूनिवर्सिटी से खत्म कर दिया है जबकि पंजाब और हिमाचल प्रदे ा ने भी इस यूनिवर्सिटी की बिनाह पर ही एक एक्ट बनाया है। एक यूनिवर्सिटी जो कि राईजिंग स्टेज पर है उसकी एफीलिए ान इस बिनाह पर खत्म न की जाये कि वह किसी व्यक्ति वि ोश के नाम पर है। यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है। इसलिए मेरी मांग यह है कि इस पर डिस्क ान के बाद सरकार रिप्लाई दे कि किन कारणो से इसको डिस्ढफीलिएट किया गया है।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, यह मुद्दा और भी कई माननीय सदस्यो ने उठाया था और आज भी मैने अपने जवाब में यह बात कही कि गुरु जम्भे वर यूनिवर्सिटी का कोई किसी तरह का दर्जा हम ने नही घटाया है। हमारी सरकार के समय में हम ने इस वि ववविद्यालय के लिए ग्रांट्स दी है और आनॅगोइंग वर्कस जो अधूरे पडे थे, उन को पूरा किया है। हमारे भाासनकाल में इस यूनिवर्सिटी ने अंतराश्ट्रीय स्तर पर अपनी मान्यता प्राप्त की है। हम ने इस पर करोडो रुपये खर्च किए है। यू0 जी0 सी0 ने भी इसको मान्यता दी है। अध्यक्ष महोदय, हम ने इस वि ववविद्यालय मे नये पुराने लगभग 62 टैक्नीकल कोर्सिज भाुरु किए है। जब हमारी सरकार बनी तब कुरुक्षेत्र यूनिसर्विटी के लोगो ने महामहिम राज्यपाल महोदय से दरखास्त की कि कुरुक्षेत्र मे जो रीजनल इंजीनियरिंग कालेज है, वह कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी की चारदीवारी मै है तथा उसका छात्रावास भी इसी वि ववविद्यालय के प्रांगण मे है। अध्यक्ष महोदय, आप तो जानते है कि कुरुक्षेत्र अपने आप में एक ऐतिहासिक स्थल है, इसके साथ और कोई चीज जोडने की आव यकता नही है। जब कभी भी किसी को दि ाा निर्दे ा की आव यकता होती है, चाहे महाभारत की लडाई में अर्जुन की बात हो अथवा विधान सभा की बात हो, तो उस समय सभी को कुरुक्षेत्र याद आता है। कुरुक्षेत्र वि ववविद्यालय की चारदीवारी में रीजनल इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना हुई थी। पिछले तीन वर्श के समय मे जब इंजीनियरिंग के छात्रो को अपने परिणाम समय पर नही प्राप्त होते थे तो उनका

कैरियर खत्म हो गया। हमारी सरकार आते ही लोगो ने यह मांग की कि इस कालेज को इसकी पुरानी यूनिवर्सिटी कुरुक्षेत्र के साथ जोडा जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, महेन्द्रगढ, गुडगांव और फरीदाबाद के कालेज एम0डी0यू0 रोहतक के नजदीक पडते है और हिसार से दूर पडते है। इस प्रकार से सारी बातो को देखते हुए हमने गुरु जम्भे वर यूनिवर्सिटी को टैक्नीकल यूनिवर्सिटी का स्वरुप दिया है। इसमें इलैक्ट्रोनिक्स, एम0 बी0 ए0, बी0 ई0 इत्यादि कोर्सिज चल रहे है। जिस प्रकार से कैंब्रिज और आक्सफोड्ड यूनिवर्सिटीज जैसे 40–50 वि ववविद्यालय दुनिया भर मे समझे जाते है। उन के हिसाब से हम ने हरियाणा में एक्सक्लयुसिवली इस यूनिवर्सिटी को रैजिडैंि ायल स्टेटस दिया है। इस के साथ हम ने कोई भेदभाव नही किया है। इस में कोई किसी प्रकार का राजनीतिक बात नही है। जब यह सरकार बनी थी तो उस समय भी यह कहा गया था कि गुरु जम्भे वर यूनिवर्सिटी का आस्तित्व समाप्त हो जाएगा। मै अपने माननीय साथियों को बताना चाहूंगा कि इस का आस्तित्व समाप्त होने का सवाल ही पैदा नही होता, बल्कि हम इस का और भी ज्यादा विकास करेंगे और इन पिछले दो सालो में हम ने करोडो रुपए इस यूनिवर्सिटी के अधुरे कार्यो पर, जो पिछली सरकार छोड कर गई थी, खर्च किए है। कही भी इस वि ववविद्यालय मे किसी प्रकार की कोई असुविधा नही है और इस के साथ कोई राजनीतिक भेदभाव नही है।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय जैसे कि अभी मंत्री महोदय ने बताया कि इस यूनिवर्सिटी को सरकार द्वारा ग्रांटस भी दी गई है। मै इनको आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि जब से यह सरकार बनी है तब से इस यूनिवर्सिटी के लिए ग्रांटस में कटौती की गई है। आप निःसन्देह वर्श 1995–96, 1997–98 व 1998–99 के ग्रांटस के आंकडे देख सकते है, हर साल दो–अढाई करोड रुपए का कट लगाया जा रहा है। जब यह एक्ट इस सदन मे पास होने के लिए आया था उस समय मैने प्वायंट आउट किया था कि इसमें कई कमियां है। कुरुक्षेत्र वि ववियालय के कैम्पस मे जो कुरुक्षेत्र इंजीनियरिंग कालेज है उसके बारे में मैने भी कहा था कि यह इंजीनियरिंग कालेज उससे एफीलिएटिड नही होना चाहिए। जो लॉ क्लासिज है वे टैक्नीकल क्लासिज में नही आती। ये लॉ क्लासिज भी गुरु जम्भे वर यूनिवर्सिटी के साथ एफीलिएटिड नही होनी चाहिए। उस समय भी हम सभी ने इसका विरोध किया जबकि मैने इसकी अमैण्डमैंट मांगी थी। जहां तक ये दूरी की बात करते है, क्या डबवाली कुरुक्षेत्र के नजदीक है? दूरी की बात नही हुआ करती। साईंस यूनिवर्सिटीज ही टैक्नीकल यूनिवर्सिटीज होगी। वे जो सब्जैक्ट प्रमोट कर सकेगी वे दूसरी यूनिवर्सिटी नही कर सकेगी। अभी रामबिलास भार्मा जी ने जिक्र किया कि कितने बढिया कोर्सिज है जैसे मास कम्यूनिके ान, इन्वायरमैंट साईंस, एम0 एस0 सी0, एप्लायड मैथेमैटिक्स, एम0 एस0 सी0 इण्डस्ट्रीयल कैमेस्ट्री, बिजनैस एडमिनिस्ट्रे ान, कम्पयूटर साईंस इत्यादि। जिस फोरन यूनिवर्सिटी की ये बात कर रहे है वे टैक्नीकल

यूनिवर्सिटरी नही है। पहली टैक्नीकल यूनीवर्सिटी पूरे हिन्दुस्तान मे हिसार में ही बनी थी। हिन्दुस्तान वाले बाहर से एग्जाम्पल ले आते है कि ये रैजिडैन्ि ायल यूनिवर्सिटी नही है इनको यह भी मालूम होना चाहिए कि that is a residential university but not a technical university. That is for other purposes but not for technical purposes. ये सारे सब्जैक्ट टैक्नीकल परपज़ के लिए उन लडको को पढाए जाते है जो अनएम्पलायड रह जाते है ताकि उनको प्रौफै ान मिल सके। आज भी जो कम्प्यूटर जानने वाले लडके है उनको अमरीका वाले बुला रहे है। जहां तक प्रिएम्बैल की बात है– that is holy. Every section of the Act can be amended but the preamble of the Act cannot be amended. You may amend the Constitution of India but you cannot amend the preamble of the Constitution of India. So, the preamble of the Act says-

"to establish and incorporate a teaching-cum-affiliating University to facilitate and promote studies and research in emerging areas of higher education with focus on new frontiers of technology. Pharmacy, environmental studies, non-conventional energy sources and management studies and also to achieve excellence in these and connected fields."

This was an affiliating University.

स्पीकर साहब, अब यह युनिवर्सिटी किन कालेजो का एफीलिए ान करेगी जब ये रैजीडैन्ि ायल बन गई है? राम बिलास जी के पास इसका जवाब हो तो दें।

श्री अध्यक्ष: सम्पत सिंह जी, आपको याद होगा क्योंकि आपने पहले भी जिक्र किया था कि दो अढाई साल पहले जब मै और आप विपक्ष मे थे तो मैने और अपने सबसे पहले कहा था कि कुरुक्षेत्र और सोनीपत के इंजीनियरिंग कालेज इस यूनिवर्सिटी के साथ एफीलिएटिड नही होने चाहिए, यह एक गलत बात है। आप यह बताएं कि अगर ये युनिवर्सिटीज अब रैजीडैंि ायल बन गई है तो क्या इससे इसकी टीचिंग या रिसर्च स्टैंडर्ड में कोई कमी आ जाएगी? आप आप और मै दोनो ही एजुके ान से संबंधित रहे है इसलिए आप बताएं कि जहां तक इस यूनिवर्सिटी के स्टेट्स का संबंध है, जहां तक एकैडमिकल स्टेट्स की बात है तो क्या इसके रैजीडैनि ायल बनने से उसमें कोई फर्क पडेगा?

श्री सम्पत सिंह: जी हां, कुछ फैसिलिटीज ऐसी है जिनमें फर्क पडेगा जैसे लाइब्रेरी। उसमें रिसर्च करने वालो को वह सुविधा अब नही मिल पाएगी जो पहले मिलती थी। इसलिए जो यह कालेजो की डिस–एफीलिए ान हो रही है, यह ठीक नही है। सिरसा मे जो कालेज है उसके लिए इस बजट में एक पैसा भी नही रखा गया है। उस समय हमने यह भी कहा था कि इस यूनिवर्सिटी में एन्वायरमैंटल साईंस और फोरैस्ट्री के सब्जैक्टस भी पढाए जाने चाहिए। अगर ये दोनो बाते इसमें और जुड जाती, तो बहुत अच्छी बात होती। लेकिन इस युनिवर्सिटी के नाम की वजह से ये सारी चीजें हुई है। इस युनिवर्सिटी के बारे में गोदारा साहब कुछ बोलेंगे या नही।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): मै बोलूंगा या नही बोलूंगा लेकिन मै एक बात जरुर कहता हूं कि जिस महानुभव ने यह युनिवर्सिटी बनाई थी उसको यह देखना चाहिए था कि इसका बाद में रिएक ान क्या होगा।

श्री सम्पत सिंह: आपका इस बारे में क्या रिएक ान है क्या आप यह चाहते है कि इस का एफिलिए ान हो?

श्री मनी राम गोदारा: मै तो यह चाहता हूं कि कायदे कानून के हिसाब से इसमें सब कुछ हो।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, मै एक बात क्लैरीफाई करना चाहता हू। गुरु जम्भे वर जी की इज्जत मै इन सबसे ज्यादा करता हू। इनका गुरु जम्भे वर के सिद्धांतो से कुछ लेना देना नही है लेकिन मै उनके सारे सिद्धांतो को मानता हूं।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, गुरु जम्भे वर जी के हिन्दू फेथ के 20 और 9 यानी 29 सिद्धांत है और उनका हिन्दुस्तान में बहुत आदरणीय स्थान है। उनके नाम से हिसार का वि वविद्यालय बनाया गया। हमारी सरकार आने के बाद कई लोगो को यह अंदे ाा था कि इसका नाम बदला जाएगा या इसके अस्तित्व को समाप्त किया जाएगा लेकिन हमने उसके उल्ट इस वि वविद्यालय को, गुरु जम्भे वर जी के नाम के इस वि वविद्यालय को करोडो रुपया लगा करके आगे बढाया है।

श्री सम्पत सिंहः आप उसकी ग्रांट के बारे में भी बता दें।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी ने कहा कि गुरु जम्भे वर यूनिवर्सिटी की ग्रांट घटाई गई है। अध्यक्ष महोदय, उस यूनिवर्सिटी की ग्रांट नही घटी।जो पिछले दो साल का दौर था, वह हमारे उपर आर्थिक संयम बरतने का दौर था और जितना भी यूनिवर्सिटीज थी चाहे वह गुरु जम्भे वर यूनिवर्सिटी थी चाहे वह महर्शि दयानन्द यूनिवर्सिटी थी और चाहे वह कृशि वि ववविद्यालय था सबकी ग्रांट उस समय कम की गई। सम्पत सिंह जी, आपको स्मरण होगा कि जब यह यूनिवर्सिटी बनाई जा रही थी उस समय आप भी सदन में थे, चौधरी बंसी लाल जी भी सदन में थे, मै भी सदन में था और माननीय अध्यक्ष महोदय भी सदन में थे। उस समय जब रिजनैल इंजीनियरिंग सैंटर कुरुक्षेत्र को गुरु जम्भे वर यूनिवर्सिटी के साथ लगाया जा रहा था तो हम सबने उसका विरोध किया था। यह कोई न्यायसंगत बात नही है कि एक क्लास किसी युनिवर्सिटी मे चल रही है उसको किसी दूसरी युनिवर्सिटी के साथ मिला दिया जाए। अब हमने इस युनिवर्सिटी को एक रैजीडैंि ायल युनिवर्सिटी की स्वीकृति दे दी है। हमने इस युनिवर्सिटी के किसी कोर्स को बंद नही किया है। अब भी लगभग 62 टैक्नीकल कोर्स उस यूनिवर्सिटी के चल रहे है। गुरु जम्भे वर युनिवर्सिटी को यू0 जी0 सी0 ने एक बहुत अच्छी यूनिवर्सिटी करार दिया है। उन्होने इसको एक

मॉडल यूनिवर्सिटी बताया है। हमारी उस युनिवर्सिटी के साथ कोई दुर्भावना नही है, उसके पीछे कोई राजनैतिक कारण नही है। इस बारे में कमैटी की जो रिपोर्ट है उसी रिपोर्ट के अनुसार हमने यह काम किया है। इस युनिवर्सिटी के दर्जे को हमने नही घटाया है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, इस वि ववविद्यालय के बारे में चौटाला साहब व सम्पत सिंह जी की बातो को हमारे ि ाक्षा मंत्री जी ने तसल्ली से जवाब दिया है। लेकिन चौटाला साहब ने फरीदाबाद में किसी भीतकालीन सम्मेलन के बारे में कहा कि वहां पर 10–12 करोड रुपए खर्च हो गए। मै बताना चाहूंगा कि ऐसा कोई सम्मेलन हमने वहां पर नही किया।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, जब मण्डियाली मे किसानो को गोलियो से मारा गया था, उस सम वहां फरीदाबाद में एक सम्मेलन बुलाया गया जिसमें नाच गाने हुए थे।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मण्डियाली मे जो कुकर्म हुआ था वह भी इन्ही का कराया हुआ था। मै इनको बताना चाहता हूं कि जब मेहम का वाई–इलैक ान हो रहा था तो इनका होम मिनिस्टर वहां पर तख्त के नीचे छिप गया था, वहां से निकाला था। चौटाला साहब के एक छोटे लडके को, जो वहां बुथ कैपचरिंग करवा रहा था, गांव के लोगो ने पकड लिया था। उसके बाद उनके पिता श्री के व दादा श्री के टेलीफोन आए कि किसी तरह उस लडके को गांव से निकालो। पुलिस को कहा गया कि

उसको पुलिस की वर्दी पहन कर निकाल दो। लेकिन कोई पुलिस वाला वर्दी देने के लिए तैयार नही हुआ। एक सरदारो का बच्चा बेचारा नया नया भर्ती हुआ था उसको धमका कर उसकी वर्दी छिन ली और पहना कर इनके लडके को वहां से निकाल दिया गया। जब गावों वालो को इस बात का पता चला तो गांव वालो ने उस लडको को गंडासो से व दूसरे हथियारो से काट दिया। वह लडका अपने मां बाप का अकेला था। दो दिन बाद उसकी बहन की भाादी होनी थी। मै इनसे पूछना चाहता हूं कि जब बैंसी गांव मे यह हो रहा था तो ये उस वक्त क्या कर रहे थे?

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, ग्रेवाल कमी ान की रिपोर्ट में यह बात पूर्ण रुप से साफ हो चुकी है कि उस समय वहां अभय सिंह नही था। इसके बाद भी अगर सरकार यह समझती है कि अभय सिंह दोशी है तो मै सरकार को चुनौती देता हूं कल भी मैने चुनौती दी थी कि वह ग्रेवाल कमी ान की रिपोर्ट पर कार्यवाही करे, उसे लागू करे। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय की तो दूसरो पर आरोप लगाने की आदत बन गई है यह बात मै कल भी कह चूका हूं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी कह रहे थे कि कोर्ट ने उन्हे बरी कर दिया था। अध्यक्ष महोदय, कल आपने भी मुझे कहा था कि मै इनके बारे में दिया गया 5 जजो का फैसला आपको पढकर सुनाऊ। यह फैसला मै आपको पढकर सुना देता हूं। अध्यक्ष महोदय, इन 5 जजो ने युनानीमसली फैसला दिया है (विघ्न एवं भाोर) कोर्ट ने सूओमोटो

कन्टैम्प्ट मुख्य मंत्री के खिलाफ दिया और 5 जजो की एक बैंच मुकर्रर की। (विघ्न एवं भाोर)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इस कोर्ट आफ कनैटैम्प्ट के बारे में मै बताता हूं। जैसे एक दिन पहले भी मैने सदन में इस बारे मे बताया था कि मैने अदालत मे क्या ब्यान दिया, इस जजमैंट मे भी लिखा हुआ है–

"Before parting with the case, I would like to make it clear that no observation made here shall be taken to have been proved for that purpose, other than this case against the present Chief Minister Ch. Devi Lal, Ch. Dharam Singh, D.I.G (C.I.D), Shri Raj Singh] Supdt. of Police, Haryana and Shri Banarsi Lal, Inspector."

और ये सब बातें डिसकस होकर जो जजमैंट आई वह यह है–As a result of the foregoing discussion, the rule stands discharged against both the respondents. अध्यक्ष महोदय, जो नोटिस मेरे और श्री हंस राज भारद्वाज के खिलाफ जारी किया गया था वह कोर्ट ने डिस्चार्ज कर दिया, इसका मतलब यह हुआ कि हमारे खिलाफ कोर्ट में कोई केस नही है। As if, there was no case. (Interruptions) as if no case came to the court. अध्यक्ष महोदय, पता नही ये लोग क्या–क्या कहेंगे और क्या न कहेंगे, क्योंकि इनकी स्कीम कामयाब नही हुई, ये लोग मुझे मार नही सके, इस बात का इन्हे दुख है। (विध्न एवं भाोर)

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के जिस जजमैंट का जिक मुख्य मंत्री महोदय ने किया वह आई0 आर0 पेज नं0 166 पर है जिस के लास्ट पैरा नं0 170 मे लिखा हुआ है कि–

Both the respondents are unanimously held guilty under section 12 of the Contempt of Court Art, 1970."

यह मै इसलिए पढ रहा हूं क्योंकि कल आपने मुझे पढने के लिए कहा था। अध्यक्ष महोदय, यह हाई कोर्ट का फैसला है, 5 जजो की बैंच का फैसला है। अध्यक्ष महोदय, जो बात मुख्य मंत्री जी कह रहे है वह तो मुख्य मंत्री जी के वकील ने बाद में कोर्ट में दरखास्त देकर कही थी कि मुझे माफ किया जाये। इसके बाद तीन जजो ने तो इन्हे माफ कर दिया लेकिन श्री एस एस संधावालिया और श्री पी सी जैन ने उन्हे माफ नही किया था। उन्होने कहा था कि यह एक संगीन जुर्म है ओर इस जुर्म को माफ नही किया जा सकता। अध्यक्ष महोदय यह हाई कोर्ट का फैसला है मेरा नही (ोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, हाईकोर्ट में गीता को कोट किया गया और गीता में लिखा हुआ है कि –'कोधार्थ भवति सम्मोहत, सम्मोहत स्मृति विभृत, स्मृति भ्रश्टम बुद्धि ना ो, बुद्धि नश्ट प्राणस्ति'। अध्यक्ष महोदय, इसका मतलब क्या होता है यह तो श्री राम बिलास भार्मा जी ही बताएंगें।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय हमारी मुि कल यह है कि अनपढ आदमी से पाला पड गया है। (हंसी) In the last portion of the judgement, it is written-

"As a result of foregoing discussion, the rule stands discharged against both the respondents."

जब मामला डिस्चार्ज ही हो गया तो फिर इस बात से कोई मतलब नही रहता कि क्या डिस्कस हुआ। अल्टीमेटली वह डिस्चार्ज हो गया तो फिर बाकी बात खत्म हो जाती है। अध्यक्ष महोदय, भाायद इनको वह बात याद नही है जब ये घडियो की चोरी में पकडे गए थे और इनको एक हजार रुपये का जुर्माना हुआ था। इस समय इनके पिता श्री ने कहा था कि यह मेरा लडको नही है। अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि यह लडका उनका नही यह तो मनी राम गोदारा का गोद हो गया, अध्यक्ष महोदय, उन्होने इनको उल्टा फिर ले लिया और वे बोलने कि यह तो मेरा उत्तराधिकारी है। कई बार ये उनके उतराधिकारी बने और कई बार यह उनका बेटा होता ही नही, इनका हम क्या करें। अध्यक्ष महोदय, इनकी किस किस चीज का जवाब दें। मै अभी इन के किस्से के बारे में कह रहा था लेकिन महम के किस्से का इनका पास कोई जवाब नही। ये ग्रेवाल रिपोर्ट के बारे में बता रहे है, ग्रेवाल रिपोर्ट क्या है। अध्यक्ष महोदय, महम काण्ड मे अगर चौटाला साहब के लडके को उस गरीब सरदार की वर्दी न पहनाई गई होती और उस सरदार के लडके को इनके लडके के कपडे न पहनाए होते तो उस सरदार के लडके का कत्ल नही होता क्योंकि

वहां पर उसका कोई दु मन नही था। अध्यक्ष महोदय, वह लडको तो इन्होने मरवा दिया लेकिन अपने लडके के लिए उसकी वर्दी छीन ली और पुलिस के बीच में से उसको निकाल कर ले गए। जब लोगो ने वहां पर इनके लडके के कपडे पहने हुए उस लडके को देखा तो उन्होने सोचा कि इनका लडका जा रहा है उसके बाद लोगो ने आव देखा न ताव उसको काट डाला। अध्यक्ष महोदय, ये लोग कनटैण्ट की बात करते है। जैसे कि मैने उस जज के खिलाफ ब्यान दिया था, सी0 जे0 एम0 के खिलाफ ब्यान देने पर मेरे खिलाफ कनटैण्ट का केस तो बनना ही था। अध्यक्ष महोदय, बिजली को हाथ लगवा कर या दूसरी मंजिल से धक्का दे कर मुझे मारने का इनका प्रोग्राम था और मेरे पास अपनी जान बचाने का कोई और चारा नही था,, जान तो बचानी ही थी। अध्यक्ष महोदय, ये बताएं कि महम में क्या हुआ। (विघ्न) इन्होने जो इतने कुए खोद रखे है, उनका क्या हुआ? (विघ्न)

वाक आउट

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैने आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी द्वारा कही गई बात को स्पशट करते हुए पांच जजो के फैसले का जिक किया। (विघ्न)

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, ********************

Mr. Speaker: Now this matter ends.. Zero hour is over. Nothing is to be recorded without my permission. मेरी

लीडर्ज आफ दी पार्टीज से प्रार्थना है कि वे अपनी पार्टी के ऐसे विधायक, जिनको बोलने का मौका नही मिला है उनके नाम लिख कर मेरे पास भेज दें।

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आप हमें कन्टैण्ट आफ कोर्ट से संबंधित मामले पर बोलने की इजाजत नही दे रहे है, इसलिए हम सभी सदस्य एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक आउट करते है।

(At this stage, all the members of the Haryana Lok Dal (Rashtriya) Party, present in the House staged a walk out as a protest against not having been allowed to speak on the matter concerning the contempt of court.)

वर्श 1993–94 के लिए अनुदानो तथा विनियोजनो से अधिक मांगो पर चर्चा तथा मतदान

श्री अध्यक्ष: जो इण्डिपैंडैंट मैम्बर्ज है अगर उनको भी बोलना है और अगर वे पहले नही बोले है तो they may please give the list of the speakers so that I may ask those members to speak. मैने कल सदन को आ वासन दिया था कि आज चाहे रात के 9 बज जाएं, कोई भी सदस्य जिसको बोलने का मौका नही मिला है उसको आज समय जरुर मिलेगा।

Mr. Speaker: According to the previous practice and in order to save the time of the House, the excess demands over grants for the year 1993&94 on the order paper (Nos. 3,5,6,8,15,18,23 and 25) are deemed to have been read

and moved together and a general discussion on the excewss demands is permitted. However, the members are requested to indicate the demand No. on which they wish to raise discussion while speaking.

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 26917967** be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Home**.

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 13747787** be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Excise & Taxation**.

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 434177** be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Finance**.

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 70452773** be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Building & Roads**.

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 237850309** be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Irrigation**.

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 17108328** be made to regularize the charges already incurred in excess

of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Animal Husbandry**.

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 78061212** be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Transport**.

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 23079146** be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Loans and Advances**.

श्री सम्पत सिंह: अध्यक्ष महोदय, बोलने की बात आ रही है मुझे बोलने का समय नही मिला था तो क्या अब मै बोलू।

श्री अध्यक्ष: मै यह कह रहा हूं कि जिन मैम्बर्ज को पहले बोलने का समय नही मिला है उनकी लिस्ट बनाकर मेरे पास भेज दे ताकि उन मैम्बर्ज को बोलने का समय मिल सके।

श्री सम्पत सिंह: अध्यक्ष महोदय, मुझे समय नही मिला था।

श्री अध्यक्ष: अभी आप बैठ जाए। यह जो एक्सैस डिमांड 1993–94 है इस पर कोई डिस्क ान नही होती। इसको बिना डिस्क ान के पास कर लेते है।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, आप उन सदस्यो को ही बोलने का समय देना जिनको अभी तक बोलने का

समय ही नही मिला हो। अध्यक्ष महोदय, 1993–94 की ऐक्सैस डिमांड को छोडकर बाकी सब पर इकट्ठी ही डिस्क ान करवा लें।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, 1993–94 की ऐक्सैस डिमान्डज को हम पास कर लेते है और बाकी पर बाद में इकट्ठी डिस्क ान करवा लेंगे।

Mr. Speaker: Now, I shall put various demands to the Vote of the House.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 26917967** be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Home**.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 13747787** be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Excise & Taxation**.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 434177** be made to regularize the charges already incurred in excess of

the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Finance**.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 70452773** be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Building & Roads**.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 237850309** be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Irrigation**.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 17108328** be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Animal Husbandry**.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 78061212** be made to regularize the charges already incurred in excess

of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Transport**.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Question is-

That a grant of a sum not exceeding **Rs. 23079146** be made to regularize the charges already incurred in excess of the grant voted by the Legislative Assembly for the year 1993-94 in respect of **Loans and Advances**.

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now discussion and voting on the demands for grants on Budget for the year 1998&99 will take place.

As per the past practice and in order to save the time of the House, all the demands for grants on the order paper will be deemed to have been read and moved together. Hon'ble Members can discuss any demand but they are requested to indicate the demand number on which they wish to raise discussion. The notices of cut motions given by Sarvshri Capt. Ajay Singh, Sampat Singh, Ram Pal Majra, Khurshid Ahmed and Ashok Kumar, M.L.As on demand No. 2, Sarvshri Randeep Singh, Capt. Ajay Singh, Ram Pal Majra, Sampat Singh, M.L.As on Demand No.3, Sarvshri Capt Ajay Singh, Birender Singh and Khurshird Ahmed, M.L.As on Demand No.4, Sarvshri Birender Singh, Capt. Ajay Singh, Sampat Singh, Khurshid Ahmed and Satvinder Singh Rana, M.L.As on Demand No. 8, Sarvshri Randeep Singh, Khurshid Ahmed, Sampat Singh, Ram Pal Majra and Capt. Ajay Singh, M.L.As on Demand No. 9, Sarvshri Sampat Singh, Capt. Ajay Singh, Satvinder Singh, Birender Singh and Khurshid Ahmed,

M.L.As on Demand No. 10, Sarvshri Sampat Singh, Khurshid Ahmed, Capt. Ajay Singh and M.L.As on Demand No. 11, Sarvshri Randeep Singh, Khurshid Ahmed, Capt. Ajay Singh and Ram Pal Majra, M.L.As on Demand No. 13, will also be deemed to have been read and moved.

That a sum not exceeding **Rs. 28462000-** for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 28836000-** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 1- Vidhan Sabha**.

That a sum not exceeding **Rs. 995689000-** for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 586479000-** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 2- General Administration**.

That a sum not exceeding **Rs. 1763073000-** for revenue expenditure and **Rs. 100000000-** for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 253584400-** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 3- Home**.

That a sum not exceeding **Rs. 311423000-** for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 660355000-** already

voted on account) in respect of charges under **Demand No. 4-Revenue**.

That a sum not exceeding **Rs. 195884000-** for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 228818000-** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 5-Excise & Taxation**.

That a sum not exceeding **Rs. 2759106000-** for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 2654192000-** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 6-Finance**.

That a sum not exceeding **Rs. 3160818000** for revenue expenditure and **Rs. 933000-** for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of **Rs. 4329758000-** and capital expenditure amount of **Rs. 467000** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 7- Other Administrative Services**.

That a sum not exceeding **Rs. 2048549000** for revenue expenditure and **Rs. 1536145000-** for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of **Rs. 998503000-** and capital expenditure amount of **Rs.**

347348000 already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 8- Building & Roads**.

That a sum not exceeding **Rs. 7509302000-** for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 6275510000-** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 9- Education**.

That a sum not exceeding **Rs. 3540770000** for revenue expenditure and **Rs. 1097773000-** for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of **Rs. 2571147000-** and capital expenditure amount of **Rs. 516327000** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 10- Medical & Public Health**.

That a sum not exceeding **Rs. 319464000-** for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 196533000-** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 11- Urban Development**.

That a sum not exceeding **Rs. 340998000-** for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 292179000-** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 12- Labour & Employment**.

That a sum not exceeding **Rs. 1811715000** for revenue expenditure and **Rs. 27836000-** for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of **Rs. 851171000-** and capital expenditure amount of **Rs. 9164000** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 13- Social Welfare & Rehabilitation**.

That a sum not exceeding **Rs. 92654000** for revenue expenditure and **Rs. 918379000-** for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of **Rs. 142117000-** and capital expenditure amount of **Rs. 3968447000** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 14- Food & Supplies**.

That a sum not exceeding **Rs. 2333738000** for revenue expenditure and **Rs. 3387828000-** for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of **Rs. 5744700000-** and capital expenditure amount of **Rs. 2478172000** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 15- Irrigation**.

That a sum not exceeding **Rs. 295318000** for revenue expenditure and **Rs. 149217000-** for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of **Rs.**

143424000- and capital expenditure amount of **Rs. 41183000** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 16- Industries**.

That a sum not exceeding **Rs. 1536667000-** for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 980934000-** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 17- Agriculture**.

That a sum not exceeding **Rs. 515179000-** for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 481701000-** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 18- Animal Husbandry.**

That a sum not exceeding **Rs. 53376000-** for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 28407000-** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 19- Fisheries**.

That a sum not exceeding **Rs. 600054000-** for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 222961000-** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 20- Forest**.

That a sum not exceeding **Rs. 821354000-** for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of **Rs. 463292000-** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 21-Community Development**.

That a sum not exceeding **Rs. 118010000** for revenue expenditure and **Rs. 111538000-** for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of **Rs. 134398000-** and capital expenditure amount of **Rs. 33562000** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 22-Cooperation**.

That a sum not exceeding **Rs. 2864535000** for revenue expenditure and **Rs. 295933000-** for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of **Rs. 2114366000-** and capital expenditure amount of **Rs. 189567000** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 23-Transport**.

That a sum not exceeding **Rs. 95000** for revenue expenditure and **Rs. 28867000-** for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of **Rs. 5375000-** and capital expenditure amount of **Rs. 13433000** already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 24-Tourism**.

That a sum not exceeding **Rs. 2478172000** out of **Rs. 6057190000-** already voted on account for capital expenditure be transferred to Demand No. 15 to defray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 under that Demand & balance amount of **Rs. 3579018000-** already stands on account under **Demand No. 25-Loan and Advances by State Government for the year 1998-99**.

Demand No.2

Capt. Ajay Singh;

Shri Sampat Singh;

Shri Ram Pal Majra;

Shri Khurshid Ahmed;

Shri Ashok Kumar;

That Demand No. 2 of Rs. 1614211000 on account of General Administration be reduced by Re. 1/-.

Demand No. 3

Shri Randeep Singh;

Capt. Ajay Singh;

Shri Ram Pal Majra;

Shri Sampat Singh;

That Demand No. 3 of Rs. 447791000 on account of Home be reduced by Rs. 100000/-

Demand No. 4

Capt Ajay Singh;

Shri Birender Singh;

Shri Khurshid Ahmed;

That Demand No. 4 of Rs. 971780000 on account of Revenue be reduced by Re.1/-

Demand No. 8

Shri Birender Singh;

Capt. Ajay Singh;

Shri Sampat Singh;

Shri Khurshid Ahmed;

Shri Satvinder Singh;

That Demand No. 8 of Rs. 4941345000 on account of Buildings & Roads be reduced by Re. 1/-

Demand No. 9

Shri Randeep Singh;

Shri Khurshid Ahmed;

Shri Sampat Singh;

Shri Ram Pal Majra;

Capt. Ajay Singh;

That Demand No 9 of Rs. 13784817000 on account of Education be reduced by Re. 1/-

Demand No. 10

Shri Sampat Singh;

Capt. Ajay Singh;

Shri Satvinder Singh;

Shri Birender Singh;

Shri Khurshid Ahmed;

That Demand No. 10 of Rs. 7727577000 on account of Medical and Public Health be reduced by Re. 1/-

Demand No. 11

Shri Sampat Singh;

Capt. Ajay Singh;

Shri Khurshid Ahmed;

That Demand No. 11 of rs. 515997000 on account of Urban Development be reduced by Re. 1/-

Demand No. 13

Shri Randeep Singh;

Shri Khurshid Ahmed;

Capt. Ajay Singh;

Shri Ram Pal Majra;

That Demand No 13 of Rs. 2699886000 on account of Social Welfare and Rehabilitation be reduced by Re. 1/-

Demand No. 15

Shri Khurshid Ahmed;

Shri Birender Singh;

Shri Sampat Singh;

Capt. Ajay Singh;

Shri Satvinder Singh;

That Demand No. 15 of Rs. 15324438000 on account of Irrigation be reduced by Re. 1/-

Demand No. 16

Shri Randeep Singh

Capt. Ajay Singh;

Shri Ram Pal Majra;

Shri Khurshid Ahmed;

That Demand No. 16 of Rs. 629182000 on account of Industries be reduced by Rs. 100000/-

Demand No. 17

Shri Khurshid Ahmed;

Shri Sampat Singh;

Capt. Ajay Singh;

Shri Ram Pal Majra;

Shri Randeep Singh;

That Demand No 17 of Rs. 2518751000 on account of Agriculture be reduced by Re. 1/-

Demand No. 21

Shri Birender Singh;

Shri Khurshid Ahmed;

Capt. Ajay Singh;

Shri Ashok Kumar;

Shri Ram Pal Majra;

That Demand No. 21 of Rs. 1284731000 on account of Community Development be reduced by Re. 1/-

Demand No. 22

Shri Khurshid Ahmed;

Capt. Ajay Singh;

That Demand No. 22 of Rs. 397513000 on account of Co-operation be reduced by Re. 1/-

Demand No. 23

Shri Khurshid Ahmed;

Capt. Ajay Singh;

Shri Ram Pal Majra;

Shri Randeep Singh;

That Demand No. 23 of Rs. 5463111000 on account of Transport be reduced by Re. 1/-

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरी एक सबमि ान है। अभी जो आपने कहा था कि जिन सदस्यो को अभी तक बोलने का मौका नही मिला है उनको हम डिमांड पर बुलाएंगे। लेकिन मै आपसे अनुरोध करना चाहता हू कि सारी डिमांडज तो इकट्ठे पास नही होगी बल्कि एक एक करके पास होगी इसलिए जिन मैम्बर्ज के कट मो ंज है उनको भी अगर आप हर डिमांड पर एक एक या दो दो मिनट का बोलने का समय दे दें तो यह बहुत अच्छा होगा।

श्री सम्पत सिंह (फतेहाबाद): स्पीकर सर, सबसे पहले तो मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे डिमांडज पर बोलने के लिए इजाजत दी। सर, इसी तरह से मै चाहता हूं कि आपकी कृपा हमारे उपर आगे भी बनी रहेगी। अगर मै इररैलवैन्ट बोलूं तो आप खुद ही मुझे टोक दे बताए इसके की कोई दूसरा मुझे कुछ कहे।

श्री अध्यक्षः आपको बोलने के लिए 15 मिनट दिए जाते है।

श्री सम्पत सिंहः सर, यह तो बहुत थोडा समय है। आप मुझे 50 मिनट बोलने के लिए दे दें।

श्री अध्यक्षः नही आपको केवल 15 मिनट बोलने के लिए दिए जाते है।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मै डिमांडज के बारे में डिमांडवाईज ही डिस्क ा करुंगा और उस समय ही मै डिमांड का नम्बर भी बता दूंगा। सर सबसे पहले इस बजट की वजह से जो डिमांड क्रिएट हुई है, मै इसके बारे में कहना चाहता हूं। स्पीकर साहब, स्टेट इस बात के लिए सीरियस नही है कि इसका फाईनैं ि ायल मैनेजमैंट ठीक किया जाए। अगर आप फाईनैं ि ायल मैनेजमैंट ठीक नही करेंगे तो थोडे दिनो के बाद ही स्टेट इतना जबरदस्त दिवालिया हो जाएगा कि इसके पास कर्ज तो क्या ब्याज चुकाने के लिए भी पैसा नही रहेगा। सर, ऐक्चुअललायबिलिटिज 31 मार्च, 1997 को 467.78 करोड रुपये की थी जबकि अब 31 मार्च,1998 के लिए जो ऐस्टीमेट बने है उसमे यह लायबिलिटीज 80527/.करोड रुपये हो जाएगी। इसलिए स्पीकर साहब, अगर स्टेट इतनी बडी लायबिलिटिज झेल रहा है तो फिर स्टेट जीवित कहां रहेगी? इसी तरह से दूसरी बात मै यह कहना चाहता हूं कि हमारी कर्जे की अदायगी हर साल बढती ही जा रही है। आप तो कर्जे की अदायगी ही नही दे पाएंगे तो फिर आप नये कर्जे लेने की बात क्यों कर रहे है? 1995—96 मे यह अदायगी 555.73 करोड रुपए की थी जबकि आज यह अदायगी 1056.95 करोड रुपये की हो गयी है। स्पीकर साहब, इसके बावजूद भी कल मुख्यमंत्री जी कह रहे थे कि हमने बजट मे कोई टैक्स नही बढाया है। लेकिन

केवल टैक्स का ही रैवेन्यू 1995–96में 1055 करोड रुपये का था और उसके बाद यह तकरीबन 1700 करोड रुपये का हो गया यानी यह रैवेन्यू भी बढ गया है और 700 करोड रुपये के टैक्सिज लोगो पर लगे हुए है फिर ये कैसे कह सकते है कि टैक्सिज नही लगे है? स्पीकर साहब, लेकिन इनके बदले में जनता को सर्विसिज क्या मिली है?

ि ाक्षा मंत्री (श्री रामबिलास भार्मा): स्पीकर साहब, यह माना कि प्रो0 सम्पत सिंह जी तैयारी से बोल रहे है परंतु कल मुख्यमंत्री जी ने यही कहा है कि 171 करोड रुपये का यह पिछला सारा भाोर भाराबा है और उसमें सिर्फ जो बढाया है वह इतना है। अध्यक्ष महोदय प्रो0 सम्पत सिंह जी 700 करोड रुपये के सेल्ज टैक्स की बात कर रहे है वह तो सरकार की कार्यकु ालता हैं हमने कोई टैक्स नही बढाया है। जो रैवेन्यू कनैक ान हुआ, जो चोरी रोकी या जो टैक्स पीछे लगे हुए थे उनको ही हमने रिकवर किया। रेट आफॅ टैक्स नही बढा।

श्री सम्पत सिंहः यह जो बीच में जवाब आ रहे है इनके बारे में मै रिक्वैस्ट करुंगा कि वित्त मंत्री जी जवाब देते समय बता दें कि कितनी रिकवरी की है ओर बाकी का एरियर कहां से वापस लेंगे? यह तो आपका उदाहरण है कि जब असैट्स से फालतू लायबिलिटिज हो गई तो आज तो चलो ठीक है कि ये बडी बडी स्कीमे देंगे लेकिन कल को कैसे चलेगा? स्पीकर सर, अब मै पावर पर बोलना चाहता हूं। राम बिलास भार्मा जी कहेंगे कि पावर की

तो डिमांड ही नही है। मे इनको बताना चाहूंगा कि करीब 210 करोड रुपये स्टेट गवर्नमैंट एच0 एस0 ई0 वी0 को देने जा रही है। लेकिन इसके बावजूद भी इससे माडे और इससे बुरे हाल बिजली बोर्ड के पहले कभी नही हुए। बार बार डींगे मारी गई डेटस भी दी गई और कहा गया कि बिजली के बारे में सारे के सारे सदस्य बिजली के उपर बोल रहे हे और ये सभी कह रहे है कि पिछली सरकारो ने बिजली के मामले मे कुछ नही किया। मुख्य मंत्री जी ने कहा कि जो कम मै करके गया था वही हुआ उसके बाद कोई काम नही हुआ। सर, मै आपको बताना चाहता हूं कि सबसे पहले जनरे ान के हैड में हरियाणा प्रदे ा की 1975–76 के अंदर हमारी कैपेसिटी 55 मैगावाट थी और वह भी केवल फरीदाबद में थी, बाकी जगह जो प्लान्ट्स लगे है वह आफटर 1976 मे लगे है उसके बाद जो कैपेसिटी बनी, वह 876 मैगावाट थी। यह 55 से 876 मैगावाट की कैपेसिटी तक कौन लेकर आया? यह 17–18 गुनी बढौतरी हुई। इसी तरह से अगर यूनिट्स के हिसाब से देखें तो उस समय 32 करोड यूनिट बिजली पैदा होती थी जबकि अब 336 करोड यूनिट बिजली ले रहे है तो यह कहना बिल्कुल उचित नही होगा कि सारा कुछ उसी टाईम हुआ। दूसरी बात इसके बारे में मुझे यह कहनी है कि जब चौधरी बंसी लाल जी राज छोडकर गए थे, उस समय 7 लाख कंज्यूमर्ज थे जबकि आज 33लाख 90 हजार 245 कंज्यूमर्ज है। उनकी डिमांड को मीटआउट किसने किया? अगर आने वाली कोई भी सरकार यह सब काम न करती तो आगे कैसे कर देते? टयूबवैल्ज के

कनैक ान यदि किसी सरकार के समय में घटे है तो इनकी सरकार के समय में घटे है। पिछले दो साल के अंदर टयूबवैल्ज कनैक ान घटे है। जब यह सरकार सत्ता में आई थी तो उस समय 3 लाख 75 हजार 934 टयूबवैल्ज के कनैक ान ाि और अगले साल ये 3 लाख 66 हजार समथिंग रह गए और बाद में ये 3 लाख 64 हजार समथिंग रह गए। कितने टयूबवैल्ज घट गये, 12 हजार के करीब टयूबवैलज कनैक ान घटे है। नये टयूबवैल्ज कनैक ान देने का तो कोई मतलब ही नही है। 1975–76 में 45 लाख यूनिट डेली बिजली उपलब्ध थी जबकि 1990–91 में 260 लाख यूनिट बिजली डेली उपलब्ध थी और अब ऐट वन डे 315 लाख यूनिट बिजली 25–5–90 को थी।

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, जैसा कि चौधरी सम्पत सिंह जी ने टयूबवैल्ज कनैक ानंज के बारे में जिक किया है। इस बारे मे तो आंकडो से ही पता चलेगा क्योंकि पिछले ढाई साल में जब से हमारी सरकार आई है, हमने नहरो के पानी को बढाने पर जोर दिया है। इसलिए जब किसान को नहरो से पानी मिलेगा। तो वह टयूबवैल्ज को क्यो चलायेगा?

श्री सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, दलाल साहब एक सवाल का जवाब दे दें कि 75 हजार टयूबवैल्ज कनैक ान की एप्लीके ान पैंडिंग क्यों है? (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, ट्रांसमी ान के बारे मे मै बताना चाहूंगा कि 1974–75 में ट्रांसफार्मज की संख्या 21 हजार थी और आज यह

एक लाख से भी ज्यादा है यानी पांच गुणा ट्रांसफार्मज कहां से आ गये है? पहले 46991 कि0 मी0 बिजली की लाईन थी जो आज 165827 कि0 मी0 हो गई` तो यह डिवल्पमैंट कैसे हुई? जहां तक सब–स्टे ाज की बात है। उपाध्यक्ष महोदय, 1974–75 में 220 के0 वी0 के सब स्टे ान नही थे। सब स्टे ान तो 1975–76 के बाद में ही लगाये गये है। मुख्य मंत्री महोदय का यह कहना कि सारा कुछ उन्होने ही किया है यह कोई जवाब नही है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः आपके राज में बिजली की प्रोग्रैस कितनी और कहां कहां हुई, यह हमें बतायें?

श्री सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, आज मेरे एक अतारांकित प्र न के जवाब में मुख्य मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है उसको आप पढकर देख सकते है कि हमने कितनी प्रोग्रैस की है? पानीपत का प्लांट नम्बर 1 और 2 1977 में हमारी सरकार ने ही भाुरु किया था। (विघ्न)

श्री सोमबीर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से चौधरी सम्पत सिंह जी से एक बात पूछना चाहता हूं कि ये इस सदन को बताये कि जब 1987 में इनकी सरकार आई तो कितने टयूबवैल्ज के कनैक ान पैंडिंग थे और जब इनकी सरकार नही रही उस समय में कितने कनैक ान पैंडिंग थे?

श्री सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने चार साल के अंदर साठ हजार टयूबवैल्ज कनैक ान दिये थे

जबकि वर्तमान सरकार ने कुल 12 हजार टयूबवैल्ज कनैक ान ही दिये है जोकि टोटल मे से भी कुछ घटे है इस पर इनका यह कहना कि पावर की उपलब्धि न होने के कारण या नहरो में पानी देने के कारण यह हुआ है, यह कोई जवाब नही है। फिर आज के दिन 75 हजार टयूबवैल्ज कनैक ान की एप्लीके ान पैंडिंग क्यों पडी है? दूसरी बात जो मै कहना चाहता हूं वह यह है कि हरियाणाा राज्य बिजली बोर्ड ने फरवरी के मीने मे जो अपना वजैटरी एस्टिमेट्स दिया था उसमें स्टेट प्लान मे जो बजट एस्टिमेट था, वह 325 करोड रुपये और एक्सटर्नल एडिड प्रोजैक्ट्स का 228 करोड रुपये का था। जाकि वर्तमान बजट 325 करोड रुपये जमा 180 करोड रुपये जो कुल 505 करोड रुपये हो जाता है। जब इस सरकार ने चार पांच महीनो में ही बजट को 50–60 करोड रुपये घाटा दिया तो बाकी को यह सरकार कैसे पूरा करेगी? मेरा कहना यह है कि बिजली बोर्ड घाटे में जा रहा है। 1997–98 में बिजली बोर्ड का घाटा 313 करोड रुपये का था और अब इन्होने 1998–99 में 485 करोड रुपये के घाटे का बजट एस्टिमैट्स दिया है। मै बताना चाहता हूं कि जो लोन लिया गया है, उसकी मूल पेमैंट तो 183 करोड रुपए सालाना होगी और इस पर ब्याज की राि ा 290 करोड रुपए सालाना होगी। इसका मतलब यह हुआ कि जो मूलधन की राि ा दे रहे है उससे ज्यादा तो इसका ब्याज ही देना पडेगा। इसलिए चाहे सरकार के एडमिनिस्ट्रे ान में कमी हो या इनएफि िएं ी हो, या बिजली बोर्ड में क ान हो, कारण कोई भी हो सकता ह।There is

something wrong in the HSEB, दूसरे, उपाध्यक्ष महोदय, दलाल साहब ने मेरा अनस्टार्ड क्वै चन तो पढ लिया होगा। अगर नही पढाप तो मै इनको पढकर सुना देता हूं। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, जो पहले से ही चल रहा था, उसका जिक तो इन्होने किया नही है।

श्री सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, पहले कुछ नही चल रहा था। मै बता भी सकता हूं लेकिन इससे हाउस का समय बर्बाद होता है। उपाध्यक्ष महोदय, पानीपत थर्मल प्लांट की 110 मैगावाट की दोनो यूनिट्स 1977 मे चालू की गई थी और बाद में हमारी सरकार के समय मे ही बिजली की जनरे ान भी की गई। उसके बाद पानीपत थर्मल प्लांट मे ही 220 मैगावाट की यूनिट हमारे समय में ही पूरी हुई है। (ोर एवं विघ्न)

श्री सतपाल सांगवानः उपाध्यक्ष महोदय, इस में काम किस ने करवाया है? ये कहते है कि 1977 मे इनकी सरकार ने इस यूनिट को चालू करवाया लेकिन इस की कमि ानिंग भी हुई होगी, टैस्टिंग भी हुई होगी, वह किसने करवाई?

श्री सम्पत सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै बताना चाहता हूं कि पानीपत मूं 210 मैगावाट की 5वीं यूनिट रिकार्ड टाईम में तैयार हुई थी तथा उस वक्त हमारी सरकार ने मुलाजिमो को बोनस भी दिया था। इस युनिट का ओवर–टाईम कार्य करवा कर हमारी सरकार ने ही इसको तैयार करवाया था। उपाध्यक्ष महोदय,

48 मैगावाट की हाईडल युनिट भी हमारी सरकार के समय में ही पूरी हुई थी। इसलिए मै कहना चाहता हूं कि पहले से ही जो बिजली जनरेट हो रही है, उन मे से अधिकतर यूनिट्स तो हमारे समय की ही है। हां, चौधरी बंसी लाल जी ने जो बिजली जनरे ान का कार्य अपने समय मे किया है, वह 55 मैगावाट से ज्यादा नही है। उपाध्यक्ष महोदय, मै पानीपत की छटी यूनिट के बारे में बताना चाहता हूं। The project for the 6th unit (210 MW) was cleared by the Ministry of Environment and the Planing Commission on 7-4-89 and 3-7-89, respectively. The estimated cost was Rs. 238.27 crores. चौधरी बंसी लाल जी ने बताया कि अगर उस वक्त यह प्रौजैक्ट बन जाता तो इतने करोड रुपये खर्च होते। The H.S.E.B had given a letter of intent for Boiler and T.G set to BHEL on 23-3-89 with an advance payment of Rs. 11.25 crores. Designing was completed and machinery worth Rs. 80 crores from BHEL was received in 1998 and it is lying idle. उपाध्यक्ष महोदय, इसके बाद 5 अप्रैल को हमारी सरकार चली गइ तथा 30 मार्च, 1991 तक इसमें कार्य चल रहा था। उसके बाद दुर्भाग्य से उसपर कार्यबंद हो गया। आज का भी पता नही कि वहां पर काम हो रहा है अथवा नही। मै बताना चाहता हूं कि वहां पर जो फाउंडे ान तैयार किया गया था, उसमे पिछले सालो में पानी भर गया था चाहे वह फलड की वजह से भरा हो या किसी और कारण से। जो बजट प्रस्तुत किया गया है वह नए प्रोजैक्टस का भी है और आनॅगोइंग वर्क्स का भी है। मंत्री जी अपने जवाब में बता देंगे कि क्या बजट मे इस छठी यूनिट के लिए

पैसे का कोई प्रावधान किया गया है? मै कहता हूं कि इस के लिए कोई प्रस्ताव नही किया गया है और ये कहते है कि इस को अगले साल तक तैयार कर देंगे। जहां तक उसके रैनोवे ान की बात है तो उसकी रैनोवे ान की जाए ताकि उसकी बिजली पैदा करने की कपैसिटी बढ जाए। उस समय इंजीनियर्स ने इसकी रैनोवे ान के लिए 100 करोड रुपये का एस्टीमैट बनाया था, बाद मे उसे बढाकर 250 करोड रुपये कर दिया गया और जब तक उसकी रैनोवे ान की जाएगी तब तक यह कोस्ट बढकर 400 करोड रुपये हो जाएगी। बिजली की जनरे ान पिछले 3 सालो में कितनी बढी है, अगर इसका हिसाब ले लें तो इनका यही जवाब था कि 1996–97 में 2700 मिलियन यूनिट जनरेट हुई एवं 1997–98 और 1998–99 में भी वही 2700 मिलियन यूनिट बिजली जनरेट हुई। इसका मतलब यह हुआ कि थर्मल पावर प्लांट मे रैनोवे ान का कोई असर नही हुआ। इस पर ये जितना खच्र कर रहे है, वह सब बेकार कर रहे है। फरीदाबाद थर्मल पावर प्लांट के बारे में दलाल साहब भी कह रहे थे कि पहले कोई प्रोजैक्ट मंजूर भी होता है तो फरीदाबाद का थर्मल प्लांट लगाने के लिए हमारे समय में मंजूर हुआ था। यह जो प्रपोजल है, यह है–

Initially the proposal for the gas based power plant of 300 M.W at Faridabad was sent by the H.S.E.B to Central Electricity Authority in November, 1990.

उसके बाद उसके बारे में यह डिसाइड किया गया कि उसको स्टेट गवर्नमैंट नही बनाएगी बल्कि उसको एन0 टी0 पी0

सी0 बनाएगी। एन0 टी0 पी0 सी0 ने उसको बढाकर 432 मैगावाट का कर दया। उस वक्त जो प्राईम मिनिस्टर थे उन्होने उसका पत्थर रखा था लेकिन डिप्टी स्पीकर सर, it is in open market. उससे हमें जो पावर मिलेगी वह मार्किट रेट पर मिलेगी। मार्किट रेट पर तो आज भी पावर एवेलेबल है। आज भी ले लो, उससे आपको कौन रोकता है। मार्किट रेट पर जो पावर मिलती है वह सबसे ज्यादा महंगी मिलती है। फरीदाबाद का अपना प्लांट नही है। इसके अलावा यमुनानगर थर्मल प्लांट की बात करते है। यमुनानगर थर्मल प्लांट के लिए नवम्बर 1987 में सरकार ने लैंड एक्वायर करने के बारे मे एक्वीजि ान लेने का डिसाईड किया था और 1132 एकड लैंड एक्वायर की गई वह लैंड भी हमारी सरकार ने एक्वायर की थी। उस पर करोडो रुपये का कंस्ट्रक ानन वर्क किया गया after that physical possession of land acquired by H.S.E.B was also handed over to NTPC on 1-2-1990. उसके बाद एन0 टी0 पी0 सी0 को दे दिया गया। एन0 टी0 पी0 सी0 को देने के बाद वे उस पर काम नही कर रहे है। आने वाली सरकार काम न करे तो हम क्या कर सकते है? आज की सरकार कह रही है कि हम काम करेंगे लेकिन आज की सरकार कितना काम करेगी। पिछले साल इस सरकार ने 15 लाख रुपये खर्च किए, वह भी नहरो की गाद निकालने और माईनर्ज की सफाई आदि करने पर खर्च कर दिया होगा। इस बार उस प्रोजैक्ट पर 22 करोड रुपये खर्च कर रहे है। डिप्टी स्पीकर साहब, 210 मैगावाट का प्रोजैक्ट

हो, उस पर आप 22 करोड रुपये खर्च करने की बात करते है जबकि इस पर हजारो करोड रुपये खर्च होने है।

एक आवाजः वह 110 मैगावाट का प्रोजैक्ट है।

श्री सम्पत सिंहः पहले वह 210 मैगावाट का था, अब उसको 110 मैगावाट का कर दिया होगा। फिर भी उस पर हजारो करोडो रुपये खर्च होंगे। आप उसके पुराने एस्टीमेटस को देखें, वह 1744 करोड रुपये का था। अगर यह सरकार हर साल उस पर 22 करोड रुपये खर्च करती रहे तो उसको कम्पलीट होने में 100 साल लग जाएंगे। दलाल साहब ने हिसार थर्मल पावर प्लांट का जिक कर दिया कि हिसार में भी थर्मल पावर प्लांट बन रहा है। जब बजट स्पीच में देखा तो पता लगा कि 1997–98 मे उसके लिए 65 लाख रुपये रखे गये थे लेकिन 1998–99 मे निल यानि उसके लिए कोई पैसा नही रखा गया। वह थर्मल पावर प्लांट बनेगा या नही बनेगा इस बारे में कुछ पता नही। डिप्टी स्पीकर साहब, मै यह नही समझ पा रहा हूं कि जो बिजली की नई जनरे ान आएगी वह कहां से आएगी क्योंकि इन्होने बजट मे नए प्रोजैक्ट के लिए कोई पैसा नही रखा है। यदि नए प्रोजैक्ट नही बनेगे तो नई जनरे ान आने की कोई गुंजाइ ा नही है केवल मात्र आप 240 करोड रुपये का लोन लेकर राजी हो रहे है कि उससे काम चल जाएगा लेकिन उससे काम चलने वाला नही है।

बिजली राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी): यह मै आपको बता दूं कि यह जनरे ान कहां से आएगी। वह आप अगले डेढ साल मे देख लेना तब बिजली फालतू होगी। बिजली कहां से आएगी, उस बारे में मुख्य मंत्री जी ने कल बताया था कि हम कहां–कहां से बिजली की जनरे ान करेंगे।

श्री सम्पत सिंह: सैनी साहब, अगर आपको याद नही है तो आप गोदारा साहब से अपना मैनीफैस्टो पूछ लें। मै आपके मैनीफैस्टो की कापी कल नही लाया था लेकिन आज लेकर आया हूं। उसमें साफ लिखा है कि विदिन 3 मन्थस बिजली की समस्या हल हो जाएगी। जैसे कोई जादू से हल हो जाएगी। हां, हल करने वाला आदमी तो सदन से चला गया।

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा): डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वांयंट आफ आर्डर है। सदन में बिजली की बात हो रही है। मै एक बात कहना चाहता हूं कि चाहे आप यह सम्पत सिंह जी की क्वालीफिके ान समझ लो या इनका यह हाउस के साथ मजाक या इनकी यह हाउस में झूठ बोलने की बात समझ लो। हर चीज को कह देते हैकि यह पडी है। मै कहता हूं कि दिखा तो दे कि कहां पडी है।

श्री सम्पत सिंह: यह मै आपको मार्किट कमैटी की दुकानो के आबंटन वाली बात के बारे में कापी देता हूं, इसको आप पढकर सुना दो।

(इस समय माननीय सदस्य श्री सम्पत सिंह जी द्वारा माननीय गृह मंत्री को कुछ कागज दिए गए)

श्री उपाध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप यह बताएं कि आप कहते हैकि तीन महीने के अन्दर बिजली देने की बात कही हैवह किसने कही थी?

श्री सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै वह भी बता दूंगा।

श्री मनी राम गोदाराः डिप्टी स्पीकर साहब, इन्होने मुझे मंडियो के बारे मे कागज दिया है। मै इनको बताना चाहूंगा कि नव निर्मित मंडियो में आढतियो को उचित दामो पर दुकाने आबंटित की जाएंगी। (ोर)

श्री सम्पत सिंहः आक ान से नही उचित दामो पर आबंटित की जाएगी। उचित दाम आक ान थोडे ही होता है। आप यह बता दे कि उचित दाम क्या होता है? (ोर)

श्री औम प्रका ा चौटालाः उचित दाम का क्या मतलब होताहै। मै आपको बता देता हूं कि उचित दाम का मतलब होता है जो प्राईस सरकार की तरफ से निर्धारित की जाती हैं (ोर)

श्री उपाध्यक्षः उचित दाम का मतलब होता है रिजनेबल प्राईस। (ोर)

श्री औम प्रका ा चौटाला: उपाध्यक्ष महोदय, दो बातें है या तो उचित दाम हो या आक ान हो। ओपन आक ान के विरोध में उचित दाम का मतलब सीधा है कि रिजर्व प्राईस पर जो चीज सरकार उचित दाम पर और जगहो पर देती है उसी प्रकार से उनको दी जाए। (ाोर)

श्री अतर सिंह सैनी: रिजर्व प्राईस का मतलब होता है आरक्षित दाम। (ाोर)

श्री अ ाोक कुमार: आप यह बता दे कि उचित दाम क्या होता है? (ाोर)

श्री सम्पत सिंह: आप उचित दाम बताओ क्या होता है। (ाोर)

श्री मनी राम गोदारा: उचित दाम का मतलब होता है रिजनेबल प्राईस ओर रिजर्व प्राईस का मतलब होता है आरक्षित दाम। आज के दिन अगर हम कहीं पर जमीन लेते है तो उसकी जो प्राईस आएगी वह रिजर्व प्राईस होगी ओर उसकी कीमत जो आज के दिन है जिस समय हम उसको अलाट करेगे उस समय वही कीमत ली जाएगी। हो सकता है 10 साल के बाद कोई दुकान ले या न ले और कोई आढती वहां जाना चाहे या न जाना चाहे तो उस समय क्या पोजी ान होगी और उचित दाम क्या होगा।

श्री सम्पत सिंहः अगर आपने दुकाने आक ान से देनी थी तो उसका आपने अपने मैनिफैस्टो में क्यों जिक्र कियाद्य (ाोर) मैनिफैस्टो में उसका जिक्र करने से लाइसैंसी को क्या फायदा हुआ? चलो यह कल का वाद विवाद था इसलिए वह कल पर चला गया। मै आपको बताना चाहता हूं कि इन्होने तीन महीने नही दो महीने में 24 घंटे बिजली देने की बात कही थी। मैने तो एक महीना आपको फालतू बता दिया था इन्होने जो यह बात अपने चुनाव मैनिफैस्टो में लिखी हुई है वही बात मैने आपको कही है। इसके अन्दर लिखा हुआ है हरियाणा विकास पार्टी दो महीने के अंदर लोगो को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराएगी। डिप्टी स्पीकर साहब, आप ही बताएं कि क्या लोगो को 24 घंटे बिजली मिलती है? इनकी सरकार बने दो साल हो गए है और डेढ साल के बाद ये 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की बात अब कर रहे है। ये चार साल बाद वह वायदा पूरा करने की बात करते है जो आज से दो अढाई साल पहले पूरा होना चाहिए था। मै यह कागज गोदारा साहब को दे देता हू। यदि इस कागज मे यह बात नही है तो मै अपने भाब्द वापिस ले लूंगा। इन्होने अपने मैनिफैस्टो मे यह कहा था कि दो महीने के अन्दर 24 घंटेबिजली उपलब्ध करवाएंगे। दो महीने भी हो लिए, उसके बाद दो साल भी हो लिए और आज ये कह रहे है कि डेढ साल के बाद 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाएंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल: डिप्टी स्पीकर साहब, सम्पत सिंह जी हमारे मैनिफैस्टो का जिक्र कर रहे है। डिप्टी स्पीकर साहब, कल मुख्य मंत्री जी ने बिजली से संबंधित सारी जानकारी सदन को दी थी। आप सभी जानते है कि हमारी सरकार बिजली पैदा करने के लिए प्रयास कर रही है। ये हमारे घोशणा पत्र की बात करते है इनको घोशणा पत्र को याद करना चाहिए। (ोर)

Shri Sampat Singh: Sir, I want to know under what rule you are allowing him. he cannot speak now.

Mr. Deputy Speaker: I have permitted him to speak.

Shri Sampat Singh: But, Sir, under what Rule? kindly quote that Rule.

Mr. Deputy Speaker: I can allow him to speak. You cannot dictate me.

Shri Sampat Singh: This will be bailing out the Government. This will be shielding the Government.

12:00 बजे

श्री औम प्रका ा चौटाला: उपाध्यक्ष महोदय, हम आपके आदे ा को चुनौती नही दे रहे। उनको कोई भी सदस्य बीच में प्वायंट आफ आर्डर का नाम लेकर बोलने के लिए खडे हो जाते है और प्वायंट आफ आर्डर करने की बजाए दूसरी बाते कहने लग जाते है ये ठीक प्वायंट आफ आर्डर नही करते। (ोर)

श्री सतपाल सिंह सांगवानः उपाध्यक्ष महोदय, ये सीनियर मोस्ट मैम्बर है। इनको इस तरह बीच में नही बोलना चाहिए। (ोर)

श्री उपाध्यक्षः आप सभी मर्यादा मे रह कर अपनी बात कहें। दलाल साहब एक मिनट में अपनी बात कहना चाहते है, इनको कह लेने दे। इसमें आपको क्या दिक्कत है?

श्री सम्पत सिंहः इसका मतलब क्या है कि ये तो सारी मर्यादाएं तोडते रहे लेकिन we do not expect such a thing from you, Sir.

श्री कर्ण सिंह दलालः इनके जिने भी वरिश्ठ नेता है, सदस्य है, मै उनको कहना चाहूंगा कि क्या ये कुछ भी कहते रहेंगे? इन्होने बोलते हुए बडी मुस्तैदी के साथ चुनावी घोशणा पत्र का जिक किया। मै कहना चाहता हूं कि 1987 मे भी इनकी पार्टी ने चुनावी घोशणा पत्र तैयार किया था। उस समय दुनिया भर के असत्य वायदे करके आये थे।

श्री औम प्रका ा चौटालाः उपाध्यक्ष महोदय, गोदारा साहब ने पार्टी कार्यकर्ताआ की मीटिंग में ठीक कहा था कि यह हमारा गठजोड नही है, जुगाड है।

श्री मनी राम गोदाराः मैने ऐस जुगाड वाली बात नही कहीं मै यह पूछना चाहता हूं कि वहां पर कोई बात नही हुई तो इनको कैसे पता चला क्योंकि ये वहां पर थे नही? इन्होने तो

अपने घोशणा पत्र मे नोट छापने वाली म ीन का जुगाड करने की बात कही थी क्या अब ये वह म ीन लायेंगे? ये जुगाड वाला भाब्द कहां से लाए, ये जानते होंगे। (इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)

Mr. Speaker: Sampat Singh Ji, please conclude within a minute. आपको बोलते हुए 35 मिनट हो गए है।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरे बोलते समय टोटल इनट्रप ान रही है।

श्री मनी राम गोदाराः फतेहाबाद के इलैक ान के दौरान मैने एक बात कही थी वह सही है कि संपत सिंह जी तो पढा लिखा है लेकिन बाकी तो सारे नौवीं फेल है। यह बात सही है। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, इन्होने आज मुझे पढे लिखे का सर्टिफिकेट दिया है, कल दूसरे किसी मेरे और साथी को देंगे, धीरे धीरे हम सबको दे देंगे। (विघ्न एवं भाोर) I am speaking on facts. There is nothing political.

Mr. Speaker: You are requested to conclude within two minutes.

श्री सम्पत सिहः अध्यक्ष महोदय, मै मैनीफैस्टो का जिक नही करुंगा। इसके बाद ट्रांसमि ान और डिस्ट्रीब्यू ान की बात आती है। इसके बारे में सरकार ने बहुत कुछ कहां अध्यक्ष महोदय,

सरकार ने कहा कि हमने 1997–98 में 148 करोड खर्च कर दिये और 1998–99 में 458 करोड रुपये खर्च कर देंगे। अध्यक्ष महोदय लाईन लोसिज कितने है। 1995–96 में 28% थे, 1996–97 में सरकार आते ही 29½% हो गए, 1997–98 में खर्चा बढाने से लाईन लोसिज 32.15 प्रति ात हो गए और 1998–99 में यह 31% हो गए। (ोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: Sampat Singh Ji, please sit down. Now, I would request another member. Shri Satvinder Singh Rana to speak. (Interruptions)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, पावर पर गवर्नमैंट को एक्सपोज कर रहा हूं इसलिए मेरी बात इनको पिंच हो रही होगी। उसके लिए आप इनको कहे कि यह सरकार बेल आउट हो जायेगी। They are being bailed out.

श्री अध्यक्षः आप बैठ जायें।

श्री मनी राम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, बिजली आदि के बारे मे जो आंकडे इन्होने दिये है, तो ये लोग अपनी सरकार के वक्त में कहा गये थे, उस समय इन्होने कुछ क्यों नही किया? अध्यक्ष महोदय, जब 1996 मे हमारी सरकार आई, उस समय बिजली की बहुत खराब हालत थी। हमारे मुख्य मंत्री जी की डेढ साल की मेहनत केबाद हरियाणा में बिजली की स्थिती में कुछ सुधार हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आने वाले डेढ साल मे हम हरियाणा प्रदे ा के गांव गांव मे पूरी बिजली दे देंगे। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, यदि चौ0 सम्पत सिंह जी अपने साथ साथ जो विपद्वा के दूसरे भाई है, उनका जिक भी करते, उनके कारनामो काजिक करते तो ज्यादा अच्छा होता, वे ऐसा क्यों नही कर रहे? (विघ्न एवं भाोर)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, सरकार ट्रांसमि ान और डिस्ट्रीब्यू ान की बात कर रही है, लेकिन जब हमने इनसे पूछा कि क्या यह सिस्टम ठीक हुआ तो इन्होने कहा, हां हो गया। अध्यक्ष महोदय यह सिस्टम इतना ठीक हुआ है कि ठीक होने के बाद 28% प्रति ात लाईन लोसिज की बजाय 29½% लाई लोसिज दे रहा हैं और 31 मार्च , 1998 तक ये लाईन लोसिज 32.15% हो जाएंगें। अध्यक्ष महोदय, ये लोग कुछ भी पढते है, मै 31 मार्च 1998 इसलिए कह रहा हूं कि मैने बडी मेहनत करके इसको पढा है, देखा है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक इन्स्टाल्ड कैपेसिटी आफ टयूबवैल्ज की बात है तो 1990–91 में यह 35% थी और आज यह कैपेसिटी 29% रह गई है। स्पीकर साहब, ओनली 29% और ये दे रहे है 8 घण्टे। 8 घण्टे के लिए उसे 365 दिन के लिए बुक किया गया। एग्रीकल्चर सैक्टर में 365 दिन मे से एक तिहाई तो किसान को बिजली की आव यकता नही होती और बाकी के दिनो में जब उसको जरुरत होती है तो किसान को ये बिजली देते नही है। अध्यक्ष महोदय 43% का वन थर्ड होता है 14 और यही भी बिजली किसानो को मिलती नही हैं। (विघ्न)

Mr. Speaker: I would request Shri Sampat Singh to kindly take his seat.

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरी बातो से गवर्नमैंट एक्सपोज हो रही है इसलिए आप मुझे बोलने के लिए टाईम नही देना चाहते है, यह हमारे साथ इनजस्टिस है।

श्री अध्यक्षः यह आपकी अपनी प्रिडिक ान है, मै इस बारे में आपको कुछ नही कह सकता। आप खुद देखिये कि आपने कब बोलना भाुरु किया था।

श्री सम्पत सिंहः मै एकदम रैलेवैन्ट बोल रहा हूं इसलिए मेरी रिकवैस्ट है कि मुझे थोडा और समय दीजिए ताकि मै कन्कल्यूड कर सकूं।

श्री अध्यक्षः अगर अपनी बात को खत्म नही करना चाहते तो वह आपकी अपनी मर्जी है मै फोर्स नही कर सकता। आप एक मिनट में कन्कल्यूड कीजिए।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै पावर के उपर अपनी बात कन्कल्यूड कर रहा था। अगर टोटल एक्चुअल लोस को देखा जाए तो यह लोस 60% तक बन जाता है इसलिए यह मांग है कि बिजली बोर्ड की वर्किंग की हाईकोर्ट के सिकी सिटिंग जज से इन्कवायरी करवाई जाए। सबसिडी के बारे में भी इन्होने कहा कि 700 करोड रुपये की सबसिडी बिजली पर दे रहे है। इस तरह की सबसिडी आपके अपने बजट में 150 करोड रुपया कै ा और 100

करोड रुपया की एडजस्टमैंट की बात है बजट मे असत्य आंकडे तो कम से कम नही होने चाहिए। अध्यक्ष महोदय, 250 करोड मे एडजस्टमैंट का कोई लाजिक नही है। 700 करोड रुपये मे से 400 या 300 करोड रुपया सबसिडी का होगा और बाकी एडजस्टमैंट होगी। एडजस्टमैंट का मतलब यह है कि सबसिडी सारी की सारी थैफट हो जाती है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै कहना चाहूंगा कि अब तो गवर्नमैंट के पास एक्साईज रैवेन्यू काफी आ गया है और 200 करोड रुपये एग्रीकल्चर टयूबवैलज से भी आने है इसलिए क्यों न पंजाब पैटर्न पर इसको माफ कर दिया जाए? 775 करोड के करीब रैवेन्यू सरकार के पास आना है क्यों न उसमें 200 करोड रुपये माफ कर दिए जाएं?

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप बैठ जाएं।

श्री सतविन्द्र सिंह राणा (राजौंद): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मै आपको धन्यवाद देता हू। मै सबसे पहले डिमांड नं0 3 जो गृह और ला एण्ड आर्डर से जुडी हुई है से अपनी बात भाुरु करता हू। उसके बाद मै डिमांड नं0 8,9,10,12, और 15पर भी अपने विचार रखूंगा। सरकार मेरी बातो पर ध्यान दें। अध्यक्ष महोदय, इन्होने सरकार मे आने से पहले बहुत ही लम्बे चौडे वायदे किए थे। जब से यह सरकार बनी है तब से हरियाणा का नौजवान भटक रहा है और लूट खसोट कर रहा है। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने वायदा किया था कि हम भाराब बंद करेंगे जिसका हम सबने समर्थन किया था। इन्होने

हरियाणा में भाराब बंद की लेकिन पता नही किन कारणो से दोबारा हरियाणा में भाराब खोल दी। अध्यक्ष महोदय, आज दिल्ली के अंदर कोई लूट खसोट होती है तो कहा जाता है कि हरियाणा के नौजवान यह सब करते है। अध्यक्ष महोदय, जब कोई सरकार आती है और उसका मैनीफैस्टो होता है उसमें ये नौजवानो को कहते है कि हम तुम्हें गैस एजेन्सी देंगे, पैट्रोल पम्पस देंगे और बसों के परमिट देंगे। इसके साथ साथ उनको नौकरियां भी देने का वायदा किया जाता है। जब हमारा नौजवान इन सब चीजो से हता ा हो जाता है और उनके मां बाप उनको कही पर नौकरी न करने की वजह से ताने मारते है तो वह काईम मे इन्वालव्ड हो जाता है। मां–बाप आज पता नही किस तरह से अपना पेट काट कर बच्चो को पढाई करवाते है और इस एच0 बी0 पी0 और बी0 जे0 पी0 की सरकार ने आते ही सबसे पहले नौकरियो पर बैन लगाया ओर नौजवानो को नौकरी से महरुम होना पडा। कल मुख्यमंत्री जी ने एक लिस्ट पढी उसमें ढिढाना गांव का नाम आया और इन्होने कहा कि जो चार मुलजिम पकडे गए वे फलां पार्टी के थे। ये क्या हो रहा है? आज हम जो नारे देकर नौजवानो को वि वास देते है कि हम आपको पैट्रोल पम्प देंगे, गैस एजेन्सियां देंगे और बसो के परमिट देंगे लेकिन वे सब तो मंत्री ही ले जाते है, इसलिए यह सब कुछ हो रहा है। आज थाने में कोई अपनी दरखास्त देने जाता है तो मुन ी उसको कहता है कि कुछ खर्चा पानी दे दो और जब वह दे देता है तो दूसरी पार्टी को पकड कर लाता है और उसको भी यही कहा जाता है कि कुछ खर्चा पानी दे

दे और तू भी दरखास्त दे दे। आज हरियाण मे यह आम प्रथा पड गई है। आज प्र ाासन इतना कमजोर हो गया है कि पूछो मत। आज कोई भी गलत काम करता है तो उसको राजनैतिक आदमी ही भाह देते है। अध्यक्ष महोदय मेरे हल्के में किटाना और नगुरा दो गांव है। वहां के कुछ नौजवान ऐसी हरकते करते थे कि जब पहले भाराब बंद थी तो वे नौजवान भाराब की सम्गलिंगकरते थे और जब भाराब खुल गई है तो लूट खसौट करते है। वे नौकरी न मिल पाने के कारण अपने परिवार के तानो से तंग आकर ऐसा काम करते है। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में राजौन्द मे तीन चार दिन के अंदर ही पांच छः डकैतियां हुई है। अभी बी दिन पहले राजौंद के अंदर ही एक बी0 जे0 पी0 के कार्यकर्ता के धर पर चोरी हुई है। पता नही चोरी हुई भी है या नही लेकिन वह राजस्थान में गया और वहां से लौटने के बाद पुलिस वालो को 1100 रुपये देकर कहा कि फलां गांव के औम नाम के आदमी ने चोरी की है। पुलिस वालो ने जब पूछा कि औम कौन है तो उसने किसी गरीब आदमी का नाम लेकर कहा कि यही औम है। इसके बाद पुलिसवाले उसको ले आए और उसकी इतनी पिटाई की कि वह गरीब बीस पच्चीस दिन से अपने बिस्तर पर से उठ नही पाया। अध्यक्ष महोदय, उसको पुलिस वालो ने मुसली लगायी। इससे ज्यादा भार्म की बात क्या हो सकती है? इस वजह से वह गरीब आदमी अपने घर में ही पडा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीयय सदस्य भले ही इस बात को मजाक मे ले लेकिन ऐसी बातें वहां हुई है ये तथ्य सही है। आज इन चीजो के देखते हुए

बिगडती हुई ला एण्ड आर्डर की स्थिती को देखते हुए हरियाणा की स्थिती ऐसी हो गई कि इसने बिहार और यु0 पी0 को भी पिछे छोड दिया। पहले तो हम बिहार और यू0 पी0 की हि मिसाल देते थे परन्तु आज हरियाणा के अंदर भी ऐसी ही स्थिती को देखते हुए इसने बिहार और यू0 पी0 को भी पीछे छोड दिया। लेकिन इसको बिगाडने वाले हम नेता लोग ही है क्याकि हम उनको तरह तरह के नारे तो दे देते है लेकिन उन पर अमल नही होता। अध्यक्ष महोदय, अभी पुलिस की भर्ती हुई है जिसके बारे मे यहां पर कई बार बात आयी है कि डेढ लाख रुपये देकर पुलिस की नौकरी मिलेगी। दो तारीख से यह पुलिस की भर्ती भाुरु हुई है और भाायद यह तीस तारीख तक चलेगी। लाखो नौजवानो ने इसमें भर्ती होने के लिए फार्म भरे हुए है उनकी इस भर्ती के लिए दौड वगैरह भी हुई है।

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा): स्पीकर साहब, पहले ये भाायद हाउस मे नही होगे इसलिए इनको इस बारे में पता नही है। लेकिन मैने लीडर आफ दी अपोजी ान के एक सवाल के जवाब मे एक बात बडी साफ और क्लीयर कही थी कि हमारी यह पुलिस की भर्ती मैरिट के बेसिज पर हो रही है। मैने उस समय सारे हाउस को यकीन दिलाया था कि आगे भी यह भर्ती मैरिट के बेसिज पर होगी। उस समय उन्होने कहा था कि अगर हम यह साबित कर दे या सबूत दे दे कि इसमे गडबड हुई है तो हमने कहा था कि आपका स्वागत है आप सबूत ले आए। लेकिन वैसे ही

खडे होकर कहना ठीक बात नही है। अभी तो भर्ती हुई नही है। जिस दिन कोई ऐफिडैविट लेकर इस बारे में हमारे पास केस लाएगा या कोई सबूत उसके पास होगा तो हम उस पर कार्यवाही करेंगे। आप कहते है कि हमने सारे लोगो को बिगडा दिया। लेकिन इनको हमने नही बिगाडा बल्कि आपकी पार्टी के राज मे ही ये लोग बिगडे। उस समय नौकरियां कही पर 60 हजार रुपये में, कही पर 70 हजार रुपए में बिकी। खैर मै दावे के साथ चैलेंज के साथ कहता हूं कि आप हमारे सामने इस बारे में कोई केस तो लाइए, हम उस पर कार्यवाही करेंगे लेकिन जो आप लोगो ने नौजवानो को गलत आदत डाल दी है तो आप यह न समझे कि सबकी यही आदत है।

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी कह रहे है कि मैरिट के हिसाब से पुलिस मे बच्चो की भर्ती की जाएगी। मैरिट तो इन लोगो के हाथ मे होगी क्योंकि जो बीस नम्बर का बाद में इंटरव्यू लिया जाएगा उसकी मैरिट कौन देखेगा? फिर मैरिट कहां रह जाएगी?

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः स्पीकर साहब, मै यह बात इसलिए कह रहा हूं कि मैने यह नही कहा कि डेढ लाख रुपये ले लिए। मै यह कह रहा हूं कि जब हम मैरिट की बात करते है तो मैरिट उस दिन कही जाएगी जब रेस, कुद दौड कराने के बाद मैरिट के आधार पर उसी दिन रिजल्ट निकाल दे लेकिन यह जो

15 नंबर इंटरव्यू के लिए लिखे है इनकी मर्जी है कि कैंडीडेट से जो मर्जी पूछे।

श्री मनी राम गोदाराः मेरे ख्याल से सारे मैम्बर्ज को बताना होगी कि 1995 मे जो भर्ती हुई उस को जब हाई कोर्ट ने रिजैक्ट किया तब हाई कोर्ट ने गाईडलाइन दी कि इनको फोलो करते हेए आगे भर्ती होगी। आप सभी मैम्बर्ज को और जितने भी आदमी सर्विस मे है, उनको यह पता होगी कि Interview is also a part of the examination for merit. (विघ्न) यह पहल दफा इसलिए हो रहा है कि हाईकोर्ट ने जो इंस्ट्रक ान और गाईडलाईन्स दी हुई है उन्ही के आधार पर हम भर्ती कर रहे है। (ाोर एवं विघ्न) आप ये बताइए कि कौन सी जगह इन्टरव्यू नही होते?

कैप्टन अजय सिंह यादवः आर्मी में कांस्टेबल का इंटरव्यू नही होता। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय मै पहली बार बोल रहा हूं और मुझे ये बार बार टोक रहे है। मेरा समय तो इसी मे समाप्त हो रहा है अभी तो मै अपने हलके के बारे में कुछ भी नही बोला हू। मै गोदारा साहब से यह बात इसलिएकह रहा हूं कि ये जो मैरिट की बात कह रहे है, इंटरव्यू की बात कह रहे है तो जिस जिले मे इंटरव्यू हो लिए है उनकी लिस्ट क्यों नही लगी, पहले ये बताइये, जींद जिले मे इंटरव्यू खत्म हो लिए लेकिन वहां लिस्ट अभी तक नही लगी है।

श्री मनी राम गोदाराः स्पीकर साहब, मैने बताया है कि इंटरव्यू हो गई, लिस्ट बनेगी। लिस्ट बनने के बाद डाक्टरी मुआयना होगा और उसके प चात् उनके चरित्र की वैरीफिके ान होगी उसके बाद अनाउंस होगी। आपके सामने अनाउंस होगा। आप आना।

श्री अध्यक्षः सतविन्द्र सिंह जी, आप दो मिनट मे कन्कल्यूड करिए।

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, मुझे तो बोलने ही नही दे रहे। मैने तो अपने हल्के की बात भी नही कहीं (विघ्न)

स्थानीय स्व ाासन मंत्री(श्रीमती कमला वर्मा): अध्यक्ष महोदय, सतविन्द्र सिंह जी को अपने भाब्द वापस लेने चाहिए। उन्होने कहा है कि पुलिस की भर्ती मे ंएक लाख डेढ लाख तक लिया जा रहा है या लिया गया है, अब ये कहते है कि मेरा ये मतलब नही है मेरा मतलब यह है कि लिस्ट नही लगाई गई। अध्यक्ष महोदय, ये इस बात की क्लेरिफिके ान दें।

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, भर्ती का जो लम्बा प्रौसैस है उसको कम किया जाये क्योंकि नौजवान भाहर मे भर्ती होने के लिए जाता है तो चार आदमी उसके साथ जाते है कि हमारा लडका भर्ती होगा और इस तरह से रोजना पांच सौ रुपये तक उनके खर्च हो जाते है। इस तरह से जो भर्ती हुई उस

पर लोगो ने हजारो रुपया खर्च कर दिया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, भर्ती की बात मै नही करुंगा। (विघ्न)

Mr. Speaker: I would request you to please conclude within 2 minutes.

श्री सतविन्द्र सिंह राणाः अध्यक्ष महोदय, डिमाण्ड नं0 8 मे भवन और सडको की बात कही हुई है। मेरे हल्के मे सडको का इतना बुरा हाल है कि मै बता नही सकता। मै मंत्री जी का भाुकगुजार हू ंकि उन्होने हमारे गांव की सडक को इतना बढिया और इतना उंचा बना दिया कि जब बारि ा हुई तो गांव के सारे धर पानी में डूब गए। मै मंत्री महोदय से अनुरोध करता हूं कि उस सडक के साथ साथ एक नाला भी बनाया जाये ताकि जो गांव का पानी है उसकी निकासी हो सके। कल माननीय मुख्य मंत्री जी कह रहे थे कि इस सरकार ने कई जगह भवन बनाये है लेकिन मै इस सदन को बताना चाहता हूं कि हमारे एरिया मे तो एक ईंट भी नही लगी है। हमारा बस स्टैण्ड जो अढाई साल पहले बनना भाुरु हुआ था उसकी रफतार कछुए से भी धिमी चल रही हैं मै मंत्री जी से अनुरोध करुंा कि उस बस स्टैण्ड की स्पीड से बनाया जाए। इसके अलावा मै लोक निर्माण मंत्री से अनुरोध करुंगा कि मेरे हलके मे एक विश्राम गृह बनाया जाये ताकि माननीय मंत्री जी और अध्यक्ष महोदय आप कभी कभी हमारे हलके में द ार्न दे सकेंगे। जहां तक जन स्वास्थय विभाग की बात है 1976 मे हमारे गांव मे नहर के पानी की एक डिग्गी लगाई गई थी

आज उसका इतना बुरा हाल है कि हमारे गांव के लडके पानी को ढो ढो कर गंजे हो गए है। जिसके कारण उनका कोई रि ता भी नही करता है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मे जो डिस्पैंसरी है उसमे ंचार डाक्टरो की पोस्ट सैंक ंड है लेकिन उसमें से एक भी वहां पर पोस्टिड नही है। मै स्वास्थ्य मंत्री जी से अनुरोध करुंगा कि कम से कम एक डाक्अर तो वहा पर लगाया जाये। जहां तक सिंचाई की बात है हमारा सारा इलाका टेल पर पडता है एक दो जगह को छोडकर किसी भी नहर की टेल पर पानी नही पहुंचता। मेरा सरकार से अनुरोध है कि सभी टेलो पर पानी पहुंचाया जाये। पहले नहरो में पानी 15 दिन तक चलता था लेकिन अब सात दिन तक चलता है। जहां तक सहकारिता का सवाल है हमारे इलाके मे किसानो को कोओप्रोटिव बैंको से ऋण नही मिल रहा है। अगर उनको ऋण मिलता भी है तो या तो वह किसी की सिफारि ा के आधार पर या पर्ची सिस्टम के आधार पर मिलता है। जब हम उन अधिकारियो को मिलते है तो वे कहते है कि आप तो अपोजी ान के एम0 एल0 ए0 है। ये भी कहते है कि हमारे पास पैसे की कमी है, हम क्या करे? (विघ्न)अध्यक्ष महोदय, अंत मे मै एक बात कहना चाहता हूं कि किथाना गांव के अंदर हम ने एक को कोओप्रेटिव बैंक खोलने की मांग कर रखी है, मेरी प्रार्थना है कि वहां पर को–ओप्रेटिव बैंक खुलवाया जाए। इसके साथ ही जो आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, उसके लिए मै आपका धन्यवादी हूं।

राव नरेन्द्र सिंह (अटेली): अध्यक्ष महोदय, मै आपका अति आभारी हूं जो आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। मै डिमांड न 3, 8 10, 15, 23 वह 25 से संबंधित कुछ बाते सदन के सम्मुख प्रस्तुत करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आप जानते है कि हरियाणा राज्य दे ा के सभी राज्यो मे एक भाांति प्रिय राज्य समझा जाता हैं अध्यक्ष महोदय, मै सरकार की आलोचना करने नही जा रहा हू। लगभग पिछले 26 महीनो मे, जब से यह भाजपा–हविपा गठबंधन की सरकार सत्ता मे आई है, हरियाणा के जन मानस के अंदर असुरक्षा की भावना पनपी है और बडी तेजी से अपराधो का ग्राफ प्रदे ा के अंदर बढा है। यह एक चिंतनीय विशय है। इसकी गहराई मे जाने की जरुरत है। जिस प्रकार से हमारे पडोसी राज्य यु0 पी0 और पंजाब में अपराध होते थे, उसी प्रकार से हरियाणा राज्य मे अब अपराध होने लगे है। परसो भाायद गृह मंत्री जी सदन मे पिछले 10 महीनो की रिपोर्ट पे ा कर रहे थे जिसमे यह वर्णन था कि इतने बलात्कार हुए, इतने अपहरण के केस हुए तथा इतने कार वगैरह छिनने के केस हुए। अध्यक्ष महोदय, मै सदन का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि इन आपराधिक घटनाओ के कारण क्या है और राज्य मे इन समस्याओ का हल क्या हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, मै सदन को बताना चाहता हूं कि हरियाण राज्य मे कई लाख लोग बेरोजगार है। हर गांव के अंदर सैंकडो बेरोजगार युवा घुम रहे है। इसलिए आज एक ऐसी नीति बनाने की जरुरत है, जिसके तहत सभी युवको को राजनीतिक हस्तक्षेप के बगैर नौकरिया मिले

और भ्रश्टाचार पर अंकु ा लग सके। आज मौजुदा सरकार पर आरोप लगाए जाते है। कल दूसरी पार्टीयो पर आरोप लगाए जाते थे। इसलिए हम सब को मिलकर अपनी व्यक्तिगत विचारधारा व पार्टी से उपर उठकर एक ऐसी नीति तैयार करनी चाहिए जिसके तहत योग्य उम्मीदवारो को नौकरिया मिले, चाहे वह पुलिस भर्ती हो, चाहे चपडासी की भर्ती, अथवा किसी अधिकारी की भर्ती। योग्य उम्मीदवार को बिना सिफारि ा व पैसे दिए अपना उचित स्थान मिलना चाहिए। सदन मे पुलिस भर्ती का जिक भी किया गया। मै बताना चाहता हूं कि योग्य उम्मीदवारो को भर्ती नही किया जा रहा है। कई नौजवान 6 फुट से भी ज्यादा कद वाले है। वे भागदौड में सबसे आगे रहे है लेकिन उनको यथायोग्य स्थान नही मिल पाया है। जब यह भाजपा–हविपा गठबंधन की सरकार बनी थी तो वास्तव में ही मुझे बहुत खु ी हुई थी कि यह सरकार पार्टी के मतभेदो से उपर उठकर कार्य करेगी। लेकिन अध्यक्ष महोदय, मुझे बडा अफसोस हुआ जब मुझे पता चला कि पूलिस भर्ती मे सरकार ने सभी सत्ता पक्षके विधायको, मंत्रियो को 15–15 सीटें अलॉट की है। हो सकता है, दूसरे भाई इसबात से इनकार करेंगे, लेकिन मेरी पूरी बात सुनने की कृपा करे। मेरे हल्के के छीमा गांव का एक नरे ा नाम का लडका मेरे पास आया और कहने लगा कि मैने फिजीकल टैस्ट यानि भागदौड का टैस्ट पास कर लिया उसके बाद जब मुझे इंटरव्यू के लिए बुलाया तो वहां पर जो अधिकारी इंटरव्यू ले रहा था, उस ने मुझसे पूछा कि आप को गाना आता है? मै पूछना चाहता हूं कि क्या पुलिस भर्ती

के लिए भी गाना गाने की आव यकता पडेगी? (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरी तो यही गुजारि । है कि सब लोगो को रोजगार देने की तरफ ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए। यह बात ठीक है कि कोई भी सरकार सब को नौकरी नही दे सकती है। (विघ्न)

श्री मनी राम गोदाराः आप बताएं कि हमने इंटरव्यू के लिए कोई प्रावधान है या नही।

राव नरेन्द्र सिंहः आदरणीय गृह मंत्री इस सदन के सबसे वरिश्ठ आदमी है। मै मानता हू कि नौकरियो मे इंटरव्यू के लिए बिल्कुल प्रावधान है परन्तु पुलिस विभाग मे गाना गाने का क्या संबंध है?

श्रीमती कमला वर्माः संगीत जानना भी एक बहुत बडी कला है न कि कोई बुराई।

राव नरेन्द्र सिंहः मै सरकार से कहना चाहूंगा कि सभी भाईयो को नौकरी नही मिल सकती। न आपकी सरकार दे सकती है, न हमारी सरकार दे सकती है और न ही कोई और सरकार दे सकती है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि सरकार इस तरफ ध्यान दें।

श्री मनी राम गोदाराः इस पुलिस भर्ती में हरियाणा के अंदर 87000 नौजवानो ने हिस्सा लिया। इनमे से 37000 नौजवान फिजीकल फिट निकले। कोई भी बोर्ड चाहे एस एस एस बोर्ड हो, पब्लिक सर्विस कमी ान हो या कोई और बोर्ड हो, वह अपने

लैवल पर इंटरव्यू लेते है और अपना काम करते है। हम इसमें अपनी तरफ से नही देखते। (ाोर)

राव नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपको माध्यम से गृह मंत्री जी जो यहां बैठै है से कहना चाहूंगा कि मेरे मुताबिक बी सीज कैटेगरी के लिए 11 प्रति ात आरक्षण है लेकिन जहां तक मेरे नालेज मे आया है महेन्द्रगढ जिले मे यादव, सैनी और गुर्जर इस पुलिस भर्ती मे केवल 7 ही लिए गए। जबकि यादव, सैनी और गुर्जर कैंडीडेटस से फार्म भरवाते समय आरक्षित कैंडीडेट लिखवाया गया।

जन स्वास्थय मंत्री (श्री जगन नाथ): इनके नोटिस मे भाायद यह बात नही है कि 1992 का सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि जो बीस ीज और एस सीज कैंडीडेटस मैरिट पर आ जाएंगे, वे जनरल कैटेगरी मे समझे जाएंगे वे रिजर्व कोर्ट मे नही समझे जाएंगे। आपके एरिया मे अहीर या गुर्जर ज्यादा है और वे मैरिट पर आ गए होंगे। (ाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, सुप्रीम कोर्ट की हिदायतो का वायले ान किया जा रहा है उसको ठीक करवाया जाए।

श्री अध्यक्षः राव नरेन्द्र जी,आप 5 मिनट मे कनकल्यूड करें।

राव नरेन्द्र सिंहः मुझे छ दिन के अन्दर पहली बार बोलने का समय मिला है। इसलिए मुझे पूरा समय दिया जाए। सबको नौकरिया तो नही मिल सकती इसलिए जिन जिलो में सरकारी रोजगार उपलब्ध नही हो सकते है जैसे महेन्द्रगढ जिले मे ऐसे जिलो मे जो रुरल बेस्ड इंडस्ट्री है उनकी तरफ सरकार वि ोश ध्यान दे जिससे नौजवानो को रोजगार मिल सके। दादरी भी उसमे भाामिल कर लिया जाए। स्पीकर साहब, मेरी नालेज मे एक बात आई थी। कल हमारा नारनौल तमाम बंद रहा क्योंकि वहां पर पिछले एक हफते के अंदर तीन घटनाएं हो गई है जिनमे से दो आदमी भगवान को प्यार हो गए है। उनका मर्डर हो चुका है और एक आदमी सीरियस हालत में है। इसके अलावा आपने अखबारो में पढा होगा कि हिसार में एक फाइनैंस कंपनी के मालिक को मार दिया गया उसकी अखबारो में फोटो भी आई थी उसको अपने आफिस मे कुर्सी पर बैठे हुए गोली मार दी गई। स्पीकर साहब, हमारे गृह मंत्री जी बहुत तगडे एडमिनिस्ट्रेटर है इसलिए मै उनसे प्रार्थना करुंगा कि वे अपने होम डिपार्टमैंट पर तगडी गिरफत करें।

अध्यक्ष महोदय, अब मै परिवहन विभाग के बारे में सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, जब हरियाणा राज्य परिवहन की बसे अदर स्टेटस राजस्थान और पंजाब के अंदर जाती थी तो लोग देखा करते थे कि हरियाणा राज्य परिवहन की बसे दे ा के अन्दर प्रथम स्थान पर चल रही है आज वही स्थान

किन कारणो से नीचे जा रहा है। अब सरकार की तरफ से सौ किलोमीटर तक के रुट परमिट देने की स्कीम चल रही है। मै सरकार से कहना चाहता हूं कि 100 किलोमीटर तक के जो रुट परमिट दिये जाएंगे उनमे विपक्षी पार्टियो के लोगो को भी पूरा हिस्सा मिलना चाहिए केवल सत्ता पक्ष के लोगो को ही वे रुट परमिट नही मिलने चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हम देखा करते थे कि हमारे पडोसी राज्य राजस्थान मे अवैध व्हीकल्ज कमाण्डर जीपे चला करती थी वह 50–50 सवारियां ले कर चलती थी। उनमे 50–50 सवारियां बैठी होती थी और उनके एक्सीडैंटस मे हजारो नौजवान मर चुके है। इसलिए हमारे यहा ंपर भी अवैध व्हीकल्ज चलने की बीमारी पर सरकार का कंट्रोल होना चाहिए। जो प्रभाव ााली लोग अवैध व्हीकल्ज चला रहे है उन पर सरकार का कंट्रोल होना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी सदन मे बैठे हैं। मै कहना चाहूंगा कि जिन सडको की पिछले दो साल से बुरी हालत है, चाहे वह बारि ा की वजह से है और चाहे बाढ के कारण है, पिछले दो साल मे जितनी सडके क्षतिग्रस्त हो गई है उन सडको की मरम्मत की जानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, स्टेट हाईवे जो धारुहेडा से खेजडी की ओर से अदर स्टेट को जाता है, बजट के अन्दर उसको चौडा करने का प्रावधान है, यह बहुत अच्छी बात है। इसके साथ साथ मै यह भी कहना चाहूंगा कि नारनौल का बाई पास भी जल्दी बनाया जाए। अध्यक्ष महोदय, एस वाई एल नहर हरियाणा के किसानो की जीवन रेखा है। उसके बारे मे यह जिक आया कि उसको कम्पलीट करवाने के बारे मे

केन्द्रीय सरकार पर दबाव डाल रहे है। मै कहूंगा कि हलोदरा का भी केन्द्रीय सरकार को समर्थन प्राप्त है इसलिए इनकी तरफ से भी उस नहर को बनवाने के बारे मे पंजाब सरकार पर दबाव डलवाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, एस वाई एल नहर पूरी होने से दक्षिणी हरियाणा और जिला महेन्द्रगढ के भ्ाुश्क खेतो को पानी मिलेगा। अब मै बिजली के विशय में आपका ध्यान दिलाना चाहूंगा। स्पीकर साहब, 31 मार्च 1990 के बाद टयूबवैल्ज के नए बिजली के कनैक ान नही दिए गए इसलिए सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। अब मै स्वास्थय विभाग के बारे मे कहना चाहूंगा। हमारे स्वास्थय मंत्री महाजन जी सदन मे बैठे है मै इनको बताना चाहूंगा कि सरकारी हस्पतालो की व्यवस्था बहुत खराब है अगर कोई आदमी बीमार हो जाता है तो वह सरकारी अस्पताल मे जाने की बजाय प्राईवेट अस्पताल मे जा रहा है क्योंकि अगर किसी हस्पताल में कोई अच्छा डाक्टर है तो सरकार उसका तबादला कर देती है। किसी सरकारी अस्पताल मे कोई इक्विपमैंट नही है। स्पीकर साहब, मेरे हल्के के नसीबपुर गांव मे एक भाहीदी स्मारक बना हुआ है। वहां पर 16 नवम्बर को भाहीदी दिवर मनाया गया था उसमे प्रो0 राम बिलास भार्मा जी भी गए थे। इन्होने उसके लिए एक लाख रुपये ग्रांट देने की घोशणा की थी। सीवरेज की वजह से वहां पर गंदगी बहुत हो चुकी है।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, 1857 की स्वतंत्रता संग्राम की बहुत बडी लडाइ लडी गई। उस

समय के स्वतंत्रता आन्दोलन का नेतृत्व राव तुला राम, राव मंगल सिंह और कृशण गोपाल ने किया। उस दिन वहां पर लोगो ने उसमे बढ चढ कर भाग लिया और वहां पर पार्टी लाइन से उपर उठ कर भाहीदी दिवस मनाया गया उसमे मै भी भाामिल हुआ था लेकिन ये माननीय सदस्य उस दिन वहां पर नही आए।

राव नरेन्द्र सिंहः मै माफी चाहूंगा कि किसी कारण से उस दिन मै नही आ सका।

श्री अध्यक्षः राव साहब, आप जल्दी कन्कलूड करें।

राव नरेन्द्र सिंहः ठीक है जी।

श्री सूरज मल (राइ): अध्यक्ष महोदय आपने बोलने के लिए दो मिनट का समय दिया, उसके लिए आपका बहुत धन्यवाद। आज पता चला कि सारी डिमांडज आज ही पास हो रही है इसलिए हम भी अपनी बात कह देते है। मै आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि हमारे साथ आज भेदभाव बरता जा रहा है। जितने भी अपोजी ान के हल्के है उन सब के साथ भेदभाव बरता जा रहा है। मेरा हल्का और कैलाना हल्का साथ साथ है। वहां पर पानी की सतह भी एक ही तरह की है। कैलाना हल्के मे तो सरकार ने स्लैब प्रणाली लागू कर दी जबकि मेरे हल्के राई में सरकार ने यह प्रणाली लागू नही की। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि सरकार हमारे साथ भेदभाव बरत रही है।

अध्यक्ष महोदय, हमारे इलाके मे सडको की रिपेयर नही हो रही कागो मे हो रही हो तो अलग बात है लेकिन असल मे वहां पर कोई काम नही हुआ। बे ाक मंत्री जी मेरे साथ चल कर देख लें, यदि यह बात सही नही होगी तो मै कसूरवार हूंगा। मेरे हलके मे किसी भी सडक का ऐस्टीमेट पास नही हुआ। जब ऐस्टीमेट ही पास नही हुआ तो सडके कहां से बनेगी? अफसरो से बात करते है तो वे कहते है कि अपोजी ान के हल्को के एस्टिमेट पास नही होंगे।

अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के मे रेत की खाने है। वहा ंपर जगह जगह पर खाने खुदी हुई है। खान माफिया वहां पर खडा हो गया है। वहां पर इसी कारण झुण्डपुर मे पिछले दिनो कत्ल भी हुआ है। वहां पर मनमजी के हिसाब से खुदाई हो रही है। उन पर सरकार की तरफ से किसी प्रकार की कोई पाबन्दी नही है। एक खान चोदने वाला किसी का एक किल्ला खान खोदने के लिए लेता है तो उसको वह पचास पचास फुट की गहराई तक चोद डालता है। इसका नुकसान यह होता है कि साथ वाला मालिक है जिसका साथ लगता है वह उसको देने पर मजबूर हो जाता है। वहां पर रास्ते भी नही छोडे गए। हर जगह पर खाने खोद दी गई है। वहां पर खान माफिया के लोग खानो पर बंदुक लेकर बैठे रहते है जिस कारण कोई दूसरा आदमी सेफ नही है। अध्यक्ष महोदय, अगर किसी भाई को मेरी बात पर यकीन न हो तो वह वहां जाकर देख सकता है। आज मेरे हल्के मे रेत की खानो का

बिजनैस सबसे बडा बिजनैस है, इससे लोग बडे परे ाान है। अध्यक्ष महोदय, मै किसी पार्टी बाजी की बात नही कर रहा हूं, मै आपको सही बात बता रहा हूं अगर आप उस पर कंट्रोल कर सकते है तो ठीक है, बताना मेरा फर्ज बनता है क्योंकि वह मेरा हल्का है। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मै पंचायती जमीन की करुंगा। मुरथल, खेवडा और नांगल आदि गावो मे पंचायत की जमीन बहुत ज्यादा है। बी0 डी0 ओ0 और पंचायत आफिसर पंचायत की जमीन को पटटे पर देते है, उसका हिसाब किताब करते है। अध्यक्ष महोदय, इन गावो मे पंचायत की जमीन को पट्टे पर देते है, जिसको चाहा उसको देते है। अध्यक्ष महोदय, मेरे गांव मुरथल मे अभी 6–7 महीने पहले 98 एकड भूमि 600रुपये, 700 रुपये के हिसाब से पटटे पर दी गई जबकि उसका रेट इससे कही ज्यादा है। इस बारे मे मैने एक पत्र डी सी साहब को लिखा, लेकिन उन्होने उस पर कोई कार्यवाही नही की। अध्यक्ष महोदय, अगर इस पर कोई कार्यवाही नही होगी, इस तरह से अफसरो की मनमर्जी चलती रहेगी तो इन गावों की पंचायते बर्बाद हो जायेंगी, लोग बर्बाद हो जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने बताया कि हम हरियाणा को बिजली ठीक तरह से दे रहे है लेकिन अध्यक्ष महोदय, मेरे हलके मे मुि कल से दो दिन मे 4–5 घंटे ही आती है। अध्यक्ष महोदय, मै मानता हूं कि हरियाणा प्रदे ा मे बिजली की कमी है इसलिए आप ज्यादा बिजली किसानो को नही दे सकते लेकिन जो 4–5 घंटे आप बिजली देते है वह तो लगातार दे ताकि किसान की एक आध एकड जमीन की सिंचाई

हो सके। अध्यक्ष महोदय, यह सरकार क्या कर रही है यह बात मेरी समझ मे नही आती। अध्यक्ष महोदय, एस डी ओ और जे ई वहां आफिसो मै बैठे है, वे किसी का कोई काम नही करते। अगर उनको पैसे दे दिये जाये तब तो वे काम कर देते है बगैर पैसे किसी का काम नही करते। अध्यक्ष महोदय, किसान परे ाान है उनका काम महीनो तक पडा रहता है जब वे बिजली वालो को काम करने के लिए बार बार कहते है तब वे लोग उनसे पैसे मांगते है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, लोगो को बचाने की बजाय उन पर अत्याचार करते है, उनसे पैसे लेकर ही काम करते है। **13:00 बजे** जब ि ाकायत करते है तब उनको आपस मे बदल दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर भ्रश्टाचार का बोलबाला है। अगर कोई भाई अपना कोई काम करवाने के लिए जाता है या कोई रिपोर्ट लेने के लिए जाता है तो कोई भी काम पैसा दिए बिना नही होता है। सरकार से मेरा यह निवेदन है कि इस आदत पर थोडा अंकु ा लगाया जाना चाहिए और स्थिती को कण्ट्रोल मे करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, कोई भी काम होता है उसमे थोडा टाईम लगता ही है। (घण्टी) स्पीकर साहब, पुलिस भर्ती के लिए इन्टरव्यू वगैरा हुए है और उसकी लिस्ट अभी आउट होनी है। यह कहा जा रहा है कि उसमे कोई हेराफेरी या धांधली नही है और सिलैक ान मैरिट पर हुआ है। अध्यक्ष महोदय, जिस दिन यह लिस्ट लगाएंगे उसी से पता लग जाएगा कि सिलैक ान फेयर और मैरिट के आधार पर हुआ है या नही। अगर उस लिस्ट के अन्दर 20–25 आदमी हर जगहो पर होगे तो यह लिस्ट सत्य है और हम

मानेंगे कि भर्ती मैरिट के आधार पर हुई है लेकिन आदमी बाहर के होगे तो हम यह बात असत्य मानेंगे। इस बात का पता चल जाएगा कि इंटरव्यू ठीक लिया है या गलत लिया है। सारी सच्चाई सामने आ जाएगी (घण्टी) इन भाब्दो के साथ मै अपनी बात को समाप्त करते हुए आपका धन्यवाद करता हूं। (विघ्न)

श्री रिसाल सिंह (मुलाना, एस0 सी0): अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने का समय देने के लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। आज मेरा गला खराब है फिर भी मै आपके माध्यम से अपनी बात सरकार को कहने की को ा ा करुंगा। अध्यक्ष महोदय, डिमाण्डज पर तो बात होती ही है लेकिन चर्चा अपने हलके की की जाती है। यह चर्चा इसलिए की जाती है कि हर हलके में अपनी अपनी समस्याए और मु कले होती है। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै अपने हलके की बिजली की समस्या के बारे मे सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं। जहां तक बिजली की बात है मेरे हलके मे बिजली की बुरी हालत है। अध्यक्ष महोदय, केवल दो चार घंटे बजली मिलती है और वह भी टूट कर मिलती है और बार बार ट्रिपिंग होती है। भााम के टाईम जब बिजली आती है उस समय थाली मे रोटी रखी होती है लेकिन तभी बिजली चली जाती है। अध्यक्ष महोदय मै ज्यादा बाते न करते हुए बिजली के बारे मे एक दो बाते जरुर कहूंगा। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके द्वारा सभी मैम्बर्ज से दरखास्त है कि वे जब भी बोल रहे थे या बोलेंगे तो उस समय मै बीच मे उनको इंट्रप्ट नही करता इसलिउ

अब मै बोल रहा हूं तो मुझे भी इंट्रप्ट न किया जाये। अध्यक्ष महोदय, मेरे गांव केसरी मे एक 33 के0 वी0 का पावर सब स्टे ान था और उसकी सीधी लाईन भाखडा से जुडी हुई थी हमे यह आ वासन दिया गया कि उसकी जगह पर 66 के0 वी0 का सब–स्टे ान बना दिया जाएगा जिससे हमारे गांव के लोग बहुत ही खु ा हुए और सोचने लगे कि अब हमारे गांव मे बिजली ज्यादा आया करेगी। लेकिन अब भी वहां पर 33 के0 वी0 का ही सब स्टे ान है और उसकी भाखडा वाली लाईन से हटा कर अब हमें पानीपत की लाईन से जोड दिया गया है। भाखडा वाली लाईन हटाने की वजह से वहां पर आज बिजली की वोल्टेज कम आ रही है और टयूबवैल्ज भी नही चल पा रहे है जिसकी वजह से वहा पर किसानो की फसले बर्बाद हो रही है। मै आपको एक भोर पढकर सुनाता हूंः–

जिस खेत से मुयस्सर न हो रोटी,

उस खेत के हर दाने को आग लगा दो।

अध्यक्ष महोदय, मेरे हलके मे हर जगह पर डीप टयूवैलज है। पता नही दलाल साहब और मुख्यमंत्री जी को अम्बाला जिले से क्यों नफरत है? अम्बाला जिले से पांच मैम्बर्ज है और उनमे से चार मैम्बर्ज तो इनके ही साथी है। उन्होने सारे हरियाणा मे बिजली के जो रेट लागू किए है पता नही जिला अम्बाला मे वे क्यों लागू नही किए है? मेरे हलके मे 100 फीट तक

के 1513, 100 फीट के 150 फीट तक के 908, 150 से 200 फीट तक के 601 और 200 फीट से जयादा के 1579 डीप टयूबवैल्ज है। अध्यक्ष महोदय, मेरे पडोस के हलको मे जहां लोगो को राहत मिली है वही मेरे हलके मे 908 टयूबवैल्ज पर 10 पैसे, 601 टयूबवैल्ज पर 20 पैसे और 1579 पर 15 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से ज्यादा रेट लिए जा रहे है। यह अम्बाला जिले के साथ न्याय संगत बात नही है। मै एग्रीकल्चर मिनिस्टर जी से प्रार्थना करना चाहूंगा कि जब इनका फैसला दूसरे जिलो मे लागू हो गया है तो हमारे जिले मे भी यह लागू होना चाहिए। मेरे हलके मे 154 एम0 आई0 टी0 सी0 के टयूबवैल्ज है उनमे से 30 कंडम हो गए है, 22 वर्कींग कंडी ान मे है ओर जो बाकी 102 है वहां पर भी पानीका लैवल नीचे चला गया है। तो मेरी आपसे विनती है कि वहां पर उनमे नई मोटरे लगाकर उन टयूबवैल्ज को चालू करवाएं। इसके अलावा जनाब, मेरे हलके मे जहां तक रोडज की बात है, वहा ंसिर्फ उन रोडज की रिपेयर हुई है जिन पर सारे मंत्रियो का आना जाना होता है ये मंत्री महोदय रोहतक, हिसार या पानीपत वगैरह जाते है या फिर बहन कमला वर्मा या सुभाश चौधरी जाते है। बाकी जितने मेरे हलके के रोडज है उनकी रिपेयर नही की जाती। बहुत सी रोडज ऐसी हो गयी है जिनमे बहुत खडडे पड गये है यहां तक कि कुछ रोडज की ऐसी हालत है जिन पर स्कूटर या मोटर साईकल पर बैठकर गर्भवती महिलाए चलना पसंद नही करती क्योंकि उनको गर्भपात का डर होता है। आज तक वहां पर किसी भी सडक की रिपेयर नही हुई है। इसकी वजह से सडके

टूट टूट कर जोहड मे गिरने को तैयार है। अध्यक्ष महोदय, ऐसी रोडज की हालत हमारे हलको मे ही क्यों है? इसके अलावा चार सडके मेरे हलके मे ऐसी है जिन पर अर्थवर्क तो हो चुका है। यह अर्थवर्क तीन साल पहले हो चुका था इन पर मिटटी वगैरह गिर चुकी है और अब रोडी पडनी है। लेकिन वहां आगे काम न होने के कारण वह मिटटी भी बह रही है। इन सडको की तरफ भी ध्यान दिया जाना जरुरी है। सडके न होने की वजह से वहां के लोगो को बहुत परे ाानी है इसलिए मेरा कहना है कि पब्लिक को फायदा पहुंचना चाहिए। इसी तरह से पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर साहब यहां पर बैठे नही है। मै उनको बताना चाहता हूं कि मेरे हल्के मे, गावो ंमे हरिजन बस्तियो मे या बैकवर्ड बस्तियो में वाटर सप्लाई नही हो रही है इसलिए मंत्री महोदय को इस तरफ भी ध्यान देना चाहिए। उन्होने धीरपाल सिंह द्वारा इस बारे मे कही गयी बात पर भी ध्यान नही दिया। यह तो वही कहावत हुई कि ''सारी खुदाई एक तरफ ओर जोरु का भाई एक तरफ'' फिर भी मै उनसे कहना चाहूंगा कि जहां जहां ऐसी बस्तियां है वहां पर उनको पीने का पानी मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जो भाराब बंदी हो गयी थी तो हमने सोचा था कि इसके रिजल्टस अच्छे निकलेगे और अच्छे आदमियो को इससे राहत मिलेगी। हमने तो पूरी कोि ा ा की कि भाराबबंदी को पूरे तरीके से लागू करवाया जाए। कम से कम मैने तो पूरी कोि ा ा की है। जिन लोगो ने भाराब बेचने वालो को उस समय पकडवाया था, उनको ही पुलिस के डंडे लगे थे, उनके ही सिर फुटे। इसलिए इसके फेल होने की

वजह हम नही है इसकी वजह या तो सरकार है या फिर भाराब माफिया है या फिर पुलिस है। लोगो को पूलिस द्वारा जब पीटा गया तो उन्होने इस बारे में पुलिस से ि ाकायत करना बद कर दिया। इसी तरह से पुलिस मे जो भर्ती हुई है उसमे कोई कहता है कि डेढ लाख रुपये लेकर होगी कोई कहता है कि फेवरेटिज्म होगा। वह तो जो होगा बाद मे पता चल जाएगा लेकिन जैसी घोशणा की गई है कि हर हल्के से 20 आदमी लिए जाएंगे। मै यह कहना चाहता हूं कि यदि हल्के के आदमी रिक्वायर्ड स्टैंडर्ड को क्वालिफाई करते है और फिर भी उन्हे नही लिया जाता है तो यह उस हल्के के साथ भेदभाव होगा, अन्याय होगा। यह जो कहा गया है एक हल्के से 20 आदमी लिए जाएंगे यह एक झूठी घोशणा होगी। इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

बैठक का समय बढाना

श्री अध्यक्षः यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय एक घंटे के लिए बढा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय एक घंटे के लिए बढाया जाता है।

वर्श 1998–99 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री सिरी कृश्ण हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, मै सदन का ध्यान कानून और व्यवस्था की तरफ भी दिलाना चाहूंगा। रोहतक और सोनीपत जिलो मे कानून और व्यवस्था की स्थिती तहस–नहस हो चुकी है क्योंकि ये दोनो ही जिले यू0 पी0 और दिल्ली राज्यो के साथ लगते है, इसलिए इन मे अपराध की घटनाएं बढ रही है। भाराबबंदी के वक्त एक भाराब का माफिया जो प्रदे ा के अंदर उभरा था, आज भाराबबंदी खत्म होने के बाद भी वह दिन–दहाडे कत्ल करता है, लूट–खसोट करता है। अध्यक्ष महोदय, आज प्रदे ा के अंदर बहु–बेटियों की इज्जत सुरक्षित नही है। इसलिए सरकार को इस की तरफ ध्यान देना चाहिए। मेरे हलके मे पी0 डब्ल्यू0 डी0 वालो ने सुखबरा से लाडो वाली सडक को साढे चार फुट उंचा उठा दिया है। वहा ंपर एक कॉलोनी है जिसमे 500 मकान बने हुए है। इस सडक को उपर उठाने की वजह से इस कालोनी मे पानी खडा हो जाता है। इसलिए मेरी यह मांग है कि वहां पर नाला बनाया जाए। इसी प्रकार से भालोट से भी पानी की निकासी का प्रबंध किया जाए। अध्यक्ष महोदय, अब मै कृशि विभाग की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि प्रदे ा के अंदर नकली दवाईयां और खाद बेची जाती है। इससे न सिर्फ किसानो को नुकसान होता है बल्कि प्रदे ा व दे ा को भी बडा भारी लोस होता है क्योंकि इससे पैदावार कम हो जाएगी। अध्यक्ष महोदय, ड्रेनेज सिस्टम के बारे मे भी मै कहना चाहूंगा कि पिछली सरकार ने एक ड्रेन रठाल गांव से मुंढाल तक बनाई थी जिस पर लगभग 50–60 लाख रुपए का खर्च आया था

लेकिन परिणाम यह निकला कि रिठाल गांव से एक लिटर पानी भी नही निकला। इसलिए ऐसे अधिकारी जिनको ड्रेनेज का लेवल भी करना नही आता है, मै पूछता हूं कि उन के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है? (घंटी) अध्यक्ष महोदय, अब मै ि ाक्षा विभाग की तरफ सदन का थोडा सा ध्यान दिलाना चाहूंगा। हमारे सरकारी स्कूला का स्तर नीचे जा रहा है और हर एक गांव मे प्राईवेट स्कूलो की दुकाने खुल गई है। सरकारी स्कूलो मे बच्चे कम होते जा रहे है तथा पोस्टे भी सरप्लस हो गई है। इसलिए मै मंत्री महोदय से आपके माध्यम से प्रार्थना करना चाहूंगा कि इस आरे कुछ कदम उठाए जाएं ताकि गरीब लोगो को कोई नुकसान न हो। धन्यवाद।

श्री देवराज दीवान (सोनीपत): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद। मै डिमांड नं0 2 से लेकर 23 तक आपका ध्यान आकृश्ट करना चाहूंगा। (विध्न) आज से दो सवा दो साल पहले यह सरकार बनी थी। जनता ने पिछली सरकारो से परे ाान हो कर चौधरी बंसी लाल जी मे अपना वि वास किया था तथा इनको अपनी सरकार बनाने का मौका दिया था। जनता को बडी उम्मीदें थी कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आने के बाद हरियाणा का विकास होगा। बिजली के बारे मे भी लोगो को बहुत उम्मीदे थी। पहले यह कहा जाता था कि बंसी लाल जी हरियाण के निर्माता है। यह बात सच है कि बंसी लाल जी जब पहले मुख्य मंत्रीथे उस समय

हरियाणा का निर्माण हुआ था। अब इस सरकार को बने 2 साल 2 महीने हो गए है लेकिन जब सरकार बने हुए 6 महीने ही हुए थे तभी लोगो ने अपनी परे ाानियां बतानी भाुरु कर दी थी। अब उनकी उम्मीदें बेकार चली गई है। ये कहते थे कि हरियाणा के प्रत्येक गांव तक तक सडक पहुंचाएंगे लेकिन इन दो सालो मे सडको का बहुत बुरा हाल है। मै अपने हलके की सडको के बारे मे बताता हूं मेरे हलके सोनीपत मे 24 गांव है किसी भी गांव की सडक पर आराम से ट्रक नही चल सकता, बैलगाडी नही चल सकती,यहां तक कि आदमी का भी चलना मुि कल है। अध्यक्ष महोदय मै एक छोटी सी मिसाल सडको से पहले बिजली के बारे मे देना चाहता हूं। कल जिस समय मुख्य मंत्री जी बिजली के बारे मे बता रहे थे कि बिजली मे सुधार हुआ, उस समय सोनीपत मे मुरथल से 8 किलोमीटर जाम लगा हुआ था। वह जाम लगभग 10 घंटे इसलिए रहा क्योंकि 8 दिन से बिजली न मिलने के कारण लोगो ने मुरथल से पानीपत तक जाम लगा रखा था। इसका जिक आज अखबार में भी है। मेरे हलके के किसी भी गांव मे 8–8 दिन तक बिजली नही आती और ये कहते है कि आने वाले समय मे लोगो को 24 घंटे बिजली मिलेगी। मुख्यमंत्री जी मेरे हलके सोनीपत मे 6 जुलाई 1977 को आए थे इन्होने वहां एक पब्लिक मीटिंग को संबोधित करते हुए कहा था कि 31 मार्च 1998 तक सोनीपत मे 220 के0 वी0 का एक सब स्टे ान स्थापित हो जाएगा। वह सब–स्टे ान चालू तो क्या हुआ बल्कि उसका आधा सामान उठाकर रोहतक ले गए। आज सदन मे मंत्री जी द्वारा

आ वासन दिया गया है कि 1999 मार्च तक उस सब–स्टे ान को चालू कर दिया जाएगा। मै यह कहता हूं कि चलो अब ध्यान दिया तो सही लेकिन यह बात आ वासन तक सीमित नही रहनी चाहिए। आज जो बजट रखा गया है वह केवल झूठ के पुलिन्दे बनाकर जनता को उलझाने के लिए रख दिया गया है। आज जनता जागरुक है और वह ऐसे छटपटा रही है जैसे एक मछली बिना पानी के छटपटाती है। जनता अवसर ढूंढ रही है कि इस सरकार को कैसे हटाया जाए और जैसे ही जनता को अवसर मिलेगा। वह इस सरकार को एक मिनट भी नही रहने देगी। जहां तक कानून और व्यवस्था की बात है, मै अप्रैल मे अस्पताल मे दाखिल था, मेरे हलके के कुछ आढती खरखौदा से पेमैंट लेकर आ रहे थे, उनको रास्ते मे लूट लिया गया। उन्होने इसकी रिपोर्ट थाने मे लिखवाई और लूटने वालो के नाम भी बताए। पूलिस उन डकैतो को पकड कर भी लाई लेकिन वहां के किसी मंत्री के कहने पर उन लोगो को छोड दिया गया। 2–3 दिन बाद वे आढती दिल्ली मे मुख्यमंत्री से मिले। मुख्य मंत्री ने फोन किया और फिर उन डकैतो को पकडा गया। इसके बाद उनकी पेमैंट भी वापिस हो गई। अध्यक्ष महोदय, मै अपने हलके सोनीपत के वार्ड नं 2 गढी घसीटा के 17 वर्शिय राके ा की निर्मम हत्या का जिक करना चाहूंगा। जिसमे उसके पिता राम कुमार ने आवेदन किया है कि उसके बेटे पर चोरी का इल्जाम लगा कर राम निवास ने उसको मार कर रेलवे लाईन पुलिया के बीच डाल दिया। अध्यक्ष महोदय, उसकी ला ा 26–3–98 को दो टुकडो मे पाई गई। इस

बारे मे जी0 आर0 पी0 सोनीपत मे केस भी दर्ज हुआ। मै चाहूंगा कि सरकार इस बारे मे निश्पक्ष जांच करवाए। अध्यक्ष महोदय, आवेदन कर्ता का यह आरोप भी है कि इस केस मे सरकारी तंत्र हत्यारो की मदद कर रहा है। इस बारे मे माननीय गृह मंत्री को सुचना भेज रखी है और मुख्य मंत्री जी को भी सूचना भेज रखी है। वह गरीब इंसाफ के लिए भटक रहा है। सरकार इस तरफ ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा इस वार्ड घसीटा मे कुछ भारारती तत्व रात को लगभग 11 बजे से सुबह चार बजे तक मकानो मे पत्थर फेंकते है जिसके कारण वहां के लोगो के दिलो मे दह ात फैली हुई है। मैने इस बारे मे वहां के एस पी को चिटठी भी लिखी और फोन भी किया लेकिन कोई सुनवाई नही हुई। आज भी उन लोगो के घरो मे पत्थर फेंके जा रहे है। मेरी प्रार्थना है कि सरकार इस तरफ ध्यान दे। अध्यक्ष महोदय, अब मै आपके माध्यम से सरकार का ध्यान व्यापारियो पर हो रहे अत्याचारो की ओर दिलाना चाहता हूं। पिछली सरकार की तय नीतिके अनुसार मण्डी के लाईसैंस ुदा पुराने आढतियो को ही नई मंडियो मे फिक्सड प्राईस पर प्लाट दिये जाते थे और उन्हे प्लाट देने के बाद बाकी बचे प्लाटो की नीलामी की जाती थी लेकिन मौजूदा सरकार ने पुराने आढतियो के हितो पर कुठाराघात करते हुए करनाल मे सभी प्लाटो की नीलामी की, उस बारे मे सभी जगहो के व्यापारियो ने आन्दोलन छेडा हुआ है। वहां पर सोनीपत के व्यापारियो ने भी गिरफतारी दी है आज भी वह आन्दोलन चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा का कर्मचारी

वर्ग अपने हको के लिए लडने के लिए अपनी कमर कस रहा है और दूसरी तरफ किसान भाई अपनी समस्याओ से जुझते हुए दयनीय स्थिती मे अपनी जिंदगी जीने के लिए मजबूर है। किसान आत्महत्या कर रहे है। अभी 22–7–98 के इंडियन एक्सप्रैस मे किसानो द्वारा आत्म हत्या किये जाने का समाचार प्रकाि ात हुआ है। अध्यक्ष महोदय, अब मै अपने हलके की सडको की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने सडको के रख रखाव एवं निर्माण हेतु 245 करोड रुपये का प्रावधान बजट मे रखा है।

श्री अध्यक्षः दीवान साहब आप बैठिये। आपने काफी समय ले लिया है।

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मै सिर्फ दो मिनट मे अपनी बात को खत्म कर देता हू।

श्री अध्यक्षः नही नही, अब आप बैठिये।

श्री देवराज दीवानः यदि आप मुझे बोलने के लिए समय नही दे रहे तो मै अपने कुछ प्वायंटस जो मेरे द्वारा बोलने से रह गए है, आपकी इजाजत से सदन की टेबल पर रख देता हूं।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

(इस समय माननीय सदस्य, श्री देवराज दीवान द्वारा कुछ पेपर चेयरमैन साहब की अनुमति से सदन की टेबल पर रखे गए)

श्री देवराज दीवानः परन्तु आज हरियाणा की स्थान स्थान पर टूटी हुई सडके सरकार की खोखली नीति को जाहिर कर रही है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहूंगा कि सोनीपत हल्के की निम्नलिखित सडके जिनका निर्माण तथा मुरम्मत पिछले वर्श हो जाना चाहिए था, अभी तक पुरी नही हुई है–

(1) सोनीपत भाहर मे रेलवे फाटक से गोहाना रोड तक

(2) सोनीपत भाहर मे रेलवे फाटक से मण्डी तक

(3) सोनीपत बस अड्डा से गांव माहरा तक

(4) सोनीपत मे गीता भवन चौक से लेकर रैस्ट हाउस–कालूपुर रोड तक सडक को मजबूत करना, सोनीपत से बहालगढ जी0 टी0 रोड हाई–वे और सोनीपत से मुरथल जी0 टी0 रोड, हाई–वे को चौडा करना।

(5) सोनीपत मे गीता भवन से बस–अड्डा तक कंक्रीट पेमैंट करना।

(6) चटाना गांव से खिजरपुर जट माजरा की सडका का निर्माण।

(7) माहरा गांव से सिटावली गांव तक की सडक की मुरम्मत।

(8) हुलैडी की सडक के लैवल को उंचा करना।

गांव कैला ापुर तथा गांव बैयां खुर्द मे जाने का रास्ता नही है। आज तक दोनो गांव के लोग कई सालो से परे ाान है। इन गावो को भाहर से जोडने के लिए रास्ता देकर इन गरीब लोगो की परे ाानी को दूर किया जाये।

अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के के गांव चटाला और माहरा मे वर्शा के दिनो मे दो दो तीन तीन फुट तक पानी खडा हो जाता है। जिससे बच्चो को स्कूल मे जाने मे बहुत दिक्कत आती है। मै मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध करुंगा कि इस उपरोक्त कार्य को भीघ्र पूरा किया जाये।

इसके अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय के माध्यम से मै माननीय मुख्य मंत्री का ध्यान इस ओर भी दिलाना चाहूंगा कि सोनीपत भाहर की 12 सडको की मुरम्मत के लिए 20 लाख रुपये स्वीकृत कर दिये गये थे लेकिन सोनीपत के डी0 सी0 महोदय ने यह रा ि। उस समय अन्य कार्य पर लगा दी जिससे इन सडको की मुरम्मत नही हो सकी। कृप्या इस विशय मे भी जांच करवाई जाये।

अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि हर आबादी के साथ एक भाम ाान–घाट का होना अनिवार्य है। मेरे हलके के गांव

चटाना, जुआं, माहरा, मोहाना,नैना, तितारपुर, खिजरपुर जट माजरा, सांदल खुर्द तथा सांदल कलां आदि गावो मे भाम ाान–घाट तक जाने का रास्ता कच्चा है। वर्शा के दिनो मे रास्मे मे पानी इकट्ठा हो जाता है। जिससे मृतक भारीर को भाम ाान–घाट तक ले जाने मे बहुत दिक्कत होती है। कई बार तो अर्थी उठाए हुए लोगो के फिसल जाने के कारण बहुत दिक्कत होती है। मै मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध करुंगा कि हलका सोनीपत के सभी गावो के भाम ाान भूमि जाने के रास्ते भीध्र पक्के करवाएं जायें।

अध्यक्ष महोदय मै आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी का ध्यान गांव की चौपालो की मुरम्मत और नवनिर्माण की तरफ दिलाना चाहूंगा। मेरे हलके सोनीपत के निम्नलिखित गावों मे चौपालो की मुरम्मत तथा निर्माण होना है।

गांव मोहाना	वाल्मीकी तथा धानकान चौपाल
गांव सांदल कलां	धानकान चौपाल
चटाना	वाल्मीकी चौपाल तथा बी सी चौपाल
जाहरी	वाल्मीकी चौपाल

ठरु	हरजिन चौपाल
भाहजादपुर	हरिजन चौपाल
उल्देपुर	हरिजन चौपाल
पिनाना	धानकान चौपाल तथा बी सी चौपाल
जुआ नं0 2	बी सी चौपाल तथा हरिजन चौपाल
सांदल खुर्द	बी सी चौपाल
थरिया	बी सी चौपाल

श्री राम जी लाल (सढौरा, एस0 सी0): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मै आपको धन्यवाद देता हू। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार कह रही हैकि हम लोगो को रहने के लिए स्वच्छ वातावरण देंगे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, हिमाचल से मारकण्डा नदी निकलती है, उसमे हिमाचल की इंडस्ट्रीज का इतना गंद पडा हुआ है कि उसका पानी पीने से आदमी बीमार हो जाता है। यह नदी मेरे हलके के पडोसी राजय मंत्री राज कुमार जी के गांव के नजदीक से होकर गुजरती है। उनके गांव मे पीने का पानी नही है वे बाहर से पीने का पानी मंगवाते है। इसी तरह अध्यक्ष महोदय, इस नदी के किनारे पर सैंकडो गांव है जिनमे पीने के पानी की बहुत कमी है अगर वहां

के लोग नदी का पानी पीते है तो लोगो को पीलिया हो जाता है और लोग बीमार हो जाते है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध करता हू ंकि जिन गावों मे नलके लगे हुए है उन नलको को चालू किया जाए। मै माननीय मुख्य मंत्री से यह भी जानना चाहूंगा कि क्या ये मारकण्डा नदी की गंदगी को साफ कराने का काम करवायंगे? अध्यक्ष महोदय, इसके बाद मै कानून व्यवस्था के बारे मे बताउंगा। अध्यक्ष महोदय, यमुनानगर मे किडली माडल टाउन मे सतपाल ऐडवोकेट के घर पर डाका पडा था लेकिन अभी तक पुलिस अपराधियो को नही पकड सकी है। अध्यक्ष महोदय, मेरे हलके के गांव मियंपुर मे भी एक आदमी को मार दिया गया जिसका एफ0 आई0 आर0 नं0 26/1–2–98 है, इसी तरह से सुलतानपुर मे भी एक आदमी को मार दिया गया जिसका एफ0 आई0 आर0 नं0 49/29–3–98 है लेकिन अभी तक पुलिस इन कातिलो को पकड नही सकी है और न ही सरकार ने कोई कार्यवाही भाुरु की है। अध्यक्ष महोदय, गांव खेताली मे एक आदमी को मार दिया गया उस पर भी कोई कार्यवाही नही हुई। अध्यक्ष महोदय, आज से 8 रोज पहले एक चलती हुई टैक्सी के मालिक को अज्ञात हमलावरो ने 3–4 गोली मारी, लेकिन उसकी किस्मत अच्छी थी कि वह पी0 जी0 आई0 मे आने के बाद बच गया। उन डकैतो को भी सरकार ने आज तक नही पकडा है। इसके साथ साथ मै सदन को यह बताना चाहूंगा कि जब हम सै ान मे आ रहे थे, तब रास्ते मे 12 बजे बरवाला मे रामगढ मे लोगो ने रोड ब्लाक कर रखी थी, जिसके कारण हमे दो घंटे वहां खडे रहना

पडा। उन लोगो ने बताया कि दो लोगो ने वहां से 45 भैंसे चुराकर बेच दी। उन्होने दौड धूप करके उन चारो को पकडवाया लेकिन पुलिस ने 10 हजार रुपये लेकर उनको छोड दिया। वे लोक कह रहे थे कि हम रास्ता तभी खोलेगे जब पुलिस उन लोगो को सजा देगी। अध्यक्ष महोदय, एस0 डी0 ओ0 साहब वहां मौके पर मौजूद थे लेकिन उनके कहने पर भी उन्होने रास्ता नही खोला। अध्यक्ष महोदय, मैने उन लोगो को आ वासन दिया कि मै उन लोगो की बात हाउस के सामने रखुगा तब जाकर उन लोगो ने रास्ता खोला। तीन घंटे तक रास्ता जाम होने से सवारियां बहुत ज्यादा परे ाान थी। अध्यक्ष महोदय, अब मै आपके माध्यम से बिजली के रेट्स की स्लैब प्रणाली के बारे में कहना चाहूंगा। मैने ि ावालिक बोर्ड की मीटिंग मे भी मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध किया था कि अंबाला मे खास तौर पर एम आई टी सी के 68 से लेकर 72 तक टयूबवैल चौधरी बंसी लाल जी के लगवाये हुए है। इस बारे मे सर्वे करवाने की आव यकता नही है। मुख्य मंत्री जी को पता है कि यहा पर एम आई टी सी के टयूबवैलो की गहराई 575 फुट है। इसके साथ ही वहां आम आदमी के टयूबवैज 350 से 375 फुट गहरे है। मेरा मुख्य मंत्री जी से अनुरोध है कि जिन लोगो के टयूबवैल गहरे है उन का फिर से सर्वे करवाने की बजाय बिजली के रेटस स्लैब प्रणाली के तहत लिए जाएं क्योंकि सारा रिकार्ड आपके पास मौजुद है। जिनके टयूबवैल की 15 हार्स पावर की मोटरे है उसकी गहराई 300 फुट है और जिनके टयूबवैल की 10 हार्स पावर की मोटरे है उनकी गहराई 200 फुट है। लगभग

सारी स्थिती आपके समक्ष है इसलिए इसकी दोबारा सर्वे करवाने की आव यकता नही है। यह रेटस उसी तरह से लागू किये जाये जैसे दूसरे जिलो मे लागू किए गए है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार का ध्यान ि ावालिक बोर्ड की कार्यप्रणाली की ओर दिलाना चाहूंगा। वहां पर कण्डी वालो की तरफ से छोटे छोटे बांध बांधे गये है। इसका सारा रिकार्ड मेरे पास है। कण्डी वालो ने जांच करके अपनी रिपोर्ट सरकार को दे दी है जो कि 30% बांध बंधे है उनके भी लोग 30% पत्थर उठाकर ले गये है। कभी एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट वाले कहते है कि हमने ये लगाये है ओर कभी कण्डी वाले कहते है कि हमने लगाये है। इस बारे मे लोग दुविधा में है। लोगो को न तो इनसे कोई राहत मिली है और न ही उन्हे किसी किस्म का फायदा हो रहा है। अध्यक्ष महोदय, दुनिया भर का पत्थर चोरी करके कभी कण्डी वाले बेचते है, कभी एग्रीकल्चर वाले बेचते है। इसके साथ ही मै कोओपरेटिव सोसाईटिज और गवर्नमैंट सोसाइटिज के बारे मे भी सरकार को बताना चाहूंगा कि आज की स्थिती मे जितनी भी कोओपरेटिव सोसाईटिज है वे सारी की सारी भंग है और अधिकारी अपनी मनमानी करते है। वे हर सोसाईटी मे 2–2 या 3–3 आदमी एडजस्ट कर रहे है। जब कि वे सोसाईटिज आलरेडी घाटे मे चल रही है। मैने को ओपरेटिव मिनिस्टर के समक्ष भी अनुरोध किया था और लिखित रुप मे ि ाकायत भी की है परन्तु उस पर आज तक कोई भी कार्यवाही नही हुई है। इसके साथ ही साथ मै यह भी बताना चाहूंगा कि हिमाचल मे एक पेपर प्रगति मिल लगी है

यह मिल हरियाणा मे जबरदस्ती छोटा मारकण्डा क्रास करके रास्ता लेनाचाहती है जबकि रास्ता हिमाचल के उपर से हो कर आता है। उसने जबरदस्ती छोटा मारकण्डा से रास्ता बाउंड करके रास्ते पर मिटटी डाल कर पानी हरियाणा की तरफ मोड दिया और 50–60 गावो को नुकसान कर दिया। उन लोगो की जो जीरी की फसल लगी हुई थी वह उस पानी मे बह गई। अब उन लोगो ने दुबारा जीरी की फसल लगाई है। इसके साथ लगते हुए गांव कलौडी, इनजामपुर, राजपुर, नाहर पुर, बीड, माजरा, असगरपुर, डूमावला, पहाडी पुर, बकाला, हवेली, फिरोजपुर आदि है जो कि इस पानी ने लगभग तबाह कर दिये है। वह मिल जगरदस्ती हरियाणा से रास्ता लेना चाहती है और पुल लगा कर पानी उन सारे गावो की तरफ डालना चाहती है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूं कि पंचायती जमीनो का जो मामला है वह बहुत ही गम्भीर है। सारी पंचायती जमीनो पर नाजायज कब्जे है। सबसे पहले मै आपको अपने गांव की दुर्द ाा बताता हूं। मेरे गांव मे 190 एकड जमीन पंचायत की है। सरपंच के खिलाफ मैने कई मर्तबा लिखकर दिया है, इस बारे उसको सस्पैंड भी किया गया था लेकिन फिर डी0 सी0 यमुनानगर ने उसको बहाल कर लिया। अध्यक्ष महोदय, मै आभारी हूं कि अपनी माननीय मंत्री बहन कमला वर्मा जी का जो उनकी पु त है और बार बार भाह देकर उसको बहाल करवाती है। अध्यक्ष महोदय, आज स्थिती यह है कि उस सरपंच ने 15 लाख रुपये की लक्कड 5000 रुपये पर आदमी से लेकर उस गांव की कटवा दी है, लेकिन उसके

खिलाफ कोई कार्यवाही नही की गई है। इसके बारे मे मैने डी0 सी0 को भी इन्कवायरी के लिए कहा परन्तु बहन जी ने उसकी इन्कवायरी नही होनी दी और न ही अब होने दे रही है। इसके साथ ही साथ हरिजनो के साथ जो इतने अत्याचार हो रहे है उनके बारेमे भी मै आपको डिटेल मे बताउंगा। (विघ्न) हरियाणा मे हरिजनो को जो मकान बनाने के लिए राि ा अनुदान के रुप मे दी जाती है वह बहुत कम है। मै सरकार से अनुरोध करुंगा कि2200—2300 रुपये प्रति हजार तो ईंट आती है इसलिए पांच हजार रुपये की ग्रांट से मकान नही बन सकता। इसलिए मेरा अनुरोध है कि यह राि ा कम से कम 15 हजार रुपये की जाए ताकि कोई गरीब आदमी लोन ले कर ग्रांट ले कर कम से कम अपना मकान तो खडा कर सके। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही बिजली की कमी के कारण पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट की तरफ से ठीक प्रकार से पानी की सप्लाई नही हो पा रही है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि हरिजन बस्तियो मे जहां जहां कुए लगे हुए है उन कुओ की मरम्मत के लिए 15—15 हजार रुपये की अनुदान राि ा प्रदान करने की कृपा करे ताकि वे अपने कुओ से पानी निकाल सके। ऐसी हालत बैकवर्ड क्लासिज के लोगो की भी है। (घण्टी) बी0 सी0 के भाईयो को भी वैसी ही सुविधाएं दी जानी चाहिए जैसी एस सीज को दी जाती है। उनकी बस्तियो की गलियो को पक्का करने के लिए ओर कुओ आदि के लिए भी अनुदान दिया जाना चाहिए। बहन जी उठ कर चली गई है। मै वृद्धावस्था पैं ान की चर्चा फिर कर रहा हू। वृद्धावस्था पैं ान की स्थिती यह है कि

लारे मे रख कर लोगो से पैं ान के फार्म भरवा भरवा कर 7–7 या 8–8 महीने तक चक्कर कटवाते रहते है और आजतक लोगो से चक्कर कटवा रहे है। आज तक जिन लोगो ने पैं ान के लिए फार्म भरे हुए है उनको नई पैं ान नही मिल पाई है। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात ि ाक्षा मंत्री जी से कहना चाहूंगा। मैने इस बारे मे ि ावालिक बोर्ड की मीटिंग मे भी चर्चा की थी और यहां पर भी कहता हूं कि मेरे सढौरा हलके मे एक भी गवर्नमैंट कालेज नही है। गवर्नमैंट कालेज तो दूर की बात है वहां पर तो कोई गर्ल्ज कालेज भी नही है। अध्यक्ष महोदय, ि ावालिक बोर्ड के सढौरा एरिया मे कम से क एक गर्ल्ज कालेज तो दे ही सकते है। वहां पर प्राईवेट स्कूलज है लेकिन उनकी फीस बहुत ज्यादा है। यमुनानगर और बिलासपुर मे प्राईवेट कालेज है। ये कृपा करके बिलासपुर के नजदीक एक गवर्नमैंट कालेज तो खोल दे। (घंटी) इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय, मै सडको के बारे मे जब मंत्री जी से अपना सवाल कर रहा था तो उन्होने कहा कि जवाब सदन की पटल पर रख दिया है। उसमे उन्होने सत् 2001 तक सउको को पूरा करने की बात कही है। अध्यक्ष महोदय, तब तक तो लोग खडडो मे गिर गिर कर मर जाएंगे क्योंकि बहुत ही बुरी हालत उन सडको की है। मंत्री जी कम से कम वहा ंपर उन सडको के खडडो मे मिटटी डाल कर उनको भरने की कृपा करे ताकि वहां पर लोगो के एक्सिडैंटस कम हो जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री अध्यक्षः मेरे पास जो लिस्ट है उसके हिसाब से सर्व श्री नफे सिंह राठी, नफे सिंह जुंडला, राम फल कुण्डु, ओ0 पी0 जैन, कृशण लाल पंवार और रेलु राम ने बोलना है। अब श्री नफे सिंह राठी जी बोलें। (विघ्न)

श्री नफे सिंह राठी (बहादुरगढ): अध्यक्ष महोदय, मै डिमाण्ड नं0 8 ,15, ओर 23 पर बोलना चाहूंगा। सर्वप्रथम मै कानून व्यवस्था की चर्चा सदन मे करुंगा। अध्यक्ष महोदय, जब से झज्जर नया जिला बना है तब से लेकर आज तक जिला झज्जर मे जितने भी अपराध हुए है उससे पहले उतने अपराध जिला रोहतक मे नही हुए थे। स्पीकर साहब, इन चार महीनो के दौरान जिला झज्जर मे 40 आदमियो की गोली से मार दिया है लेकिन अब तक पूरे मुलाजिमो को गिरफतार नही किया गया है। अध्यक्ष महोदय, एक दिन मे 21 आदमियो को गोली मारी गई। गोली मारने वाले कैथल मे मुख्य मंत्री जी के रि तेदार के घर मे गए। स्पीकर साहब, यह बडे ही दुख की बात है कि इस तरह से मुख्य मंत्री जी और इनके रि तेदार उनको भाह देते है। (इस समय सभापतियो की सूची मे से माननीय सदस्य श्री कपूर चन्द भार्मा पदासीन हुए) सभापति महोदय, वहा ंपर जिस आदमी का कत्ल हुआ था उसका भाई और वहां के लोग मुख्य मंत्री जी से 18—4—98 को मिलने के लिए दिल्ली मे गए। जिसका कत्ल हुआ था उसके भाई ने खडे होकर मुख्यमंत्री जी से कहा कि आज 12 दिन हो गए है लेकिन उनके कातिलो को गिरफतार नही किया गया है। सभापति महोदय,

मुख्य मंत्री जी ने जिस तरह से बहादुरगढ के उन लोगो के साथ व्यवहार किया, वह बहुत निन्दनीय है। जब मरने वाले के भाई ने वह बात कही तो मुख्यमंत्री जी ने कहा कि चाहे 20 मर जाए, मै कोई तुम्हारा ठेकेदार नही हूं। इस तरह सेइतने बडे पद पर बैठा हुआ आदमी इस तरह की बात कहे ये ठीक नही है। सभापति महोदय, यह जो 4–4–98 को कत्ल हुआ उससे एक दिन पहले 3–4–98 को बहादुरगढ मे हरिओम नाम के लडके को बीच बाजार मे गोली मार दी गई। लेकिन आज तक कातिल नही पकडा गया। आज बहादुरगढ को चम्बल की धाटी बना दिया गया है क्योंकि अब वहां पर बहुत बदमा ा घुस आए है ओर इनको सरकार के मत्री एवं मुख्य मंत्री के रि तेदार भाह देते है। सभापति महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से नम्र निवेदन है कि जो ये वहां पर निरंतर घटनाएं हो रही है,अगर इन पर काबू न पाया गया तो हरियाणा के लिए बहुत ही दुखदायी समय आने वाला है क्योंकि दिल्ली के साथ लगते एरिया से, यू0 पी0 के साथ लगते एरिया से, बदमा ा इधर आकर भारण लेने लगे है। पहले बहादुरगढ मे बेबी किलर कांड एक दो नही बल्कि आठ–नौ हुए। आठ या नौ साल की छोटी छोटी बच्चियो के साथ कांड करने वाले जब नही पकडे गए तो वहा ंके लोगो नें इसके विरोध मे आक्रो ा मे प्रद र्ान किए, धरने दिए। लेकिन इन निहत्थे लोगो पर सरकार ने पुलिस से गोली चलवाने का काम किया। इस गोली कांड मे दो लडके मारे गये और कई घायल हुए। इसकी इंक्वायरी तो सरकार करवा रही है लेकिन गोली चलाने वाले अधिकारियो का आज तक वहां

से तबादला नही किया गया है। वे आज भी वहां मौजूद है। इसलिए यह कैसे संभव है कि उनको न्याय मिलेगा।, जांच कैसे निशपक्ष होगी? जो अधिकारी उस वक्त मौजूद थे जिन्होने गोली चलाने के आदे ा दिये थे, कम से कम सरकार उनका वहां से तबादला तो करना ही चाहिए। इस बारे मे मेरे एक दो सुझाव है। सरकार को सर्वप्रथम तो बहादुरगढ तो अ ाान्त क्षेत्र घोशित करना चाहिए। साथ ही बहादुरगढ मे पुलिस स्टाफ भी बढाया जाना चाहिए। वहां और पुलिस अधिकारी लगाए जाने चाहिए। सभापति जी, आज भी बहादुरगढ सदर थाने मे एस0 एच0 ओ0 नही है। दो महीने से यह पद खाली पडा है फिर कैसे वहां भाांति हो पायेगी? इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस तरफ वि ोश ध्यान देने की वह कृपा करे। इसके अलावा जहां तक परिवहन व्यवस्था की बात है इस बारे मे मै कहना चाहूंगा कि बहादुरगढ से दिल्ली लगभग 15 हजार आदमी डेली पैसेंजरी करते है लेकिन इस सरकार ने बहादुरगढ से दिल्ली आने जाने वाली हरियाणा रोडवेज की दस बसिज बंद कर दी है। जब हम इस बारे मे अधिकारिये से मिले तो उन्होने साफ मना कर दिया और कहा कि सी0 एम0 के आदे ा है। सभापति महोदय, अगर अपोजी ान का हलका होने के कारण इस तरह की यातनाएं वहां के लोगो को दी जाएंगी तो वह निंदनीय कार्य है। ये बस वहां से दोबार चलाई जानी चाहिए। सभापति महोदय, बहादुरगढ मे पिछले दिनो जमीन एक्वायर की गई। जहां यह जमीन अधिग्रहण की गई वह इलाका दिल्ली के साथ लगता हुआ है। दिल्ली मे जब जमीन अधिग्रहण

की जाती है तो किसानो को 12 या 13 लाख रुपया एकड के हिसाब से मुआवजा दिया जाता है लेकिन हमारी इस सरकार ने किसानो को सिर्फ दो या अढाई लाख रुपये एकड के हिसाब से मुआवजा दिया है जो कि बहुत कम है। जो इलाका वहां सडको के किनारे लगता है केवल उन्ही दस परसैंट किसानो को चार या पंच लाख रुपये एकड के हिसाब से मुआवजा दिया जाता है लेकिन बाकी 90 परसैंट किसानो को दो या अढाई लाख रुपये प्रति एकड के हिसाब से मुआवजा दिया गया है। सभापति जी, मेरा सरकार से अनुरोध है कि जैसे दिल्ली मे किसानो को उनकी जमीन अधिग्रहण करने के बदले मे 12 या 13 लाख रुपये प्रति एकड के हिसाब से मुआवजा दिया जाता है वैसे ही हरियाणा मे भी दिया जाना चाहिए। हरियाणा के किसान के साथ इतना अन्याय क्यों हो रहा है? यह मुआवजा राि ा बढायी जानी चाहिए। इसके अलावा जिस किसान की जमीन अधिग्रहण की जाए उस किसान को एक एक प्लाट भी वहां पर दिया जाना चाहिए क्योंकि वहां रैजीडैंि ायल प्लांट काटे जा रहे है? सभापति जी, वहां के किसान बिल्कुल बर्बाद हो गये है क्योंकि उनके पास तो थोडी थोडी जमीन थी वह भी सरकार ने एक्वायर कर ली। वहां जो जमीन नगरपालिका की सीमा के अंदर है जिसकी रजिस्ट्रीयां सरकार 10 या 15 लाख रुपये प्रति एकड से कम पर नही कर रही है वहां दो लाख रुपये प्रति एकड के हिसाब से जबरदस्ती जमीन खरीद रही है। मेरा यह निवेदन है कि जिनकी जमीन ली गई है उनके परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाए, मुआवजा राि ा बढाकर दी जाए और

उनको एक एक प्लाट भी दिया जाए। सभापति महोदय, दुख की बात यह है कि 1160 साल पहले बहादुरगढ बसा था उस समय वहां एक भाम ाान घाट था उस भाम ाान घाट को भी सरकार ने एक्वायर कर लिया है। मेरी गुजारि ा है कि कम से कम भाम ाान घाट को तो ऐक्वायर न किया जाए उसको तो छोड दिया जाए। सभापति महोदय, बिजली के बारे मे भी मै कहना चाहूंगा कि बिजली तो आती नही है और बिल कई कई हजार रुपये के आते है। बिजली के बिल थामने से पहले दिल थामना पडता है। जो ये कम्प्यूटराईज बिल आ रहे है वे बिल गलत है उनमे गलत आंकडे दिये जाते है। लोगो को इनकी वजह से बिजली बोर्ड कार्यालय के चक्कर काटने पडते है लेकिन कोई ठीक करने वाला नही है इसलिए इन कम्प्यूटराईज्ड बिलो को बंद किया जाना चाहिए। इसके अलावा टयूबवैज के कनैक ान भी नही दिये जा रहे है और सरकार ने आदे ा दिया है कि 30 सितम्बर, 1998 तक कोई नया ट्रांसफार्मर नही लगाया जाएगा। हमारे बहादुरगढ मे बिजली के लोहे के खम्बे काफी समय से गढे हुए है वे अब नीचे से गल गए है और वे खम्बे केवल तारो पर टिके हुए है, लेकिन वह भी नही बदले जा रहे है। बिजली के ट्रांसफार्मज बदले जाए। सभापति महोदय, पूरे हरियाणा मे सडको का बुरा हाल हैं। मै बहादुरगढ उपमंडल की सडको का जिक करना चाहूगा। वहां की सडके ऐसी है कि लोग सडको की बजाय नीचे से चलना पसंद करते है। पिछले महीने दिल्ली के मुख्यमंत्री साहब सिंह जी छारा मे गए थे। छारा बहादुरगढ उपमंडल का बहुत बडा गांव है।

(घंटी) तब वे गए तो रास्ते मे सडक इतनी टूटी पडी थी कि कार नीचे से उतर गई और उसका चैम्बर फट गया, पैट्रोल फैल गया। फिर वे जीप में बैठकर गए। आप सरकार से कहे की सडके जल्दी से ठीक करवाई जाएं।

श्री सभापतिः आपका समय हो गया है, आप बैठ जाएं।

श्री नफे सिंह राठीः आप मुझे पांच मिनट का समय और दे दीजिए।

श्री सभापतिः आपको कन्कलूड करने के लिए दो मिनट का समय और दिया जाता है।

श्री नफे सिंह राठीः ठीक है जी। सभापति महोदय, कुछ सडके मार्किटिंग बोर्ड ने बनानी है। मै सरकार से अनुरोध करुंगा कि मार्किटिंग बोर्ड की जो सडके अधुरी पडी है वह सडके पूरी करवाई जाए। वह सडके है– कसार से नूना माजरा। (विघ्न)

बागवानी एंव विपणन राज्य मंत्री (श्री जगबीर सिंह मलिक): सभापति महोदय, आन ए प्वायंट आफ आर्डर, जिन सडको का ये जिक कर रहे है पिछली सरकार ने ये सडके कम्पलीट करवाकर इनकी पेमेन्ट भी कर रखी है। हमने इनका सारा रिकार्ड तैयार कर रखा है और इस मामले की जांच करवा कर कार्यवाही की जाएगी।

श्री नफे सिंह राठीः अगर ऐसा कुछ हुआ है तो उसकी जांच करवाई जाए। सभापति महोदय, मेरे हलके मे सब्जी मंडी को ट्रांसफर किया जाये। सभापति महोदय, पानी की भी वहां बहुत गम्भीर समस्या है। मुख्यमंत्री जी ने वायदा किया था कि गुडगांव कैनाल का पानी माईनर के द्वारा बहादुरगढ को 30 जून, 1998 को मिल जाएगा लेकिन आज तक उस माईनर का काम भाुरु नही हुआ है। मेरा सरकार से निवेदन है कि उस माईनर का काम जल्दी से भाुरु किया जाये ताकि लोगो को पानी की समस्या से निजात मिल सके और पीने को पानी मिल सके। जैसा कि यहां पर पंचायत की भाामलात भूमि पर नाजायज कब्जो का जिक आया। सौली गांव मे 28 एकड भूमि को सरंपच ने बिना मुनादी करवाए कोडियो के भाव दस हजार रुपये के पटटे पर दे दिया जिसमे 20–25 लाख रुपये का गबन किया गया है। जबकि भाव डेढ लाख रुपये प्रति एकड था और दिया गया छ हजार प्रति एकड। इस मामले की जांच की जाये और दोशी सरपंच या अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की जाये। सभापति जी, जकोदा गांव से कसार गांव का रास्ता नाजायज तौर से बन्द कर दिया गया है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि उस रास्ते को खुलवाया जाये। (घण्टी) सभापति जी, हम तो नये नये चुनकर आये है बोलना भी सीख लेंगे। मै अपनी बात एक मिनट मे खत्म करता हू। सभापति जी, सरकार की जो खेलो से संबंधित नीति है उस पर पुनर्विचार किया जाये। खेलो का नौकरियो मे जो कोटा घटा दिया गया है मेरा सरकार से निवेदन है कि उस कोर्ट को बढाया जाये। सभापति जी बहादुरगढ क्षेत्र के

नौवामाजरा गांव की प्राइमरी स्कूल की फुटबाल टीम लगातार तीन सालो सेप्रथम स्थान प्राप्त कर रही है परन्तु उन खिलाडियो को कोई सुविधा सरकार की तरफ से नही दी गई है। उनको कोई आने जाने का खर्चा भी सरकार की तरफ से नही दिया जा रहा है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि खेलो के प्रति पुनर्विचार करके खिलाडियो को उचित सुविधा दी जाये। (विघ्न) सभापति जी, पिछले साल रेल मंत्री जब बहादुरगढ आये तो लोगो ने उनके सामने डिमाण्ड रखी थी कि रेलवे लाईन के पार जो 30 हजार के लगभग आबादी है उसके आने जाने की सुविधा के लिए रेलवे लाईन पर एक पुल का निर्माण किया जाये तब उन्होने कहा था कि अगर राज्य सरकार आधा खर्च पुल के निर्माण के लिए दे दे तो आधा खर्च रेल मंत्रालय दे देगा। अभी पता चला है कि रेल मंत्रालय मे अस्टिमेट तैयार हो चुका है तथा उस पुल के निर्माण पर लगभग 40 लाख रुपये लगेगे। अगर राज्य सरकार 20 लाख रुपये रेल मंत्रालय को दे दे। मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस पैसे को देने की व्यवस्था की जाये ताकि लोगो को रेलवे लाईन के पार आने जाने मे सुविधा हो सके। धन्यवाद।

श्री नफे सिंह (जुण्डला, एस0 सी0): सभापति महोदय, आपने मुझे डिमाण्ड नं0 2 पर बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। वर्तमान सरकार ने चुनावो के समय बडे बडे वायदे लोगो से किए थे कि बेरोजगारो को पैट्रोल पम्प या गैस एजैन्सी के परमिट दिला देंगे, जुगाड के रेहडो को

लाईसैंस दिला देंगे, 24 घण्टे बिजली देंगे, 24 घंटे के अंदर टयूबवैल कनैक ान देंगे। सभापति महोदय, वर्तमान सरकार ने सत्ता सम्भालने के बाद बेराजगार युवको को रोजगार तो नही दिया लेकिन न ाबन्दी की आड मे ट्रक और टैंकर भर भर कर नौजवान युवको से दारु बेचने का धंधा जरुर करवाया है जिससे लाखो रुपये उन बेरोजगार युवको ने गलत तरीके से बनाए। सरकार ने भाराब की आड मे उन युवको को गलत रास्ते पर लगाया। सभापति जी, जब हरियाणा मे लोकसभा का चुनाव हुआ तो उस मे इनकी इतनी बुरी हालत हो गई। उसके बाद इनको भाराबबंदी को खोलने का काम करना पडा। इनकी नाक कटी हुई। (विघ्न) जहां तक बिजली की बात है, हरियाणा प्रदे ा के अंदर आज लोग त्राहि त्राह कर रहे है। लोगो को बिजली मिलती नही है। दिन रात खेतो मे लोग बिजली का इंतजार करते रहे है। आज हरियाणा मे बिजली न आने की वजह से हर आदमी दुखी है। सभापति जी, पिछले सत्र के दौरान भी मैने अपने हल्के की सडको को संबंधित एक सवाल किया था। मेरे हलके मे बढोता से जुण्डला वाया खेडीनरु से पिचौलिया वाया जानी, नई सडके बननी थी लेकिन मेरे हलके का विपक्षी सदस्य द्वारा प्रतिनिधित्व करने की वजह से उस की तरफ किसी ने ध्यान नही दिया है। ये गांव आज भी सडको से जुडे हुए नही है। सभापति जी, मेरे हलके मे निसिंग और जुण्डला मे पी0 एच0 सीज0 है। मैने पिछले सत्र मे भी एक सवाल किया था कि इन पी0 एच0 सीज0 की बिल्डिंगज की दीवारे गिर रही है, उनकी बहुत बुरी हालत है। मवे ाी उन मे घुमते है।

मैने कहा था कि उनकी दीवारे बनाई जाए लेकिन आज तक इस बारे मे कोई गौर नही की गई है।इसी प्रकार से मेरे हलके मे जुण्डला से बुढनपुर, खेडीनरु से करनाल, निसिंग से कतलाहडीवाा ओगंद, निसिंग से सांभली, निसिंग से गोंदर, जलमाना से रतक वाया उपलाना, जलमाना से उपलानी और जलमाना से ठरवा माजरा की सडको की इतनी बुरी हालत है कि इन मे गढढे बने हुए है और इन पर गुजरने वाले व्यक्ति को यह फैसला करना भी मुि कल हो जाता है कि कौन से गढऐ से होकर गुजरे जिससे कि सुरक्षित निकल जाएं। करनाल से श्री भाि ापाल मेहता जी सदस्य है वे अब सदन मे बैठे नही है। मै सदन को बताना चाहता हूं कि करनाल भाहर मे रेलवे ओवर ब्रिज और डब्ल्यू0 जे0 सी0 के बीच मे जो कैथल रोड है तथा करनाल मे जो मेरठ रोड है, उनकी इतनी बुरी हालत है कि जब भी थोडी सी बूंदा–बूंदी हो जाती है तो ये सडके तालाब का रुप धारण कर लेती है। इसलिए मेरी सरकार से गुजारि ा है कि इन सडको की तरफ ध्यान दिया जाए। धन्यवाद।

श्री रामफल कुण्डु (सफीदो): सभापति जी, सर्वप्रथम मै अपने हलके से संबंधित दो मांगो पर बोलना चाहूंगा। एकतो मै ड्रेन के बारे मे कहना चाहता हूं कि पिछले साल सरकार द्वारा 6–7 ड्रेने स्वीकृत की गई थी लेकिन आज तक एक ड्रेन पर भी कार्य भाुरु नही किया गया है। बिटानी लिंक ड्रेन भी पिछले साल स्वीकृत की गई थी, लेकिन इन दो सालो मे किसी भी नई ड्रेन

की खुदाई नही हुई है तथा न ही काम भ्ाुरु हुआ है। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि जो ड्रेन स्वीकृत की गई थी, कम से कम उन पर तो कार्य भ्ाुरु करवा दिया जाना चाहिए। दूसरी बात ड्रेनो की खुदाई के बारे मे है। भ्ाहर के अंदर से एक सफीदो ड्रेन गुजरती है, इसको बनाने की बात हुई थी। इसको आगे व पीछे से700 फुट तो पक्का किया जा चुका है लेकिन भ्ाहर मे कुछ भी कार्य नही हुआ है परिणामस्वरुप भ्ाहर मे पानी घुस जाता है। मेरी यह मांग है कि इस को खुदवाया जाये। जब तक वह ड्रेन पक्की न हो तब तक मेरी प्रार्थना है कि भ्ाहर के अन्दर सफीदो ड्रेन का जितना पोर ान गुजरता है, उसको जल्दी पक्का किया जाये ओर जहां से उसकी खुदाई भ्ाुरु होती है, जहां पर ये टेल बनती है मै इस बारे मे अनुरोध करुंगा कि उस पर जो अवैध कब्जे है, उनको उठवाकर उस ड्रेन को खुदवाया जाए। इसके साथ साथ मै यह बताना चाहूंगा कि हांसी ब्रांच के साथ सफीदो मे जो डिच ड्रेन है, वह भी बन्द पडी है उसमे आज तक एक कस्सी मिटटी भी नही निकाली गई है। मै मंत्री महोदय से अर्ज करुंगा कि उस डिच ड्रेन की सफाई का कार्य करवाया जाए। इसी तरह से बम्भेवा ड्रेन है उसमे इस साल सफाई के लिए ट्रैक्टर लगए गए थे, उन ट्रैक्टर वालो की 35000 रु की पेमैंट बकाया है वह उस पेमैंट के लिए बार बार हमारे से कह रहे है कि आपके कहने के बाद हम उस कार्य मे लगे थे लेकिन महकमा उनकी कोई पेमैंट नही दे रहा है। मै अनुरोध करुंगा कि बम्भेवा ड्रेन पर कार्य करने की जो ट्रैक्टर वालो की पेमैंट रहती है, वह दी जाए। उस ड्रेन की खुदाई तो

कर दी लेकिन जहां रास्ते बंद थे और जो अभी वहां पाइप पडे है उन पाइपो का भी तक तक कोई फायदा नही जब तक उनके साइफन नही बन जाते। जब तक उन पाइपो को निकाल ठीक ढंग सं सैट नही किया जाता तब तक उनका कोई फायदा नही है। ड्रेन खोदने से पहले रास्तो का होना बहुत जरुरी है। कई जगह ड्रेन की सफाई का कार्य दिखाया जाता है, ड्रेन की खुदाई दिखाई जाती है परन्तु आगे रास्ता ब्लाक होने की वजह से पानी आगे नही जा सकता। यह बात खास ध्यान रखने की है। एक बात मै कहना चाहूंगा कि बम्भेवा ड्रेन आगे ि ावाणा मोड से होकर जाती है उसमे मेरे ख्याल से जमींदार 6–7 जगह बांध बनाकर, नाली बनाकर पानी अपने खेतो मे ले जाते है। कृपा करके उनके उन बांधो को वहां से खोला जाए। इसी प्रकार एक कालवा कैलाना ड्रेन सरकार द्वारा स्वीकृत की गई है। इस साल तो कोई खास बरसात नही हुई है। लेकिन इस बार भी कालवा भराण गांव के खेतो मे पानी भरा हुआ है और जब हम ने उस पानी को निकालने के लिए मोटर लगाने के लिए कहा तो अधिकारी कहने लगे कि 15 सितम्बर के बाद ही मोटर दी जाएगी लेकिन मै कहना चाहूंगा कि 15 सितम्बर तक तो फसल बर्बाद हो जाती है। इसलिए मै अनुरोध करुंगा कि आप हुक्म करे कि जिस एरिया मे भी पानी भरा हो उस वक्त उस पानी को निकालने के लिए मोटर लगाकर पानी निकालने का प्रबंध किया जाए। यही हालात रजाणा कलां, रजाण खुर्द, बुढा खेडा, गावो के खेतो मे होती है। हमारे द्वारा चीफ इंजीनियर, डी0 सी0, एस0 पी0 से बार बार अनुरोध करने पर

वे मौके पर जरुर चले जाते है लेकिन समस्या का समाधान नही होता। ये आ वासन देते है कि कर दिया जाएगा लेकिन अभी तक कोई काम नही हुआ। इसी तरह से सभापति जी, बजट मे नई नाला ड्रेन की खुदाई के काम पर खर्च दिखाया गया है। सफीदो ड्रेन से नई नाला ड्रेन निकलती है उसका कही भी कोई कार्य नही हुआ है। यह बात मै आपके ध्यान मे लाना चाहूंगा। दूसरी बात मै ि ाक्षा के बारे मे कहना चाहूंगा कि जब ये गठबंधन सरकार बनी थी तो बनते ही इन्होने पंजाबी को दूसरी भाशा का दजा दिया था लेकिन आज तक गवर्नमैंट कालेज, सफीदो में पंजाबी के लैक्चरर की पोस्ट भी सैंक ान नही हुई है। जो बच्चे दाखिले के समय पंजाबी विशय लेना चाहते है, उनको मना कर दिया जाता है। मेरे इलाके मे सरदार बहुत है वे पंजाबी पढना चाहते है लेकिन उस कालेज मे पंजाबी विशय की क्लासे न होने के कारण वे दाखिले से वंचित रह जाते है। मै चाहूंगा कि वहां यह गवर्नमैंट कालेज सफीदो मे संस्कृत विशय की दो पोस्टे सैंक ान है और दोनो ही खाली पडी है। बच्चो को वहां पर इस भार्त पर एडमि ान दिया जाता है कि अगर संस्कृत का लैक्चरर आ गया तो पढा दिया जायेगा वरना आपको ये सब्जैक्ट चेंज करना पडेगा। दूसरी बात मै कहना चाहता हूं कि मै 17 तारीख को गवर्नमैंट कालेज, जींद गया था। जो लडके वहां 10+2 के बाद फसर्ट ईयर मे ऐडमि ान लेने के लिए गए, उन मे से कुछ लडको का एडमि ान करके यह कहकर आगे ऐडमि ान बन्द कर दिया कि हमारे पास बिल्डिंग नही है, स्टाफ नही है। यह हालात सफीदो के कालेज की है।

बैठक का समय बढाना

श्री सभापति जी: यदि हाउस की सैन्स हो तो हाउस का समय एक घंटे के लिए बढा दिया जाए।

आवाजें: ठीक है जी।

श्री सभापति: हाउस का समय एक घंटे के लिए बढाया जाता है।

वर्श 1998–99 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री रामफल कुण्डु:सभापति जी, मै गवर्नमैंट कालेज सफीदो मे गया तो वहा मुझे यह कहा गया कि अगर आप लिख कर दे कि आप यहां पर लैक्चरर भिजवा देगे तो हम बच्चो का ऐडमि ान कर लेते है। मैने उनसे कहा कि मै यहां पर लैक्चरर भिजवाने की पूरी कोि ा ा करुंगा। मेरे इस तरह कहने के बावजूद भी लडको को एडमि ान नही दिया। फिर मै दोबारा वहां गया तो फिर वे कहने लगे कि अगर आपके अपने हल्के के दो चार लडके है तो बता दे हम उनका एडमि ान कर देंगे। मै सरकार से अनुरोध करुंगा कि जो लडके पढना चाहते है उनको एडमि ान जरुर मिलना चाहिए और जो लडके एडमि ान से वंचित रह गए है उनके लिए एडमि ान की डेट बढनी चाहिए। मै सरकार से अनुरोध करुंगा कि बच्चो को एडमि ान जरुर मिलना चाहिए। सभापति जी, अब मै लडको के बारे में एक बात कहना

चाहता हूं, जामनी अडडे से पील्लू खेडा मंडी तक की सडक की वाइंडिंग जरुर होनी चाहिए क्योंकि उस सडक पर ट्रैफिक बहुत ज्यादा लोड रहता है और उस सडक पर देहात के लोगो का बहुत आना जाना रहता है। इसी तरह से सफीदो से ले कर हाट गांव तक जो कम से कम 10–12 लिंक रोड जाते है, उस सडक के बारे मे मेरा सरकार से अनुरोध है कि उस सडक की भी वाइंडिंग होनी चाहिए। जो भाहर के अंदर सडके हैउनको बार बार अनुरोध करने के बाद भी ठीक नही किया गया है। चाहे वे सडक पीलुखेडा मंडी मे है और चाहे सफीदो में है। उन मंडियो की सडको के बारे मे मैने यह रिक्वैस्ट की थी कि उन पर कच्चा रोडा डाल दिया जाए ताकि वे सडके चलने योग्य हो जाए। मेरा अनुरोध है कि उन सडको को जल्दी से जल्दी ठीक करवाया जाये। जो लिंक रोड है उन पर पैच लगा देते है ह पता नही लगता कि वह पैच मिटटी से लगता है या बजरी से लगता है या रोडे से लगता है। महकमे वाली सडको पर मिटटी डाल जाते है और उसका जवाब आता है कि पैच लगा दिया गया है। मे अनुरोध करुंगा कि उन सडको को जल्दी से जल्दी रिपेयर करवाई जाए। अब मे एग्रीकलचर मिनिसटर साहब से कहना चाहंगा कि खातला से लीकलाबाद और डउवाला से मलिकपुर जो मार्किट कमेटी की सडक है वह अधूरी पडी है उस सडक को जल्दी से जल्दी पूरा करवाया जाए। इसी प्रकार पीलुखेडा मंडी से तलोडा गांव मे एक 66के0 वी0 का पावर हाउस लगा हुआ है उसको 132 के0 वी0 का अपग्रेड किया जाए। सभापति जी, कल मुख्य मंत्री जी ने सदन के

अंदर बिजली के बारे मे काफी कुछ बताया था कि इतने ट्रांसफामर्ज खरीदे जाएंगे, इतनी लाईने चेंज की जाएगी लेकिन उसमे जींद डिस्ट्रीक्ट का कोई जिक्र नही था कि उस जिले की कही कोई लाईन बादली जाएगी या नही वहां के लिए कोई ट्रांसफार्मर खरीदा जाएगा या नही और न ही यह जिक्र किया गया कि वहां पर किसी पावर हाउस की अपग्रेडिंग की जाएगी या नही की जाएगी। मै सरकार से अनुरोध करुंगा कि जींद जिले मे बिजली देने का पूरा प्रबंध किया जाए क्योंकि जींद जिले के गावो मे तीन तीन दिन और चार चार दिन तक बिजली नही आती है। सभापति जी, मै एक बात और कहूंगा कि भाूगर फैडरे ान ने एक फैसला लिया कि जींद भाूगर मिल से साढे तीन करोड रुपए भूना भाूगर मिल को दे दिये जाएं, लेकिन उस बारे मे किसी सतेवान ग्रोवर नाम के आदमी ने हाई कोर्ट मे केस दायर कर दिया उसके बाद भाूगर फेडरे ान ने फैसला लिया कि हम साढे तीन करोड रुपये वहा ंपर नही भेजेंगे। उसके बाद हरियाणा गवर्नमैंट ने 11–7–98 को अपनी मंत्रिमंडल की बैठम मे यह फैसला लिया कि हम हमार क्रेडिट पर भूना भाूगर मिल को यह लोन दे रहे है। मै कहना चाहूंगा कि वह साढे तीन करोड रुपया जींद भाूगर मिल से निकल गया तो वहां के कर्मचारियो के लिए और वहां के जमींदारो के लिा बहुत मुि कल हो जाएगी। इसलिए मेरा अनुरोध यह है कि भूना भाूगर मिल के लिए सरकार पैसे का किसी और सोर्स से प्रबंध करे और जींद भाूगर मिल से वह पैसा न निकाले। मै यह भी कहना चाहूंगा कि पैसा भी किसी लिमिट के तहत वहां से

निकाला जाये। लेकिन मुझे पता चला है कि वह पैसा जींद भागर मिल को गिरवी रख कर वहां से निकाला जा रहा है। सभापति जी, हमारे जिले के जो मंत्री है उनका भी इस बारे मे फर्ज बनता है क्योंकि वे भी कैबीनेट मीटिंग में बैठते है यह बात उनके ध्यान मे भी आनी चाहिए थी। सभापति जी, मै अब एक और बात सदन के ध्यान मे लाना चाहूंगा। जब यह बजट सै ान होता है तो यह हमे ाा फरवरी और मार्च के एंड मे होता है इसलिए यह बजट बजट सै ान फरवरी मार्च के एंड मे चलना चाहिए था। आज कल तो मानसून सै ान होता है। मेरा सरकार से यह अनुरोध है कि आइंदा सरकार इस बात का ध्यान जरुर रखे। सभापति जी, मै एक और बात कहना चाहूंगा जब मै सफीदो के गवर्नमैंट कालेज मे गया तो मुझे पता लगा कि जिस किसी लडके का किसी एक सब्जैक्ट मे कम्पार्टमैंट है और जो स्कूल से जाता है उसको तो एडमि ान मिल जाता है। जो लडका प्लस टू के स्कूल मे दो सब्जैक्टस मे फेल हो जाता है उसको एडमि ान नही मिलता है लेकिन जो लडका वोके ानल करके जाता है उसकी दा सब्जैक्ट मे कम्पार्टमैंट होती है तो उसको एडमि ान मिल जाता है। इसलिए मै सरकार से अनुरोध करुंगा कि यह भेदभाव नही होना चाहिए यह सुविधा स्कूल मे पढने वाले बच्चो के लिए भी होनी चाहिए या प्लस टू वाले बच्चे को भी यह सुविधा नही मिलनी चाहिए उनसे भी वापिस ली जाए। अब मै स्वास्थय के बारे मे जिक करना चाहूंगा। मैने इस बारे मे सफीदो के लिए एक क्वै चन भी किया था। हमारा सफीदो भाहर काफी पुराना है और वहां पर जो

सी0 एच0 सी0 की बिल्डिंग है वह भी काफी पुरानी है। मै स्वास्थ्य मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि इस सी0 एच0 सी0 को सामान्य अस्पताल मे बदला जाये। वहां की आबादी भी 30–35 हजार है। वहां पर इस वक्त न पोस्टमार्टम की सुविधा है और न एक्स–रे म ीन है। मै चाहूंगा कि सरकार वहां पर जरुरियात की सारी चीजे उपलब्ध करवायें।

सभापति महोदय, अब मै कानून व्यवस्था के बारे मे जिक करना चाहूंगा। हमारे यहा पर तीन चार महीने पहले एक पटवारी और कानूनगो 4 लाख 65 हजार 12 रुपए लेकर आ रहे थे कि रास्ते मे एक मारुति कार मे बदमा ा आए और बंदूक की नोक पर वह सरा पैसा छिन कर ले गए। यह वारदात पीलू खेडा की है। वहां पर उन लोगो के लिए किसी प्रकार की सुविधा नही है। मै चाहूंगा कि सरकार उनको व्हीकल्ज उपलब्ध करवाये और साथ ही सिक्योरिटी का भी इंतजाम करे। इसी प्रकार से इसी महीने पैं ान बांटने के लिए पैं ान बांटने वाले 1 लाख 15 हजार रुपये ला रहे थे वह भी छिन लिया गया। मै चाहता हूं कि सरकार इसकी गहराई मे जाए और उनकी सुरक्षा व गाडी आदि की व्यवस्था करे।

सभापति जी, इसी प्रकार से सफीदो के अंदर 4 करोड रुपए अब तक अनाज मण्डी बनाने पर खर्च हो चुके है। मेरी मांग है कि इसको जल्दी से जल्दी पूरा करवा कर चालू करवाने की कृपा करे। धन्यवाद।

श्री औम प्रका ा जैन (पानीपत): सभापति महोदय, आपने डिमांड पर बोलने के लिए मुझे समय दिया, इसके लिए मै आपका आभार प्रकट करता हू। पानीपत भाहर एक प्राचीन भाहर है। मेरी कान्स्टीच्यूएंसी पानीपत भाहर है। यह एक औद्योगिक नगरी है। वहां से बडा भारी सामान एक्सपोर्ट होता है जिससे हमे फोरन एक्सचेंज प्राप्त होता है। वहां की म्यूनिसिपल कमैटी के लोग काफी परे ाान है। जिसकी वजह से पानीपत भाहर का बहुत बुरा हाल है। वहां पर बहुत बडी मात्रा मे गंदगी फैली हुई है। वहां पर पानीपत म्यूनिसिपल कमैटी के जो चेयरमैन और दूसरे साथी है उन्होने पानीपत भाहर की जमीन लूटा दी है। इस कमैटी ने यह जमीन लूटाते समय किसी की परमि ान नही ली चाहे वह सरकार की हो, डी0 सी0 की हो या खुद रैजोल्यु ान पास करके देने की हो, किसी की कोई एप्रुवल नही ली और न ही परमि ान ली। यह मामला वहां की ग्रिवेंसिज कमैटी के सामने भी आया। वहां की म्यूनिसिपल कमैटी के सामने भी आया। वहां की म्यूनिसिपल कमेटी ने पौने चार सौ प्लाट जिनकी कीमत अरबो रुपयो मे थी, मिटटी के भाव बेच दिए। यदि वह इन प्लाटो को ठीक ढंग से बेचते तो म्यूनिसिपल कमेटी को अरबो रुपया प्राप्त होता जिससे वहां की डिवलैप्मैंट बहुत अच्छी तरह से हो सकती थी। उदाहरण के तौर पर मै एक प्लाट का जिक्र करना चाहता हूं। यह प्लाट चावला नाम के एक व्यक्ति को सस्ते भाव पर दे दिया गया। इसको देने से पहले न तो डी0 सी0 की परमि ान ली गई और न ही म्यूनिसिपल कमेटी ने स्वयं इसका रैज्योल्यू ान

पास किया। इस तरह से प्लाट देने के मामले में वहां पर बहुत भारी अनियमितताएं हो रही है। मै चाहूंगा कि सरकार इस पर कोई कार्यवाही करे। सभापति महोदय, पानीपत एक औद्योगिक भाहर है। यहां पर उद्योग ज्यादा होने की वजह से यह भाहर पानीपत से काफी बाहर जाकर बस गया है, काफी बाहर तक फैल गया है। यहां से काफी माल बाहर भी भेजा जाता है इसलिए सभापति महोदय, मै चाहता हूं कि पानीपत भाहर की जो म्यूनिसिपल कमेटी है उस कमेटी की सीमा बढा दी जाये। अध्यक्ष महोदय, म्यूनिसिपल कमेटी की सीमा बढाने से कमेटी की इन्कम भी ज्यादा होगी और भाहर का विकास भी होगा। इसलिए सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से निवेदन करुंगा कि इस म्यूनिसिपल कमेटी की सीमा बढा दी जाये। सभापति महोदय, पानीपत भाहर मे पानी का स्तर नीचे गिरता जा रहा है, पानी की जो सतह पहले खराब हो चुकी है जिसके कारण वहां पानी की समस्या बहत गंभीर बनती जा रही है। सभापति महोदय, पिछली सरकार के वक्त में 8—10 टयूबवैल एम एल ए और एम पी की ग्रांट से वहां लगे थे। टयूबवैल तो लगा दिये लेकिन उनको चालू नही किया गया। सभापति महोदय, वे टयूबवैल चुनाव के वक्त लगाये गये थे, लेकिन बाद मे उन पर किसी ने ध्यान नही दिया। सभापति महोदय, इ बारे मे भी मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह इन टयूबवैल को चालू कराये ताकि पानीपत के लोगो को पीने का पानी मिल सके। सभापति महोदय, मै आपके माध्यम से पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर से अनुरोध करुंगा कि वे पानीपत की कुछ

बस्तियो मे नये टयूबवैल लगवा दे ओर पीने के पानी का प्रबंध करे वरना पानीपत भाहर का पीने का पानी के मामले मे बुरा हाल हो जायेगा। (व्यवधान) सभापति महोदय, हमारे पानीपत भाहर भाहर मे जी0 टी0 रोड पर एक हस्पताल है लेकिन उस हस्पताल की चार दीवारी टूटी हुई है जिसके कारण कुछ लोग वहां पर जबरन कब्जा करने मे लगे हुए है। मेरी सरकार से यह प्रार्थना है कि उस हस्पताल की चार दीवारी बना दी जाए ताकि कम से कम उस हस्पताल की जमीन की तो रक्षा हो सके। सभापति महोदय, पानीपत भाहर मे पानीपत रैस्ट हाउस के सामने एक पुल है, वह पुल बहुत तंग है, वहां पर बहुत ज्यादा एक्सीडेंटस होते है इसलिए उस पुल को दो तरफा बनाया जाये ताकि वहां से लोग आसानी से गुजर सके ओर ऐक्सीडेंटस भी न हो। सभापति महोदय, इसमे कोई भाक नही है कि हरियाणा सरकार पानीपत मे मिनी सचिवालय बनाना चाहती है, लेकिन जहां पर सरकार जमीन लेना चाहती है वह जमीन डिफैंस की है। जब तक डिफैंस मिनिस्ट्री से वह जमीन नही मिलेगी तब तक पानीपत मे मिनी सचिवालय नही बन सकता। सभापति महोदय, आपके माध्यम से मेरा मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध हैकि वे इस सचिवालय के लिए सैक्टर 11 या सैक्टर 17 मे जमीन ले लें और वहां पर यह सचिवालय बनवा दें। सभापति महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरा निवेदन है कि पानीपत मे मिनी सैक्रेटरियेट जल्दी से जल्दी बनाया जाए। अगर वहां पर जगह नही मिल पा रही है तो हुडडा ने जो जमीन छोडी हुई है उसको ले लिया जाए ताकि डी0 सी0, तहसीलदार या दूसरे

अफसरो के जो दफतर अभी तक अलग अलग जगह पर है वे सब एक ही छत के नीचे इकट्ठे काम कर सके और लोगो को अपने काम करवाने के लिए कुछ राहत मिल सके। मिनी सैक्रेटरी के इलावा हमारे यहां फलाई ओवर बनाने की भी मांग थी परन्तु मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि वहां पर फिलहाल फलाई ओवर नही बन सकता है। मै यह चाहूंगा कि वहां पर जो बाईपास बनाया जाना है उस बाईपा के काम को जल्दी से जल्दी पूरा करवा दिया जाए। सभापति महोदय, आपने मेरी डिमाण्ड को सुना (विघ्न) सभापति महोदय, आज जो हमारे मुख्य मंत्री है उन्होने किसी भी एम एल ए के कहने पर एक भी क्लर्क या चपडासी की भर्ती नही की, कोई सिपाही की भी भर्ती नही की है। जो भी क्लर्क, चपडासी या सिपाही भर्ती हुए है वे सब मैरिट के आधार पर सिलैक्ट हुए है किसी की सिफारि ा पर उनका सिलैक ान नही हुआ है। सभापति महोदय, इन भाब्दो के साथ मुझे समय देने के लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। (विघ्न)(इस समय श्री उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)

श्री कृश्ण लाल (असन्ध, एस0 सी0): उपाध्यक्ष महोदय, हविपा और भाजपा की सरकार बनने के बाद करीब अढाई वर्श के बाद आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया, उसके लिए मै आपका बहुत ही आभारी हू। उपाध्यक्ष महोदय, मै डिमाण्ड नं0 1 से लेकर 25 पर बोलना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै पावर के बारे मे बोलना चाहूंगा। हविपा भाजपा सरकार बनने से

पूर्व खासतौर से हविपा ने चुनाव से पहले बडी बडी घोशणाएं की थी कि हमारी सरकार आने के बाद 24 घण्टे गावों को बिजली मिलेगी, 24 घण्टे मे बिजली का कनैक ान मिलेगा, 24 घण्टे मे ट्रांसफार्मर रिप्लेस होगा। उपाध्यक्ष महोदय, इस बारे मे आज हरियाणा प्रदे ा के अन्दर किसान की क्या हालत है यह इस सरकार को ईीक प्रकार से पता है लेकिन सरकार वास्तविक तथ्यो को छिपाती है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर कोई ट्रांसफार्मर जल जाता है तो उसे रिप्लेस नही किया जाता है। इस बारे मे बिजली बोर्ड का कोई सकुर्लर नही है लेकिन अगर एक ट्रांसफार्मर पर 10 किसान आते है और उनमे से 2 ने बिल जमा नही करवाया तो उन बाकी के आठ किसानो को भी उसका खामियाजा भुगतना पडता है क्योंकि वे मजबूर करते है कि उनसे बिल भरवाया जाए ओर जब तक बिल भरवाया नही जाता तब तक ट्रांसफार्मर रिप्लेस नही होता है। क्या मुख्य मंत्री जी इस स्थिती मे कोई सुधार करेगे? (इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, आपका भ बहुत बहुत धन्यवाद कि आपकी कृपा से मुझे भी इस बार बोलने का मौका मिला है। (विघ्न) मेरा नाम तो लिस्ट मे होता था लेकिन मुझे समय नही मिला। आज जो बोलने का समय मिला है उसके लिए आपका धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, जब तक 10 के 10 किसानो का बिजली का बिल जमा न हो जाए तब तक उनको नया ट्रांसफार्मर नही दिया जाता है। दूसरी बात स्पीकर साहब, डोमैस्टिक प्रणाली चालू की गई थी। सलैब प्रणाली मे 1 से 40 यूनिट तक बिजली के चार्जिज 52 पैसा प्रति यूनिट, 41 से 80

यूनिट तक 62 पैसे प्रति यूनिट, 81 से 140 यूनिट तक 75 पैसे प्रति यूनिट और 140 से उपर एक रुपया प्रति यूनिट की इर से बिजली दी जाती थी। अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा मंत्री जी कल कह रहे थे कि उन्होने 6 लाख ऐसे बिजली कन्जयुमर्स का पता लगाया है जिनको सरकार एक से चालीस यूनिट तक बिजली कम रेट पर सप्लाई करेगी। मै जानना चाहूंगा कि सरकार ने ऐसाकौन सा सर्वेक्षण करवाया है? अध्यक्ष महोदय, अगर दो बलब और एक पंखा चले तो ये 40 यूनिटस 10–12 दिन मे ही कन्जयुम हो जाते है सरकार ने जो आंकडे दिए है वह बिल्कुल गलत दिए है। अध्यक्ष महोदय, क्या वह आदमी 10–12 दिन के बाद अपना मीटर बंद कर देगा? वैसे तो हरियाणा मे बिजली आती ही नही है। अध्यक्ष महोदय, चाहे पहले कांग्रेस की सरकार रही हो, चाहे आज हविपा और भाजपा गठबंधन की सरकार हो, हमारे से पहले और अब तक 15–20 सालो मे किसी ने भी बिजली का प्रोडक ान नही किया है। मै यह रिकार्ड की बात बता रहा हूं। 1997 मे चौधरी देवी लाल जी मुख्यमंत्री बने थे। तब ही पानीपत के थर्मल पावर प्लांट की यूनिट नम्बर 1और 2 का काम भाुरु हुआ था और 1997 के अन्दर इन यूनिटस ने प्रोडक ान देना भाुरु कर दिया था। इस समय के मौजुदा राश्ट्रपति श्री नीलम संजीव रेड्डी जी ने आकर के पानीपत के थर्मल पावर प्लांट के पहले यूनिट का उद्घाटन किया था। कुछ समय के बाद दूसरे युनिट ने भी प्रोडक ान देना भाुरु कर दिया था। इसी प्रकार से वहां का जो पांचवा यूनिट है उसका 1987 मे काम भाुरु हुआ था। इस बारे मे मुख्य मंत्री जी ाुद

माना है कि अगर कोई प्लांट का काम भुरु हो तो उसको कम्पलीट होने मे तीन साल लग जाते है। 1987 मे वह काम भुरु हुआ था और 1990 मे उस प्लांट ने प्रोडक ान देना भुरु कर दिया था। यह रिकार्ड की बात है कि उस टाईम के इम्पलाईज को इन्सैंटिव भी मिला था। अध्यक्ष महोदय, जहां तक छठे युनिट की बात है, इसके लिए 1989 मे चौधरी देवी लाल जी के समय मे 159.6 करोड रुपए के वर्क के आर्डर किए गए थे। मुख्य मंत्री जी ने कल अपने जवाब मे भी इस बात को माना है कि 80 करोड रुपए का सामान आ चुका था और वह रेलवे स्टे ान पर पडा रहा। हमारी सरकार पने जाने के बाद कांग्रेस की जो भजन लाल जी के नेतृत्व वाली सरकार आई थी उस ने उस सामान को नही छुडवाया। उस पर डैमरेज पडता रहा। उसके बाद उसके रख रखाव के लिए बी उच इ एल ने दो करोड रुपये मांगे थे। अध्यक्ष महोदय, वह सामान डैमेज हो जाएगा। कुछ सामान मिटटी मे पडा है और कुछ रेलवे स्टे ान पर पडा है। लेकिन उस सरकार ने उस सामान को नही छुडवाया था। अध्यक्ष महोदय, छठे यूनिट का काम 100 प्रति ात भुरु हो गया था। आज यह सरकार केवल वहां से पानी निकलवा रही है। स्पीकर साहब, इतना ही नही चौधरी देवी लाल जी ने अपने भाासनकाल मे जितने भी बिजली के उपभोक्ता थे, उनको 24 धंटे बिजली दी थी। लेकिन इन जनाब की रकार के वक्त मे ऐसा कुछ नही है। इसके बाद बिजली का निजीकरण करने की बात आई। एच बी पी और बी जे पी की सरकार इसके लिए दोशी है। वैसे इसके लिए कांग्रेस की सरकार

भी दोशी है। 1993 के अंदर कांग्रेस पार्टी ने नीरा नाम की अमरीकन कम्पनी को दो करोड रुपए देकर इस बारे मे रिपोर्ट तैयार करवाई थी। बिजली का निजीकरण कांग्रेस पार्टी भी करना चाहती थी और इसके बाद इस सरकार ने भी बिजली का निजीकरण किया है जो कि प्रदो के हित मे नही है। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के आने के बाद चाईना से 5 लाख बिजली के मीटर मंगवाए गए। ये मीटर घरो मे लगते है। अध्यक्ष महोदय, हमारे बिजली बोर्ड की वर्क ााप मे बहुत से मीटर पडे हुए है लेकिन इन्होने चाईना से मीटर मंगवाने पर पैसा खर्च किया है उस पैसे से वर्क ााप मे पडे मीटरो को रिपेयर किया जा सकता था। लेकिन इस सरकार की मं ाा ठीक नही है। अध्यक्ष महोदय, यह सरकार तो मौका देखती है कि किस कम्पनी से पैसा मिल सकता है और कहां कहां से पैसा मिल सकता है ताकि उसके साथ सौदा किया जा सके। अब मै पी0 डबल्यू0 डी0 की बात करना चाहता हूं। मेरा असंध हलका है वहां पर 1993 मे भी और 1995 मे भी फलड आया था। दोनो बार मेरा हल्का फलड की वजह से अफैक्टिड हुआ था। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के वक्त मे हम और आप अपोजी ान मे बैठते थे। हमने पूरे रुक्के मार मार कर अपनी बात कही थी लेकिन उस वक्त भजन लाल जी ने हमारी बात नही सुनी और इसी तरह से आज हविपा और भाजपा की सरकार भी हमारी बात बिल्कुल नही सुनती है। अध्यक्ष महोदय, 1993 और 1995 मे दो बार फलड आने के कारण आज तक मेरे हलके मे जितनी भी रोड्ज टूटी हुई थी, वे रिपेयर नही हुई है।

सरकार यह बताए कि मेरे हलके मे नई सडके ओर जिन सडको पर पैच वर्क किया है, उन पर अब तक कितना पैसा खर्च किया गया है? स्पीकर साहब, असंध एक सब डिविजन है सरकार इस बारे मे सर्वे करवाए। मेरा मंत्री जी से अनुरोध है कि वहां की सडको को ध्यान मे रखकर उनकी रिपेयर करवाए। स्पीकर सर, एक समय वह था जब देवीलाल जी मुख्यमंत्री होते थे और यदि उस समय ओलावृश्टी होती थी तो किसान से पहले चोधरी देवी लाल उसके खेत मे नजर आते थे और एकदम घोशणा कर देते थे कि इतना मुआवजा प्रति एकड के हिसाब से दिया जाएंगा। इसी तरह स्पीकर सर, मै ि ाक्षा के बारे मे कहना चाहूंगा। असंध मे जो कि सब डिवीजन है, न ही कोई 10+2 का स्कूल है और न ही वहां पर कोई कालिज है, न ही वहां पर कोई पोलिटैक्नीक कालेज है। वहां पर सब डिवीजन होते हुए भी ि ाक्षा का कोई प्रबंध नही है। सरकार ने पहले कहा था कि अगर आप वहां पर जमीन उपलब्ध करवा दे और दो तीन कमरे बनाकर दे दें तो हम वहां कालेज खोलने की मंजूरी दे देंगे। लेकिन हम तो जमीन देने के साथ साथ कालेज की बिल्डिंग बनाने के लिए पैसा भी देना चाहते थे इसलिए अब सरकार को वहां कालेज मंजूर कर देना चाहिए। स्पीकर साहब, सतलौडा गांव है लेकिन वहां पर भी बीस की.0 मी0 तक कोई स्कूल नही है। मुख्यमंत्री जी ने आ वासन दिया था कि आप अढाई एकड जमीन दे दे और दो कमरे बनाकर दे दे तो हम वहां के स्कूल को अपग्रेड कर देंगे। हम सरकार को जमीन भी देने को तैयार है और चार कमरे भी बनाकर देने को तैयार है

लेकिन आज तक भी सरकार की तरफ से कोई जवाब इस बारे मे नही आया है। इसके अलावा मै सिंचाई विभाग के बारे मे कहना चाहूंगा। मेरे वहां सैंट परसैंट फसल खराब हो गयी थी। उस समय इन्होने पम्प तो लगावाए थे लेकिन चार पांच ड्रेने ऐसी हे जिनकी सफाई नही हुई। ये ड्रेने बारि ा के साथ ओवर फलो हो जाती है। इन गावो मे पूरी कनक की फसल बर्बाद हो गयी थी और बिजाई भी नही हुई थी। कंवल सिह जी, जो ग्रिवेंसिज कमेटी के चेयरमैन थे, के सामने लोग पे ा हुए थे और उन्होने यह समस्या इनके सामने रखी थी तब इन्होने इरीगे ान डिमार्टमैंट के अधिकारियो को आदे ा दिया था कि इन ड्रेनो की सफाई करवायी जाये। लेकिन इनके कहने के बावजूद भी उनकी सफाई नही हुई। स्पीकर साहब, मंत्री जी आदे ा दे और फिर भी काम न हो तो फिर कैसे किसानो का काम चलेगा? इनके आदे ा के बाद भी डिपार्टमैंट ने वक काम नही किया। स्पीकर साहब, अब मै वन विभाग के बारे मे कहना चाहूंगा। वन विभाग के अंदर बहुत धांधलियां हुई है। अब सरकार प्लांटे ान की बात करती है तो डिपार्टमैंट वाले क्या करते है कि प्लांटे ान करने के लिए जो अढाई या तीन फुट गडडे खोदने चाहिए, उनके बजाए वे आधा फुट ही गडडे खोदते है। इन गडडो मे 19 किलो मैटीरियल जैसे गोबर आदि आना चाहिए लेकिन वे इतना मैटीरियल नही डालते है और ऐसे ही प्लांटे ान करते है। उस गांव के लोगो ने करीब 500 या 600 एकड जमीन पर कब्जा कर लिया है। वहां पर 400 एकड जमीन पर प्लांटे ान हुई थी लेकिन उसको उन्होने

डिमोलि ा कर दिया है। वहां एक हफते के अंदर ही 500 या 600 एकउ जमीन पर कब्जा हो चुका है। स्पीकर साहब, पूरे प्रदे ा के अंदर ऐसा ही हाल है। मै मंत्री जी से और मुख्यमंत्री जी से कहूंगा कि उनको इस प्रकार के नाजायज कब्जो को तुरंत रोकना चाहिए। सर, इसी तरह से मै अब स्वास्थय विभाग के बारे मे कहना चाहूंगा। इस विभाग का भी बहुत बुरा हाल है। सारे प्रदे ा मे पी0 एच0 सीज0 और सी0 एच0 सीज0 का बहुत बुरा हाल हुआ पडा है। मेरे गांव के अंदर ही एक पी0 एच0 सी0 हैं सरकार ने पहले आ वासन दिया था कि उसकी चारदीवारी और उसके अंदर मिटटी भर दी जाएगी लेकिन आज तक भी ऐसा नही हुआ जिसकी वजह से बारि ा के दिनो मे वहां पर पानी भर जाता है। सरकार को इस तरफ भी ध्यान देना चाहिए। इसी तरह से जो रुरल एरियाज के अंदर पी0 एच0 सी0 या सी0 एच0 सी0 है वहां पर पूरे प्रदे ा मे कोई भी लेडी डाक्टर नही है। अगर इनमे दूसरे डाक्टर्ज भी है तो वहां जाते नही है इसलिए मंत्री जी को इस बारे मे तुरन्त ध्यान देना चाहिए। सर, अगर आप चाहे तो पूरे प्रदे ा मे इस बारे मे सर्वे करवा ले कि क्या कोई डाक्टर हैडक्वार्टर मेनटेन करता है या नही? गांववासियो को इससे बउी भारी दिक्कत होती है। इसके बारे मे सरकार का कर्तव्य बनता है कि वह आव यह कार्यवाही करे। (विध्न) दूसरी बात मै परिवहन विभाग के बारे मे कहना चाहूंगा। जो रोडवेज के रुटस पहले चलते थे, वे प्राइवेटाइजे ान करने के बाद बंद कर दिए गए है। बाद मे इन रुटो पर प्राईवेट बस चलती थी। प्राईवेट ओपरेटर जितने पैसे

कवर करना चाहते थे, वे कर नही पाए तो अपनी मर्जी से उनहोने रुट चेंज कर लिए। अब रोडवेज वाले कह रहे है कि वहां प्राईवेट बसे चल रही है इसलिए हम इन रुटस पर बसे नही चला सकते। इससे सवारियो को बडी भारी परे ाानी का सामान करना पड रहा है।

श्री अध्यक्षः आप कोई ऐसे रुट्स बताएं जहां पहले रोडवेज की बसें चलती थी और प्राइवेटाइजे ान के बाद वह बंद हो गई हो?

श्री औम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, एक रुट पर तो जनरली ऐसी ि ाकायत है।

श्री धीर पाल सिंहः स्पीकर सर, छोटे छोट रुटस पर तो ऐसा आम हो रहा है। इससे सवारियो को बडी भारी दिक्कत है।

श्री विरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर सर, मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि कानून मे यदि इस तरह की कोई कमी है तो उसके लिए ये अमैडमैंट लेकर आए। इससे लोगो को बडी परे ाानी है। वह रुट जो 25–25 किलोमीअर वाइटल प्वायंट पर जाकर मिलते है वहां से उन्होने अपनी बसे विदड्रा कर ली। वहां पर अब कोई बस नही चला सकता क्योंकि कोर्ट ने इस बारे मे स्टे दिया है इससे लोगो को बडी परे ाानी हो रही है।

बागवानी एवं विपणन राज्य मंत्री (श्री जगबीर सिंह मलिक): यह कब से है?

श्री धीर पाल सिंह: यह लास्ट ईयर से है।

श्री कृश्ण लाल: स्पीकर सर, अब मै पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट के बारे मे कहना चाहूंगा। हाउस मे हर रोज पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर की ओर से यह कहा जाता है कि हर एक गांव मे पीने के पानी का कनैक ान है। मै आपको बताना चाहूंगा कि मूनक खेडी मेरे हलके का एक गांव है वहां आज तक वाटर सप्लाई की स्कीम नही है। इसी प्रकार से डेरा फूला सिंह, डेरा गुजराखियां, डेरा पंढोरिया जोकि सिखो के डेरे है, वहां भी वाटर सप्लाई के लिए कोई प्रबंध नही है। जो पानी ये दे रहे है उसके भी हमने कई गावों के सैम्पल भरे है। उसमे पाया गया है कि पानी चाहे कैनाल से आता है या पम्प से आता है उसमे ये डोजिंग पम्प नही लगाते जबकि इनको डोजिंग करनी चाहिए क्योंकि प्रदे ा के लोगो को पीने को पानी अच्छा मिल सके। (धंटी) अब मै सहकारिता विभाग के बारे मे कहना चाहता हूं कि जो कि आम आदमी की समस्याओ से जुडा विभाग है। मेरे से पहले बोलने वाले साथी ने कहा था कि एम0 सी0 एल0 बनने के बाद चाहे किसान है या गरीब आदमी है जो ऐप्रोच करवा लेते है तो लोन मिल जाता है दूसरो को नही मिलता है इसलिए इस पर सहकारिता मंत्री वि ोश ध्यान दें। हमे आम लोग ि ाकायत करते है यह बहुत भारी समस्या है इसको सिरियसली लेना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, जहां तक लॉ एण्ड आर्डर की बात है, मेरे हलके के एक मंगतराम नाम के आढती से थाने से 100 मीटर की दूरी पर 85 हजार रुपये दो मोटर साईकल सवारो ने छिन लिये। आज तक पुलिस द्वारा उनको पकडने के लिए कोई प्रयास नही किये गए है। इसी प्रकार एक वकील श्री सतपाल त्यागी की कार छीन ली गई जिसका आज तक कोई अता पता नही है। अध्यक्ष महोदय, पानीपत एक औद्योगिक भाहर है जिसके साथ यू0 पी0 का एरिया लगता है। पानीपत भाहर मे माल को लाने के लिए बाहर से लोग आते जाते है क्योंकि पानीपत मे हैंडलूम का का काफी मात्रा मे होता है जिसका एक्सपोर्ट भी होता है। इस प्रकार की वारदातें पानीपत भाहर मे काफी मात्रा मे होती है। समाचार—पत्रो मे भी आपको सप्ताह मे दो चार वारदातें पानीपत की ही मिलेगी। इसलिए मेरा सरकार से निवेदन है कि पानीपत भाहर की लॉ एण्ड आर्डर की स्थिती की तरफ ध्यान देना चाहिये ताकि व्यापानी लोग अपना धंधा ठीक प्रकार से कर सके। धन्यवाद।

श्री रेलूराम: अध्यक्ष महोदय, आप मुझे भी बोलने का समय दें।

श्री अध्यक्ष: रेलूराम जी बैठिये, मैने सभी सदस्यो को आ वासन दिया था कि जिस भी माननीय सदस्य को बोलने के लिए समय नही मिला है, उसको बोलने के लिए समय अव य दिया जाएगा।

बैठक का समय बढाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended for one Hour.

Voices: Yes.

Mr. Speaker: Time of the sitting is extended for one hour.

वर्श 1998–99 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः जैसा कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा है कि पिछली सरकार ने ये प्राईवेट बसो के रुटस परमिट दिये थे। उनमे से कुछ ऐसे रुट्स है जिन पर लोगो को दिक्कते है, परिवहन मंत्री यह इं योर कराये कि जो प्राईवेट रुट्स दिये हुए है यदि प्राईवेट बसे वहां पर नही चलती हे तो उनके परमिट कैंसिल किये जाये तथा वहां पर हरियाणा रोडवेज की बसें चलाई जाये ताकि वहां के लोगो को कोई दिक्कत न हो।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): जैसा कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी की जिज्ञासा है इस बारे मे मै इनको बताना चाहूंगा कि इस संबंध मे कैबिनेट ने एक सब कमेटी बनाई हुई है जिसमे चौधरी मनीराम गोदारा, ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर और मै भी उस सब कमेटी मे हूं। हमने काफी एक्ससाईज की है और जो सुझाव

चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने दिये है, उनको भी हम एग्जानि कर लेगे तथा जो भी इंकार्पोरेट होगा वह हम अव य करेंगे।

श्री बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, सरकार एक ट्रांसपोर्ट पॉलिसी लेकर आये और सारे मुद्दे उसमे होने चाहिये।

श्री अध्यक्ष: बीरेन्द्र सिंह जी, इस बारे मे सब कमेटी बनी हुई है और उसमे सारी बाते एग्जामिन हो रही है।

श्री बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, यह तो स्टेट सब्जैक्ट है इस पर तो सरकार अपनी पॉलिसी लेकर आ सकती है कि प्राइवेटाईजे ान की क्या पोजी ान है, कितने रुटो का निजीकरण करेंगे, कितने रुटो को छोडेगे ताकि लोग कोर्ट मे न जायें। लोग कोर्ट मे इसलिए जाते है कि उनके परमिट कैंसिल न हो। लेकिन इन बातो ने लोगो को परे ाानी मे जरुर डाल रखा है। इम्पोंर्टैंट रुटस पर तो बसे चलती नही है।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, जो सब कमेटी बनी हुई है वह सभी बातो को ध्यान मे रखकर रुटो के मामले को एग्जामिन कर रही है और जा भी सब कमेटी की रिपोर्ट होगी वह हम एक महीने के अंदर इस महान सदन मे प्रस्तुत कर देंगे।

श्री सूरजमल: अध्यक्ष महोदय, कुछ रुट्स खाली पडे हुए है वहां पर प्राईवेट बसो वाले नही चलते जिसके कारण सुबह और भााम स्कूली बच्चो को काफी मुि कल का सामान करना पडता है। मेरा सरकार से निवेदन है कि उन रुटो पर हरियाणा रोडवेज की

बसे सुबह और भााम चलाई जाये ताकि बच्चो को आने जाने मे तकलीफ न हो।

श्री अध्यक्षः ऐसा है कि प्राईवेट रुट्स वालो ने कोर्ट से स्टे ले रखा है, इसलिए उन रुटस पर रोडवेज की बसे नही चलाई जा सकती है।

श्री बीरेन्द्र पाल अहलावत (बेरी) अध्यक्ष महोदय, मै वर्श 1998–99 की बजट अनुदान मांग सं0 2 से लेकर 25 पवर बोलना चाहूंगा।

श्री अध्यक्षः आपको बोलने के लिए 15 मिनट मिलेंगे।

श्री बीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, अगर आप इजाजत देंगे तो मै बोलूंगा। नही तो मै 6 दिन से यहां पर बैठा हुआ हूं और बोला नही हू। सर, सबसे पहले तो मै बिजली के बारे मे बोलना चाहूंगा। जैसे कि कल मंत्री महोदय ने बताया कि बिजली का हम ने काफी सुधार किया है। जहां तक बिजली के सुधार की बात है, मै कहना चाहूंगा कि अगर कोई लोन देने वाली कंपनी इस सुधार को बताती है, या सरकार की प्र ांसा करती है तो इससे बडी बात सरकार के लिए नही हो सकती है। किसी प्रदे ा की जनता के हितो की अनदेखी करके ही किसी लोन देने वाली संस्थान को खु ा किया जा सकता है। इसलिए इस बात से जाहिर होात है कि बजट के अंदर जो आंकडे पे ा किए गए है, वे जनहित मे नही है तथा जनता की समस्याओ की तरफ कोई

ध्यान नही दिया जाता है। ये प्र ांसा करने वाले अगर गांव मे जाकर इन लोगो की प्र ांसा करेंगे तो मै गारंटी से कह सकता हूं कि न तो प्र ांसा करने वाले और न ही सरकार के ये आदमी वहां से सुरक्षित वापिस आ सकते है क्योंकि बिजली का गावों मे इतना बहुत बुरा हाल है। अध्यक्ष महोदय, वास्तव मे यह बजट नही बल्कि कर्जो का लेखा–जोखा है। इसमे कम से कम यह तो बताया जाना चाहिए था कि हरियाणा प्रदे ा की जनता पर कितने करोड रुपये का कर्ज चढाया गया है और प्रतिदिन उनहे कितने करोड रुपए ब्याज के रुप मे देने पडते है। यह भी विचार किया जाना चाहिए। सरकार सिर्फ कर्जे लिएजा रही है और इन का भुगतान किस प्रकार किया जाएगा, इस बारे मे बजट मे कोई जिक नही किया गया है। जिस हिसाब से कर्जे लेकर यह सरकार खु ा हो रही है, उस हिसाब से ऐसा लगता है कि यह वर्श 1998–99 का बजट नही है बल्कि यह आने वाले उन सभी सालो का बजट है, जब तक यह सरकार रहेगी। सरकार अंतराश्ट्रीय एजैंसिज की भार्ते बेधडक होकर मान रही है। अगर ऐसा होता रहा तो यह वास्तिवक बजट न होकर उन लोन देने वाली एजैंसिज का बजट ही कहा जाएगा। इस बजट मे बेरोजगाी की प्रमुख समस्या पर कोई ध्यान नही दिया गया है।

पिछले दो सालो से नौजवानो को बहकाया गया। जिस वक्त प्रदे ा मे भाराबबंदी लागू थी तो लोगो को भाराब की स्मगलिंग करके पैसा कमाने की छूट दे रखी थी। वह अब बंद तो

हो गई है लेकिन आज उन लोगो के पास हथियार भी हो गए है और पैसा भी हो गया है। आज उनकी वह नाजायज आमदनी बंद हो गई है। आज सभी पढे लिखे नौजवान अपराध कर रहे है। अगर पढे लिखे नौजवान को रोजगार नही मिलेगा तो वह क्या करेगा? वह पढा लिखा है, ताकतवर है, उस मे जो ा भी है। वह सरकार की कमियो के कारण दुखी होना पसंद नही करेगा बल्कि अगर उसको रोजगार नही मिलेगा। तो वह चोरी करेगा, डाका डालेगा, कत्ल करेगा ओर दूसरे सभी अपराध करेगा। इसलिए सरकार का यह उतरदायित्व है कि इन अपराधो को रोके। आज नौजवानो को रोजगार नही दिये जा रहे है। रोजगार उपलब्ध कराने की बात तो दूर रही, जो रोजगार के पुराने साधन थे, उन मे कोई भी अपने आप को सुरक्षित महसुस नही कर रहा है। जहां तक अध्यापको की बात है, आज प्रदे ा मे 6500 के करीब तदर्थ अध्यापक लगे हुए है। 1988, 1991,1994 व 1996 मे जिन कर्मचारियो की दो साल की सर्विस हो गई थी, उन की सर्विस नियमित कर दी गई थे लेकिन आज इन अध्यापको को नियमित न करके उनकी छुटटी की जा रही है। कुछ कला अध्यापको को हटाया गया है। अध्यक्ष महोदय, हालत यह है कि एक तरफ तो अध्यापको को हटाया जा रहा है और दूसरी तरफ नए अध्यापको से अधिक होने पर भी उनको रेगुलर नही किया जाता बल्कि ये नए अध्यापको की भर्ती की बात करते है। इसका मतलब यह लगाया जा सकता है कि सरकार की नीतियां ठीक नही है, सरकार की नीयत ठीक नही है। इसलिए इस प्रकार के भ्रश्टाचार को

बढावा दिया जा रहा है। जिस तरह से पुलिस की भर्ती मे भ्रश्टाचार हुआ, उसी तरह दूसरी भर्तीयो मे भी भ्रश्टाचार बढेगा। एक बात मै आपसे और कहना चाहता हूं कि हमारे प्रदे ा के अंदर चारो तरफ आग लगी हुई है। किसानो के उपर गोलियां चलाई जाती है। व्यापारी परे ाान है और सारे के सारे कर्मचारी आन्दोलन रत है। लेकिन सरकार खु ा होकर, चुटकी ले लेकर यह कह रही है कि यह कर देंगे, वह कर देंगे। आज तक पूरा प्रदे ा जल रहा है और ये हंस रहे है तथा विपक्ष के विरोधी सदस्यो के उपर ताने कस रहे है। मै सरकार को यह बताना चाहता हूं कि यह जो वित मंत्री की बजट स्पीच है इस मे जो आंकडे द ार्ाए गए है उनमे काफी फर्क है। इस हाउस के अंदर कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय जनता के हित मे न लेकर ऐसे ढंग से लिया जाता है कि एक एक करके हर नेता सत्ता का गुलाम बनता जा रहा है। यह सरकार कोई जनहित के कार्य नही कर रही। यह सरकार किसान विरोधी सरकार है। जहां तक किसानो की बात है सरकार ने खुद माना है कि नवम्बर, दिसम्बर 1997 और जनवरी 1998 मे 111.57 लाख टन अनाज पैदा किया गया। बरसात के कारण जिन किसानो की फसले खराब हो गई थी पंजाब सरकार ने उन किसानो को फसले खराब होने का मुआवजा दिया। दिल्ली मे भी इसी तरह का मुआवजा किसानो को दिया गया लेकिन हरियाणा सरकार ने एक नया पैसा भी नही दिया। हरियाणा का किसान कहां जाए? जहां तक भ्रश्टाचार की बात है, यह निरंतर बढता जा रहा है। उस पर सरकार का कोई नियंत्रण नही है।

आज दे ा की जो सबसे बडी समस्या है जो दे ा के सारे संसाधनो को निगलती जा रही है, वह है जनसंख्या वृद्धि की। इस बजट के अंदर जनसंख्या नियंत्रण के उपर कोई ध्यान नीह दिया गया। एक बार हमारे मुख्यमंत्ररी जी ने अपने समय की हाई कमान को खु ा करने के लिए, इंदिरा गांधी को खु ा करने के लिए इस प्रदे ा के लोगो पर अत्याचार करवाए लेकिन उसके बाद हटकर इन्होने दोबारा ऐसा काम करने का नाम नही लिया। इसका मतलब यह नही कि वह मुद्दा गलत था। वह मुद्दा ठीक था। समस्या उस समय भी थी और आज समस्या उससे भी ज्यादा बढी हुई है लेकिन इस तरफ किसी का कोई ध्यान नही है। सरकार ने बजट मे भी इसके लिए पैसे का कोई प्रावधान नही किया है। जहां तक भ्रश्टाचार की बात है, वह सरकार के संरक्षण मे पनपता जा रहा है। मेरे पास ऐसे उदाहरण है जहां मुख्यमंत्री को एफीडेविट दिया गया लेकिन आज तक उस पर कोई कार्यवाही नही हुई। आयुर्वेदिक विभाग मे वहा के डाक्टर ने बंगलौर बेस्ड फर्म से पेटेण्ट मैन नामक दवाईयां 25 लाख रु की खरीदी। जबकि यह परम्परा रही है कि यह दवाई मुि कल से 10 प्रति ात खरीदी जाती है। वहां 80 लाख रुपये की दवाईयां खरीदी गई, 34 लाख रु की दवाईयां खरीदी गई जिसमे से 25 लाख रुपये की डायाफोन नामक दवाई खरीदी गई जो डायरिया और डायसैन्टरी के ईलाज के लिए इस्तेमाल होती है। उस बारे मे ऐफिडेविट देने के बावजूद मुख्य मंत्री जी ने कोई कार्यवाही नही की है। उस कम्पनी ने स्पश्ट लिखा है किः–

“That medicine having the same component and in same quantity, I am ready to supply to your department on 8 lacs rupees only which is less than 16 lacs.”

He further stated-

“(a) Whether this medicine has been demanded by Govt. Ayurvedic College Hospital or Ayurvedic Dispensaries functioning in the State of Haryana.

(b) Whether the ratio of Diarrhoea and other diseases patients of 1997 has been collected before sending the proposal to the Govt.for the purchase of this particular medicine in such a huge quantity being used to cure only Diarrhoea patient.

(c) That 1/3 of the total budget has been spent i.e. 24 lacs, to purchase this medicine and how to provide the other medicines to cure the patients of other diseases in the State.

(d) In the year 1996-97 the medicine ot cure the Diarrhoea and Dysentery was purchased only with the cost of less than one lac whereas now spent the 25 times more money on the medicines of this diseases without any justification.

(e) That the medicine namely Diacone had never been purchased by the department. Now which circumstances has compelled to purchase such a huge quantity of this medicine at one time which has never been used before this year by this department}

स्पीकर साहब, इसके अलावा न ाामुक्ति कैप ूल और टेबलेटस खरीदे गये। उनके बारे मे भी सरकार इन्कवायरी कराए। न ाामुक्ति कैप ुल और टेबलेटस पांच लाख रुपये के खरीदे गए लेकिन वे चार गुणा ज्यादा रेट पर खरीदे गए। इनको खरीदने के लिए जो लाएस्ट रेट कोट किया गया था, वह 315 रुपये प्रति हजार कैप ुल और 135 रुपये प्रति हजार कैप ूल था लेकिन खरीदे गए 1080 रुपए प्रति हजार कैप ुल और 930 रुपये प्रति हजार टेबलेटस। इनके बारे मे जिन चार पांच फर्म्ज का लोएस्ट रेट था, उसको इग्नोर करके ये दवाईयां खरीदी गई। कहां 315 रुपए प्रति हजार का रेट और कहां 1080 रुपये प्रति हजार का रेट यानि 8–9 गुणा ज्यादा रेट दिये गए। इसी तरह से स्पीकर साहब, एनीमल हसबैंडरी डिमार्टमैंट मे हर ब्लाक के अन्दर दवाईयां खरीदी गई है। एनीमल हसबैंडरी डिपार्टमैंट मे दवाईयां खरीदने के लिए हाई पावर परचेज कमेटी की दवाईयो की कीमत के बारे मे जो सैंक ांड लिस्ट है और उन कंपनज की जो प्राइस लिस्ट है उनकी अनदेखी की गई है यानि एनीमल हसबैंडरी डिपार्टमैंट मे 6–7 गुणा ज्यादा रेट पर दवाईयां खरीदी गई है। उस डिपार्टमैंट के हर ब्लाक के अन्दर हर ब्लाक के अधिकारियो द्वारा वे दवाईयां खरीदी गई है। इसलिए उस विभाग के हर ब्लाक केअंदर करोडो रुपये घपला हुआ है। सरकार इस बारे मे इन्कवायरी कराए।

अब मै सडको के बारे मे कहना चाहूगा और खास करके अपने हल्के बेरी की सडको के बारे मे कहना चाहूंगा। आज

तक मैने जितनी सडको की चर्चा की है उन सडको को बनवाने के बारे में मंत्री जी ने हां भरी है और कुछ सडको पर काम भ‌ुरु भी किया गया है। एक बात मै कहना चाहूंगा कि जिस सडक को बनाने का काम जब तक पूरा न हो जाए तब तक किसी दूसरी सडक को बनाने का काम भ‌ुरु न किया जाए क्योंकि एक सडक पर रोडी डाल दी जाती है और उसको छोड कर दूसरी सडक का काम भ‌ुरु कर दिया जाता है। यदि किसी सडक पर मिटटी डालने का काम कर दिया है तो उसको पूरा करने से पहले ही दूसरी सडक को बनाने का काम भ‌ुरु कर दिया जाता है। (धंटी) स्पीकर साहब, मै कोई गलत बात नही कह रहा हूं। अपने हल्के की बात कह रहा हूं। मै जल्दी ही अपनी बात समाप्त कर दूंगा। स्पीकर साहब, एच0 आर0 डी0 एफ0 ने गवर्नमैंट को ग्रांट लोन दिया था। उस पैसे से सरकार ने किसी भी अपोजी ान के विधायक के हल्के मे आज तक कोई सडक नही बनाई। उस पैसे से सारे के सारे काम सत्ता धारी पार्टी के विधायको के हल्के मे हुए। हम किसी अधिकारी से जा कर किसी काम को करने के लिए कहते है तो वह अधिकारी कहता है कि आप तो विपक्ष के विधायक हो, इसलिए आपके इलाके मे सडक नही बना सकते क्योंकि हमारे पास सरकार की तरफ से वर्बल हिदायतें है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मै रेलेवैन्ट बोल रहा हूं। (धंटी) मै अपने हलके की समस्या बता रहा हूं। नाबार्ड से सडके बनाने के लिए 22 करोड रुपये सैंक ान हुए है। पता चला कि इन 22 करोड रुपये से जो 25 सडके बननी है उनमे से अकेले 22 सडके भिवानी मे बनायी जायेंगी। यदि यह सही बात

है तो यह बिल्कुल गलत होगा। मै चाहूंगा कि ये सडके सारे हरियाणा मे बराबर बनाई जायें। अध्यक्ष महोदय अब मै गुरु जम्भे वर यूनिवर्सिटी के बारे मे बोलना चाहता हूं *************

Mr. Speaker: What is being said now by Shri Virender Pal is not to be recorded. Please take your seat, now?

श्री रेलू राम: स्पीकर साहब, इस दो साल के अर्से मे मै पहली बार बोलने के लिए खडा हुआ हू। मै जो भी बात कहूंगा, वह अन्दर की आयेगी, बाहर की नही आयेगी। अब तक पढे लिखे सदस्य बोले है। मै तो अनपढ हूं लेकिन जो बात कहूंगा वह सही कहूंगा। यहां पर बोलते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि हरियाण मे कुछ घरेलु झगडो की वजह से या जहरीला दवाई आदि खा कर मर गए। मै यह बताना चाहता हूं कि वो क्यों मरे? हमारी स्टेट मे ये चीजे होती जा रही है। आज हमारी स्टेट मे नौकरियो के लिए छोकरो से पैसे लिये जाते है। जो मंत्रियो के वर्कर है या जो उनके एजेंट है, वे गावों मे घुमते है और लोगो से कहते है कि तुम पैसो का प्रबन्ध कर लो हम नौकरी लगवा देंगे। गांव के लोग नौकरी के चक्कर मे पैसे इकटठे करते है, अपनी जमीन गिरवी रखते हे और अपनी औरत की टूम गिरवी रखते है। ऐसे काम करके पैसा लोगो ने दिया। कुछ तो नौकरी लग जायेंगे और कुछ रह जाएंगे। जो रह जायेंगे उनके बूढे बाप कहेंगे कि मैने तेरे को पढा लिखा दिया और ब्याह दिया। एक आध किल्ला जो उसके हिस्से का आएगा दे देगा और कहेगा कि तु अब कमा और खा।

लेकिन जिसके पैसे गए है वो उनको लेने के लिए इधर उधर के चक्कर काटेगा। जिसको पैसे नही मिलेगे वह अपनी बहू को कहेगा कि ला अपनी टूम दे दे मै दिल्ली जा कर और नौकरी देख लूंगा। फिर भी उसको नौकरी नही मिलती। अब फिर वह आढती की दुकान पर बैठता है। आढती सोचता है कि चौधरी का लडका आया है वह दो चार दिन उसको चाय पिलाएगा फिर उससे वह छुटकारा चाहता है। फिर वह लडका किसी चाय की दुकान पर बैठेगा चाय वाला भी दो चार दिन सोचेगा कि यह तो रोजना आकर बैठ जाता है। बेकार है, वह भी उससे पीछा छुडवाना चाहेगा। उसके बाद वह वापिस घर आकर रहता है। वह दुखी होकर या तो फांसी खाएगा या जहर खाएगा या बीमार हो जाएगा। उसके बाद आस पडोस के लोग उसको डाक्टर के पास ले जाते है। डाक्टर से अपने लडके का ईलाज करवाने के लिए किसान अपनी बची हुई जमीन भी गिरवी रख देता है। किसान के सारे पैसे डाक्टर ले लेता है लेकिन उसका लडका फिर भी मर जाता है। अध्यक्ष महोदय, उस गरीब आदमी के पास न तो जमीन रहती है और न ही लडका। (ोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी कहते थे कि हम 6 महीने के अंदर 24 घंटे बिजली दे देंगे। लेकिन अध्यक्ष महोदय, आज तक हरियाणा मे बिजली की व्यवस्था ठीक नही है। अध्यक्ष महोदय, किसान को अपना बिल ठीक करवाने मे 2–3 दिन या इससे भी ज्यादा दिन लग जाते है। इसलिए मै चाहता हूं कि जितने दिन किसान को बिजली का बिल ठीक करवाने मे लगते है उतने दिन के किसान

को पैसे मिलने चाहिए। सरकार को दिनो के हिसाब से किसान को पैसे देने का प्रावधान करना चाहिए क्योंकि बिल मे तो 100 रुपये, 200 रुपये या ज्यादा से ज्यादा 250 रुपये ही कम होते है। जबकि किस के इस काम मे 2–3 दिन लग जाते है और उसके 2–3 दिन का काम रुक जाता है जिससे उसको इससे कहीं ज्यादा नुकसान होता है। अध्यक्ष महोदय, एक किसान अपने सिरी को 20 किलो बीज देता है और कहता हैकि इस 20 किलो बीज की 20 किल्लो मे बिजाई कर दो लेकिन वह सिरी 18 किलो बीज बेच देता है और केवल 2 किलो मे बिजेगा तो उन किल्लो मे फसल नही उगेगी बल्कि घास उगेगी। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का भाव है कि यह सरकार भी उस सिरी की तरह काम कर रही है। उस पर 50 पैसे भी नही लगते है सारा पैसा खा जाते है। (विघ्न एवं भाोर) अध्यक्ष महोदय, हरियाणा पर 3400 करोड रुपए का भार पडा है। (घंटी)

श्री अध्यक्षः रेलू राम जी, आप बैठ जाइये। आपका समय पूरा हो गया है।

श्री रेलू रामः अध्यक्ष महोदय, मै थोडे से समय मे अपनी बात समाप्त कर रहा हूं। (घंटी) एक बात मै चौधरी जगन्नाथ जी के महकमे के बारे मे भी कहना चाहूंगा (घंटी) अगर इनके महकमे मे कोई काम करवाना हो तो 2% जे0ई0, 2% एस0 डी0 ओ0 और 2% एक्सीयन को दिया जाता है यह पैसा पूरा मिलेगा या नही, यह

भी सरकार बताने की कृपा करे। अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री निर्मल सिंह (नग्गल): अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मै डिमाण्ड नं0 4 पर आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि सन् 1986 मे जब मै रैवेन्यू मंत्री था और चौधरी साहब मुख्य मंत्री हुआ करते थे। उस समय भी यह सोचा गया था कि किसानो के लिए पास बुक्स बनाई जाएं। 1991 मे रैवेन्यू डिपार्टमैंट फिर मेरे पास था। उस समय भी किसानो के लिए पास बुक का केस फिस भाुरु हुआ था और पहली नवम्बर 1993 से रोहतक से इनका डिस्ट्रीब्यू ान भाुरु होना था लेकिन मुझे नही पता कि यह किस कारण से उस समय नही हो पाया। पास बुक बन जाने से किसानो को बहुत फायदा है। इसके होने से किसानो को गिरदावरी करवाने के लिए और फर्द के लिए बार बार पटवारी के पास चक्कर काटने की जरुरत नही पडेगी। पास बुक दिखा कर किसान को बैंक से लोन भी मिल सकेगा। इसलिए सरकार से मेरी प्रार्थना है कि इस पास बुक को किसानो के लिए जल्दी से जल्दी भाुरु किया जाए। अध्यक्ष महोदय, दूसरे नम्बर पर मै डिमाण्ड नं0 8 जो कि रोड्ज के बारे मे है, बोलना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, मेरा हलका हरियाणा मे सबसे बडा है जिसमे पिलखनी, इस्माइलपुर, दानापुर धमतौर का 77 किलोमीटर का एरिया है। यहां पर 350 किलोमीटर रोड्ज का जाल फैला हुआ है। अध्यक्ष महोदय, यह एरि फलड एफैक्टिड ऐरिया है इसलिए जो रोडज बनाई जाती है वे हर साल टूट जाती

है। अध्यक्ष महोदय, टांगरी नदी पर एक पुल बनना था इस पुल के लिए एडमिनिस्ट्रटिव एप्रूवल भी हो गई थी। इस पुल के बनने से पटियाला से लेकर हमारे एरिया तक बहुत बडा एरिया एक हो जाएगा। यह मेरे हलके की सबसे बडी मांग है। इसके बाद मै एजूके ान और उसके साथ ही स्पोर्टस के विशय मे भी बोलना चाहूंगा। हमारे पूरे हरियाणा मे भाहरो की बजाय गावो मे पढाई का स्तर बहुत ही नीचा है और खास कर बच्चो को पढाने वाले टीचर्ज का स्तर बहुत ही नीचा है। टीचर्ज को पता ही नही है कि बच्चो को क्या पढाना है और कैसे पढाना है जिसके कारण हरियाणा के बच्चे कम्पीटी ान मे पिछडते जा रहे है। जहां तक इस बारे मे सरकार का ताल्लुक है सरकार द्वारा टीचर्ज की जो पोस्टे खाली पडी हुई थी उनको भरने की को ि ा ा की जा रही है। इसके बादमै डिमाण्ड नं0 15 पर बोलना चाहता हू। अध्यक्ष महोदय, बिजली के स्लैब सिस्टम के लिए मुख्य मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होने हरियाणा मे बिजली का स्लैब सिस्टम लागू किया। मुख्यमंत्री जी सबको एक नजर से देखते है। इस स्लैब सिस्टम के बारे मे विरोधी पक्ष के भाईयो को नाराजगी थी।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। ***************

श्री अध्यक्षः यह जो भागी राम जी ने कहा है इसको कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, हमारे साथ भेद–भाव किया जा रहा है। ये जो मर्जी कह लें। हम कुछ कहते तो वह कार्यवाही से निकाल दिया जाता है। अध्यक्ष महोदय, मै इस सरकार के भेदभाव की मिसाल देना चाहता हूं। हमारी गैलरी मे तो पीने का गर्म पानी है और इनकी गैलरी मे ठण्डा पानी है।

श्री अध्यक्षः भागी राम जी, आप रुलिंग साईड की गैलरी से भी पानी पी सकते है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह स्लैब सिस्टम लागू करने से कोई सरकार लोन नही माफ कर सकती है क्योंकि नाबार्ड, आर बी आई, और बाकी दूसरे बैंकस को ऐतराज है। इस सरकार ने स्लैक प्रणाली लागू करके किसानो को काफी फायदा पहुंचाया है। जहां पहले हमारे इलाके मे किसानो को बिजली के बिल के रुप मे 13–13 सौ रुपये देने पडते थे वही अब उनको 400 रुपये ही देने पडेंगे। मुख्य मंत्री जी का यह बहुत ही सुझबुझ वाला कदम है। हमारे एरिया मे जो टयूबवैलज है, वे 400 400 फुट गहरे है पहले इनका 600–600 रुपये का बिल आ जाता था। इस स्लैब प्रणाली के लागू होने से सढोरा, अम्बाला और नारायणगढ के इलाके मे किसानो को बहुत ही फायदा हुआ है। इस बारे मे हूं भी पहले कंफयूजन था लेकिन अब नही है। स्पीकर सर, पहले एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट वालो ने पूराने स्लैब रेट उठाकर बिजली विभाग को दे दिए लेकिन चौधरी साहब ने आदे ा कर दिए कि ऐग्रीकल्चर डिपार्टमैंट वाले इस बारे मे दोबारा सर्वे करें।

इसके लिए हम चौधरी साहब केबहुत ही आभारी है। स्पीकर सर, वैसे तो सरकार ने हमारे हलके के विकास के लिए हर संभव प्रयत्न किया है और कई स्कीमज वहा ंकेलिए बनाई है। हमारे यहां से एक नहर गुजरती है, उसमे जब तक साईफन नही लगाया जायेगा तब तक पानी टांगडी नदी मे नही गिरेगा। जब तक ऐसी नही हेगा तब तक हमे रिलीफ नही मिलेगी। हम चौधरी साहब के नोटिस मे यह बात लेकर आए थे कि जो फल्डज एफैक्टिड एरियाज है उनमे किसानो के लिए कोओपरे ान डिपार्टमैंट से तालमेल करके लम्बी अवधि के लोन की व्यवस्था की जानी चाहिए। उनको आठ या दस साल तक की अवधि के लम्बे कर्जे देने चाहिए ताकि उनका गुजारा चलता रहे। इसके साथ ही उनके खेतो मे प्लांटे ान भी होनी चाहिए। ऐसा होने से उनको फल्ड से बचने मे भी सहायता मिलेगी और उनके खाने पीने का काम भी चलता रहेगा। जब आठ या इस साल के बाद यह प्लांटे ान कट जाएगी तो इससे उनको इंकमभी होगी और वे अपना लिया हुआ कर्ज भी लौटा सकेंगे। इसलिए इस तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए। इसी तरह से यहां पर एव0 वाई0 एल0 कैनाल की चर्चा आयी थी। स्पीकर सर, एस वाई एल कैनाल हम हरियाणावासियो के लिए एक ऐसा अहम मुदा है जिसके हम सब पोलिटिकल पार्टीज को रानीति से उपर उठकर कोि ा ा करनी चाहिए। इस मुदे पर हमे कोई पोलिटिक्स नही करनी चाहिए। स्पीकर साहब, कोओपरे ान एग्रीकल्चर या फौरेस्ट डिपार्टमैंट का आपस मे तालमेल होना बहुत जरुरी है। आज नये बीजो को बढावा दिये

जाने की जरुरत है। ऐसे उन्नत किस्मो के बीज लाने चाहिए ताकि पानी की भी खपत कम हो और पैदावार भी बढे। इसी तरह से प्लांटे ान को भी पूरी हरियाणा मे बढावा देना चाहिए क्योंकि इससे जमीन ताकतवर होती है। चौधरी साहब ने नंगल इरीगे ान स्कीम अम्बाला जिले को दी। जब बरसात होती थी तो फलड उस एरिया मे बहुत नुकसान करती थी। इसी तरह से टांगडी और मारकंडा नदी के पानी की भी बात यहां पर आयी थी। हम इनका पानी आज तक कंट्रोल नही कर सके है। इस पानी को छोटे छोटे बांध बनाकर कई जगह लिफट करके बांटा जा सकता है और दो या ढाई महीने पानी की जरुरत पूरी की जा सकती है। आज भी टांगडी नदी मे पानी चल रहा है लेकिन हम इसको कंट्रोल नही कर सके है। स्पीकर साहब, इसी तरह से एक मसूरपुर लिफट इरीगे ान स्कीम है जिसके लिए सरकार ने एक करोड रुपया तो दिया लेकिन मै चाहूंगा कि बाकी पैसा भी इसके लिए मिलना चाहिए। मुझे पूरी आ ाा है कि यह स्कीम जल्दी ही भाुरु हो जाएगी। स्पीकर सर, बिजली के बारे मे हमारे विपक्ष के साथियो मे जो कंफयूजन है उसको चौधरी साहब ने दूर करने की कोि ा ा की है। इनकी बात का सारे हरियाणवी वि वास भी करते है। वे जानते है कि चौधरी साहब जिस बात को कहते है वह पूरी करते हैं। कल जो स्पीच चौधरी साहब ने दी और प्रोजैक्टस के बारे मे जो एक एक आंकडा यहां हाउस मे दिया, वह बहुत ही काबिले तारीफ था। इसके बाद उन्होने सभी विपक्षी साथयो का कंफयूजन दूरी किया। हमें आ ाा है कि इसके बाद अम्बाला जिले मे भी एक

या डेढ साल बाद पूरी बिजली आनी भुरु हो जाएगी। लेकिन स्पीकर साहब, आज वहां फ्रिक्वैन्सी और ट्रांसमि ान का सिस्टम कमजोर है। टेकडा और मोडा मे दो बिजली घर सरकार ने बनाने मंजूद किए है मेरा सरकार से आग्रह है कि इनको एक साल मे ही कम्पलीट किया जाए ताकि आने वाले समय मे वहां के लोगो को बिजली का सही रुप मे फायदा हो सके। अध्यक्ष महोदय, ऐनीमल हस्बैंडरी डिपार्टमैंट के द्वारा काफी समय पहले मेरे डिस्ट्रीक्ट मे पोलीक्लीनिक मंजूर हुआ था लेकिन किन्ही कारणव ा वह दूसरे जिलो मे ले जाया गया। उसके लिए वहां की पंचायत ने जमीन भी दे दी और वह जमीन ऐनीमल हस्बैंडरी डिपार्टमैंट के नाम भी चली गई है अतः मेरा निवेदन है कि इस पौलिक्लीनिक को पूरा किया जाए। अब मै ट्रांसपोर्ट डिपार्टमैंट के बारे मे अपनी बात कहना चाहूंगा। मेरे से पूर्व बोलते हुए बीरेन्द्र सिंह जी ने जो बात कही, उससे भी मै इस बारे मे सहमत हू। मेरेल हल्के नन्यौला मे भी 5 बसो को रुट परमिट दिए गए थे लेकिन अब केवल दो रुटस ही रह गए है और उसमे भी कोई बस खराब हो जाए तो सवारियो को बडी भारी परे ाानी हो जाती है क्योकि एक तरफ तो वहां सवारियो बहुत ज्यादा है और केवल दो रुटस है तथा दूसरी तरफ रोडवेज वाले मजबूर है कि वहां बस नही भेज सकते है। मेरा भी वीरेन्द्र सिह जी की तरह निवेदन है कि इस बारे मे लॉ मे कोई अमैडमैंट होनी चाहिए, कोई बिल इस बारे मे आना चाहिए ताकि रोडवेज वाले भी वहां बसे चला सके और लोगो की परे ाानी दूर

हो सके। इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हू।

श्री अध्यक्षः मेरा सभी माननीय सदयो से निवेदन है कि मैने आपको आ वासन दिया था कि अभी तक किसी भी सदस्य को यदि बोलने का उचित समय न मिला हो तो मै उसे बोलने का पूरा मौका दूंगा। अब यदि विपक्ष या पक्ष का कोई भी सदस्य यह महसूस करता है कि उसे समय नही मिला तो I invite him to speak. अगर अब तक किसी माननीय सदस्य को बोलने का मौका नही मिला है तो he is invited.

श्री मनीरामः अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने का मौका दें।

श्री अध्यक्षः मनीराम जी, आप बैठे आपको बोलने का मौका दिया जा चुका है। कट मो ान पर I request Shri Khurshid Ahmed to speak.

श्री खु ीद अहमद (नूंह): स्पीकर सर, जितनी भी डिमांडज है उन पर हमारे बहत से साथियो ने कट मो ान दिए हुए है इसलिए इनके बारे मे सभी मैम्बर्ज को बोलने का थोडा थोडा समय दिया जाए जिससे वे अपनी बात कह सके और उनका नजरिया हाउस के सामने आ जाए। वैसे अब बोलने के लिए रह तो कोई नही गया है।

श्री अध्यक्षः सर, आपकी मेहरबानी कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। अभी हमारे सामने डिमांडज आई है। मै सबसे

पहले इंडस्टरीज की डिमांड को रैफर करुंगा। डिमांड नं0 16 मे भाुरु मे जब यह असैम्बली इलैक्ट हो कर आई थी, उस वक्त मैने प्वायंट उठाया था कि स्टेट की इंकम को मोपअप किया जए और उसे सरकार अपने हाथ मे ले तो हमारे बहुत से टैक्सेज जो हमने लोगो पर लगाए है, वह बच जाए। जो हमारे हाथ मे उस दिन सोर्सिज थे, बजाय इसके कि कोई यह कहे कि पिछली सरकारो ने यह किया, मौजूदा सरकार की चाल उनसे भी ज्यादा टेढी निकली है, मै आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं कि एक दफा माइंज और मिनरल्ज के बारे मे यह बात आई थी तो मैने कहा था कि माइंज एण्ड मिनरल्ज मे बहुत बडा सकैण्डल चल रहा है और बिल्कुल निराधार तरीके से बडे बडे लोगो को लीजिज मेजर मिनरल्ज के नाम पर दी गई है। माईन्ज–मिनरल्ज को लम्बी अवधि के लिएलीज पर लेने का तो बहाना है।मेजर मिनरल्ज वहां नही है। वहां किसी भी चीज का नाम लेकर लाइसैंस दिया गया है चाहे वह सिलका के नाम पर दिया गया हो या चाईना के नाम पर दिया गया है। इनमे भाब्दो का अंतर है। वास्तम मे उनके नाम पर लम्बी अवधि की लीज दी गई है। जबकि वहां पर निकलता है सिर्फ स्टोन मैटल्ज लोकि लोक निर्माण मंत्री जी के विभाग की सडके बनाने के काम आता है। स्टोन कै ार वालो के काम आता है या बजरपुर वालो के लिए पत्थर से बजरी बनाने के काम आता है। सरकार की एक संस्थान एच0 एल0 एल नाम की थी जो मिनरल्ज का काम करती थी जिससे स्टेट को काफी आमदनी होती थी। परन्तु उस संस्थान के साथ भी अन्याय हो रहा है। वहा ंपर

प्राईवेट लीज होल्डरो ने कब्जा किया हुआ है। उसकी एक मिसाल मै सदन के सामने रखता हूं। (इस समय श्री उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, 1996 मे जब यह सरकार बनी, उस समय एक प्राईवेट लीज होल्डर ने फरीदाबाद मे एक डिसम्यूट डाल दिया कि मेरी डिमारकोन दोबारा कराई जाये। उसकी लीज तो 1983 मे हुई थी लेकिन उसको रिडिमारके ान के लिए 1996 मे जरुरत महसूस हुई। रिडिमारके ान उस एरिया से कराई गई जहां से बजरपुर निकल सकता था और एच0 एम0 एल0 को आमदनी होती थी। झूठी डिमारके ान बनाकर एच0 एम0 एल0 की डिमारके ान को रद्द कर दिया गया। जब एच0 एम0एल0 की तरफ से चैलेंज किया गया कि यह डिमारके ान गलत की गई है क्योंकि इसमे फरीदाबाद और वल्लभगढ का एरिया दिल्ली मे द ा्र दिया गया है। जहां पर बजरपुर निकलता था, उस सडक को हरियाणा मे द ार्या गया है। फरीदाबाद और वल्लभगढ की सडक हरियाणा मे होने की बजाय दिल्ली मे द ा्रायी गई। एच0 एम0 एल0 ने जब कहा कि हमारे साथ बडा अन्याय हुआ है और जब दोबारा डिमारके ान हुई तो गुडगांव और फरीदाबाद के रास्ते मे एक फर्लांग उपर जाकर हरियाणा का रकबा दिल्ली मे चला गया। 1997 मे दिसम्बर मे जब रिडिमारके ान हुई तो यह बात इस सरकार के सामने आई कि एच0 एम0 एल0 को कब्जा नही दिया गया इसलिए कि वह सारी डिमारके ान के बेसिज पर था और इससे प्राईवेट लैसी की आमदनी पर फर्क पडता है। कितना फर्क पडता है कि जिस दिन डिमारके ान हुई थी उस दिन एम0 एम0

एल0 की रिटर्न 170016 मीटिक टन बजर पुर सैंड थी और जब 1996 मे कब्जा हुआ तक घटकर 341980 मीट्रिक टन हो गई। अब यह घटती ही जा रही है। अब यह धटकर 57299 मी0 टन हो गई है। पडोसी लैसी की रिटर्न जब तक उस पर कब्जा नही हुआ था उस समय 1464768 मी0 टन थी जो एक साल के लिए थी फिर जब यह कब्जा हो या तो पहले साल मे उसकी आमदनी लैंड एक्सकाबेजन का वेट बढने से 14 लाख से बढकर 1759475 मी0 टन हो गई है और आज बढकर 2086479मी0 टन तक पहुंच गई है। प्राईवेट लैसी की आमदनी 14 लाख से बढकर 20 लाख हो गई है जिसमे हेराफेरी हुई हैं और उसको एक ट्रक पर 1500 रुपये बचते है। इस हिसाब से देखा जाएतो मै बता देता हूं कि वह ************** एम0 पी0 है। (विध्न) मेरा जिगरी मित्र और आपका परम मित्र है। आज जब दोबारा डिमारके ान होकर आई है, जो पिछले साल दिसमंब मे ही हो गई थी, अब तक उस का कब्जा नही लिया गया है। अब मैने लेटैस्ट बात सुनी है कि इन दोनो के बीच रिकंसीलिए ान के लिए डायरैक्टर आफ कंसोलिडे ान की डयुटी लगाई गई है। वह तय करेगा, इसके एक साल के लिए अगर वह ले गया तो फिर आप देखिये कि एच0 एम0 एल0 को उस मे कितना मुनाफा अथवा नुकसान होगा। पिछली सरकारो के स्कैंडल छोटे पड जाते है जब इतने बडे बडे स्कैंडल इस सरकार के समय मे हो रहे है । जो डिमारके ान की गई हे उसको मेरे पास लेटैस्ट नक ाा है, अगर आप इजाजत दे तो मै रुलज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस के रुल 107

के तहत उसको आपको दे देता हूं। आप इसकी वैरीफिके ान करा सकते है। (विघ्न)

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): उपाध्यक्ष महोदय, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। खु ीिद अहमद जी बहुत वरिश्ठ नेता है। ये पार्लियामैंट मे भी रहे है और विधान सभा मे भी रहे है। कई मरतबा ये मंत्री रह चुके है। चूंकि *************इस सदन मे उपस्थित नहीहै। वे इस वक्त लोकसभा के सदस्य है। (विघ्न) रिकार्ड कलीयर हो जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जिस की खु ीिद अहमद जी बात कर रहे है उनका बडा भाई प्रताप सिंह पिछले 35 सालो से कायदे कानून के मुताबिक यह कार्य कर रहा है।

श्री खु ीिद अहमद: उपाध्यक्ष महोदय, मैने यह नही कहा कि लीज नही ले रहे है। लीज तो 1983 से ली गई है।

श्री राम बिलास भार्मा: उपाध्यक्ष महोदय, ********* का नाम सदन की कार्यवाही से डिलीट किया जाना चाहिए क्योंकि वे सदन मे उपस्थित नही है।

श्री उपाध्यक्ष: यह जो नाम श्री खु ीिद अहमद ने लिया है, उसे सदन की कार्यवाही से डिलीट किया जाए।

श्री खु ीिद अहमद: उपाध्यक्ष महोदय, मैने तो इन का नाम लेना ही नही था। मुझे तो नाम लेने के लिए इन्होने मजबूर किया है। (विघ्न) इस हाउस मे एक ए योरैंस भी दिया गया था

कि इस निगम को कैसे बचाया जाएगा? इसके लिए हाउस की एक सब कमेटी भी बनी थी तथा उस कमेटी मे वही लोग लिए गए जिन की वजह से यह आमदनी घट रही है। उस कमेटी ने क्या रिपोर्ट दी है वह आज तक गुप्त रखी गई है। उस बारे मे किसी को कुछ पता नही है। हाउस को भी पता नही है। वह प्राईवेट लैसी जिसको एडवांटेज मिला है, भी उस कमेटी का एक मैंबर था। (विघ्न)

श्री करता सिंह भडानाः उपाध्यक्ष महोदय,जो कुछ खु ीिद अहमद जी ने हाउस के अंदर बताया है उसमे कुछ सच्चाई तो है लेकिन ऐसी कोई बात नही है कि जिससे सरकार का रैवेन्यू का लौस हुआ हो। इस बारे मे मुझे ज्ञान है इसलिए मै बता रहा हूं। जहां तक रैवेन्यू की बात है वह अब 3 गुना हो गया है लेकिन डिमारके ान का काम तो रैवेन्यू विभाग का है, इसको वह देखेगा। इस मे सरकार का कोई काम नही है। (ाोर)

श्री खु ीिद अहमदः उपाध्यक्ष महोदय, इन्होने मूल बात का तो समर्थन किया है कि उसमे औकुपे ान व डिमारके ान का झगडा है, कही न कही कुछ गडबड है और इसके लिए सरकार की कोई जिम्मेवारी नही है क्योंकि यह तो रैवेन्यू डिपार्टमैंट का काम है। यह रैवेन्यू विभाग श्री सुरजपाल जी के पास है, इसलिए यह भी तो सरकार का काम हो जाता है कि जितनी जल्दी हो सक एच0 एम0 एल0 को इन लोगो से बचाने की को ि ा ा करे, उसका हम उसे दिलाए, उसकी आमदनी जो 7 लाख टन से

धटकर 57 हजार हो गई है उसको वापिस करवाएं और जो लाभ लीज होल्डर ले रहे है वे किसी भी तरीके से रैस्टोर होने चाहिए। मेरी रैवेन्यू मिनिस्टर से भी और सरकार से भी दरखास्त है कि जल्दी से ये एच0 एम0 एल0 को रैस्टोर करवा दें। दसमे पिछली सरकार का कोई हाथ नही है। यह एक ऐसा धब्बा है जिसको आपकी सरकार धो सकती है।

श्री करतार सिंह भडाना: जो डिमारके ान है वह सैन्टर गवर्नमैंट का मसला है और इसमे स्टेट गवर्नमैंट का हाथ नही है। हमारी सरकार का चाहे वह रैवेन्यू डिपार्टमैट है या कोई और डिपार्टमैंट है इसमे किसी का दोश नही है। हाई कोर्ट ने आदे ा किए कि इसकी सैंटरल गवर्नमैंट डिमारके ान करेगी।

श्री राम पाल माजरा (पाई): डिप्टी स्पीकर साहब, मै डिमाण्डज पर बोलने के लिएखडा हुआ हू। मै सर्वप्रथम डिमाण्ड नं0 17 पर कहूंगा। हमारा प्रदे ा कृशि प्रधान प्रदे ा है। जिस प्रदे ाके किसान दुखी हो वह कैसे तरक्की कर सकता है। कर्ण सिंह दलाल को सबसे ज्यादा इस बात को महसूस करना चाहिए कि पंजाब मे बिजली के बिल माफ है अगर वहां टैक्टर खरीदने जाते है तो सैलज टैक्स 2 प्रति ात लगता है। जबकि हरियाणा मे यह साढे चार प्रति ात है, हिमाचल प्रदे ा मे डेढ प्रति ात और चण्डीगढ मे 2 प्रति ात सेल्ज टैक्स लगता है। अगर टैक्टर का कोई स्पेयर पार्ट खरीदना चाहे तो हरियाणा मे 10 प्रति ात, पंजाब मे 2 प्रति ात और राजस्थान मे 4 प्रति ात सेलज टैक्स

लगता है। हरियाणा के किसानो को ट्रैक्टर के रेट पर 5000 से 7000 हजार की सबसिडी मिल जाए तो यह बहुत अच्छा होगा। हरियाणा मे वाटर लैवल भी नीचे चला गया है। जब किसान कुएं मे मोटर का पटटा डालने के लिए नीचे जाते है तो जहरीली गैस के कारण या बिजली का करंट लग जाने से वे मर जाते है। कई किसानो के नौजवान बच्चे इसलिए भी मर जाते है कि किसी को सांप काट जाता है या किसी पर आसमानी बिजली गिर जातीहै। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वह ऐसे किसानो को पुरा मुआवजा देने का कोई बिल पास करे। हमारे माननीय मुख्य मंत्री कल एक लिस्ट पढ रहे थे कि किसान कर्जदारी के वक्त मे कैसे मरे उन्होने बतायाकि इनमे से बहुत से जाट थे। जगननाथ जी बडे खु ा हो रहे थे कि जाट है ये तो मरेगे ही। मै इनका ध्यान दिलाना चाहता हूं कि राजकुमार पुत्र मामन, जाति हरिजन, वासी सीवन, उम्र करीब 30 साल ने बयान दिया है कि मै उपरोक्त पते का रहने वाला हूं और मेहनत मजदूरी का काम करता हू।मै भाादी ाुदा हूं। मेरे पास एक लडका और एक लडकी यानि दो बच्चे है। मेहनत मजदूरी से मेरा घर का खर्चा नही चलता इसलिए मेरे पास काफी देनदारी हो गई थी। देनदारी वालो की टोका टोकी से मै तंग आ गया था अतः मैने आत्महत्या करने के लिए गेहूं मे रखने वाली गोलिया जो कि मै काफी पहले कैथल से लाया था और जिन्हे मैने घर मे छुपा कर रखा हुआ था, खा ली। उपाध्यक्ष महोदय, जो मेहनत करता है वह किसान है लेकिन जो वह हरिजन मरा है वह किसान से भी आगे है। आप कह रहे है

कि वह किसान नही है। इसने भी आत्महत्या की है। यह मेरे पास इसकी पोस्टमार्टम और उसकी डाईंग डिक्लेयरे ान की रिपोर्टस है। क्या हरिजन इंसान नही होता क्या हरिजन मरने के लिए है? उपाध्यक्ष महोदय, अब मै बहुत बुद्धिमान ि ाक्षा मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि 1991 को गैंसस के मुताबिक हमारे प्रदे । मे लिट्रेसी रेट बहुत कम है। उपाध्यक्ष महोदय, 1991 को सैंसेस के मुताबिक वि व का लिट्रेसी रेट 77.4 परसैंट है, भारतवर्श का 92.21 परसैंट है, हरियाणा का 54.85 परसैंट है चण्डीगढ का लिट्रेसी रेट 77.81 परसैंट है और दिल्ली का 79.25 परसैंट है। ि ाक्षा मंत्री जी ने एक बात कही थी कि गवर्नमैंट स्कूल का प्लस टू का एक छात्र प्रथम स्थान पर आया है। मै उनको कहता हूं कि प्राइमरी एजुके ान को स्ट्रैंग्थन करने की जरुरत है। मिडिल स्कूलो के परीक्षा परिणामो की 10 स्कूलो की लिस्ट मेरे पास है। इन स्कूलो मे एक भी बच्चा प्रथम नही आया। इसलिए प्राइमरी एजुके ान को स्ट्रैंथ करने की बहुत ज्यादा जरुरत है। हमारे माननीय सदस्य श्री निर्मल सिंह जी ने कहा था कि ि ाक्षा को टी0 बी0 के साथ जोडा जाना चाहिए। मै इनको बताना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने गांव के स्कूलो मे टी वी दिए थे लेकिन बहुत से स्कूलो मे बिजली का कनैक ान ही नही है वहां पर टी वी क्या काम करेगा? ये टी वी टीचर्ज के घरो मे रखे हुए है। मै इस बात को मान कर चलता हू कि हमारे ि ाक्षाविद मंत्री जी ि ाक्षा की तरफ बहुत कम ध्यान दे रहे है। आज हर गांव की चौपालो मे प्राईवेट स्कूल चल रहे है इसलिए सरकारी स्कूलो मे कोई बच्चा पढने के लिए नही

जा रहा है। जबकि प्राईवेट स्कूल के मास्टर की तनख्वाह कम है और उस प्राईवेट स्कूल मे दूसरी सहूलियते भी नही है। गवर्नमैंट स्कूलो मे मास्टरो की तनख्वाह भी ज्यादा है और सहूलियत भी ज्यादा है लेकिन हमारे गवर्नमैंट स्कूलो का प्राईवेट स्कूलो के मुकाबले मे अच्छा रिजल्ट नही आ रहा है। मै सरकार से एक निवेदन करुंगा कि सरकार प्राईवेट स्कूलो की फीसो पर बंदि ा लगाए। किसी प्राईवेट स्कूल की 62 हजार साल की फीस है और किसी की 21 हजार रुपये महीना है। आज बच्चो के अभिभावक यह समझते है कि उनके बच्चे अंग्रेजी बोलना सीख जाएं, हमे मम्मी डैडी कहना सीख जाए इसलिए वे प्राईवेट स्कूलो मे ज्यादा फीस दे कर अपना ज्यादा खच्र कर रहे है। मै मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि पंजाब प्रदे ा की तर्ज पर हमारे यहां पर भी आप पहली कक्षा से बच्चो को अंग्रेजी सिखाना भाुरु कर दे ताकि बच्चो का पब्लिक स्कूलो की तरफ यानि प्राईवेट स्कूलो की तरफ रुझान कम हो और जो गरीब लोगो के बच्चे है वे भी गवर्नमैंट स्कूलो मे जा कर अंग्रेजी पढने का काम करेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, जिन गवर्नमैंट स्कूलो के परिणाम बहुत नीचे चले जाते है उनका बी0 डी0 ओ0 और डी0 पी0 आई0 कभी भ जा कर निरीक्षण नही करते है। मै मंत्री जी से निवेदन करुंगा कि मंत्री जी ऐसे स्कूलो का निरीक्षण करवाएं और ि ाक्षा मे सुधार लाने का काम करें।उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक जनरल एडमिनिस्ट्रे ान की बात है जनरल एडमिनिस्ट्रे ान कोई ज्यादा फुर्ती के साथ काम नही कर रहा है। देखने मे आया है कैथल मे इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट की जमीन

पर रातो रात दुकाने बन गई। इसी तरह से वहां पर मार्किट कमेटी की पुरानी अनाजी मंडी के अंदर 12 दुकाने रातो रात आ गई। यदि फुर्ती के साथ काम किया जाता तो कोई नाजायज काम नही होते। वह करोडो रुपये की जमीन है। सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। धन्यवाद।

कैप्टल अजय सिंह यादव (रिवाडी): उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं। सबसे पहले मै मांग नं0 15 पर अपने विचार व्यक्त करना चाहूंगा। उस वक्त की सरकार द्वारा 1977 के अंदर थीन डैम से गोविन्द सागर मे 1.8 मिलियन एकड फीट पानी डालने की बात कही गई थी। यह पानी दक्षिणी हरियाणा के लिए आना था। उस वक्त लोक दल की सरकार थी। हमें एस0 वाई0 एल0 कैनाल का 1.8 मिलियन एकड फीट पानी मिलना था लेकिन वह पानी हमें देने की बजाय सिरसाकी तरफ ले गए, हिसार की तरफ ले गए जबकि हमारा इलाका उसका हकदार था। यह इलाका इस पानी से वंचित हो गया। इस पानी की वज से सिरसा व हिसार जिलो मे तो सेम हो गई जबकि हमारे यहां पर जो डिस्ट्रब्यूटरीज है, उनकी टेल एण्ड पर पानी नही पहुंच पाता। खाले बना दी गई, डिस्ट्रीब्यूटरीज बना दी गई लेकिन पानी नही दिया गया। हमारा इलाका सूखा पडा है। हमारे वहां पर पीने के पानी की समस्या है। मुख्य मंत्री जी कह रहे थे कि 111 करोड रुपये की लागत से एक ड्रेन बनाएंगे और इसके द्वारा फालतू पानी इधर लाएंगे। मै बताना

चाहूंगा कि आज महेन्द्रगढ, पटौदी, मेवात या उस तरफ का दूसरा जो एरिया है उसमे पानी नही है। सरकार को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। सरकार ने जो वायदा चुनाव मे किया था उसके बारे मे इनको कुछ सोचना चाहिए। सरकार इस काम के लिए 1858 करोड रुपये का लोन लेने जा रही है। जबकि हमारे सर छोॲ रापम जी ने इसलिए बनियो की बहिया फडवा दी थी उनको जलवा दिया था क्योंकि उन्होने हमारे जमींदारो को कर्ज दिया हुआ था। जबकि ये कर्ज पर कर्ज लिए जा रहे है। जो ये कर्ज ले रहे है उसका 14 परसैंट इंट्रस्ट के हिसाब से 350 करोड रुपया इनको ब्याज देना पडेगा जबकि पानी से फिर भी हम वंचित है। उपाध्यक्ष महोदय, नरवाना ब्रांच, भाखडा ब्रांच, मेन लाईन जो है इसमे से हमे 2700 क्यूसिक पानी कम मिल रहा है, हमारे इलाके को कम पानी मिल रहा है, उसकी डिसिल्टिंग नही हो रही जिस वजह से कुछ पानी तो पंजाब ले जाता है और कुछ पानी हिसार या सिरसा की तरफ चला जाता है। पानी का सही तरीके से बंटवारा होना चाहिए। जैसा मैने पहले बताया कि हिसार व सिरसा मे तो सेम आ रही है जबकि हमारे यहां पर लिफट की जो कैनाल है उसमे पानी नही आ रहा है। चौधरी बंसी लाल जी लिफट कैनाल की बात करते है, 1.8 मिलियन एकड फीट पानी की बात करते है और उतर प्रदे ा से पानी लाने की बात करते है। मै सरकार के नोटिस मे लाना चाहूंगा कि हमारे यहां पर लिफट की जो स्कीमे थी, उनकी 30 प्रति ात से ज्यादा मौटरे खराब हो चुकी है, पुरानी हो चुकी है। हमारे यहां पर जो डिस्ट्रीब्यूटरीज है

उनमे टेल एण्ड तक पानी नही जाता। उनमे गादड ब्या गये है। उनकी पूरी तरह से सफाई नही हो रही है। मै चाहूंगा कि इन डिस्ट्रीब्यूटरीज की मौके पर जा कर निरीक्षण की जाये और उनकी सफाई कराई जाये। उपाध्यक्ष महोदय, मसानी बैराज के लिए हमारे लोक दल के इन भाईयो ने करोडो रुपये लगाकर हजारो एकड जमीन एक्वायर की और उस जमीन पर दिल्ली को बचाने के लिए मसानी बैराज बनाया गया। चौधरी बंसी लाल जी जो विपक्ष मे बैठा करते थे तब कहा करते थे कि मै कुश्णावती, दोहान और साहबी नदियो का पानी हरियाणा मे लाने के लिए, हरियाणा सरकार को राजस्थान सरकार से बात करनी चाहिए। लेकिन आज ये स बारे मे कोई बात नही कर रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, जब राजस्थान मे नदियो का पानी ज्यादा हो जाता है तो वे इस पानी को हमारे इलाके मे छोड देते है, जिससे हमारे इलाके की सारी फसल बर्बाद हो जाती है। इसके अलावा इसी हाउस मे आ वासन दिया गया था कि हम मसानी बैराज पर भाटर्ज लगायेंगे, लेकिन अभी तक वहां पर भाटर्ज नही लगे है, उसका पानी वहां पर तबाकी मचाता है। उपाध्यक्ष महोदय, इस बैराज के बनाने के लिए जो जमीन किसानो से ली गई थी उसके लिए उन्हे मुआवजा भी नही दिया गया है। इस बैराज की एक 6 फुट उंची दीवार बना दी है जिसके कारण उन बेचारे किसानो के मकान और खेत डुबे पडे है। उपाध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय गंगा का पानी हरियाणा मे लाने की बात कर रहे है, लेकिन मै तो इनसे यह कहता हूं कि आप गंगा के पानी की बात तो छोडिये, आप एस0 वाई0 एल0

कैनाल बनाकर ही हमे हमारी हिस्से का पानी दे दो। उपाध्यक्ष महोदय, मैने देखा है कि इस बजट के अंदर एस0 वाई0 एल0 कैनाल के बारे मे बहुत ही मामूली तरीके से बात कही गई है।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): उपाध्यक्ष महोदय, मसानी बैराज मेरे लायह दोस्त कैप्टन साहब के इलाके मे है, इस बैराज मे भाटर्ज तो तभी लगाये जा सकते है जब इसमे पानी आता हो। उपाध्यक्ष महोदय, मै कैप्टन साहब से पूछता हूं कि क्या ये मसानी बैराज को एप्रूव करते है, क्या इसके बनने के बाद से उसमे कभी पानी आया?

कैप्टन अजय सिह यादवः उपाध्यक्ष महोदय, 1995–96 मे मसानी बैराज मे पानी आया, लेकिन इस बार अब तक उसमे पानी नही आया। उपाध्यक्ष महोदय, मै एक बात और कहना चाहता हू। (ोर एवं व्यवधान)

सिंचाई मत्री (श्री हर्श कुमार): उपाध्यक्ष महोदय, साहबी नदी पर बांध बनने के बाद राजस्थान सरकार ने भी इस नदी पर 3 बांध पीछे बना लिये, इसलिए उधर का पाी तो इधर आता नही है। यह जो मसानी बैराज बना है चाहे किसी भी सरकार के दिमाग की उपज हो, इसका कोई भी उपयोग नही हैं।

कैप्टन अजय सिह यादवः उपाध्यक्ष महोदय, मै यह बात कह रहा था कि जब राजस्थान मे पानी फालतू हो जाता है तो ये अपने इलाके को तो डूबने नही देते,बल्कि उससे पहले ही अपने

उन बांधो को तोड देते है। उनके बांध कच्चे बने हुए है जिसके कारण हमारे इलाके मे बाढ आती है। मै इरीगे ान मंत्री से कहना चाहता हूं कि जब बरसात के दिनो मे जमुना और जे0 एल0 एन0 कैनाल के अंदर ज्यादा पानी होता है तब आप इस पानी का उपयोग कर सकते है। अगर आप लोग जे0 एल0 एन0 कैनाल का एक छोटा सा हिस्सा भी मसानी बैराज मे जोड दे तो यह फालतू पानी मसानी बैराज मे जा सकता है और वहां इसका उपयोग हो सकता है। उसमे ज्यादा पैसा भी नही लगेगा।

श्री धीरपाल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै स्टेट इरीगे ान मंत्री की रिप्लाईके बारे मे कहना चाहता हूं कि1977 या इससे पहले साहबी नदी मे कई बार 30–40 हजार क्यूसिक फुट पानी डेली आता रहा है। मंत्री जी को उस इलाके के बारे मे पूरी जानकारी नही है। बाहली, झज्जर, रिवाडी और पटौदी वगैरह का जो इलाका है उस मे इस नदी से भयानक तबाही होती थी लेकिन उन लोगो को बचाने के लिए मसानी बैराज की आव यकता महसूस की गई। लेकिन इसको बनाने के बाद राजस्थान सरकार ने भी इसनदी पर अपने यहां बांध बना लिये। उपाध्यक्ष महोदय,माननीय ि ाक्षा मंत्री जी यहां बैठे हुए है, चौधरी बंसी लाल जी तो इस समय बैठेनही है लेकिन जब ये विपक्ष मे हमारे साथ बैठते थे और उधर चौ0 भजन लाल जी बैठते थे तो ये बार बार कहते थे कि राजस्थान सरकार पर दबाव डालकर जो राजस्थान की भूमि पर उनहोने बांध बनाये हुए है, उन बांधो को

हटवाया जाये और इस साहबी नदी के पानी मे हमारा जो हिस्सा है, वह हमें दिलवाया जाये। लेकिन अब इन्होने पानी का वह हिस्सा तो लिया नही और बेवजह की गुमराह करने वाली बातें कर रहे है। (इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जहां तक बिजली की स्लैब प्रणाली का संबंध है, इस बारे मे मै कुछ कहना चाहता हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब आप दो मिनट मे कन्कलूड करें। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैने तो अभी बोलना भाुरु ही किया है। (घंटी) अध्यक्ष महोदय, स्लैब सिस्टम पहले सरकार ने खत्म किया और फिर उसको दोबारा लागू भी किया गया है। सरकार यह बताए कि यदि इस सिस्टम को दोबारा लागू करना ही था तो किसी किस्म को कोई सर्वे करवाया है? अध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय राम बिलास भार्मा जी यहां पर बैठे हुए है इन्हे उस इलाके के बारे मे पूरा ज्ञान है कि वहां पर जो टयूबवैल लगे हुए है वे 70 या 80 फुटकी गहराई पर स्टार्ट होते हैं हमारे इलाके की समस्या यह हैकि उन इलाके के साथ ईक्वेट कर दिया गया है जहां पर चार चार फसले साल में होती है। हमारे इलाके मे तो सारे साल मे एक ही फसल होती है। (घंटी) हमारे यहां पर नहरो का पानी लगता है और लोग वहां पर

सिंचाई के लिए टयूबवैलो पर ही निर्भर करते है। जहां पर नहरे है वहां पर आबियाना 20 रुपये है। (विघ्न)

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय कैप्टन साहब ने स्लैब सिस्टमके बारे मे भाायद पूरी तरह से अध्ययन नही किया है। इसमे कोई कन्फयूजन वाली बात नही है। अध्यक्ष महोदय, अम्बाला जिले के लोगो ने कहा है कि यह सिस्टम किसानो के लिए बहुत लाभदायक है। अध्यक्ष महोदय महेन्द्रगढ और लोहारु के एरिया के किसानो को बिजली बोर्ड से चिठठीयां आई है कि जिन लोगो ने बिल ज्यादा जमा करवाए है या जिन्होने जितना अधिक बिल पे किया है, वे अब उसबिल को या तो अगले बिल मे एडजस्ट करवा ले या फिर अगर वे चाहे तो पैसा उनको वापिस मिल सकता है। इस स्कीम से किसानो को बहुत लाभ हुआ है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय जिस सर्वे की ये बात कर रहे हैवह भी हो रहा है। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव: अध्यक्ष महोदय,*********************

Mr. Speaker: Now, I request Capt. Ajay Singh to take his seat. (interruption) Nothing is to be recorded.

श्री बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां): स्पीकर साहब, मैने बजट डिमाण्डज 1998—99 मे डिमाण्ड नं0 2, डिमाण्ड नं0 4,डिमाण्ड नं0 8, डिमाण्ड नं0 10, डिमाण्ड नं0 15 और डिमाण्ड नं0 21 पर कट मो ान्ज दी हुई है। इन डिमाण्डज पर मै दो दो

मिनटस अपने विचार रखना चाहूंगा। स्पीकर साहब, सबसे पहले मै जनरल एडमिनिस्ट्रे ान के बारे मे कट मो ान पर बोलना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय 1977 मे जब हम पहली बार विधान सभा मे चुन कर आए थे, उस वक्त तनख्वाहो पर टोटल बजट का 36 पैसे का खर्च होता था।

बैठक का समय बढाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting be exended by 30 minutes.

Voices: Yes.

Mr. Speaker: Time of the sitting is extended by 30 minutes.

वर्श 1998–99 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, उस वक्त इम्पलोइज की सैलरी पर तथा जो भते हम उनको देते थे, पर टोटल बजट का 36 पैसे इस मद पर खर्च होता था। लेकिन आज फिगर्ज़ रिवर्स हो गई है। आज यह फिगर 36 की बजाय लगभग 63 हो गई है। मेरे पास पूरे आंकडे तो नही है लेकिन मेरा अनुमान है कि यह फिगर लगभग 63 हो गई है। इरीगे ान डिपार्टमैंट ने जो पैसा डिवलैपमैंट के काम के लिए रखा गया है वह बहुत ही कम है क्योंकि उस पैसे का 72 प्रति ात हिस्सा तो तनखवाह मे ही चला

जाता है। यह बहुत ही गम्भीर समस्या है। आज आप किसी भी दफतर मे जाकर देख लें, एक आदमी की जगह पर 4–4 आदमी काम के लिए लगा रखे है। कोई एक आध आदमी ही सिरियसली किसी दफतर मे काम करता होगा वरना तो कई ऐसे है जो हाथ पर हाथ रखकर बैठे मिलेंगे। उनमे से अगर किसी को कोई काम कह दिया जाये तो वह कहेगा कि यह मेरा काम नही है यह फलाने का काम है और किसी दूसरे पास जाओ। जब दूसरे के पास जाओगे तो वह भी यही कहेगा कि यह मेरा काम नही है। आज कोई भी सिरियसली काम नही करता है। अध्यक्ष महोदय, आई0 ए0 एस0 के कैडर मे 64 पोस्टे ऐसी है जो एच0 सी0 एस0 से प्रमोट करके भरी जाती है लेकिन आज इनमे से 30 भरी हुई है और 34 खाली पडी हुई है। कांस्टीच्युए ान में मैंडेटरी है कि हर साल डी0 पी0 सी0 की मीटिंग होनी चाहिए और जो सीनियर एच0 सी0 एस0 है उनको पदोन्नति मिलनी चाहिए। पिछले चार साल से जिसमे दो साल भजन लाल जी की सरकार के थे और अब दो साल इस सरकार को आए हुए हो गए है, इस बारे में इसकी कोई भी मीटिंग नही हुई है। ये जो पोस्टे खाली पडी हुई है उसके बारे मे सरकार कोई चिंता नही है। अध्यक्ष महोदय यह सरकार एफि ाएंट एडमिनिस्ट्रे ान तभी दे सकती है जब यह सरकार उन आफिसर्ज पर भरोसा करे। सरकार के जो मुखिया है जो सरकार चलाते है ऐसे करीब 30 से उपर एफ0 सीज0 और सैक्रेटरी रैंक के आफिसर्ज है। उनमे से 16 आफिसर्ज तो ऐसे मिलेगे जिनको ऐसी जगह पर लगा रखा है जहां पर कोई काम नही है। उनको

कहते है कि आओ, बैठो चाय पियो और अपने घर चले जाओ। जबकि किसी किसी आफिसर को तो चार चार आदमियो का काम दे रखा है। अध्यक्ष महोदय, सभी आफिसर्ज एफि ंएट होते है हर कोई अच्छा काम कर सकता है। अध्यक्ष महोदय, पिछले 32 सालो मे हरियाणा बनने के बाद हमारे यहां पर एक सिस्टम डवैल्प हुआ है कि हम अधिकारियो को ग्रुप के हिसाब से देखने लग गए है कि फलाना अधिकारी किसी खास के साथ जुडा हुआ है और फलाना आदमी उसके साथ है। अध्यक्ष महोदय, मै इनको कहना चाहता हू ंकि प्र ाासन को चुस्त दुरुस्त करने के लिए हर अधिकारी पर वि वास करना पडेगा। जो अधिकारी धोखा देता है उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए और उसके खिलाफ जो भी सजा बनती हो वह उसको दी जाए। यह तो मैने जनरल एडमिनिस्ट्रे ान की बात कही है। इसके अलावा मै यह भी कहना चाहूगा कि आप अपने खर्चो को कम करने के लिए भी एक कमेटी बनाएं। फोरचुनेटली लीडर आफ दी हाउस भी यही बैठे है। आज सैन्ट्रल गवर्नमैंट के कर्मचारियो के रिटायरमैंट की उम्र 58 साल से 60 साल तक कर दी है। मै यह बात साफ करना चाहता हूं कि हरियाणा के अंदर सरकारी अधिकारियो के रिटायर होने पर कम से कम 25 हजार नौकरियां उनकी जगहो पर दी जाती है। अगर सरकार यहां भी इस उर्म को बढा देती है तो बहुत से नौजवान नौकरियो से वंचित हो जाएंगे। अध्यक्ष महोदय 58 साल की उम्र के व्यक्ति को जितनी तनख्वाह मिलती है उतनी तनख्वाह मे तीन नए नौजवानो को नौकरी मिल जाएगी तो हम सरकार से

यह आ वासन चाहेंगे कि इन परिस्थितियो को देखते हुए जबकि हरियाणा के अंदर बेरोजगारी बढ रही हो तो सरकार 58 साल से 60 साल उम्र बढाने मे कोताही बरतेगी और केन्द्र सरकार को इस मामले मे फोलो नही करेगी। स्पीकर साहब, बहुत सी स्टेट्स ने इस बारे मे मना कर दिया है कि हम यह उम्र 58 साल से 60 साल नही करेगे ताकि नौजवानो को नौकरियो मिल सके। इसके अलावा मै इरीगे ान के बारे मे अपने विधान सभा क्षेत्र से संबंधित कुछ चर्चा करना चाहूंगा। मेरे चुनाव क्षेत्र मे नरवाना डिवीजन और हिसार डिवीजन से सिंचाई व्यवस्था का प्रबंध होता है। इनमे से एक डिवीजन का एस0 ई0 कैथल मे बैठता है। हमारे यहां पर एक ही डिवीजन के अंदर दो तरह के सिस्टम है जैसे अभी यहां पर स्लैब सिस्टम की बात आयी थी। वैसे तो हमारे यहां भी दो तरह की सिंचाई की व्यवस्था के सिस्टम है, स्पीकर साहब, पिछले साल भी मैने इस बात का जिक्र किया था और लीडर आफ दी हाउस ने मेरी बात को ठीक मानते हुए यह कहा था कि हम इसको दिखवाएंगे। स्पीकर साहब, एक रजवाहा तो हमारे यहां महीने मे आठ दिन चलता है और 21 दिन बंद रहता है और इसी के साथ साथ दूसरी नहरो मे पानी 15 दिन चलता है और 15 दिन बंद रहता है। मैने यह कहा था कि हमारे साथ यह डिस्क्रिमिने ान पिछले आठ नौ साल से हो रहा है।

श्री बंसी लालः तब आपकी ही सरकार थी।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अगर हमारी सरकार ने कोई गलती की है तो हम अब आपसे उम्मीद करेंग कि आप उसको ठीक करें। अगर आप भी उनको ठीक नही करते तो हम समझेगे कि हममे ही कोई कमी है या हमने कोई गुनाह किया है। स्पीकर साहब, उस रोटे ान सिस्टम को ठीक किया जाय और दूसरी नहरो की व्यवस्था की तरह हमारे यहां की नहरो मे भी 15 दिन पानी चलना चाहिए और 15 दिन बंद रहना चाहिए। स्पीकर साहब, हमारे यहां धमातन और सुदकन दो डिस्ट्रीब्यूटरी है इनमे से एक नरवाना विधानसभा क्षेत्र को फीड करती है और दूसरी उचाना विधान सभा क्षेत्र को फीड करती हैं। मेरा सरकार से यह अनुरोध है कि इस गलती को ठीक किया जाये ताकि किसानो को वहां पर पूरा पानी मिल सके और किसान वहां दो फसल ले सके इससे किसान वहां अन्न भी ज्यादा पैदा कर सकेंगे। स्पीकर साहब, इसके अलावा मै यह भी कहना चाहूंगा कि जब टांगडी, मारकंडा या घग्गर नदी पर हम बैराज बनाने की बात करते है तो हमे इस बात को भी ध्यान मे रखना होगा कि पिछले लोकसीाा के चुनावो मे दडबा कलां कांस्टीच्युएंसी मे कम से कम दो दर्जन गावों वालो ने इन इलैक ान का बायकाट किया था। उन्होने उस समय कहा था कि हम किसी भी उम्मीदवार को वोट नही करेगे क्योंकि हमारे यहा के 24 गावों मे पिछल कई सालो से सेम की समस्या गंभीर होती जा रही है लेकिन अब तक किसी ने भी इस तरफ ध्यान नही दिया है। स्पीकर साहब, यह समस्या राजस्थान के सूरतगढ मे बडा भयंकर रुप धारण कर रही है। स्पीकर साहब, मेरी आपसे यह सबमि ान

है कि एक तरफ तो हम सेम की समस्या सिरसा, हिसार के इलाको मे पैदा कर रहे है। यदि आगे राजस्थान के लोगो ने इस पानी को रोक दिया तो हमें इसको संभालने के लिए जगह भी नही मिलेगी वहीं दूसरी तरफ हम टांगडी, मारकंडा और घग्गन जैसी नदियो पर बैराज बनाने की तरफ भी ध्यान नही दे रहे है। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि सेम की समस्या के समाधान हेतु टांगडी, मारकंडा और घग्गर नदियो पर बैराज बनाने की इस स्कीम को भुरु करना चाहिए। स्पीकर साहब, इसके अलावा मै यह भी कहना चाहूंगा कि इरीगे ान डिपार्टमैंट एक तरफ तो एम0 आई0 टी0 को सक्लटन के रुप मे रखना चाहता है वही ंदूसरी तरफ स्थिती यह है कि जो किसानो के पक्के खाले बने हुए है वे आज टूट रहे है। इन पक्के खालो को तो आप मिटटी से ठीक नही कर सकते। इनकी रिपेयर तो आपको करवानी ही पडेगी।

श्री बंसी लालः बरसौला माईनर किस क्षेत्र में है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः बरसौला माईनर उचाना, जींद और नारनौंद के कुछ गांवो को इरीगेट करेगा लेकिन मैने तो इस माईनर का जिक नही किया। अगर आप कुछ काम करेंगे तो हम आपका दाद देंगे, आपका धन्यवाद करेंगे कि आपने बहुत अच्छा काम किया है। हम पिछले 25 सालो से चिल्ला रहे थे लेकिन किसी ने भी हमारी बात नही सुनी। जब कभी भी हमारी सरकार बनती थी तो हमारी बदकिस्मती थी कि हमारे पडोसी उसी महकमे के मंत्री होते थे। आपने यह काम बहुत अच्छा किया है और वहां

के लोग आपकी इस बात के लिए बहुत आभारी है। (घटी) अब मै ऐगिजस्टिंग चैन्लज के बारे मे कहना चाहूंगा। उनमे डिसक्रिमिने ान नही होनी चाहिए। दूसरी बात मै कम्यूनिटी डिवैल्पमैंट के बारे मे कहना चाहूंगा कि पिछले 30–32 साल मे बल्कि दे ा की आजादी के बाद कम्यूनिटी डिवैलपमैंट डिपार्टमैंट ने हर गांव में बहुत असैटस डिवैलप किए है। इस डिपार्टमैंट ने हरिजन चौपाल, बी0 सी0 चौपाल, पंचायत घर के अलावा स्कूलो की बहुत बडी बडी बिल्डिंग खडी की, गलियो को पक्का किया, जिनकी बहुत वैल्यु है लेकिन कोई पंचायत उनकी मैन्टैनैंस के लिए कुछ नही कर रही है। परिणामस्वरुप वह स्ट्रकचर जो उन्होने बनाये है वे आने वाले 10 साल मे धरा ाही हो जाएंगे और फिर लोग डिमांड करेंगे कि पंचायत घर बनाओ, पटवारखाने बनाओ, चौपाले बनाओ। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा फौजियो का इलाका है। हर गांव मे अच्छी संख्या मे आपको एक्स–सर्विसमैन मिलेंगे। उनकी आप लैंड फोर्स बनाएं और जिन गावो मे ये असैट्स क्रिएट हुए है उनको मेनटेन करने की जिम्मेदारी उनको दी जाए। अगर वे पंचायत घर से हटकर हो तो आपको उसके अच्छे रिजल्द मिलेंगे। इसी तरह से मै पी0 डबल्यू0 डी0 मिनिस्टर से कह रहा था कि इसी तरह की जिम्मेवारी आप वहां लगाओ जैसे कि किसी गांव मे बीच मे से सडक निकली है, उस सडक की रेजिंग के हिसाब से दोनो तरफ नाली बने। इनका कहना ठीक था कि नाली का रख रखाव नही होगा तो उनके रख रखाव का काम भी लैंड

फोर्स कर सकती है इससे जो करोडो अरबो रुपये के असैट्स खडे कर दिये है, उनका रख रखाव कर सकने मे हम सक्षम हो सकेंगे।

श्री अध्यक्षः धन्यवाद। अब आप बैठ जाइए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः सर मुझे एक मिनट का समय और दे दें। मै पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट के बारे मे भी कहना चाहूंगा। प्र न काल के दौरान मंत्री जी ने कहा कि हम कुछ ऐसे बडे गांव जिनकी आबादी 5 हजार से उपर है, को टेकअप कर रहे है। जिन वाटर वर्क्स से इनको पानी मिलता है आप उसकी मात्रा बढाएं। अगर वहां पानी की मात्रा बढेगी तो हम प्राईवेट कनैक ान भी देंगे। यह अच्छी बात है लेकिन अगर आप ने उस पानी की निकासी का पूरा इंतजाम नही किया तो वे गांव नर्क बनकर रह जाएंगे। आप देखे कि जहां भी टूटीयं लगी हुई है, स्टैण्ड पोस्ट लगे है हां गलिया सडती है। मेरा सरकार से यह कहना है कि आप जिस गांव को भी इस लेवल पर टेकअप करो ओर यदि उसके पानी को 70लीटर से 100 लीटर मे परिवर्तित करना हो तो उसका कंपोजिट प्लान होना चाहिए। हर गांव मे दो लाख रुपये मंत्री महोदय दे आते है कि गलियां बनाओ। अब उस गांव के सरपंच की मर्जी है कि वह किसी गली को बनाने के लिए छांटता है। वह उपर से गली बनाना भुरु कर देता है इससे जो पिछली गली बनी हुई थी, वहा सारा पानी खडा हो जाता है। जैसे आपने सौ गांव, पचास गांव या पांच सौ गांव छांटे है तो उसका टोटल कंपोजिट मास्टर प्लान तैयार करना पडेगा। जिसमे स्ट्रीट लाइट,

गलियो को पक्का करना, सीवरेज की फैसिलिटी देना और स्कूलो को कुछ करना चाहिए। राम बिलास जी बैठे नही है मै उनहे कहना चाहता हूं कि राम पाल माजरा जी जो बात कही है वह ठीक है आज लोगो का रुझान पब्लिक स्कूलो की तरफ है। हमारे सिस्टम मे कोई कमी है क्योंकि स्कूल का जो टीचर होता है वह साल मे पांच महीने पढाता है और सात महीने छुटटीकरता है। उस टीचर के ये सात महीने युटीलाईज करने के लिए या तो उसको कोई रिफे ार कोर्स कराया जाये या फिर कोई ओरिएयटें ान कार्स कराया जाये ताकि वह अच्छी क्वालिटी की एजुकोन बच्चो को दे सके। मेरे अपने गाव मे जो स्कूल है उसमे विघार्थी तो 95 है लेकिन टीचर 22 है क्योंकि ज्यादातर लोग अपने बच्चो को पब्लिक स्कूलो मे दाखिल करा रहे है। सरकारी स्कूलो मे तो सिर्फ वह गरीब ही अपने बच्चो को पढाते है जो पब्लिक स्कूलो की फीस अदा नही कर सकते। चाहे सरकारी स्कूलो मे ऐजुके ान की क्वालिटी कुछ भी हो। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मै सरकार से अनुरोध करुंगा कि वह स्कूलो को अपग्रेड करने की बजाय ऐजुके ान की क्वालिटी मे सुधार करे क्योंकि डिग्री देने मात्र से प्रदे ा मे बेरोजगारो की संख्या को बढाना है। बढिया ऐजुके ान देने से रोजगार के साधन बढंगे। इनही भाब्दो के साथ अध्यक्ष महोदय, मै अपना भाशण समाप्त करता हू। धन्यवाद।

बैठक का समय बढाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by one hour.

Voices: Yes.

Mr. Speaker: The time of the sitting is extended by one hour.

वर्श 1998–99 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

श्री संपत सिंह: स्पीकर सर, मैने डिमाण्ड की कट मो ान पर नोटिस दिया हुआ है। (विघ्न)

Mr. Speaker: No please you are requested to take your seat.

Shri Sampat Singh: Speaker sir, I want your ruling.

Mr. Speaker: I wuld not allow you to speak now. You have already spoken today.

Sh. Sampat Singh: it is against the Rules Speaker sir, **********

Mr. Speaker: Nothing is to be recorded.

श्री संपत सिंह: अध्यक्ष महोदय आपने खुद कहा है कि डिमाण्डज पर अगर कोई सदस्य बोलने से रह गया हो तो वह बोल सकता है।

श्री अध्यक्षः मैने यह कहा है कि जिस सदस्य को बोलने का मौका नही मिला है, वह बोल सकता है। मै अब भी इस बात पर स्टैंड करता हू।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, आप दोनो ही अपनी अपनी जगह पर ठीक है। पहले हालात कुछ और होते थे क्योंकि पहले डिमाण्डज पर चर्चा 2–3 दिन तक होती थी लेकिन अब डिमांडज पर चर्चा एक दिन ही रखी गई है। The Speaker has the privilege to apply guillotine. प्रोसीजर यह है कि पहले गलोटीन आती है, उसके बाद डिमांडज पर चर्चा होती है। लेकिन यहां तो गलोटीन आने से पहले ही चर्चा खत्म कर दी गई है।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मै सदन को स्मरण करना चाहता हूं कि 1993–94 की डिमांडज अलग थी और इस वर्श 198–99 की डिमांडज अलग है। भ्ुारु मे ही आपने सारे सदन को यह कहा था कि जो माननीय सदस्य एक बार भी सदन मे नही बोला हो, आज चाहे रात हो जाए, लेकिन उस को बोलने के लिए समय दिया जाएगा। इन्होने ही डिमांडज पर बोलना प्रारंभ किया था।

Sh. Birander Singh: if you put any demand to the vote of the House then you would also put the motion and on the opportunity we should be allowed to speak. That is the practice.

श्री अध्यक्ष: आप भी कट मो ान और डिमांडज दोनो पर बोल चुके है।

श्री संपत सिंह: अध्यक्ष महोदय, **********

श्री अध्यक्ष: जो कुछ भी सम्पत सिंह बोल रहे है, वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री मनी राम गोदारा: अध्यक्ष महोदय, संपत सिंह जी अगर नही माने तो बात औरहै लेकिन आपने तो इनको पहले यह कहा था कि ये जितना समय लेना चाहते है वह चाहे कट मो ान पर ले लो या डिमांडज पर ले लो।

श्री अध्यक्ष: संपत सिंह जी, आप अपनी पार्टी के समय को टोटल कर के देखे तो पता लगेगा कि आप लोग कितने समय बोल चुके है।

श्री औम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, किसी सदस्य को बोलने के लिए अनुमति देना आपके अधिकार क्षेत्र की बात है। आप चाहे तो लिखे हुए को भी कटवा देंगे। आप तो कानून बनाने वाले है। हम आपकी रुलिंग चाहते है। आप अपने फैसले को फौरन बदल देते हो। हम आपकी रुलिंग चाहते है कि जिन लोगो ने कट मो ान दिए है, क्या आप उनको बोलने देंगे अथवा नही? आप तो कानून बनाने वाले है। (विघ्न)

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै कट मो ान पर बोलने की बात कर रहा हूं।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, ये डिमाण्डज पर बोल चुके है। जब कट मो ान आएंगी तो वोटिंग करा लीजिए।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, हम तो टैक्नीकल बात मे पड गए है। पांच माननीय सदस्यो के कट मो ांज पर ही है। उनकी डिमाण्डज पर एक रुपये का कट लगाने की बात थी। इन पांच सदस्यो मे खु ीद अहमद, रामपाल माजरा व श्री अ ोक कुमार भी थे। जिन मे से 4 माननीय सदस्य तो कट मो ान पर बोल चुके है। (विघ्न) आप सब डिमाण्डज व कट मो ान पर इकटठे बोले है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आज डिमांडज पर बडी संजीदा बहस हुई। कुछ माननीय सदस्यो ने बहुत अच्छे सुझाव दिये है। सम्पत सिंह जी बहुत अधिक तैयारी से बोले है। उन्होने हमारी बात की ताईद की है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा मे आज के दिन 863 मैगावाट बिजली अतिरिक्त उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है। सतविन्द्र राणा जी ने कानून और व्यवस्था की बात की। खु ीद अहमद जी द्वारा भी कल बेरोजगार नौजवानो के संबंध मे चिंता व्यक्त की गई है। मैने पहले भी बताया है कि मुख्यमंत्री जी ने मनीराम गोदारा जी की अध्यक्षता मे इस बारे मे एक कमेटी बनाई हुई है। जिसके सदस्य टरांस्पोर्ट मिनिस्टर और हम है। काफी एक्सरर्साज करके सदन मे जो बाते आई है उनको ध्यान मे रखकर हम जल्दी ही इसका निर्णय करने

जा रहे है। राव नरेन्द्र सिंह ने अटेली के बारे मे बात कही। रामपाल माजरा ने ि ाक्षा के संबंध मे एक बहुत अच्छा सुझाव दिया है कि ि ाक्षा का स्तर है उसमे सबसे पहले प्राथमिक ि ाक्षा का सुधार आव यक है। यह बात सही है कि जब तक ि ाक्षा मे प्राथमिक ि ाक्षा को अधिक से अधिक महत्व नही दिया जाएगा तब तक बच्चे की नींव मजबूत नही होगी और तब तक बच्चे की आगे की पढाई मे रुचि नही बनेगी। पहले हमने प्राथमिक ि ाक्षा 4 जिलो मे चलाई जब तक उन 4 जिलो मे प्राथमिक ि ाक्षा की अच्छी परफोरमैंस आई तो तीन अतिरिक्त जिलो मे हमने प्राथमिक ि ाक्षा प्रारंभ कर दी। कुछ साथियो ने एक बात कही कि अग्रेजी को पहली कक्षा से पढाने का प्रावधान किया जाए। यह एक मौलिक सी बात है। मै ि ाक्षा के संबंध मे ऐसा मानता हूं कि बच्चे को भाुरु मे अपनी मातृ भाशा मे ही ि ाक्षा देनी चाहिए। अब तक जितने भी ि ाक्षाविद हुए है या जो ि ाक्षा के संबंध मे चिंतक और दा ानिक हुए है उन सब की भी यही मान्यता है कि पहले 5–6 साल बच्चे को मां के दुध की भाशा मे ि ाक्षा और संस्कार दिए जाएं तो वह बच्चा सरलता से और प्राकृतिक रुप से उनको ग्रहण करता है। यह प्रकृति का नियम है। आजादी से पहले यह गलत फहमी नही थी लेकिन आजादी के बाद दे ा मे जो टाई–फाई हुई है उसके बारे मे बडे बडे लोगो मे गलत फहमी बैठ गई है कि अंग्रेजी दुनिया मे सबसे अधिक लोगो की भाशा है। इसलिए अंग्रेजी अपने बच्चो को पढाना जरुरी है। जबकि यह गलत धारणा है। क्योंकि गौरवाच्योव अंग्रेजी नही बोलता था, जापान मे

अंग्रेजी नही बोली जाती। जर्मनी के रेलवे स्टे ान या बस स्टेण्ड पर आप भुखे मर जाओगे, प्यासे मर जाओगे यदि आप वहां पर अंग्रेजी मे पानी मांगेगे क्योंकि कोई भी आपको पानी नही देगा। अंग्रेजी मे रास्ता पूछोगे तो कोई आपको रास्ता नही बतायेगा। (ोर)

श्री बीरेन्द्र पाल अहलावतः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आडर है।

श्री अध्यक्षः डा. वीरेन्द्र पाल जी, आप पहले बताएं कि प्वायंट आफ आर्डर किस चीज पर होता है उसके बाद ही आप प्वायंट आफ आर्डर पर बोलना। (विघ्न) डा0 साहब आप बैठें।

श्री राब बिलास भार्माः स्पीकर साहब, डा0 वीरेन्द्र पाल जी ने एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी हिसार से प ु चिकित्सा मे डौक्टरेट किया है। ये बहुत अच्छे विद्वान है। ि ाक्षा का मामला हर आदमी के बस का नही है। यह बहुत गहन बात है। जहां तक बच्चो के मनोविज्ञान की बात है वह बहुत सूक्ष्म होता है, बडा कम्पलीकेटिड होता है, बडा डैलीकेटिड होता है। इसके बारे मे पुरी दूनिया मे बहस चल रही है और विचार किया जा रहा है कि बच्चो के बस्तो का बोझ कैसे कम किया जाए। भारत की जो गुरुकुल प्रणाली की पद्वति थी, आज पूरी दूनिया उस पर विचार कर रही है। आज स्कूलो मे भी नर्सरी, के0 जी0, यू0 के0 जी0 की कक्षाएं भुारु कर दी जाएं तो इससे बच्चो का मूल विकास रुक जाएगा। पब्लिक

स्कूलो मे नर्सरी, के जी, यू के जी की क्लासिज भाुरु करने से बच्चो का मूल विकास रुक गया है। आज पूरी दुनिया मानने लगी है कि बच्चो को पोनी बना दिया गया है इसलिए हम इस मतभेद को ध्यान मे रखते हुए इस बात को पसंद नही करते कि पहली कक्षा से बच्चो को अंग्रेजी पढाई जाए। हम हरियाणा प्रदे ा मे बच्चो को पहली कक्षा से अंग्रेजी पढाने के हक मे नही हैं

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मै राम बिलास भार्मा जी से एक बात पूछना चाहता हू। येकह रहे है कि इन्होने पहले दिन से ही यह अनाउंस कर दिया था कि हम पहली जमात से बच्चो को अंग्रेजी पढाने का समर्थन नही करते तो यह बात आपकी बी0 जे0 पी0 के लिए कम्पलीके ान किएट करेगी क्योंकि पंजाब सरकार ने अपने प्रदे ा मे पहली जमात से बच्चो को अंग्रेजी पढानी भाुरु कर दी है और वहां पंजाब सरकार का बी0 जे0 पी0 समर्थन कर रही है।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, पंजाब की बात पंजाब वाले जाने लेकिन हरियाणा प्रदे ा मे पहली कक्षा से बच्चो को अंग्रेजी पढाने का हमारा विचार नही हैं। स्पीकर साहब, राजीव गांधी ने पहली कक्षा से अंग्रेजी पढी थी इसलिएवे अणु विस्फोट नही कर सके लेकिन हमारे प्रधान मंत्री वाजपेयी जो गुरुकुल मे पढे थे इसलिए उन्होने अणु विस्फोट कर दिया। स्पीकर साहब, हम अपनी ि ाक्षा प्रणाली को अपनी संस्कुति को दुनिया की ि ाक्षा प्रणाली से हीन नही मानते। स्पीकर साहब, सदियो से भारतवर्श

ज्ञान विज्ञान का केन्द्र रहा है। जो नालन्दा ओर तक्षि ाला अखण्ड भारत के वि वविद्यालय थे उनमे पूरी दुनिया के आदमी पढने आते थे। चीन के भी हांगसांग और फिहांग दा िनिक यहां पर आए थे उन्होने लिखा है कि इस देव भूमि को देखने का हमारा 20 साल की जिंदगी का सपना पूरा हुआ है। उन्होने भारत के बारे मे जो इतिहास लिखा, वह अलग बात है। हम प्राचीन भारत की संस्कुति को ध्यान मे रखते हुए हरियाणा प्रदे ा मे बच्चो पर पहली कक्षा से अंग्रेजी नही थोपना चाहते। जो मौजुदा पढाई है यदि उसको पढ लिया जाए तो बहुत है। स्पीकर साहब, मेरे कुछ साथी जिनमे रिसान सिंह जी एवं हुडडा जी थे, ने एक बात कही कि सोसायटियो की रजिस्ट्रे ान फीस बढा दी गई है। मै उनको बताना चाहूंगा कि हमने कोई अतिरिक्त भार नही डाला है। रामपाल माजरा जी ने कूलो के निरीक्षण की बात कही। हमारे सभी अधिकारी चाहे खण्ड ि ाक्षा अधिकारी हो, सब डीविजन ि ाक्षा अधिकारी हो, जिला ि ाक्षा अधिकारी हो या प्राथमिक ि ाक्षा अधिकारी हो सभी स्कूलो का नीरिक्षण करते है। हमने उनको आदे ा दिए हुए है किउनके अंतर्गत जितनी संस्थाए आती है उनका छः मास के अंदर एक बार निरीक्षण अव य करें और उसकी रिपोर्ट करें। हमारे यहा पर बच्चो को नैतिक ि ाक्षा देने बारे जब भी बातचीत होती है तो उसमे हम खण्ड ि ाक्षा अधिकारी तक को भाामिल करते है और उस समय इन सारी बातो पर विचार होता है। एक साथी ने सढौरा मे 10+2 का स्कूल बनाने की बात कही क्योंकि वहां पर स्कूल नही है वहां पर प्राईवेट

संस्थान ही है। असंध मे भी इसी तरह का स्कूला बनायेजाने की बात यहां पर कही गयी। एक दो जगह से और भी इस तरह की मांग आई। मैने उनको कहा कि 10+2 का स्कूल अपग्रेड करने के लिए कुछ भार्ते होती है अगर आप उनको पूरा करवा दे तो हम आपकी इन बातो पर विचार कर लेंगे। यहां पर कुछ साथयो ने जिनमे वीरेन्द्र पाल जी भी थे यह भी कहा कि वि   बैंक से कर्जा क्यां ले रहे है। विकास के लिए सरकार भारत सरकार से कर्जा लेती है कोई किसी और संस्थान से कर्जा लेता है। कर्जा देने वाला भी देने से पहले यह देखता है कि जिसको कर्जा दिया जा रहा हैक्या वह वापस चुकाने की स्थिती मे है या नही? तभी जाकर वह कर्जा देता है। हमने वि व बैंक से एच0 एस0 ई0 बी0 के लिए जो कर्जा लिया उसमे वि व बैंक ने देखा कि यह बोर्ड कर्जा चुकाने की स्थिती मे है या नही। इसके बाद ही उसने कर्जा दिया। वे इस बात को अच्छी तरह से देखते है कि कर्जा लेने वाला ईमानदार है और सिंसियर है या नही इसके बाद ही वे कर्जा देते है। यहां पर किसानो को पास बुक देने की बात भी कही गई। इसबारे मे हमारे राजस्व मंत्री जी कह रहे है कि इसे जल्दी ही लागू करेंगे। खु र्शीद अहमद जी ने कहा कि रामचन्द्र बैन्दा को सरकार ने कुछ लीज पर जमीन दी है। हमने उनको कुछ लीज पर नही दिया। उनका 30 साल पुराना करोबार है। यहां पर मसानी बैराज की बात कही गई। इसी प्रकार से दोहान एवं कुशणावती नदियो की बात भी कही गई। यह भी कहा गया कि रिवाडी के इलाके के और उसके आसपास के इलाके को पानी नही मिल पा

रहा है और इन नदियो मे 15 वर्शो से पानी बिल्कुल नही आया। कुछ साथी कहते है कि इनमे पानी इसलिए नही आया क्योंकि राजस्थान वालो ने इनमे बांध बना लिये। इस बारे मे 2–3 बार हमारी उनसे बातचीत हुई है। भैरो सिंह जी से मेरी भी बात हुई है। वे कहते है कि हमने इन नदियो पर कोई पक्का बांध नही बांधा। इसलिए आप एक बार जाकर मौके पर देख ले कि कहां कहां पर बांध बनाए हुए है, फिर उन पर बैठकर एक ज्वायंट मीटिंग कर लेंगे। इस ज्वायंट मीटिंग के बारे मे तो सी0 एम0 साहब ही बतायेंगे। अध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा संबंधी जो मुददे यहां पर उठाये गए थे, उनके बारे मे मैने आपके सामने निवेदन कर दिया है, धन्यवाद।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, डिमांडज के उपर आज जिन जिन बातो पर चर्चा हुई उनमे से चौ0 संपत सिंह जी ने भाायद एक बात यह भी कही कि पानीपत थर्मल प्लांट मे 210 मैगावाट का छटा प्लांट जो हम लगाने जा रहे है उसका इ बजट मे कोई प्रोविजन नही है। अध्यक्ष महोदय बजट मे इसका प्रोविजन इसलिए नही हैक्योंकि बिजली बोर्ड अपने साधन खुद जुटाता है। इसके उपर 634 करोड रुपये लगेगे जिसमे से 320 करोड रुपये का लोन पावर फाईनैंस कारपोरे ान जुटाता है ओर 117 करोड रुपये पब्लिक से लोन की भाक्ल मे बिजली बोर्ड ने रेज कर लिया है। अध्यक्ष महोदय, चौ0 संपत सिंह और इनकी सरकार 1989 मे जब म ीनरी खरीद के डाल गये थे तो इसके

बक्से को इनकी खोलने की हिम्मत नही हुई थी क्योंकि पैसे लगते लेकिन उस म ीनरी को अब हमने खोला है। उस म ीनरी की कीमत 82 करोड रुपये थी ओर उसके उपर उन्होने 90 करोड रुपये ब्याज मांग लिया। हमने उनसे कहा कि इसका ब्याज कम कर दो। उनकी बहुत समय से पेमैंट रुकी पडी थी ओर कोई पेमैंट वापिस नही कर रहा था इसलिए उनहोने कहा अगर आप लोग ब्याज की रकम एक साथ दे देंगे तो हम यह ब्याज कम कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, हमने उनको 82 करोड रुपये रकम और 35 करोड रुपये ब्याज के एक साथ दिये। यह पैसे हमने पब्लिक से रेज करके दिया। इसके अलावा जो बाकी कसर रहेगी, वह भी बिजली बोर्ड पब्लिक से ही रेज करके पूरी करेगा, इसलि बजट मे इसका प्रोविजन करने की कोई जरुरत नही है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा इन्होने यह भी कहा है कि इस छठे प्लांट पर तो कोई काम ही नही हो रहा। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के इन भाईयो मे थोडी सी गडबड है कि ये चीज के नजदीक से निकल जाते है और वह चीज इन्हे दिखाई नही देती तो इसमे मेरा क्या कसूर है? अध्यक्ष महोदय, इस प्लांटका कुलिंग टावर बनने लग रहा है उस पर बडी तेजी से काम चालू है और बी0 एच0 ई0 एल0 वालो ने मौके पर टरवाईन और बायलर पर काम चालू कर दिया है, एम0 आई0 टी0 सी0 भी टावर्ज पर काम कर रही है। अध्यक्ष महोदय, इस प्लांट पर 14 टावर्ज बनने है और हर टावर की उंचाई 110 फुट होगी। इनमे से 4 टावर 110–110 फुट उंचे बनकर तैयार हो गये है लेकिन अगर चौ0 संपत सिंह को ये दिखाई नही देते तो मै

इसमे क्या करुं, मेरे पास इसका कोई ईलाज नही है। अध्यक्ष महोदय, सिविल वर्क भी इस प्लांट प बडी तेजी के साथ चल रहा है। (विघ्न)

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय 1988–89 के एच0 एस0 ई0 वी0 के जो एनुअल फाईनेंि ायल स्टेटमैंट बजट अस्टीमैटस है, इसमे आप बताये कि क्या आपने एक भी नये पैसे का प्रोविजन इसके लिए रखा है? चाहे आप पब्लिक से लोन ले, चाहे पब्लिक फंड रेज करे या चाहे बाहरी इंस्टीच्यु ांज से फंड ले अगर आपने ओन गोइंग स्कीम मे कही पर भी छठे यूनिट का जिक किया है तो आप बतायें? (विघ्न)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, अगर ये सुनेंगे तो ही मै बताउंगा, आप इन्हे कहे कि ये ध्यान से सुनें। अध्यक्ष महोदय, हम आ ाा करतेहै कि हमारा यह छटा यूनिट अगले साल दिसम्बर तक पूरा हो जायेगा। इन्होने यह भी कहा कि युनिट एक से चार तक 100 करोड रुपये मे ठीक होकर तैयार हो जाते है मगर एच0 एस0 ई0 ने इसका 400 करोड रुपये का ठेका दे दिया है। अध्यक्ष महोदय, हमने यह ठेका बडी छानबीन करके दिया है। इसके लिए हमने कैबिनेट की एक सब कमेटी बनाई और उस सब कमेटी ने सबको बुलाया। इसमे एच0 एस0 ई0 वी0 को भी बुलाया, दूसरी सब कंपनीज को भी बुलाया। यह एक ग्लोबन टैंडर था। बाद मे यह टैंडर जर्मनी की ए0 बी0 बी0 कंपनी को दिया गया है। इसमे 300 करोड रुपये के करीब खर्चा लगेगा। अध्यक्ष महोदय, इसमे

इसका मोर्डेनाईजे ान भी हो जायेगा, रिफर्निसिंग भी हो जायेगी, लाईफ एक्सटैं ान भी हो जायेगी यानी सब काम हो जायेंगे। जब से चारो प्लाट्स हमारे तैयार हो जायेगे तो यह 300 करोड रुपये का खर्चा हमारा एक साल मे ही पूरा हो जायेगा। अध्यक्ष महोदय, अब ये चारो प्लाट्स 26 से 30% प्लांट लोड फैक्टर पर चल रहे है लेकिन ए0 बी0 बी0 की कंपनी हमको मिनीमम 80% प्लांट लोड फैक्टर पर इनको चलाकर देगी। इस तरह` हमारी बिजली 250 से 270 मैगावाट बढ जायेगी। इसके अलावा 110–110 मैगावाट के हमारे जो 4 प्लांटस है वे 18–118 मैगावाट के हो जायेंगे। अध्यक्ष महोदय, जैसे मैने आपको बताया कि यह काम गलोबल टैंडर से दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, एक इन्होने कहा कि यमुना के प्रोजैक्ट के लिए इस साल बजट मे कोई प्रावधान नही रखा गया। (विध्न)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने यह कहा था कि कम रखा गया है। मैने भाायद 22 या 28 करोड बताया था जो कि कम है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैने इंडिपैंडैंट तौर पर गलोबल टैंडरज मांगे है और गलोबल टैंडरज की कार्यवाही अब से पहले भाुरु हो चुकी है। कण्डी ानज़ के मुताबिक गलोबल कार्यवाही भाुरु हो गई है। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से चौधरी संपत सिंह जी ने कहा कि किसानो के 12 हजार टयूबवैल्ज के कनैक ानज घट गए है। अध्यक्ष महोदय, इससे भी दो तीन बातें

है। कुछ आदमी तो इन भाईयो के चक्कर मे आ गए और बिजली के बिल जमा नही करवाए जिसके कारण उनके कनैक ान्ज कट गए।अब ये उन्हे कहते है कि कुण्डी लगा कर काम चलाओ। दूसरी बात इनके घटने की यह है कि कुछ लोग डीजल के इंजन लेकर आए और वे डीजल के इंजर पर डिपैंड हो गए क्योंकि हमारे यहां बिजली कम मिल रही हैं और तीसरे इनमे घटने की वजह यह भी है कि कुछ ऐसे किसान है जैसे कि अहीरवाल के एरिया के लोग है उनहे पूरे साल बिजली की जरुरत नही होती है उन्हे भी अब मिनिमम पैसा देना पडेगा, वे लोग 3–4 महीने बिजली इस्तेमाल करते है। अध्यक्ष महोदय अब हम उनको सुविधा दे रहे है कि मर्जी आए तो मीटर लगवाओ मर्जी आए तो मीटर कटवा लो हम फसल के समय उनको दोबारा मीटर लगा कर देंगे। अध्यक्ष महोदय, कुछ कनैक ानज इस लिए भी कट गए है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, अहीरवाल मे झज्जर जिले का कुछ एरिया हे और मेरा हलका बादली भी सेम से अफैक्टिड ऐरिया है। झज्जर सब डिवीजन कोसली का इलाका सेम से प्रभावित है वहां पर सेम की जमीन है। (विघ्न) मै यह चाहता हूं कि जिस जिस इलाके मे मार्च और अक्तुबर के बीच मे बिजली की खपत नही है, वहां पर भी यह सुविधा प्रदान करें।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय इन इलाको मे भी हम सुविधा दे रहे है। अगर किसान अपने टयूबवैल के लिए मीटर लेना चाहता है तो उसको मीटर लेने की सुविधा है इसमे हमें कोई

ऐतराज नही है और मीटरज लगाए भी जा रहे है। (इस समय मेजें थपथपाई गई) अध्यक्ष महोदय, हमारा ट्रांसमी ान तथा डिस्ट्रिब्यू ान का सिस्टम बहुत कमजोर है उसको स्ट्रैंग्थन करने के लिए मैने आपके जरिये कल भी सदन को बताया था, आज फिर उसको दोहरा देता हूं। 1999–2000 तक टयूबवैल के कनैक ानज देने मे किसी किस्म की कोई दिक्कत नही आएगी। चौधरी संपत सिंह जी ने कहा था कि लाईन लौसिज़ 60% है (विघ्न) मगर हमारे लाईन लौसिज़ 33% है। अध्यक्ष महोदय जब पूरी सप्लाई चालू हो जाएगी तो इसमे सुधार हो जाएगा। हमने कन्जयुमर्ज़ की चैकिंग का कम्पैन चलाया हुआ है ओर हमने 655615 कंज्यूमर्ज की चैकिंग की है। इनमे भी हमने ज्यादातर इंडस्ट्रीज के क्षेत्र की चैकिंग की है जहां पर थैफट ज्यादा होती है। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने अभी बताया है कि लाईन लोसिज़ 33% है। अध्यक्ष महोदय, इन्होने खुद माना है कि बिजली के मामले मे किसानो का कनैक्टिड लोड 29% है जबकि इन्होने इस साल 43% बिजली की खपत दिखाई है। 29 प्रति ात हमारा कनेक्टिड लोड है लेकिन उसके बाद हम उसको इस्तेमाल नही करने देते है क्योंकि रेट बढते है। अध्यक्ष महोदय, अगर एक बी0 एच0 पी0 पर एक ऐडि ानल हार्स पावर की मोटर मिल जाए तो उसको पांच हजार रुपये का जुर्माना होता है। स्पीकर साहब, इसका मतलब है कि वह

कनैक्टिड लोड से फालतू बिजली इस्तेमाल नही कर सकता है। अगर वह पकडा जाता है तो 25 हजार और 50 हजार रुपए तक का जुर्माना उसको लगा दिया जायेगा। स्पीकर साहब, इस तरह से उसके एक तिहाई दिन ऐसे होंगे जो अन–यूटिलाईज हो जाएंगे और दो तिहाई दिन ही यूटिलाईज रहेंगे फिर तो अपने आप ही बिजली की चोरी होगी।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, हमने थैफ्टके 14566 केसिज डिटैक्ट किए है जिमे 11782 केसिज मे एफ0 आई0 आर0 लार्ज की है। हमने 14 करोड 87 लाख रुपये की पैनल्टी इम्जोज की है। मई 1996 से मार्च 1998 तक हमने दो लाख बिजली के नए मीटर्ज इन्सटाल किए है और अगले 2 सालो मे साढे चार लाख और नए मीटर्ज हम लगा देंगे जोकि थैफ्ट प्रूफ होंगे। हम मोटे तौर पर लाईन लोसिज का ब्रेक अप लगाते है। हाई टैन्‍ ान लेबल पर 10 प्रति ात टैक्नीकल लोस,लो टैन्‍ ान पर 8 प्रतिशत लोस और थैफ्ट से हम 15 प्रति ात टैक्नीकल लोस लगाते है। जो यह थैफ्ट का टैक्नीकल लोस है वह 15 प्रति ात से बढकर 18 प्रति ात हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी संपत सिंह जी ने एक बात कही है कि मै इनके वक्त मे केवल 55 मैगावाट बिजली ही छोड कर गया था बाकि तो सब इन्होने ही लगाई है। इस बारे मे मै इनको बता देता हू। अध्यक्ष महोदय, 18–4–79 को 8–8 मैगावाट के दो हाईडल प्रोजैक्टस चालु हुए थे जो कुल मिलाकर 16 मैगावाट बनते है।इसके अलावा इनके वक्त मे पानीपत

थर्मल प्लांट का 210 मैगावाट का पांचवा यूनिट आया था जिसका प्रोडक ान चौधरी भजन लाल के वक्त मे भाुरु हुआ था और मेरे वक्त मे भी चलता रहा था। इसके अलावा इनके टाईम का मुझे और तो कुछ मिला नही है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरे वक्त मे मै 236 मैगावाट की इन्स्टाल कपैस्टी छोड गया था। उसमे 16 मैगावाट के दो हाईडल प्लांट्स, 55–55 मैगावाट के दो प्लांटस फरीदाबाद मे और 110 मैगावाट का एक प्लांट पानीपत थर्मल प्लांट मै छोड कर गया था। अध्यक्ष महोदय, अगर ये इनका जोड लगए तो यह 236 मैगावाट बनता है। (विघ्न)

श्री संपत सिंहः अध्यक्ष महोदय,ये हमे यह बता दे कि जनरे ान किस के वक्त मे आई थी?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, ये भी मुझे यह बता दें कि 13–6–86, 1–6–87, 22–11–74, 6–3–76 और 11–1–87 को मुख्य मंत्री कौन था? आप सच्ची बात तो मान लिया करें। आप अपना भाशण कितना लम्बा कर दें, मुझे उसे कोई ऐतराज नही है लेकिन आप सच्ची बात मान लियां करें। अध्यक्ष महोदय, चौधरी संपत सिंह जी ने कह दिया कि सात सौ करोड रुपये की सबसिडी का बजट मे कोई प्रावधान नही है। मै इनका ध्यान मैमोरैंडम आफ एक्सपलानेटरी नोट आन बजट की ओर केन्द्रित करना चाहता हूं। आप इसमे पेज नम्बर 15 पढ लेना। इसमे लिखा है किः–

"During 1997-98 subsidy of Rs. 679.94 crore was provided to the Board. During the year 1998-99, the state

Govt. is contemplating to provide Rs. 700 crores as Rural Electricity subsidy out of which rs. 364 crores have been provided as cash subsidy.”

श्री सम्पत सिंहः फिर यह बिजली बोर्ड ने झूठ का पुलिन्दा क्यो छाप रखा है? आप बिजली बोर्ड का ऐस्टीमेट देख लें।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, यह 700 करोड रुपया बिजली बोर्ड ने नही देना है बल्कि यह स्टेट गवर्नमैंट को देना है।

श्री संपत सिंहः स्टेट गवर्नमैंट का इसमे कुछ और लिखा है। आप इसको पढ लें।

श्री बंसी लालः आप इसको घर जाकर पढ लेना।

श्री सम्पत सिंहः जो पैसा स्टेट गवर्नमैंट ने दिया, वह भी इसमे लिखा हुआ है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, आज की तारीख तक जो हम बिजली दे रहे है मै उसके बारे मे बता देता हू। 22–7–98 को हमने 427.60 लाख यूनिट बिजली दी और पिछले साल इसी तारीख को 356.15 लाख युनिट बिजली दी। इसी तरह से इस साल 23 तारीख को हमने 442.29 लाख युनिट बिजली दी और पिछले साल इसी तारीख को हमने 380.10 लाख यूनिट बिजली दी। इसी प्रकार से 24–12–98 को हमने 433.67 लाख यूनिट बिजली दी और पिछले साल इसी तारीख को हमने 390.49 लाख

यूनिट बिजली दी। इसी तरह से इस साल 25 तारीख को हमने 430.05 लाख यूनिट बिजली दी और पिछले साल इसी तारीख को हमने 380.33 लाख यूनिट बिजली दी। इसी प्रकार से इस साल 26 तारीख को हमने 434.69 लाख यूनिटस बिजली दी और पिछले इसी तारिख को हमने 383.17 लाख यूनिट बिजली दी और 27–7–98 को यानी कल हमने 423.92 लाख यूनिट बिजली दी ओर पिछले साल इसी तारीख को हमने 398.05 लाख यूनिट बिजली दी। अध्यक्ष महोदय, हम पूरी मुस्तैदी से बिजली दे रहे है, पूरी कोि ा ा से हम इस बारे मे लगे हुए है। लेकिन जो ढांचा ये लोग और पहले वाली सरकार छोडकर गयी थी, उसको सुधारने मे हमे कुछ समय लगेगा। कुंआ खोदने के बाद तो वह मुि कल से ही भरता है। मै इनका खोदा हुआ कुंआ भरने मे लगा हुआ हू। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा भी हमारे विपक्षी साथयो ने बहुत सी बाते कही है। श्री नफे सिंह राठी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के रि तेदार हत्यारो को संरक्षण देते है। अध्यक्ष महोदय, इन्होने कहा कि मुख्य मंत्री से जब दिल्ली मे एक प्रतिनिधि मण्डल मिला था तब मैने कहा था कि चाहे बीस आदमी मर जाएं मै क्या ठेकेदार हूं। अध्यक्ष महोदय, बात यह है कि मै या मेरा कोई भी रि तेदार किसी मूलजिम को कभी नही छिपाता। यह काम तो इनका ही है। ये ही ऐसा काम करते है। मेरे पास एक डैपुटोन जरुर आया था। उससे पहले वाले दिन भााम को इन्होने डी0 आई0 जी0 (सी0 आई0 डी0) को फोन किया था कि हमारे मूलजिम को सी0 एम0 या उनके लडके ने घर मे छिपाया हुआ है।

अध्यक्ष महोदय, जब उनका टेलीफोन हमारे पास आया, उससे पहले ही वह मुलजिम हम ि ामला मे गिरफतार कर चुके थे। जबकि वह इनको मेरे घर बता रहे है। बाद मे मेरे पास दस या बारह आदमियो के साथ एक लम्बा चौडा आदमी भी आया था और मेरे से मिलने के बाद वे सीधे चौधरी देवीलाल जी और चौटाला जी के घर गए। लेकिन उनमे से दो या तीन आदमी फिर अगले दिन मेरे पास आए और कहने लगे कि हमारे से गलती हो गयी। हमने एम0 एल0 ए0 और उस लम्बे चौडे आदमी सरंपच के बहकाने से ऐसा कह दिया था। परंतु अब हम उसके लिए माफी चाहते है। अध्यक्ष महोदय, जितना '''''''' होता है वह सब यही सिखाते है क्योंकि इनका काम यही है और इनको कोई काम है ही नही। इसके अलावा असैम्बली के दूसरे मैम्बर्ज ने और भी बातें कहीं।

श्री औम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, '''' लफज़ क्या पार्लियामैंटरी है। ये जो चाहे कह दे तब तो ठीक है लेकिन राम बिलास जी को हमारी इस बात पर भी आपत्ति है कि गुमराह भाब्द कार्यवाही से हटा दिया जाये जोकि उर्दू का लफज़ है। लेकिन ये हमे ाा सारे '''''''''''' की बात करते रहते है।

श्री बंसी लालः कोई बात नही इस भाब्द को निकाल दो।

श्री अध्यक्ष यह भाब्द सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री बंसी लालः मैम्बर साहेबान ने भी कई बातें उठाई है जो बातें इन्होने उठाई हम उन सबके उपर गौर करेंगे और जो बातें जायज है उनको हम करैंगे। इसी के साथ मै आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जैसा मुख्य मंत्री जी ने जिक किया बहादुरगढ के 20 आदमियो का एक प्रतिनिधिमंडल इनसे दिल्ली मे दिनांक 18–4–98 को मिला था। उस प्रतिनिधि मंडल मे हरियाणा विकास पार्टी के ब्लाक अध्यक्ष, भी भाामिल थे, पूर्व मंत्री भी भाामिल थे और भाजपा के लोग भी भाामिल थे।

श्री अध्यक्षः इसमे प्वायंट आफ आर्डर क्या है?

श्री नफे सिंह राठीः अध्यक्ष महोदय,मुख्यमंत्री जी ने जो बात कही है, वह असत्य है। (ाोर एवं व्यवधान)

बैठक का समय बढाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House that the time of the sitting be extended by one hour.

Voices: Yes.

Mr. Speaker: The time of the sitting is extended by one hour.

वर्श 1998–99 के बजट अनुदानो की मांगो पर चर्चा तथा मतदान (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Now the demands and cut motions will be put to the vote of the Housr.

First of all I will put the cut motion on the demands to the vote of the House and then i will put the demands to the vote of the Housr.

Demand No. 1

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 28462000- for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of Rs. 28836000- already voted on account) in respect of charges under Demand No. 1- Vidhan Sabha.

The motion was carried.

Demand No. 2

That Demand No. 2 of Rs. 1614211000 on account of General Administration be reduced by Re. 1/-.

The motion was carried.

Demand No. 3

That a sum not exceeding Rs. 1763073000- for revenue expenditure and Rs. 100000000- for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of Rs. 253584400- already voted on account) in respect of charges under Demand No. 3- Home.

The motion was carried.

Demand No. 4

That Demand No. 4 of Rs. 971780000 on account of Revenue be reduced by Re.1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 311423000- for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of Rs. 660355000- already voted on account) in respect of charges under Demand No. 4- Revenue.

The motion was carried.

Demand No. 5 to 7

That a sum not exceeding Rs. 195884000- for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of Rs. 228818000- already voted on account) in respect of charges under Demand No. 5- Excise & Taxation.

That a sum not exceeding Rs. 2759106000- for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of Rs. 2654192000- already

voted on account) in respect of charges under Demand No. 6- Finance.

That a sum not exceeding Rs. 3160818000 for revenue expenditure and Rs. 933000- for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of Rs. 4329758000- and capital expenditure amount of Rs. 467000 already voted on account) in respect of charges under Demand No. 7- Other Administrative Services.

The motion was carried.

Demand No. 8

Mr. Speaker: Question is-

That Demand No. 8 of Rs. 4941345000 on account of Buildings & Roads be reduced by Re. 1/-

The motion was lost.

That a sum not exceeding Rs. 2048549000 for revenue expenditure and Rs. 1536145000- for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of Rs. 998503000- and capital expenditure amount of Rs. 347348000 already voted on account) in respect of charges under Demand No. 8- Building & Roads.

The motion was carried.

Demand No. 9

श्री सम्पत सिंह: स्पीकर सर, हमारे ि ाक्षा मंत्री जी बडे विद्वान है। चण्डीगढ कैपिटल के बारे मे बार बार जिक आता है कि हम फलां एरिया लिए बगैर चण्डीगढ को नही देंगे। एक एक करके अलग अलग अमैडमैंट भारत सरकार से आते है जिनकी वजह से हमारा हौंसला और भी बढ जाता है। मै सिर्फ एजूके ान के बारे मे जिक करुंगा। पहले पंजाब यूनिवर्सिटी मे हमारे मुख्यंमंत्री जी, ि ाक्षा मंत्री जी, डी0 पी0 आई और विधान सभा के दो सदस्य सीनेट के मैम्बर चुने जाते थे। अब भारत सरकार ने एक नोटिफिके ान जारी किया है जिसे मै पढकर सुनाता हू।

"The Ministry of Home Affairs, Government of India vide a Gazette notification dated October 27, 1997 (copy enclosed) has amended the Punjab university Act. vide above notification the membership of the Punjab University Senate in respect of the following has been permanently terminated."

जो ये मैने नाम बताये है उन सदस्यो के नाम रजिस्टर्ड काउंसिल के लिए डिलीट कर दिये गये है जिसके कारण पंजाब युनिवर्सिटी मे हरियाण प्रदे ा की दखलअंदाजी बिल्कुल खत्म हो गई है। क्या वर्तमान सरकार ने इसके बारे मे कोई एतराज किया है? क्योंकि केन्द्र मे गृह मंत्री अभी तो आडवाणी जी है क्या उनको इस बारे मे कोई रिप्रैजंटे ान दिया है उनको कोई रिक्वैस्ट की है कि हमारा क्लेज खत्म हो गया है?

िाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी ठीक कह रहे है। इस तरह का एक कम्यूनिके ान हमारे पास भारत सरकार का अया है उसके बाद 25तारीख को मै भारत सरकार के गृहमंत्री जी से मिलकर आया हूं तथा अगली चार तारीख को हम प्राईम मिनिस्टर महोदय से मिलने जा रहे है। इस बारे मे माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी भारत सरकार को लिखा है। हमने अपना प्रोटैस्ट दर्ज करा दिया है और मै इस सदन को आ वासन देता हूं कि हम इस मुददे को दुरुस्त करा लेंगे।

Mr. Speaker: Question is-

That Demand No. 9 of Rs. 13784817000 on account of Education and Roads be reduced by Rs. 1-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 7509302000- for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of Rs. 6275510000- already voted on account) in respect of charges under Demand No. 9-Education.

The motion was carried.

Demand No. 10

श्री सम्पत सिंह(फतेहाबाद): स्पीकर साहब, मै लम्बी चौडी बहस मे नही जाना चाहता। मै होस्पीटल मे दी जाने वाल

कंसे ानल मैडीसनज के बारे मे जिक करुंगा। वित मंत्री महोदय ने इस बजट मे स्वास्थय विभाग के लिए जो 8 करोड रुपये का प्राविजन रखा है उसके हिसाब से यह हरियाणा की दो करोड जनता को 4 रुपये प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से आता है। इसमे डाक्टर्ज के अपने जानने वाले रि तेदार भी है और हमारे जैसे वी0 आई0 पीज0 लोग भी है। फिर आप ही अनुमान लगा सकते है कि इतने थोडे बजट मे गरीब आदमी के हिस्से मे तो कुछ भी दवाई नही आयेगी। ये लोग ही बहुत बडी मात्रा मे मैडीसन ले जाएंगे और आम आदमी के हिस्से मे कुछ भी नही आयेगा। गरीबो को मैडीसंज न मिलने से प्राईवेट होस्पीटल वाले गरीब लोगो के भारीी को चीर फाड कर छोड देंगे। इसलिए मेरा कहना यह है कि चार रुपये प्रतिदिन के हिसाब से मैडीसन के लिए बजट रखना नाकाफी है।

Mr. Speaker: Question is-

That Demand No. 10 of Rs. 7727577000 on account of Medical and Public Health be reduced by Re. 1/-

The motion was lost.

That a sum not exceeding Rs. 3540770000 for revenue expenditure and Rs. 1097773000- for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of Rs. 2571147000- and capital expenditure amount of Rs.

516327000 already voted on account) in respect of charges under Demand No. 10- Medical & Public Health.

The Motion was carried.

Demand No. 11

Mr. Speaker: Question is-

That Demand No. 11 of rs. 515997000 on account of Urban Development be reduced by Re. 1/-

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 319464000- for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of Rs. 196533000- already voted on account) in respect of charges under Demand No. 11- Urban Development.

The motion was carried.

Demand No. 13

Mr. Speaker: Question is-

That Demand No 13 of Rs. 2699886000 on account of Social Welfare and Rehabilitation be reduced by Re. 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 1811715000 for revenue expenditure and Rs. 27836000- for capital

expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of Rs. 851171000- and capital expenditure amount of Rs. 9164000 already voted on account) in respect of charges under Demand No. 13- Social Welfare & Rehabilitation.

The motion was carried.

Demand No. 14

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 92654000 for revenue expenditure and Rs. 918379000- for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of Rs. 142117000- and capital expenditure amount of Rs. 3968447000 already voted on account) in respect of charges under Demand No. 14- Food & Supplies.

The motion was carried.

Demand No. 15

Mr. Speaker: Sampat Singh Ji,would you like to speak on it?

श्री सम्पत सिंह (फतेहाबाद): जी हां, अध्यक्ष महोदय, हम ने जो कट मो ान नं0 9 डिमांड नं0 15 पर दिया है, उसपर मै बोलना चाहता हू। यह सिंचाई विभाग का कट मो ान है।(विघ्न) अध्यक्ष महोदय, 12 मई 1994 को एक लम्बे अर्से से चले

आ रहे झगडे पर यमुना वाटर समझौता हुआ था। जब यह यमुना जल समझौता हुआ था तो इसका आपने भी विरोध किया था और हम ने भी विरोध किया था। हम ने क्या क्या किया होगा, वह बात अलग है लेकन चौधरी बंसी लाल जी ने उस वकत जो कुछ कहा था, वे सारी बाते अखबारो मे छपी थी। चौधरी बंसी लाल जी ने कहा था कि यमुना जल समझौता करके भजन लाल ने हरियाणा के साथ वि वास धात किया है। फिर ये बोले कि यमुन समझौता हरियाणा केहित मे नही है। and Bansi Lal demanded Bhajan Lal's sack. भजन लाल के भाासनकाल मे हरियाणा के हितो की बलि, यमुना जल समझौते से हरियाणा के हितो को आधात पहुंचा, At that time Bansi Lal had stated that Bhajan Lal has sold Haryana's interest, फिर इन्होने यह भी कहा था कि यमुना जल समझौता के विरोध मे हरियाणा विकास पार्टी असहयोग आंदोलन भाुरु करेगी। 5 जून को चौधरी बंसी लाल का जवाब आया था कि खुराना की धमकी के आगे भजन लाल ने घुटने टेक दिये। अध्यक्ष महोदय, इस विशय मे मेरा एक आंतरिक प्र न भी था कि क्या हरियाणा जल समझौता हुआ है तो क्या वह हमारे हित मे हुआ है? इस पर मुख्यमंत्री जी ने हां मे जवाब दिया हैं। मै पूछना चाहता हूं कि उस वक्त तो भजन लाल जी ने घुटने टेक दिये थे, अब क्या इन्होने भी घुटने टेक दिये है।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, ये बात का बतंगड बना रहे है। जो काम पिछली सरकार कर लेती है वही अगली सरकार पर लागू होते है क्योंकि गवर्नमैंट एक कंटीन्यूड

प्रोसैस है। 5 स्टेट्स के चीफ मिनिस्टर्ज ने बैठकर जो फैसला कर लिया हो, जो एग्रीमैंट उस समय हो गया हो, उससे हम बैक आउट कैसे कर सकते है?

Mr. Speaker: Question is-

That Demand No. 15 of Rs. 15324438000 on account of Irrigation be reduced by Re. 1/-

The motion was lost.

That a sum not exceeding Rs. 2333738000 for revenue expenditure and Rs. 3387828000- for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of Rs. 5744700000- and capital expenditure amount of Rs. 2478172000 already voted on account) in respect of charges under Demand No. 15- Irrigation.

The motion was carried.

Demand No. 16

Mr. Speaker: Question is-

That Demand No. 16 of Rs. 629182000 on account of Industries be reduced by Rs. 100000/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 295318000 for revenue expenditure and Rs. 149217000- for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of Rs. 143424000- and capital expenditure amount of Rs. 41183000 already voted on account) in respect of charges under Demand No. 16-Industries.

The motion was carried.

Demand No. 17

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला (नरवाना): अध्यक्ष महोदय, मै इस कट मो ान के माध्यम से कृशि मंत्री जी का ध्यान 3–4 एसे मामले जहां बडे मेजर स्तर पर सब स्टेण्डर्ड दवाईयां और खाद सरकारी महकमो के द्वारा हरियाणा के किसानो को दिए गए की तरफ दिलाना चाहूंगा। जिनमे से कुछ की इन्कवायरी करवाई गई। कुद आफिसर्ज के खिलाफ इस बारे मे इनकवायरी रिपोर्ट भी आ गई हैं। जींद मे भी इस तरह का एक मामला था जहां पर किसानो को तिलहन की फसल के लिए जिप्सम सबसीडाइजड रेट पर मुहैया नही करवाया गया। चनद लोगो ने इस बारे मे ि ाकायत की तो ए0 डी0 सी0 जींद ने 17–4–97 को उसकी इन्कवायरी करवाई जिसमे ये ि ाकायत सच पायी गई। ए0 डी0 सी0 जींद ने अपनी रिपोर्ट मे जो लिखा है उसकी चन्द लाईने मै आपको पढकर सुना देता हू। इसमे लिखा है कि ''उपरोक्त विवरण के आधार पर मै इस निश्कर्श पर पहुंचा हू कि समाचार पत्र मे इस

बारे मे प्रकाि ात समाचारो मे लगाए गए आरोपो मे सच्चाई है। ऐसा प्रतीत होता है कि जिले मे तिलहन फसलो को प्रोत्साहन देने के लिए भारत सरकार की 90 प्रति ात अनुदान लाभार्थियो के नाम पर या तो जिप्सम झूठा वितरित किया गया है या उसके नाम से प्राप्त करके उनके खेतो मे प्रयोग न करके दूसरे किसानो के खेतो मे प्रयेग हुआ है। इसके साथ साथ लाभार्थियो द्वारा योजना के अन्तर्गत अनुदान पर जिप्सम प्राप्त करके भी तिलहनी फसलो के लिए उपयोग किया जाना सुनिि चत नही हो पाया है।'' सर, इसमे कई लाख रुपये की हानि हुई। मैने इस सारे मामले के बारे मे इस इंक्वायरी रिपोर्ट के साथ एक पत्र लिखकर 6जून 1998 को मुख्यमंत्री जी को भेजा था लेकिन आज तक इसमे कोई कार्यवाही नही हुई। 3–4 ऐसे मामले है जिनके एफीडैविट मेरे पास है और जिनके बारे मे सरकार को लिखा गया है। लेकिन आज तक भी दोशी आफिसर्ज के खिलाफ सरकार ने कोई कार्यवाही नही की है।

Mr. Speaker: Question is-

That Demand No 17 of Rs. 2518751000 on account of Agriculture be reduced by Re. 1/-

The motion was lost.

That a sum not exceeding Rs. 1536667000- for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of Rs. 980934000- already

voted on account) in respect of charges under Demand No. 17-Agriculture.

The motion was carried.

Demand No. 18 to 20

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 515179000- for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of Rs. 481701000- already voted on account) in respect of charges under Demand No. 18-Animal Husbandry.

That a sum not exceeding Rs. 53376000- for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of Rs. 28407000- already voted on account) in respect of charges under Demand No. 19-Fisheries.

That a sum not exceeding Rs. 600054000- for revenue expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the amount of Rs. 222961000- already voted on account) in respect of charges under Demand No. 20-Forest.

The motion was carried.

Demand No. 21

Mr. Speaker: Question is-

That Demand No. 21 of Rs. 1284731000 on account of Urban Development be reduced by Re. 1/-

The motion was lost.

Demand No. 23

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाडी): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का जो समय दिया, उसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, मै डिमाण्ड नं0 23 पर अपने विचार प्रकट करना चाहूंगा। जो रिवाडी का बस अडडा है उसमे बरसात के दिनो मे पानी भर जाता है। उस पानी को बार निकालने की कोई व्यवस्था नही है। इसके अलावा मै एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि सरकार ने बेरोजगारो को रुट परमिट्स देने का वायदा किया था लेकिन रिवाडी जिले के किसी भी बेरोजगार नौजवान को पिछले दो साल के अन्दर एक भी रुट परमिट नही दिया गया है। इसके अलावा मै एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि जो मैक्सी कैब चल रही है वे बिना टैक्स भरे ही चल रही है। लगभग 10 हजार मैक्सी कैब ऐसी है जो बिना टैक्स दिए सडको पर घूम रही है ओर उनसे बहुत ज्यादा एक्सीडैंटस हो रहे है। सरकार ने यह खुद माना है कि 2597 मैक्सी कैब को रुट परमिट दिए गए है। मै कहना चाहूंगा कि जो बडे बडे नेता है उनकी वे मैक्सी कैब चल रही है। वे बकायदा बी0 जे0 पी0 के कार्यकर्ताओ की चल रही है। (ाोर) इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, एक बात मै यह भी कहना

चाहूंगा कि जो डीलक्स बसिज है उनकी बहुत बुरी कंडी ान है। मैने ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर से बार बार कहा है कि आप डीलक्स बसिज की सीट्स अच्छी बनाएं और कम्फरटेबल बनाएं। लोग इनमे किराया देकर सफर करते है लेकिन उनकी सीटें कम्फरटेबल न होने के कारण लोग उनमे बैठते नही बल्कि वे दूसरी बसो मे बैठते हैं।

Mr. Speaker: Question is-

That Demand No. 23 of Rs. 5463111000/- on account of Transport be reduced by Re 1/-

The motion was lost.

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 2864535000/- for revenue expenditure and Rs. 295933000 for capital expenditure be granted to the Governor to defray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of Rs. 2113066000 and capital expenditure amount of Rs. 185967000 already voted on account) in respect of charges under Demand No. 23-Transport.

The motion was carried.

Demand No. 24& 25

Mr. Speaker: Question is-

That a sum not exceeding Rs. 95000 for revenue expenditure and Rs. 28867000- for capital expenditure be granted to the Governor to dfray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 (excluding the revenue expenditure amount of Rs. 5375000- and capital expenditure amount of Rs. 13433000 already voted on account) in respect of charges under **Demand No. 24-Tourism**.

That a sum not exceeding Rs. 2478172000 out of Rs. 6057190000- already voted on account for capital expenditure be transferred to Demand No. 15 to defray charges that will come in the course of payment for the year 1998-99 under that Demand & balance amount of Rs. 3579018000- already stands on account under **Demand No. 25-Loan and Advances by State Government for the year 1998-99**.

The motion was carried

बिल्ज

(ii) हरियाणा सहकारी सोसायटी (सं ाोधन) विधेयह, 1998

Mr. Speaker: Now the Co-operation Minister will introduce the Haryana Co-operative Societies (Amendment) Bill, 1998 and he will also move the motion for its consideration.

Co-operation Minister (Shri Narbir Singh): Sir, I introduce the Haryana Co-operative Societies (Amendment) Bill, 1998.

Sir, I also move-

That the Haryana Co-operative Societies (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Co-operative Societies (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Co-operative Societies (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Caluse 2

Mr. Speaker: Question is-

The clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

The clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

The the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Co-operation Minister will move that the Bill be passed.

Co-operation Minister (Shri Narbir Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

कैप्टन अजय सिंह यादव (रिवाडी): स्पीकर साहब, इस संबंध मे मेरा सिर्फ इतना ही कहना है कि जो सिक कोओपरेटिव सोसायटीज है, उनको सरकार पहले खुद संभालने की कोि ा ा करे क्योंकि इनको सीधा प्राईवेट सैक्टर मे देना उनके व सरकार के हित मे नही होगा।

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

(ii) पंजाब नई राजधानी (परिधि) नियंत्रण (हरियाणा संशोधन) विधेयक, 1998

Mr. Speaker: Now the Town & Country Planning Minister will introduce the Punjab New Capital (Periphery) Control (Haryana Amendment) Bill, 1998 and will also move the motion for its consideration.

भाहरी संपदा मंत्री (सेठ सिरी किशन दास): अध्यक्ष महोदय, मै पंजाब नई राजधानी (परिधि) नियंत्रण (हरियाणा संशोधन) विधेयक, 1998 प्रस्तुत करता हू।

मै यह भी प्रस्ताव करता हू–

कि पंजाब नई राजधानी (परिधि) नियंत्रण (हरियाणा संशोधन) विधेयक, 1998 पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Punjab New Capital (Periphery) Control (Haryana Amendment) Bill 1998 Bill be taken into consideration at once.

श्री सम्पत सिंह (फतेहाबाद): अध्यक्ष महोदय, इस बिल की दो अमैडमैंटस पर मेरा ओब्जैक्शन है एक तो मेरा

आब्जैक ान इस बिल की सैक ान 2 की क्लाज चार पर है इसमे दिया है कि–

"Commissioner means the Commissioner and Secretary to Government, Haryana Town and County Planning Department.

पहले कमि नर मीन्ज कमि नर अम्बाला डिवीजन था और अब इसकी जगह कमि नर, टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग चण्डीगढ किया है। इस बिल के स्टेटमैंट आफ आब्जैक्टस एण्ड रीजन मे जो दिया गया है उससे बडी हैरानी होती है। इसमे लिखा है कि–

"That persons aggrieved by the decision of the Deputy Commissioner cum-Director, Town & Country Planning, Haryana may prefer an appeal to the Commissioner of the Ambala Division. However, it has been experienced that in the absence of expert advice, the Commissioner of the Division is not able to fully appreciate the provisions of the Act and the Rules."

पहले बात इसमे यह है कि उसको मालूम ही नही है कि उनके पास कोई असिस्ट करने वाला ही नही है। कमि नर टाउन एण्ड कन्ट्री प्लानिंग जो आया है, उसकी पोटिंग भी तो अम्बाला हो जाएगी और वह भी अम्बाला से यहां आ जाएगा इसका उसके पास कोई ऐसी असिसटैन्ट या उसके पास कोई एक्सपर्ट या उसकी अपनी कोई ओपीनियन नही है बल्कि यहां वाले कमि नर का ज्यादा ओपीनियर होगा। दूसरा इसमे लिखा है कि–

"Morever, the aggrieved persons have to go to Ambala for filling appeals. Hence there is a case to make the Commissioner and Secretary to Government, Haryana, Town and Country Planning Department the appellate authority instead of Divisional Commissioner by amending section 2 (4) of the Act."

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा से अम्बाला दूर है या चण्डीगढ। ये कह रहे है कि उनके लोगो के लिए वहां जाकर अपील दायर करना मुि कल होता है इसलिए अपील फाइल करने के लिए अप्राप्रिएट जगह अम्बाला ही ठीक है बजाय चण्डीगढ के। चण्डीगढ तो 50 कि0 मी0 आगे है। (विघ्न एवं भाोर)

सेठी सिरी कि ान दासः अध्यक्ष महोदय, ऐसा है कि यह चण्डीगढ के लिए है, यह चण्डीगढ के नजदीक है और यह चण्डीगढ से 16 कि0 मी0 अंदर रहेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, लेकिन वह इलाका तो हमारा है, तो हमारा पैरीफैरी एरिया है आप उसके लिए ही कह रहे है और उसी के लिए मै भी कह रहा हू। (विघ्न एवं भाोर) Speaker, Sir, I would like to quote Section 13A of Clause 8, Which is proposed to be inserted, which says as under:-

"Bar of jurisdiction-No civil court shall have jurisdiction to entertain or decide any question relating to matters falling under this Act or the rules farmed thereunder."

अध्यक्ष महोदय, क्या सिविल कोर्ट की जुरी ाडिक ान से भी इसको निकाल रहे है? एक आदमी जिसका यह फण्डामैंटल राईट है और अगर वह वहां न जाये तो यह ठीक नही है। इसलिए इस बारे मे जो क्लाज है अगर उसको सेठ जी नही मानते तो वे यह मान ले और इस क्लाज को निकाल दें।(विघ्न एवं भाोर)

सेठ सिरी कि ान दासः अध्यक्ष महोदय, लोग इसे नाजायज बनाते है, कोर्ट मे जाकर 10–10 साल तक उनका फैसला नही होने देते। अध्यक्ष महोदय, दीवानी की कोर्टस मे इस तरह के केसिज का 10–10 साल तक फैसला नही होता है और लोग कहते है कि पता नही हमें कहां बीच में फंसा दिया।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, क्या और अपीले कोर्ट मे नही जाती? जब और अपीले कोर्ट मे जाती है तो फिर यह अपील क्यो नही जा सकती या फिर दूसरी सारी अपीले वापिस ले ली जाएं।

Mr. Speaker: Question is-

That the Punjab New Capital (Periphery) Control (Haryana Amendment) Bill 1998 Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 5

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 6

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 6 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 7

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 7 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 8

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 8 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 9

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 9 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That the Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the Minister for Town & Country Planning will move that the Bill be passed.

नगर एवं आयोजना मंत्री (सेठ सिरी कि ान दास): अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करता हूं कि

बिल पारित किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed.

18:00 बजे

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी का ध्यान इस बिल की सैक ान 11 की क्लाज पांच की तरफ दिलाना चाहूंगा। इसमे प्रावधान किया गया है कि कन्व र्ान चार्जिज के पेमैंट पर परमि ान दे दी जाएगी चेन्ज आफ लैण्ड यूज की जो इसमे पहले नही थी। सर, इसमे 2 बाते है। एक बात पंजाब न्यू कैपिटल पैरीफेरी एक्ट है यह फिक्सड स्टैन्यूट नही है और जो फिक्सड स्टैच्यूट नही है उसमे से आप छोड सकते थे क्योंकि इस प्रकार का फीका प्रावधान पहले ही है, वह आप कर सकते थे इसलिए इस स्टैन्यूट का बेसिक परपज़ पैसा कमाना नही

है। अब जो मंत्री जी ने अमैडमैंट की है उसके माध्यम से यह अख्तियार एग्जैक्टिव को दिया गया है कि किसी प्रकार की कन्व र्शन आफ लैंड यूज मे परमि ान दे कर अपने मनमाने रेट पर पैसा इकट्ठा किया जाए। मेरे विचार से इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। इसी प्रकार से अगर मै आपका ध्यान स्टेटमैंट आफ आब्जैक्टस एण्ड रीजन्ज के पैरा–4 की तरफ दिलवाउ तो उसमे साफ लिखा है–

"Since there is no enabling provision in the Act to levy conversion charges for converting the land use within the controlled area, a suitable provision to levy conversion charges in the first part of Section 11 (1)is required."

सर, आपको याद होगा कि सरकार पिछले सत्र मे पंजाब भौडयूल्ड रोड्ज के अंदर भी इसी प्रकार की अमैडमैंट लेकर आई थी उस अमैडमैंट की वैद्यता आज अण्डर चैलेंज है। नानॅ फिस्कल स्टेच्यूट को अगर आप पैसा इकट्ठा करने का माध्यम बनाएंगे और दूसरे अगर आप सरकार को यह पूर्ण हक देंगे कि वह किसी प्रकार की लैण्ड यूज गेन करके उसमे से पैसा बनाए तो मेरे विचार से न यह प्रान्त के हित मे होगा और न ही इस सदन को यह बात माननी चाहिए। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि मंत्री जी इस पर पुनर्विचार करें।

Mr. Speaker: Question is

That the Bill be passed.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House is adjourned till 9:30 a.m on Wednesday, the 29th July, 1998.

6:03 P.M. (The Sabha then adjourned till 9:30 a.m on Wednesday, the 29th July, 1998)